दि ग्लोब

GLOBEN LE GLOBE EL GLOBO O GLOBO
DER GLOBUS द ग्लोब विश्व گلوب

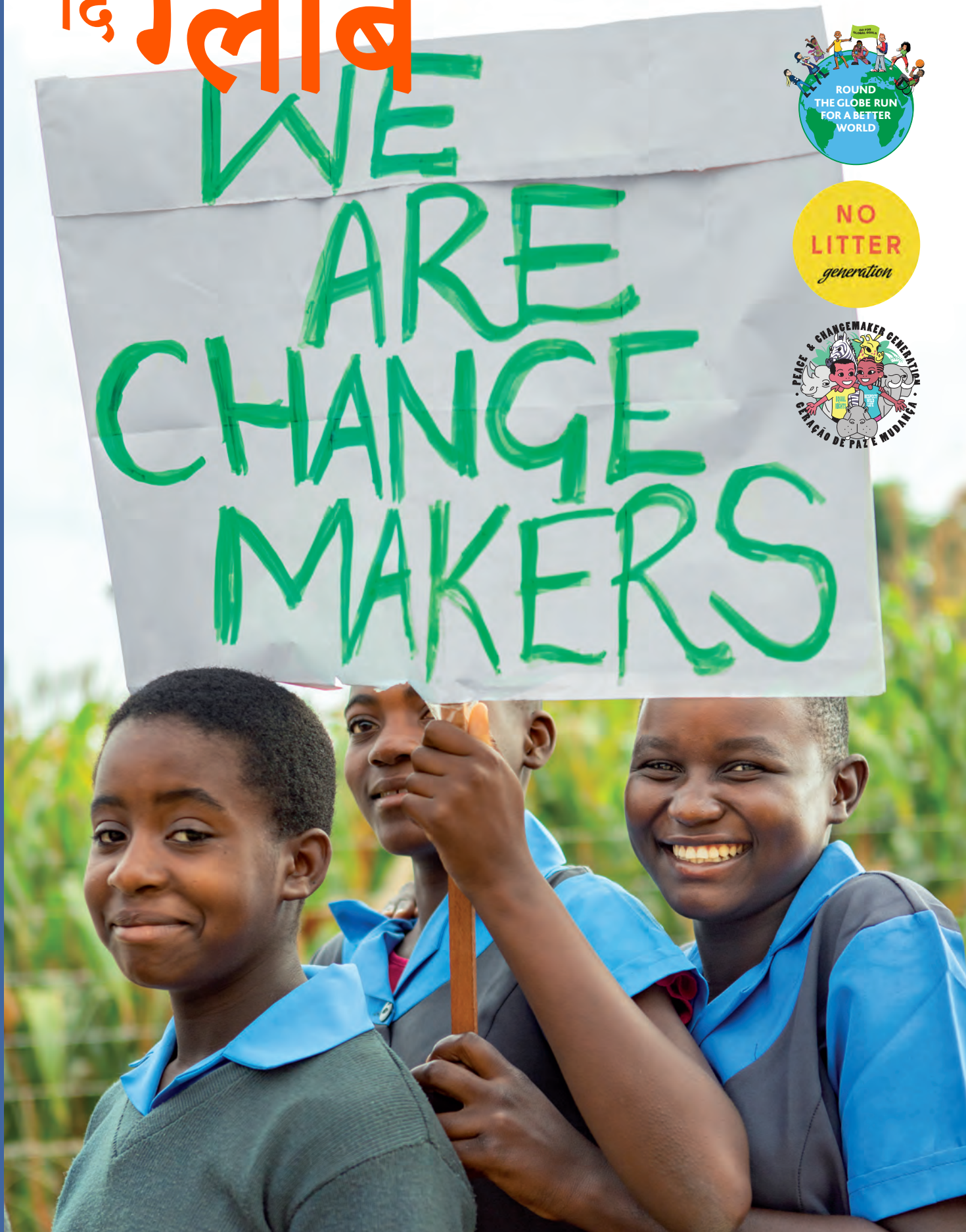

ROUND THE GLOBE RUN FOR A BETTER WORLD

NO LITTER generation

PEACE & CHANGEMAKER GENERATION
GERAÇÃO DE PAZ E MUDANÇA

विश्व बाल पुरस्कार पत्रिका #68/69 2020

WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

PREMIO DE LOS NIÑOS DEL MUNDO POR LOS DERECHOS DEL NIÑO

DER PREIS DER KINDER DER WELT FÜR DIE RECHTE DES KINDES!

बाल अधिकारकरा लागी विश्व बाल पुरस्कार

PRIX DES ENFANTS DU MONDE POUR LES DROITS DE L'ENFANT

PRÊMIO DAS CRIANÇAS DO MUNDO PELOS DIREITOS DA CRIANÇA

बाल अधिकारों हेतु विश्व बाल पुरस्कार

بچوں کے حقوق کے انعام کا عالمی پروگرام

विश्व बाल पुरस्कार
बाल अधिकारों के लिए

नोकूटेन्डा, मुनाशे और ब्लिस, जो मुरेहवा, जिम्बाब्वे के ह्यूरुंगवे प्राइमरी स्कूल में पढ़ते हैं, सभी डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं, अपना ज्ञान साझा करते हैं और परिवर्तन देखना चाहते हैं।

The lottery for a better world

Thanks! Tack! Merci ! ¡Gracias! Danke! Obrigado! CẢM ƠN ကျေးဇူး
!:مهرباني धन्यवाद நன்றி سپاس !شُكراً ขอบคุณ တၢ်ဘျုး !:شکریہ

• स्वीडन की महारानी सिल्विया • दि स्वीडिश पोस्टकोड लॉटरी • फारम सिड • सिडा • जूलिया एवं हैंस रौसिंग ट्रस्ट • महारानी सिल्विया केयर अबाउट दि चिल्ड्रेन फाउंडेशन • सर्वे फैमिली फाउंडेशन • क्राउन प्रिंसेस मारग्रेटा मेमोरियल फंड • स्पारबैंक फाउंडेशन रेकार्ने • पीस पार्कस फाउंडेशन • कीप स्वीडन टाइडी • स्वीडिश ओलम्पिक समिति • रोटरी जिला 2370 • रोटरी जिला 9350 एवं • रोटरी क्लब ऑफ क्लैरमॉन्ट

सभी बाल अधिकार प्रायोजक एवं दानकर्ता
• माइक्रोसॉफ्ट • गूगल • फोरसाइट समूह • द्विच हेल्थ कैपिटल • पूनामुस्ता • ग्रिपशाल्म कासेल प्रशासन • स्वेन्सका कुल्टुर पार्लर • आईसीए टारघैलेन • स्कोमेकारगार्डेन • रोडा मागासिनेट • लिल्ला अकादमीन

नमस्ते!

दि ग्लोब तुम्हारे और विश्व बाल पुरस्कार कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य सभी युवाओं के लिए है। यहाँ तुम सारे विश्व के मित्रों से मिलोगे, अपने अधिकारों के बारे में जानोगे और तुमको विश्व को अधिक बेहतर बनाने के लिए सुझाव मिलेंगे!

दि ग्लोब के इस अंक के लोग निम्नलिखित देशों में रहते हैं:

CHARLES DRAWIN

4 विश्व बाल पुरस्कार क्या है?
6 बाल अधिकार राजदूतों
किम और हस्सन की कहानी
12 बाल अधिकार क्या हैं?
14 कैसे हैं विश्व के बच्चे?
16 विश्व बाल पुरस्कार की बाल जूरी
21 लोकतंत्र की राह
24 सारे विश्व में डब्लूसीपी और ग्लोबल वोट
उन बच्चों से मिलो जो अपने हीरो एवं अधिकारों के लिए वोट देते हैं!
29 **इस वर्ष के बाल अधिकार हीरो**
30 मुरहाबाज़ी नामेगाबे, डीआर काँगो
48 अन्ना मोलेल, तन्ज़ानिया
45 जेम्स कोफी अन्नान, घाना
52 मलाला यूसुफज़ई, पाकिस्तान एवं ब्रिटेन
60 फायमीन नाउन, कम्बोडिया
68 मैनुअल राड्रिग्स, गीनि बिस्साऊ
76 रेचिल लॉइड, यूएसए
83 अशोक दयालचंद, भारत
90 वैश्विक लक्ष्य
92 दि राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड
96 नो लिटर जेनरेशन
कचरा एवं जलवायु परिवर्तन के बारे में
106 विश्व बाल पुरस्कार समारोह
106 हम विश्व बाल पुरस्कार के संरक्षक हैं
107 विश्व बाल पत्रकार सम्मेलन
108 पीस एंड चेंजमेकर जेनरेशन
बच्चों एवं जंगली जानवरों के अधिकारों के बारे में

प्रधान संपादक एवं कानूनी रूप से उत्तरदायी प्रकाशकः मैगनस बर्गमार **68-69 के अंकों के योगदानकर्ताः** एंड्रिअस लॉन, कार्मिला फ्लॉयड, जोहान बजर्के, जान-अके विनक्रिस्ट, चार्ल्स डार्विन, किम नेयलर, एब्राम विकलुन्ड, जोहाना हैलिन, एवेलीना फ्रेड्रिक्सन, एलिक्ज़ैन्ड्रा एल्लिस, ईवा-पिया वारलैंन्ड, बो ओहलेन, ब्रिट्ट-मैरी क्लैंग, तोरा मार्टेन्स, सोफिया मार्सेटिक, जोसेफ रॉड्रिग्स **अनुवादकः** सिमैन्टिक्स (अंग्रेजी, स्पैनिश), सिन्ज़िया गुएनियाट (फ्रेंच), ग्लेंडा कोलब्रांट (पुर्तगाली), प्रीति शंकर (हिंदी) **डिज़ाइनः** फिडेलिटी कवर **फोटोः** मैगनस बर्गमार **मुद्रकः** पूनामुस्ता ओए

दि ग्लोब को स्वीडन में फारम सिड द्वारा स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी' (सिडा) द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित किया जाता है। यह आवश्यक नहीं कि इसमें व्यक्त की गई हर राय से सिडा सहमत हो। उसका उत्तरदायित्व केवल लेखकों का है और कानूनी रूप से प्रकाशक का है।

दि ग्लोब बिक्री के लिए नहीं है!

World's Children's Prize Foundation
Box 150, SE-647 24 Mariefred, Sweden
Tel. +46-159-12900
info@worldschildrensprize.org
www.worldschildrensprize.org
facebook.com/worldschildrensprize
Insta@worldschildrensprize
youtube.com/worldschildrensprize
twitter@wcpfoundation

ISSN 1102-8343

विश्व बाल पुरस्कार

क्या तुम विश्व को एक बेहतर स्थान बनाने केलिए परिवतरनकतार बनना चाहते हो? विश्व बाल पुरस्कार या 'वल्डर चिल्ड्रेन्स पराइज' (डब्लूसीपी) कायक्र्रम को तुम्हारी सहायता करने दो। बाल अधिकार राजदूतों, बाल अधिकार नायकों तथा विश्व भर केअन्य बहादुर बच्चों के माध्यम से, तुम यह सीखोगेः

- करुणा
- हर वयिक्त का बराबर मूल्य
- बाल अधिकार
- मानवाधिकार
- लोकतंत्र कैसे काम करता है
- अन्याय, गरीबी, जातिवाद और उत्पीड़न केविरुद्ध कैसे अभियान चलाएं
- संयुक्त राष्ट्र केवैश्विक लक्ष्य, जो विश्व केदेशों द्वारा सहमत किये गए हैं जिससे सन् 3030 तक पयार्वरण की रक्षा की जा सकेऔर विश्व को एक बेहतर जगह बनाया जा सके

विश्व बाल पुरस्कार कार्यक्रम नवंबर 2019 से 1 जून 2020 तक चलता है।

एक परिवर्तनकर्ता बनो!

डब्लूसीपी के साथ, सभी लोगों के समान मूल्यों एवं अधिकारों के लिए खड़े हो! जहाँ तुम रहते हो और सारे विश्व में, अपनी आवाज सुनवाओ तथा वहां के सामाजिक जीवन को प्रभावित करो, अभी और भविष्य में। लाखों अन्य बच्चों के साथ, तुम एक अधिक दयालु विश्व बनाने में शामिल हो सकते हो, जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता हो, जहां बाल अधिकारों का सम्मान किया जाता हो और जहां लोग तथा पर्यावरण पनपते हों।

तुम्हारे देश में और पूरे विश्व में बाल अधिकार

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन सभी बच्चों पर हर जगह लागू होता है। क्या इस बात पर कोई घ्यान देता है, जैसे, तुम्हारे स्कूल में, कि तुम कहाँ रहते हो? क्या लड़कों और लड़कियों के समान अधिकार हैं? क्या तुम अपनी आवाज को उन मुद्दों पर सुनवा सकते हैं जो तुमको और तुम्हारे मित्रों को प्रभावित करते हैं? तुम्हारे देश में और विश्व भर में बच्चों के लिए स्थिति कैसे बेहतर हो सकती हैं? पता लगाओ कि विश्व के बच्चे कैसे हैं और डब्लूसीपी बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्यों के बारे में जानो, साथ ही बाल अधिकार राजदूतों तथा उन बच्चों के बारे में भी जिनके लिए वे लड़ते हैं।

पृष्ठ 6-20 पर देखो

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1 अप्रैल - एक बेहतर विश्व के लिए सारे विश्व में दौड़
16 अप्रैल - अपने वोट के परिणामों को दर्ज कराने के लिए अंतिम दिन
15 मई - नो लिटर दिवस*

नो लिटर जेनरेशन

नो लिटर दिवस 15 मई को आयोजित किया जाएगा। तुम और तुम्हारे मित्र कचरा उठाकर और अपने समुदायों में, हर बच्चे के स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्राप्त करने के अधिकार एवं जलवायु परिवर्तन के बारे में, बात करके यह प्रदर्शित कर सकते हो कि तुम नो लिटर जेनरेशन के हो।

पृष्ठ 96-105 पर और अधिक पता लगाओ

*नो लिटर दिवस 15 मई को है, लेकिन तुम इसे 11 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में किसी भी दिन मना सकते हो।

दि राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड

दि राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड 1 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। तुम और अन्य बच्चे, इस पर मीडिया, निर्णयकर्ताओं एवं अन्य वयस्कों से बात कर सकते हो कि तुम क्या बदलाव चाहते हो जिससे सन् 2030 तक वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। फिर विश्व भर के स्कूलों में, छात्र मानव श्रृंखलाएं बनाएंगे, जो तुम सबके द्वारा 3 किमी पैदल चल के या दौड़ के विस्तारित होंगी। सन् 2019 में, इन सभी श्रृंखलाओं को विश्व के 86 चक्करों के रूप में जोड़ा गया। इस बार, हम एक बेहतर विश्व के लिए 100 से अधिक चक्कर बनाने का प्रयास करेगें जिसके लिए हमें पर्याप्त बच्चों को इसमें सम्मिलित करना होगा!

पृष्ठ 92-95 पर देखो

क्या है ?

इस वार्षिक डब्लूसीपी कार्यक्रम में, 4 करोड़ 40 लाख बच्चे भाग ले चुके हैं और बाल अधिकारों, लोकतंत्र एवं वैश्विक लक्ष्यों के बारे में जान चुके हैं।

सतत् विकास के लिए वैश्विक लक्ष्य

तुम डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेते समय जो कुछ भी सीखते और करते हो, वह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लिए वैश्विक लक्ष्यों से जुड़ा है। यह 17 लक्ष्य हैं जिन्हें विश्व के देशों ने वर्ष 2030 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है, जिससे गरीबी कम हो, विश्व को निष्पक्ष बनाया जा सके और जलवायु परिवर्तन को रोका जा सके। बाल अधिकार हीरो और बहादुर बच्चे, परिवर्तनकर्त्ताओं के रूप में लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक हैं, उदाहरण के लिए, लड़कियों के समान अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं।

पृष्ठ 6-11, 30-89, 90-91, 92-105 एवं 108-109 पर देखो

बाल अधिकार हीरो

आठ बाल अधिकार हीरो में से किसी एक को तुम और लाखों अन्य बच्चों द्वारा 2020 दशक बाल अधिकार हीरो चुने जाने का अवसर है। सभी प्रत्याशी, बच्चों के लिए किए गए अपने शानदार प्रयासों के कारण, विश्व बाल पुरस्कार के पूर्व प्राप्तकर्ता हैं।

तुम पृष्ठ 30-89 पर उनके कार्य के बारे में तथा जिन बच्चों के लिए वे लड़ते है, उनके बारे में और अधिक पढ़ सकते हो

पृष्ठ 108-132 पर तुमको दक्षिण अफ्रीका में लिम्पोपो की 'शांति एवं परिवर्तनकर्ता पीढ़ी' के बच्चे मिलेंगे और जंगली पशु भी, जहां बाल अधिकारों का उल्लंघन होना तथा अवैध शिकार किया जाना साधारण बात है।

वो बड़ी घोषणा!

एक बार जब तुम्हारे वोट और लाखों अन्य बच्चों के वोटों की गिनती होती है, तब एक घोषणा की जाती है जिसमें यह पता चलता है कि नामांकित बाल अधिकार हीरो में से किसने सबसे अधिक वोट प्राप्त किए हैं और उसे दशक बाल अधिकार हीरो चुना गया है। स्वीडन और कई अन्य देशों में, बच्चे परिणामों को घोषित करने के लिए अपने स्वयं के प्रेस सम्मेलन आयोजित करते हैं। सभी बाल अधिकार हीरो को स्वीडन के मैरीफ्रेड शहर में ग्रिप्शॉल्म कासेल के एक समारोह में सम्मानित किया जाता है।

पृष्ठ 106-107

दि ग्लोबल वोट

एक बार जब तुम बाल अधिकारों तथा बाल अधिकार हीरो केबारे में सब कुछ जान लेते हो, तब लोकतंतर को इतिहास दवारा और परयोग में ला कर अध्ययन करने का समय आ गया है। फिर तुम ग्लोबल वोट में भाग लेने केलिए तैयार हो जाओगे। मतदान कक्षों, मतदान पेटियों और एक लोकतांतिरक चुनाव से संबन्धत सभी वस्तुओं को तैयार करो। मीडिया, माता-पिता एवं राजनेताओं को अपने स्वयं केमतदान दिवस पर आमंतिरत करो!

पृष्ठ 24-28 पर कुछ परेरणा लो

क्या तुमको पता है?

डब्लूसीपी कार्यक्रम सब लोगों के समान मूल्यों, बाल अधिकारों, लोकतंत्र एवं सतत् विकास पर, विश्व की सबसे बड़ी वार्षिक शैक्षिक पहल है।

आयु सीमा

डब्लूसीपी कार्यक्रम हर किसी के लिए उस वर्ष से खुला है जैसे ही वह दस वर्ष का हो जाता है और तब तक खुला रहता है जब तक वह 18 वर्ष का बना रहता है। बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन कहता है कि जब तक तुम 18 वर्ष के नहीं हो जाते तब तक तुम बच्चे हो। नीचे की आयु सीमा के कई कारण हैं। ग्लोबल वोट में भाग लेने में सक्षम होने के लिए, तुमको तीनों बाल अधिकार हीरो के कार्यों के बारे में सब कुछ जानना आवश्यक है। जिन बच्चों के लिए वे लड़ते हैं, उनके अक्सर भयानक अनुभव रहे होते हैं। उनकी कहानियाँ छोटे बच्चों को भयभीत कर सकती हैं। उनकी कहानियाँ बड़े बच्चों में प्रश्नों तथा कड़ी प्रतिक्रियाओं को भी उकसा सकती हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि डब्लूसीपी कार्यक्रम पर काम करते समय तुम्हारे पास बात करन के लिए वयस्क हों।

बाल अधिकार राजदूतों
किम और हस्सन की कहानी

किम और हस्सन, दोनों 13, जिम्बाब्वे में मुरेहवा के हुरुंगवे प्राइमरी स्कूल में थे, जब वे डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बने। उन्होंने मुरेहवा में बहुत से बच्चों - और वयस्कों को - बाल अधिकारों, लड़कियों के समान अधिकारों तथा वैश्विक लक्ष्यों के बारे में पढ़ाया है। डब्लूसीपी कार्यक्रम में उनकी कहानी इस प्रकार है।

ABRAM VIKLUND/WCPF

"मैं प्रातः चार बजे उठ कर पानी लेने चली जाती हूं, उसके बाद मैं आग जलाती हूं। फिर मैं पोंछा लगाती हूं और बर्तन धोती हूं। हम नाश्ते में दलिया खाते है और कभी-कभी उसमें थोड़ा मूंगफली का मक्खन डाल लेते हैं।"

"पाँच बजे मैं स्कूल जाने के लिए पैदल चलना शुरू करती हूं। पहले मैं अकेली होती हूं और अजनबी लोगो को देख कर मुझे डर लगता है। अन्य लड़कियों के साथ स्कूल जाते समय बलात्कार किया जा चुका है। पर कुछ समय बाद मेरे मित्र पैदल चलने में शामिल हो जाते हैं और फिर मैं सुरक्षित महसूस करती हूं।"

"मैं डेढ़ घंटे पैदल चलने के बाद स्कूल पहुँचती हूँ। पहले यदि हमें स्कूल पहुँचने में देर हो जाती थी तो हमारी हथेली पर छड़ी से मार कर सज़ा मिलती थी, लेकिन अब सज़ा के रूप में कचरा उठाना होता है।"

"जब तक मैं कक्षा 5 में नहीं पहुंच गई तब तक मुझे यह नहीं पता था कि लड़कियों और लड़कों के समान अधिकार होते हैं। मैंने दि ग्लोब को पढ़ा और उसी से यह बात जानी। अक्सर जब अंधेरा हो जाता है तब हमारे घर में कोई लाइट नहीं होती, लेकिन जब हमारे पास मिट्टी का तेल होता है तब मैं शाम को अपना होमवर्क कर सकती हूं और दि ग्लोब भी पढ़ सकती हूं।"

किम

ABRAM VIKLUND/WCPF

"मैं अपनी दो बड़ी बहनों के साथ रहता हूँ। जब मैने डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनने का प्रशिक्षण लिया था तब मैंने लड़कियों के समान अधिकारों के बारे में जाना। यह एक बालिका के अधिकारों का उल्लंघन है कि उसे बाल विवाह करने के लिए मजबूर किया जाए, उससे घर के सारे काम कराये जाएं, उसे स्कूल जाने से रोका जाए या उसकी राय नहीं सुनी जाए। कई माता-पिता अपने बेटों को अधिक महत्व देते हैं, और यदि हम लड़के छोटे होते हैं फिर भी हम अपनी बड़ी बहनों को काम बता सकते है। यह बिलकुल गलत है!"

"क्योंकि लड़कियों के अधिकारों का सदैव उल्लंघन किया गया है और लड़कों के अधिकारों की सदैव रक्षा की गई है, इसलिए मैंने एक बाल अधिकार राजदूत बनने का निर्णय लिया है जो लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़े। मैं हमेशा दूसरे लड़कों से कहता हूं कि उन्हें लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।"

"worldschildrensprize.org/wcpstory पर तुम किम और हस्सन के साथ डब्लूसीपी कार्यक्रम पर वीडियो फिल्म (30 मिनट की) देख सकते हो और उसे डाउनलोड कर सकते हो।"

TEXT & PHOTO: MAGNUS BERGMAR

"हुरुंगवे प्राइमरी स्कूल में हममें से पचास बच्चों को प्रशिक्षित किया गया और उन्हें विश्व बाल पुरस्कार बाल अधिकार राजदूत का डिप्लोमा दिया गया। हम हर सप्ताह, स्कूल में, एक पेड़ के नीचे मिलते हैं। हम अपने अधिकारों तथा वैश्विक लक्ष्यों के बारे में और अधिक पढ़ते हैं और इस पर चर्चा करते हैं कि कैसे अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचा जा सकते हैं।"
किम

"**हम दि ग्लोब** को मिलकर पढ़ते हैं और उसकी कहानियाँ हमें बहुत कुछ सिखाती हैं।"
किम

"बाल अधिकार राजदूतों के रूप में हमारे लक्ष्य में अन्य बच्चों को शिक्षित करना शामिल है जिससे वे अपने अधिकारों और पर्यावरण के बारे में अधिक जानें। हम आमतौर पर उनसे उनके माता-पिता और पड़ोसियों को भी उनके अधिकारों के बारे में बताने के लिए कहते हैं।"
किम

"अब हम वैश्विक लक्ष्य 13 के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन पर है। क्या तुम इसका उदाहरण दे सकते हो कि इसमें किसका योगदान है, और इसके प्रभाव क्या हैं?"
हस्सन

"कभी-कभी हमारा इंटरनेट काम करता है और तब हम डब्लूसीपी वेबसाइट देख सकते हैं, लेकिन हम उस पर काम नहीं कर सकते।"
हस्सन

सबके अधिकार!

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में जिन लड़कियों से किम ने मुलाकात की है, उनमें से एक रुटेन्डो है। किम ने उसे बताया कि बाल अधिकार और लड़कियों के समान अधिकार सबके लिए हैं। लेकिन रुटेन्डो के अनेक अधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है।

"मैं अक्सर उन लड़कियों से मिलती हूं जिन्हें बाल विवाह करने में मजबूर किया गया है या उनके अधिकारों का उल्लंघन किया गया है। मैं उन्हें उनके अधिकारों के बारे में बताती हूं और उन्हें सशक्त करने की कोशिश करती हूं। अक्सर उनकी जिन्दगियां बहुत दुखद होती है जिनको बदलना आसान नहीं होता।"
किम

"जब मैं सात साल की थी और कक्षा एक में, तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई। हमारा जीवन बहुत कठिन हो गया। हम अक्सर पूरे दिन बिना भोजन के रह जाते थे।"

"स्कूल के अन्य बच्चे मुझे चिड़ाते थे और मुझे गरीब कहते थे। हम अपनी स्कूल का शुल्क नहीं दे पाए और शिक्षक ने मुझे वापस घर भेज दिया। यह प्रति वर्ष दोहराया जाता था। मैं हर सुबह रोती थी जब मैं अपने दोस्तों को स्कूल जाते देखती थी।"

हम एक साथ रोये

"दस साल की आयु में मैं अपनी चाची के यहाँ चला गयी। मुझे पोंछा लगाना, कपड़े धोना, खाना पकाना पड़ता था और पानी तथा चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी लानी पड़ती थी। लेकिन मुझे स्कूल नहीं जाने दिया जाता था।"

"जब मैं बारह वर्ष की थी, तब मेरी समझ में आया कि मेरी चाची के पति ने मेरी माँ से कहा था कि वह उसकी दूसरी पत्नी के रूप में मुझसे शादी करना चाहता था और मेरी माँ मान गई थी।"

"जब वो आदमी मेरी माँ को 300 जिम्बाब्वे डॉलर देने गया था, तब मेरी चाची ने मुझसे कहाः अब से तुमको वही करना है जो तुम्हारे चाचा तुमसे कहते हैं।"

"यह बहुत दर्दनाक था। मैं हर दिन रोया करती थी और आत्महत्या करने की सोचती थी।"

"जब मैंने माँ से पूछा कि उसने ऐसा क्यों होने दिया, तो वह भी रोयी। उसने कहा कि उसके लिए नहीं कहना संभव नहीं था क्योंकि मेरे चाचा ने मेरे तीन छोटे भाई-बहनों की स्कूल की फीस दी थी।"

"मेरी सबसे अच्छी दोस्त 'प्रेशस' ने मुझे भाग जाने और पुलिस में मेरे चाचा की शिकायत दर्ज करने के लिए कहा, लेकिन मैंने हिम्मत नहीं की।"

बहुत दर्दनाक

"जब मैं तेरह साल की थी तब मेरे चाचा ने मुझ पर स्वयं को गिरा दिया, और जब तक मैं पंद्रह साल की हुई तब तक मैं अपने दूसरे बच्चे के लिए गर्भवती हो गई।"

"मेरा जीवन बहुत बुरा हो गया, और जब मेरे चाचा ने अपनी तीसरी पत्नी से शादी की, तो मेरी दादी मुझे लेने आ गईं। अब मैं उसके और अपने दादा के साथ रहती हूं।"

"जब मैं अपनी दोस्तों को स्कूल जाते देखती हूं तो मुझे बहुत बुरा लगता है, इसके बजाए मुझे अपने दो बेटों की देखभाल करनी होती है और अन्य लोगों के घरों में जा कर काम करना पड़ता है। मुझे एक दिन में तीन जिम्बाब्वे डॉलर मिलते हैं। यह केवल एक पैकेट नमक खरीदने के लिए पर्याप्त है।"

"मेरा सपना फिर से स्कूल शुरू करना है और एक दिन वकील बनने का है क्योंकि मैं अन्य बच्चों की सहायता करना चाहती हूं जिनके अधिकारों का मेरी तरह उल्लंघन हुआ है। लेकिन मैं एक ड्रेसमेकर बनना भी पसंद करूंगी।"

एक समूह अपना मतदान देने के संकेत देता है।

एक अन्य समूह मतपत्र पेटी बनाता है।

एक तीसरा समूह मतदान कक्ष बनाने के लिए मक्का के पेड़ की डंडियों से बनी दीवारें तैयार करता है।

"ग्लोबल वोट हम बच्चों के अधिकारों के लिए हमारा अपना वोट है। साथ ही, हम सीखते हैं कि लोकतंत्र कैसे काम करता है। हम अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को जान चुके होते हैं जब हम अन्य चुनावों में मतदान करने आते हैं। एक बार जब हम दि ग्लोब द्वारा बाल अधिकार. हीरो के बारे में जान लेते हैं, तो हम अपने स्वयं के ग्लोबल वोट का आयोजन करते हैं। हम मतपत्र तैयार करते हैं, तथा मतदान कक्ष एवं मतदान पेटीयां बनाते हैं।"
हस्सन

हुरुंगवे प्राइमरी स्कूल में मतदान की कतार लंबी है।

हर किसी को चुनाव रजिस्टर द्वारा जांचा जाता है और मतदान कक्ष में अपना गुप्त मतदान देने के लिए समय से पहले एक मत पत्र दिया जाता है।

"एक बार बाल अधिकार हीरो तथा बाल अधिकारों के लिए उनके मतों को मतदान पेटी में डाल दिया जाता है, तब उनके नाखूनों में से एक को मार्कर पेन से रंग दिया जाता है जिससे कोई धोखा देकर दोबारा मतदान नहीं दे सके।"

"बाल अधिकार राजदूतों के रूप में हमें पारंपरिक नेताओं को अपने विचारों और बाल अधिकारों एवं पर्यावरण पर तथ्यों को बताना चाहिए। मैं सदैव ऐसा करने में थोड़ा घबराता हूं, क्योंकि उनके लिए हमारे मन में बहुत सम्मान है। हम जानते हैं कि उनकी सहायता से हम लड़कियों के समान अधिकारों और पर्यावरण के लिए परिवर्तनकर्ताओं के रूप में बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं।"
हस्सन

"किम्बरले और मैं यहां तुम्हारे साथ बाल अधिकारों, जलवायु परिवर्तन, लड़कियों के अधिकारों और वैश्विक लक्ष्यों के बारे में अपने ज्ञान को साझा करने के लिए यहां मौजूद हैं। जिम्बाब्वे ने विश्व के अन्य देशों के साथ वैश्विक लक्ष्यों पर हस्ताक्षर किए ताकि हमारा देश बेहतर हो सके। क्या तुम जानते हो कि लड़कियों और लड़कों के समान अधिकार हैं? लड़कियों को अपनी शिक्षा पूरी करने देना चाहिए जैसे लड़के करते हैं। हम बाल अधिकार राजदूतों के रूप में कहते हैं: चलो, बाल विवाह रोकें, क्योंकि यदि तुम एक बालक का विवाह करते हो, तो यह एक अपराध है!"
हस्सन

"तुम सभी को गुड मार्निंग। आज हम 'राउंड दि ग्लोब रन फार ए बेटर वर्ल्ड'में तुम्हारा स्वागत करते हैं, जहाँ हम विश्व भर के बच्चों से जुड़ेंगे। आज हम वैश्विक लक्ष्यों के बारे में बात करेंगे।"
हस्सन

"यह जानकर अच्छा लगा कि हम विभिन्न देशों में अनेकों बच्चों के साथ जुड़ रहे थे, सभी वश्विक लक्ष्यों के प्रति एक ही समय पर अपना समर्थन दिखा रहे थे। हम सभी को अपने देशों को बदलने में शामिल होना चाहिए और जिम्बाब्वे तथा विश्व भर में बहुत बदलाव लाना चाहिए।"
किम

जलवायु परिवर्तन से लड़ो

लड़कियाँ के अधिकारों रक्षा करो

किम और हस्सन उस कचरे का वजन लेते हैं जो उन्होंने एकट्ठा किया है।

"हम यहां नो लेटर जेनरेशन की आवश्यकता की बात करने के लिए इकट्ठा होते हैं। चलो हम कूड़ेदान में कचरा फेंक कर परिवर्ताकर्ता बनना शुरू करें। नो लिटर जेनरेशन हमें जलवायु परिवर्तन के बारे में भी बताता है और इसे बदलने के लिए हम सब को इस कार्रवाई में भाग लेना होगा। जिम्बाब्वे में हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अन्यथा यहां सूखा और बाढ़ दोनों बढ़ेंगे।"
हस्सन

TEXT & PHOTO: MAGNUS BERGMAR

मुरेहवा में हुरंगवे प्राइमरी स्कूल के बाल अधिकार राजदूतों ने 'राउंड दि ग्लोब रन फार ए बेटर वर्ल्ड' में भाग लिया। इस प्रकार से यह समाचार आइटम शूरू हुआ जिसे ZBC समाचार पर आठ बार दिखाया गया, जिसमें किम ने कहाः "हम वयस्कों से कहते हैं कि लड़कियों और लड़कों के साथ एक जैसा व्यवहार करना चाहिए, और हमारे समान अधिकार हैं।" समाचार आइटम में यह भी कहा गयाः "बाल अधिकार राजदूत कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन विश्व में बाल अधिकारों के लिए सबसे बड़ा खतरा है।"

"हमें पुलिस से मदद मिली, जिन्होंने हमारे मार्च के दौरान कारों को रोक दिया।"

स्वीडन में डब्लूसीपी समारोह
"जैसा कि तुम सभी समझ चुके हो, किम और मैं कई मायनों में विश्व बाल पुरस्कार कार्यक्रम और दि ग्लोब को अपने सशक्तिकरण के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। हम परिवर्तनकर्ता हैं जो बिक्री के लिए नहीं हैं - अभी न कभी! प्रिय मंत्री एरिकसन, यदि आप परिवर्तन देखना चाहते हैं, तो हम पर भरोसा करें! जिम्बाब्वे में हममें से बहुत बच्चे हैं जो डब्लूसीपी कार्यक्रम का भाग बनना चाहते हैं!"
हस्सन

"हजारों डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों और डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेने वाले लाखों बच्चों की ओर से, हासन और मैं, अब जब कि विश्व बाल पुरस्कार समारोह समाप्त होने जा रहा है, आज हम बच्चों की सहायता करने के लिए, राजकुमारी सोफिया को धन्यवाद देना चाहेंगे!"
किम

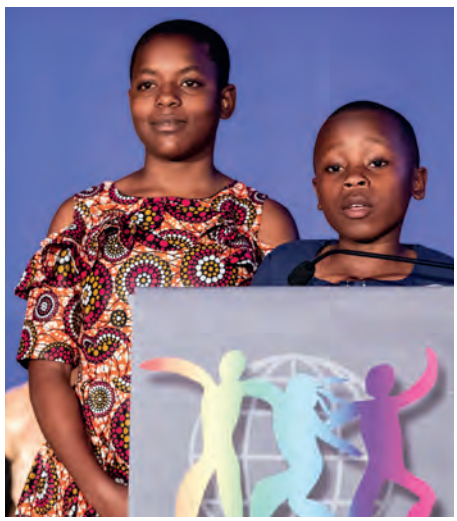

CHRISTINE OLSSON/WCPF

CHRISTINE OLSSON/WCPF

ABRAM VIKLUND/WCPF

"सोने से पहले, मैं अक्सर अपने भविष्य के बारे में सोचता हूं। मैं एक न्यायाधीश बनना चाहता हूं जिससे मैं उन मामलों में निर्णय ले सकूं जहां बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।"
हस्सन

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन की 30वीं वर्षगांठ का जश्न मनाएं

Fira barnets rättigheter

Célèbre les droits de l'enfant

Celebre os Direitos da Criança

जब तक तुम 18 वर्ष के नहीं हो जाते, तब तक तुम्हारे और सभी बच्चों के अपने बाल अधिकार होते हैं। यह अधिकार तुमको *बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन* ही देता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका* को छोड़कर विश्व के सभी देशों ने कन्वेन्शन का पालन करने का वचन दिया है। उन्हें सदैव पहले बच्चों के सर्वोत्तम हित रखने चाहिए, और तुम्हें जो कहना है उसे सुनना चाहिए।

कन्वेन्शन के मूल विचारः

- सब बच्चे समान हैं और उनके समान अधिकार हैं।
- हर बच्चे को अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का अधिकार है।
- हर बच्चे को दुरुपयोग और शोषण से सुरक्षा का अधिकार है।
- हर बच्चे को अपनी राय व्यक्त करने और सम्मानित होने का अधिकार है।

कन्वेन्शन क्या है?

यह कन्वेन्शन एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, देशों के बीच एक अनुबंध है। बाल अधिकारों पर कन्वेन्शन, मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के छह कन्वेन्शनों में से एक है।

30वीं वर्षगांठ मनाओ

20 नवंबर 2019 को, *बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन* ने अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। 1989 में इसी दिन, संयुक्त राष्ट्र ने कन्वेन्शन को अपनाया।

*यूएसए ने कन्वेन्शन पर हस्ताक्षर किये हैं, लेकिन वह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन में अधिकारों की एक लंबी सूची है जो विश्व के हर बच्चे पर लागू होती है। इसे अनुच्छेदों में विभाजित किया गया है। इन 54 अनुच्छेदो में से कुछ के बारे में हैः

अनुच्छेद 1
ये अधिकार विश्व में 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों पर लागू होते हैं।

अनुच्छेद 2
सभी बच्चों के समान अधिकार हैं और उनके साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

तुम्हारी उपस्थिति के कारण किसी को भी तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए, तुम्हारी त्वचा का रंग, तुम्हारा लिंग, तुम्हारी भाषा, तुम्हारा धर्म या तुम्हारी राय।

अनुच्छेद 3
जब वयस्क, बच्चों को प्रभावित करने वाले निर्णय लेते हैं, तो उन्हें सोचना चाहिए कि बच्चे के सर्वोत्तम हित में क्या है।

राजनेताओं, अधिकारी और अदालतों को विचार करना चाहिए कि उनके फैसले बच्चों को कैसे प्रभावित करते हैं, चाहे वह एक बच्चा हो या कई।

अनुच्छेद 6
तुमको जीने का अधिकार है, और विकसित होने का भी।

अनुच्छेद 7
तुमको एक नाम और एक राष्ट्रीयता मिलने का अधिकार है।

अनुच्छेद 9
जब तक तुम्हारे माता-पिता तुम्हारे साथ बुरा न करें, तब तक तुमको उनके साथ रहने का अधिकार है।

अनुच्छेद 12-15
तुमको यह कहने का अधिकार है कि तुम क्या सोचते हो। तुम्हारी राय तुमसे संबंधित सभी मामलों में - घर पर, स्कूल में और अधिकारियों और अदालतों द्वारा सम्मानित की जानी चाहिए।

अनुच्छेद 18
तुम्हारे पालन-पोषण और विकास के लिए तुम्हारे माता-पिता संयुक्त रूप से उत्तरदायी हैं। उन्हें सदैव अपने हितों को पहले रखना चाहिए।

अनुच्छेद 19
तुमको हिंसा, उपेक्षा, दुषकर्म और दुर्व्यवहार के सभी रूपों से सुरक्षा का अधिकार है। तुम्हारा अपने माता-पिता या अन्य अभिभावकों द्वारा शोषण नहीं किया जाना चाहिए।

अनुच्छेद 20-21
यदि तुम अपना परिवार खो चुके हैं तो तुम देखभाल प्राप्त करने के हकदार हो।

अनुच्छेद 22
यदि तुम एक शरणार्थी हैं, तो तुमको सुरक्षा और सहायता मिलने का अधिकार है। यदि तुम एक नए देश में हो, तो तुम्हारे भी वही अधिकार हैं जो वहीं के अन्य बच्चों के हैं। यदि तुम अकेले पहुंचते हो, तो तुमको अपने परिवार के साथ पुनर्मिलन के लिए सहायता दी जानी चाहिए।

अनुच्छेद 23
सभी बच्चों को एक अच्छी ज़िन्दगी मिलने का अधिकार है। यदि तुमको किसी प्रकार की विकलांगता है तो तुमको अतिरिक्त समर्थन एवं सहायता मिलने का अधिकार है।

अनुच्छेद 24
यदि तुम बीमार हाते हो, तो तुमको सब तरह की सहायता और देखरेख मिलने का अधिकार है जिसकी तुमको आवश्यकता पड़े।

अनुच्छेद 28-29
तुमको स्कूल जाने और महत्वपूर्ण चीजों के बारे में जानने का अधिकार है, जिसमें मानव अधिकारों के लिए सम्मान, अपनी स्वयं की एवं अन्य संस्कृतियों तथा सभी लोगों के समान मूल्य सम्मिलत हैं।

अनुच्छेद 30
हर बच्चे के विचारों और विश्वासों का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि तुम अल्पसंख्यक हो, तो तुमको अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और अपना धर्म पालन करने का अधिकार है।

अनुच्छेद 31
तुमको खेलने, आराम करने तथा खाली समय बिताने, और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है।

अनुच्छेद 32
तुमको खतरनाक काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो तुम्हारी स्कूली शिक्षा को रोकता है और तुम्हारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है।

अनुच्छेद 34
किसी को भी तुम्हारे साथ दुश्कर्म नहीं करना चाहिए न ही तुमको व्यावसायिक यौन शोषण में जबरदस्ती धकेलना चाहिए। यदि तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार किया जाता है, तो तुमको सुरक्षा और सहायता मिलने का अधिकार हैं।

अनुच्छेद 35
किसी का तुम्हारा अपहरण करने या तुमको बेचने का अधिकार नहीं है।

अनुच्छेद 37
किसी को भी तुम्हें क्रूर और हानिकारक तरीके से दंडित नहीं करना चाहिए।

अनुच्छेद 38
तुमको कभी भी सैनिक बनने या सशस्त्र संघर्ष में भाग लेने की आवश्यकता नहीं है।

अनुच्छेद 42
तुमको अपने अधिकारों के बारे में जानकारी और ज्ञान प्राप्त करने का अधिकार है। माता-पिता एवं अन्य वयस्कों को बाल अधिकारों पर सम्मेलन के बारे में पता होना चाहिए।

worldschildrensprize.org /childrights पर और पता लगाओ

शिकायत करने का अधिकार!

जिन बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया हो, वे 'बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति' के पास सीधे शिकायत दर्ज कर सकते हैं, यदि उन्हें अपने देश में सहायता नहीं मिलती। यह बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन के लिए एक अपेक्षाकृत नए प्रोटोकॉल (नवाचार) केकारण संभव हो सका है। जिन देशों ने प्रोटोकॉल को मंजूरी दे दी है, उनकेबच्चों को अपने अधिकारों पर अपनी आवाज सुनवाने का एक बेहतर अवसर मिला है। स्वीडन ने अभी तक प्रोटोकॉल को मंजूरी नहीं दी है। तुम और तुम्हारे मित्र अपने राजनेताओं से संपर्ककरकेऐसा करने की मांग कर सकते हैं।

कैसे हैं विश्व के बच्चे?

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की पुष्टि करने वाले सभी देशों ने बाल अधिकारों का सम्मान करने का वचन दिया है। फिर भी, सभी देशों में इन अधिकारों का उल्लंघन किया जाना साधारण बात है।

जीने और स्वयं का विकास करने का अधिकार

तुमको जीने का अधिकार है और स्वयं का विकास करने का अधिकार है। तुमको एक अच्छा स्वास्थ्य होने का अधिकार है, और यदि तुम बीमार होते हो, तो तुमको सहायता मिलने का अधिकार है। भोजन की कमी, साफ पानी और अच्छी स्वच्छता की कमी अनेको बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। विश्व में, खराब परिस्थितियों के कारण, जन्म हाने के पहले 24 घंटों में ही, प्रति वर्ष, दस लाख बच्चे मर जाते हैं।

विश्व में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में, के 7 बच्चों में से 1, कुपोषित हैं। यह ज़िन्दगी भर उनके विकास को प्रभावित करता है। विश्व में, पाँच वर्ष की आयु तक पहुँचने से पहले, प्रति दिन 15,000 बच्चे मर जाते हैं। गरीब देशों में, निमोनिया, डायरिया, टेटनस एवं एड्स जैसी बीमारियों के कारण, जिनको रोका जा सकता है, सबसे छोटे बच्चों में से आधे से अधिक बच्चों की मृत्यु हो जाती है। मलेरिया से पीड़ित बच्चों में, 10 में से 5 का ही उपचार हो पाता है, और सबसे गरीब मलेरिया वाले देशों में, केवल 10 में से 5 बच्चे मच्छरदानी के अंदर सो पाते हैं। पर 1990 के बाद से, बहुत सुधार हुआ है: वैश्विक शिशु मृत्यु दर आधी से अधिक, कम हुई है!

नाम एवं राष्ट्रीयता

जब तुम पैदा होते हो, तब तुमको एक नाम मिलने और अपने देश के नागरिक के रूप में पंजीकृत होने का अधिकार मिलता है।

विश्व में प्रति वर्ष लगभग 14 करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। इनमें से 1 से 3 बच्चे कभी पंजीकृत नहीं होते। उनके पास विश्व में जीवित होने का कोई लिखित प्रमाण नहीं होता। इससे उनका स्कूल में दाखिला करने या डॉक्टर को दिखाने में कठिनाई हो सकती है!

विकलांगताएं

यदि तुम्हारे में किसी प्रकार की विकलांगता है, तब भी तुम्हारे अन्य लोगों के समान अधिकार हैं। यदि तुमको सुनने में परेशानी होती है, बहरे हो या किसी अन्य प्रकार की विकलांगता है, तो तुमको समर्थन प्राप्त करने का अधिकार है जिससे तुम समाज में एक सक्रिय भूमिका निभा सको। विकलांग बच्चे समाज में सबसे वंछित होते हैं। कई देशों में उन्हें स्कूल जाने नहीं दिया जाता। बहुतों को हीन माना जाता है और उन्हें छिपा कर रखा जाता है।

विश्व में लगभग 20 करोड़ बच्चे विकलांग हैं।

बाल श्रम

तुमको आर्थिक शोषण एवं उन कार्यों से स्वयं को बचाने का अधिकार है जो तुम्हारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हों या जो तुम्हारे स्कूल जाने को बाधित करते हों। बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए कोई भी काम करना वर्जित हैं।

विश्व के कुछ सबसे निर्धन देशों में, लगभग 4 में से 1 बच्चे को मजबूर होकर काम करना पड़ता है। उनमें से अधिक्तर जो काम करते हैं, वह उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य, विकास एवं शिक्षा के लिए हानिकारक है। लगभग 55 लाख बच्चों को बाल श्रम के सबसे बुरे रूपों में मजबूर किया जाता है, जैसे कि ऋण दास, सैनिक या बाल यौन व्यापार के शिकार। प्रति वर्ष, कम से कम 12 लाख बच्चे तस्करी के शिकार होते हैं, कुछ अपने ही देश में और अन्य विदेश में।

शिक्षा

तुमको स्कूल जाने का अधिकार है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा सबके लिए निःशुल्क होनी चाहिए।

विश्व में लगभग 10 में से 9 बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन अब भी 26 करोड़ 30 लाख बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें शिक्षा नहीं मिलती है, जिसका उन्हें अधिकार है। उनमें से 6 करोड़ 30 लाख बच्चे 6-11 वर्ष की आयु के हैं। पहले से अधिक बच्चे अब स्कूल जाना शुरू कर रहे हैं, लेकिन कई अपनी शिक्षा पूरी करने से पहले ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं। आधे से अधिक बच्चे जो स्कूल नहीं जाते हैं वे लड़कियां हैं।

डिजिटलीकरण

प्रौद्योगिकी तथा इंटरनेट तक पहुंच बढ़ रही है, और यह बच्चों एवं युवाओं को सशक्त और सूचित करने का एक महत्वपूर्ण कारक है। लेकिन इंटरनेट और मोबाइल फोन की पहुंच सबको समान नहीं है।

10 में से 3 बच्चों के पास कोई इंटरनेट नहीं है। अफ्रीका में बच्चों केलिए स्थिति सबसे खराब है, जहां 10 में से 6 के पास इंटरनेट नहीं है।

दंड

बच्चों को केवल अंतिम उपाय के रूप में और कम से कम समय के लिये कैद किया जा सकता है। किसी बच्चे पर अत्याचार या अन्य क्रूर व्यवहार नहीं किया जा सकता। जिन बच्चों ने अपराध किये हैं, उनकी देखभाल और सहायता की जानी चाहिए। बच्चों को आजीवन कारावास की सजा नहीं दी जा सकती और न ही मृत्युदंड दिया जा सकता है।

विश्व में कम से कम 10 लाख बच्चों को कैदी बना कर रखा गया है। कैद बच्चों के साथ अक्सर बुरा व्यवहार किया जाता है।

युद्ध एवं शरणार्थी

अगर युद्ध का समय हो या तुम शरणार्थी हो, तो तुमको सुरक्षा और देखभाल मिलने का अधिकार है। संघर्ष से प्रभावित बच्चों एवं शरणार्थी बच्चों के वही अधिकार हैं जो अन्य बच्चों के हैं।

विश्व में, वर्तमान में, लगभग 2 करोड़ 80 लाख बच्चे शरणार्थी हैं, उनसे बहुत अधिक जो कुछ वर्ष पहले थे। जो विशाल बहुमत अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं, वे पड़ोसी देश में रहने लगते हैं। पिछले 10 वर्षों में युद्ध में कम से कम 20 लाख बच्चे मारे जा चुके हैं। 60 लाख को गंभीर शारीरिक चोटें लगी हैं, जबकि 1 करोड़ बच्चों को मनोवैज्ञानिक हानि पहुंची है। 10 लाख ने अपने माता-पिता को खो दिया है या उनसे अलग हो गए हैं। लगभग 3,00,000 बच्चे युद्धों में सैनिकों, वाहकों या खदानों के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। प्रति वर्ष, खानों में, 1,500 से अधिक बच्चे मरे जाते हैं या घायल होते हैं।

2018 में जलवायु और मौसम संबंधी पराकृतिक आपदाओं केकारण 1 करोड़ 70 लाख से अधिक लोग भागने केलिए मजबूर हुए थे।

अल्पसंख्यक समूह एवं स्वदेशी मूल के लोग

जो बच्चे अपने देश में अल्पसंख्यक समूहों या स्वदेशी मूल के हैं, उन्हें अपनी भाषा, संस्कृति एवं परम्पराओं का अधिकार है। स्वदेशी लोगों के उदाहरण - किसी देश में सबसे पहले रहने वाले लोग - इन्में आदिवासी ऑस्ट्रेलियाई तथा ग्रीनलैंड के इनुइट लोग शामिल हैं।

स्वदेशी मूल के बच्चों तथा अल्पसंख्यक बच्चों को अक्सर अन्याय सहना पड़ता है। कुछ को अपनी भाषा बोलने की अनुमति नहीं होती। दूसरों को अपना धर्म पालन करने, या अपनी स्वेच्छा से किसी को चाहने की अनुमति नही होती। उनमें से कई के साथ भेदभाव किया जाता है, जिसका अर्थ है कि उनके पास अन्य बच्चों के समान अवसर नहीं होते, उदाहरण के लिए, जब शिक्षा और चिकित्सा देखभाल की बात आती है।

पर्यावरण

जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक सूखा, अधिक बाढ़, गर्म हवाएं और अन्य समस्याग्रस्त मौसम की स्थितियां उत्पन्न हो रही है।

बच्चे मार डाले जाते हैं और घायल हो जाते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाएँ भोजन और स्वच्छ पानी को और भी दुर्लभ बना सकती हैं तथा डायरिया एवं मलेरिया के प्रसार को बढ़ा सकती हैं, जो रोग बच्चों को विशेष रूप से बुरी तरह प्रभावित करते हैं।

5 करोड़ से अधिक बच्चे उन क्षेत्रों में रहते हैं जो अक्सर बाढ़ से प्रभावित होते हैं, और 16 करोड़ उन क्षेत्रों में रहते हैं जहां गंभीर सूखे का खतरा है। यूएनएचसीआर का अनुमान है कि 2050 में, जलवायु परिवर्तन के कारण, 25 करोड़ लोग, उन्में से अनेकों बच्चे, अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हा जाएंगे।

हिंसा

तुमको सभी प्रकार की हिंसा, उपेक्षा, दुर्व्यवहार और दुर्व्यवहार से सुरक्षा का अधिकार है।

3 में से 1 बच्चे कहते हैं कि उनको धमकाया जाता है और/या उनके साथ भेदभाव किया जाता है। विश्व में, 2-14 आयु वर्ग के, 4 में से 3 बच्चों को घर में किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होना पड़ा है। अनेकों देश स्कूलों में शारीरिक दंड की अनुमति देते हैं। विश्व के सिर्फ 56 देशों ने बच्चों के लिए शारीरिक दंड के सभी रूपों पर प्रतिबंध लगाया है।

एक अच्छी जिंदगी

तुमको घर, भोजन, कपड़े, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा मिलने का अधिकार है।

13 करोड़ से अधिक लोग, या 7 में से 1, अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। इन्में से लगभग आधे लोग बच्चे हैं। लगभग 10 करोड़ बच्चे सड़कों पर रहते हैं। कई लोगों के लिए, सड़कें ही उनका एकमात्र घर है। अन्य लोग काम करते हैं और सड़कों पर अपने दिन बिताते हैं, लेकिन परिवार को रात में अपने घर लौटना पड़ता है।

तुम्हारी आवाज़ सुनी जानी चाहिए!

जो भी मुद्दा तुमको प्रभावित करता हो, उस पर तुमको यह कहने का अधिकार है कि तुम उसके बारे में क्या सोचते हैं। वयस्कों को निर्णय लेने से पहले बच्चे की राय को सुनना चाहिए, जो हमेशा बच्चे के सर्वोत्तम हित में होनी चाहिए। क्या तुम्हारे देश और विश्व में ऐसी स्थिति है? तुम और विश्व के बाकी बच्चे सबसे बेहतर जानते हैं!

CHARLES DRAWIN

डब्लूसीपी समारोह दिवस 2019 पर जूरी, बाल अधिकार राजदूत किम और हस्सन के साथ। चित्र में वो जूरी सदस्य हैं जो अब 'सेवानिवृत्त' हो चुके हैं*: ब्राजील से झोन नारा और फिलिस्तीन से नूर।

बाल जूरी से मिलो!

विश्व बाल पुरस्कार बाल जूरी (बाल न्यायमूर्ति दल) के सदस्य अपने स्वयं के जीवन के अनुभवों के माध्यम से बाल अधिकारों पर निपुण हैं। प्रत्येक जूरी बच्चा मुख्य रूप से विश्व के उन सब बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने अनुभवों को साझा करते हैं। वह अपने देश और महाद्वीप के बच्चों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। जहां तक संभव होता है, जूरी में सब महाद्वीपों और सभी प्रमुख धर्मों के बच्चे शामिल किए जाते हैं।

worldchildrensprize.org **पर तुम जूरी के बच्चों के बारे में और अधिक एवं लंबी कहानियाँ पढ़ोगे, और पूर्व जूरी सदस्यों से भी मिल सकोगे।**

जूरी के सदस्य अपने जीवन की कहानियों और उन बाल अधिकारों के उल्लंघनों को साझा करते हैं जो उन्होंने स्वयं अनुभव किए होते है या जो जिनके विरुद्ध अभियान चलाते हैं। इस तरह, वे विश्व भर के लाखों बच्चों को बाल अधिकारों के बारे में बताते हैं। वे उस वर्ष के अंत तक जूरी के सदस्य बने रह सकते हैं जिस वर्ष वे 18 के होते हैं।

प्रति वर्ष, बाल जूरी, विश्व बाल पुरस्कार के लिए, नामांकित किए गए प्रत्याशियों में से तीन उम्मीदवारों का चयन करती है।

जूरी के सदस्य, अपने घरेलू देशों और विश्व भर में, विश्व बाल पुरस्कार के राजदूत हैं।

स्वीडन में, बाल जूरी वार्षिक विश्व बाल पुरस्कार समारोह का नेतृत्व करती है। उस सप्ताह में, जूरी सदस्य, स्कूलों का दौरा करते हैं और अपनी जिन्दगी एवं बाल अधिकारों के बारे में बताते हैं।

❤ हमने अपने जूरी बच्चों के उपनामों को शामिल नहीं किया है, जिससे उनकी पहचान सुरक्षित रखी जा सके।

♥ सेसेथु, 15

दक्षिण अफ्रीका

बहरे तथा अन्य विकलांगताओं वाले बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है।

सिसेथु एक हिंसक, गरीब उपनगर में रहती है जहां उसे सदैव सावधान रहना पड़ता है।
"यहाँ सुरक्षा नहीं है, विशेषतः हम लड़कियों के लिए जो बहरी हैं, जो सहायता के लिए फोन नहीं कर सकतीं यदि कुछ होता है। एक दिन जब हम अपने छोटे से घर में, टीवी पर फुटबॉल मैच देख रहे थे, तब नशे में धुत लोगों के एक समूह ने सड़क पर बाहर बहस शुरू कर दी। वह मेरे पिता की गोली मारकर हत्या करने के साथ समाप्त हुई। जब मैं नौ साल की थी, तब मेरी मां बीमार हो गईं और मर गईं। तब से, मैं अपनी दादी के साथ रहती हूं। हमारा छोटा घर बिलकुल साधारण है, बिना कोई शौचालय के, फिर भी वह आसपास के अनेकों घरों से बेहतर है।"

"मुझे अपने सारे बचपन भर, उन बच्चों द्वारा चिढ़ाया जाता था जो साधारण सुनते थे। वे इस बात की परवाह नहीं करते थे कि मैं संकेतिक भाषा में बोलती थी, वे सिर्फ मुझे चेहरे और चिढ़ाने वाले संकेत बनाते थे। मैं बहरी हूँ, लेकिन अपने बहरेपन के कारण स्वयं को मूर्ख या शर्मिंदा नहीं महसूस करती! मुझे इस पर गर्व है! मुझे आशा है कि भविष्य में हम बहरे बच्चों के लिए स्थितिं बेहतर हो जाएगी, जिससे हम सुनने वाले बच्चों में घुल-मिल सकें और उनसे बात कर सकें। फिर वे हमको भी समझ सकेंगे। मैं उन्हें और अन्य समाज के सदस्यों को दिखाना चाहती हूं कि हम बच्चों को सुनना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि साधारण बच्चो को और हमारे भी उनके जैसे अधिकार हैं। यदि हमें समान अवसर नहीं दिए जाते हैं, तो हम शक्तिहीन महसूस करते हैं।"

♥ किम, 16

जिम्बाब्वे

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है, जिनको बाल अधिकारों, और विशेष रूप से लड़कियों के समान अधिकारों के लिए सशक्त किया गया है।

किम एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं और उसने अपने स्कूल में एक बाल अधिकार क्लब शुरू किया है। उसने हजारों बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी दी है और उन्हें बच्चों के लिए एक बेहतर विश्व बनाने हेतु लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

"जब मैं छोटी थी, तो मुझे नहीं पता था कि बच्चों के भी अधिकार होते हैं। मुझे दुख हुआ जब मैंने उन बच्चों को देखा जिनको स्कूल जाने नहीं दिया गया, जिन बच्चों को यौन शोषण तथा बाल विवाह के अधीन भुगतना पड़ा। अब मैं अन्य बच्चों के लिए बोलती हूं जो चुपचाप पीड़ित हैं और बताने की हिम्मत नहीं कर सकते, या क्योंकि वो नहीं जानते कि उनके भी अधिकार हैं। मैं विशेष रूप से लड़कियों के लिए लड़ती हूं, उदाहरण के लिए, बाल विवाह को समाप्त करने के लिए और स्कूल में हमारे अनग शौचालय के अधिकार के लिए। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत होना एक सम्मान की तरह लगता है। यह मेरे लिए सब कुछ है। और मुझे पता है कि मेरी पीढ़ी सुनिश्चित करेगी कि विश्व के बच्चों की बेहतरी के लिए बदलाव किए जाएं।"

♥ नीता, 16

नेपाल

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है, जिनका बाल यौन व्यापार में शोषण किया गया है।

जब नीता 11 साल की थी, तब उसके एक मित्र ने स्कूल छोड़ने और राजधानी, काठमांडू जाने के लिए उसे राजी किया। इसके बजाय, उसे नशा दिया गया और उसके साथ भयानक दुर्व्यवहार किया गया। जब वह रोने लगी और घर जाने के लिए भीख मांगने लगी, तब उसे पीटा गया और एक शराबखाने के कमरे में बंद कर दिया गया। एक दिन, एक युवक ने नीता और तीन अन्य लड़कियों से उनकी भागने में सहायता करने का वादा किया। वास्तव में उसने उन्हें बेचने की योजना बनाइ थी, लेकिन जब वे मुख्य बस अड्डे पर पहुंचे, तो वहां के सूरक्षाकर्मी संदिग्ध हो गए। उन्होंने पुलिस को बुला लिया। नीता को बचा लिया गया और उसे एक सुरक्षा गृह में ले जाया गया जो बाल यौन तस्करी से पीड़ित लड़कियों के लिए बना था। उस व्यक्ति की सूचना पुलिस को देने के लिए नीता को सहायता् मिली। वह आदमी अब जेल में है।

"मुझे जीवन में दूसरा अवसर मिला। अब मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूं और बाल अधिकारों के लिए लड़ती हूं," नीता कहती है।

♥ मिलद, 17

सीरिया

विस्थापित हो गए बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है तथा उन बच्चों का जो युद्ध वाले क्षेत्रों में बड़े हो रहे हैं।

जब वह नौ साल का था तब मिलाद को सीरिया में युद्ध से भागने के लिए मजबूर किया गया था। उसका मार्ग उन्हें सीरिया में उनके गृह शहर अलेप्पो से कोबेन और फिर तुर्की ले गया।

"वहां जीवित रहना कठिन था। हर दिन हजारों नए शरणार्थी आ रहे थे, और सड़क पर बहुत सारे बच्चे भीख मांग रहे थे। मैं एक कारखाने में काम करता था क्योंकि वहाँ कोई स्कूल नहीं था।"

दो साल बाद, मिलाद की मां ने कहा कि उसे यूरोप भागना पड़ेगा जिससे वह स्कूल जा सके। बहुत सारे शरणार्थी भूमध्य सागर को पार करके जा रहे थे, लेकिन हजारों की मौत हो गई जब उनकी खचा-खच भरी नावें पलट गईं। इसलिए परिवार ने पैसे बचाये और एक तस्कर को उसका भुगतान दिया। यात्रा के दौरान मिलाद कई दिनों तक गायब रहा। परिवार भयभीत था। आखिरकार जब तस्कर संपर्क में आया, तो उसने मिलाद को पहुंचाने के लिए और धन मांगा।

आज, मिलाद अपने शेष परिवार के साथ स्वीडन में रहता है, जो अंततः उसके पास पहुंच गया। वह वहां खुश है, लेकिन वह अलेप्पो में अपने सबसे प्रिय मित्र को याद करता है।

"मेरा शहर बमबारी से नष्ट हो गया है, यह दुखद है। मुझे खुशी है कि मैं यहां आ गया वरना हम सीरिया में मारे गए होते। अब मैं अन्य लोगों के बारे में चिंतित हूं। हम केवल अपने बारे में नहीं सोच सकते।"

♥ शमून, 17

पाकिस्तान

बाल मज़दूरों, दास बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है तथा उन बच्चों का जो लिखित में 'जीवित' नहीं हैं 'क्योंकि उनके जन्म कभी पंजीकृत नहीं किये गए।

शमून का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो ईंट के भट्टे पर कर्ज में तब से डूबे हुए थे जब उसके पिता एक छोटे लड़के थे। दशकों से, उसके परिवार में हर किसी को सुबह से लेकर रात तक काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा जिससे वो लगभग 600 अमेरिकी डॉलर का पुराना कर्ज चुका सके। शमून के पिता ने ईंट भट्ठे के मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था और काम करने वाले बच्चों के लिए एक संध्या वाला स्कूल खोला था। ईंट भट्ठे के मालिक को यह नहीं अच्छा लगा, और शमून के पिता को आखिरकार छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। अगली सुबह, मालिक ने शमून को बुलवाया और यह जानना चाहा कि उसके पिता कहाँ थे।

"मालिक ने मुझे छड़ी से मारा। तब मुझे एहसास हुआ कि हम गुलाम थे।"

जूरी बच्चे डब्लूसीपी समारोह का नेतृत्व करते हैं।

PHOTO: CHRISTINE OHLSSON

विश्व बाल पुरस्कार समारोह में जूरी के शाइ, सिसेथु, झोन नारा और शमून।

दो साल बीतने के बाद भट्ठा मालिक ने शमून के पिता को चोट नहीं पहुंचाने के लिए माना, जिससे अब वह उपने घर वापस आ सकते थे। शमून का परिवार अब ऋण दास नहीं हैं, लेकिन वे अभी भी एक ईंट भट्टे पर काम करते हैं। शामून स्कूल जाता है और ईंट भट्टे के बच्चों और युवाओं के लिए एक संध्या वाला स्कूल चलाता है।

"शिक्षा उन्हें बहादुर बनाती है और वे अपने परिवारों की सहायता करने में सक्षम हो जाते हैं। शिक्षा स्वतंत्रता का रास्ता है!"

♥ टैरी, 16

संयुक्त राज्य अमरीका

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो बेघर हैं।

जब टैरी नौ वर्ष का था, तो वह यूएसए के 25 लाख बेघर बच्चों में से एक बन गया, जो आश्रयों में, कारों में, जीर्ण होटलों में या सड़क पर रहते हैं। वह अपनी मां और पाँच भाई-बहन के साथ लॉस एंजिल्स के एक इलाके में आश्रय में रहते थे, जहाँ हजारों बेघर लोग सड़क पर रहते हैं।

"हमारे पास अपने लिए एक कमरा था, और हम एक शौचालय एवं शॉवर दूसरों के साथ साझा करते थे। बेघर होने से संबन्धित सबसे अधिक कठिनाई स्थानांतरित होने के साथ स्कूलों को बार-बार बदलने की थी। मैंने भविष्य के बारे में बहुत चिंता की और कैसे अपने परिवार को जीवित रखने में सहायता कर पाऊंगा। लेकिन मेरी माँ ने सदैव हमें स्वयं पर विश्वास रखने में सहायता की है, और सौभाग्य से मुझे स्कूल जाना पसंद है। गणित मुझे खुश करती है!"

टैरी के परिवार के पास अब अपना घर है। कभी-कभी वह बेघर बच्चों को उनके स्कूल के काम करने में सहायता करता हैं। बड़ा होकर वह एक लेखक बनना चाहता है।

"मुझे अपनी स्वयं की कहानियाँ लिखना पसंद है। यदि मैं एक लेखक बनने में सफल रहा, तो मैं पहले अपने परिवार की सहायता करूंगा, फिर अन्य बेघर लोगों की।"

♥ अनन्थी, 16

भारत

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिनको बाल विवाह में मजबूर होने का खतरा रहता है तथा उन लड़कियों का जिनको जन्म के समय मारे जाने का भय रहता है।

जब अनन्थी छोटी थी, तो उसकी माँ ने उसे बतायाः "हम तुमको मारने की योजना बना रहे थे, पर फिर हमने तुमको जिन्दा रहने दिया।" उनके गाँव में, जबसे किसी को भी याद है, तबसे अनेकों लड़कियों को जन्म के समय मार दिया जाता है, गरीबी के कारण और इसलिए कि बेटों की तुलना में बेटियों को कम मूल्यवान समझा जाता है। लेकिन अब इस क्षेत्र के सैकड़ों गाँवों ने बच्चीयों की हत्या की परंपरा को लगभग समाप्त कर दिया है। लड़कियों को स्कूल जाने में सहायता दी गई है और उनके माता-पिता को शिक्षा और सहायता दी गई है।

"अब वे जानते हैं कि लड़कियां एक उपहार हैं, न कि एक सज़ा," अनन्थी कहती है।

"लोग यह क्यों नहीं समझते कि एक लड़की का भी उतना ही मूल्य है - कि वह अपने परिवार की देखभाल कर सकती है, अगर एक लड़के की तुलना में उससे बेहतर नहीं? मेरी योजना यह है कि मैं वह सब कुछ कर सकूं जो मैं कर सकती हूं सब को यह दिखाने के लिए कि सभी लड़कियों को जीने का अधिकार है।"

अनन्थी के गाँव में बाल विवाह साधारण बात है, लेकिन वह तब तक शादी करने की नहीं सोचेगी जब तक वह 25 की नहीं हो जाती। पहले वह शिक्षा प्राप्त करना चाहती है और एक अच्छी नौकरी करना चाहती है।

"अगर वे मेरी शादी पहले करने की कोशिश करेंगे, तो मैं उनसे लड़ूंगा। मैं एक दयालु पति चाहती हूं, जो घर का काम साझा करने के लिए तैयार हो। मेरी शिक्षा ही मेरी दहेज होगी। (वह धन एवं संपत्ति जो लड़की के परिवार को लड़के के परिवार को देना पड़ता है)।"

♥ डेरियो, 14

रोमानिया

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो बाल गृहों में बड़े होते हैं और जिनके साथ भेदभाव किया जाता है क्योंकि वे गरीब हैं और/या क्योंकि वे रोमा हैं या अपने देश में एक अलग अल्पसंख्यक जातीय समूह के हैं।

डेरियो फेरेंटरी में बड़ा हुआ, एक लकड़ी की झोंपड़ी में, जिसे उसके पिता ने फुटपाथ पर बनाया था, उसमें कोई गर्माहट, शौचालय या चलता पानी नहीं था। डेरियो की मां ने वह सब कुछ किया जिससे वह सुनिश्चित कर सके कि उसके बच्चों का जीवन अच्छा हो, लेकिन उनके पिता ने परिवार का पैसा शराब पीने मे खर्च कर दिया।

"जब मैं 9 साल का था, तब मुझे और मेरी छोटी बहन को भीख माँगने के लिए सड़कों पर भेज दिया गया जिससे उन पैसों से भोजन मिल सके। एक दिन पुलिस ने हमें पकड़ लिया और हमें एक बाल गृह में जाना पड़ा। शुरू में यहां रहना बहुत कठिन था। हमें अपनी मां की याद आती थी और हम हर दिन रोते थे, लेकिन थोड़ी देर बाद, जब हमने दोस्त बना लिए, तो स्थिति बेहतर हो गईं।"

डेरियो की तरह, बाल गृह में अनेको बच्चे रोमा परिवारों से आते हैं। रोमा, यूरोप का सैकड़ों वर्षों से, सबसे भेद-भाव किया गया तथा सबसे निर्धन अल्पसंख्यक जातीय समूह रहा है।

"अगर मैं निर्णय ले सकता होता, तो मैं अपने क्षेत्र का सारा कचरा और सारे नशीले पदार्थ उठवा देता जिससे लोग एक दूसरे के प्रति दयालु हो जाते। और किसी को भी बाल गृह में नहीं जाना पड़ता, और वे अपने परिवारों के साथ रह सकते।"

♥ यूनिल्डा, 16

मोज़ाम्बिक

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिनकेसाथ उनके किसी रिश्तेदार ने दुव्यवहार किया और उन्हें चुप रहने की धमकी दी।

यूनिल्डा की समस्याएं तब शुरू हुई जब उसके माता-पिता अलग हो गए और उसके मम्मी को काम खोजने के लिए विदेश जाना पड़ा। अलग-अलग रिश्तेदारों के साथ अस्थायी रूप से रहने के बाद, वह और उसके भाई-बहन आखिरकार अपने दादा-दादी के साथ रहने चले गए। पहले तो सब कुछ अच्छा था। यूनिल्डा ने भोजन, कपड़े पाए और स्कूल जाना शुरू कर दिया। लेकिन जब वह नौ साल की थी, तो सब कुछ बदल गया। जब यूनिल्डा अकेले घर पर थी, तब एक बड़े रिश्तेदार ने घर आकर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। सहायता मांगने की हिम्मत करने से पहले एक लंबा समय बीत गया क्योंकि उस आदमी ने उसे मारने की धमकी दी थी अगर वह चुप नहीं रही। काफी लंबे समय बाद वह अंत में दुरुपयोग रोकने के लिए सहायता मांगने की हिम्मत कर पाई।

यूनिल्डा अब एक गर्वित डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है जो लड़ती है जिससे अन्य बच्चों को कभी वो अनुभव न करना पड़े जा उसने क्या किया।

"बहुत सारी लड़कियां सोचती हैं कि यिद वे जल्दी शादी करेंगी तो उनके लिए जीवन बेहतर होगा, लेकिन बाल विवाह उनके सपनों को मार देता है। हर लड़की को यह जानना चाहिए।"

जूरी के बच्चे स्कूल यात्राओं के दौरान और डब्लूसीपी समारोह में सेल्फीयां लेना पसंद करते हैं।

♥ एन्न, 16

फिलिपीन्स

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है, जिनका बाल यौन व्यापार में शोषण हुआ है।

एन्न, फिलिपीन्स की राजधानी मनीला के एक गरीब परिवार में बड़ी हुई, वह कुल सात भाई-बहनों में सबसे छोटा थी। उसे स्कूल जाना प्रिय था, लेकिन वह जानती थी कि, अपने बड़े भाई-बहनों की तरह, वह जल्द ही स्कूल की फीस के कारण पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाएगी।

जब एन्न 11 वर्ष की थी, तब उसे एक पड़ोसी ने धोखा दिया, एक युवती जो उसकी बड़ी बहन से दोस्ती करे थी, उसका टॉप उतारने और फोटो खींचने लगी। एन्न को समझ नहीं आया कि युवती ने एसा क्यों किया और उसे पैसे क्यों दिये। लेकिन वह किसी वयस्क को ना कहने की हिम्मत करने के लिए बहुत छोटी थी। वह यह समझने के लिए भी बहुत छोटी थी कि महिला पुरुषों से पैसे कमाने के लिए उसका इस्तेमाल कर रही थी जो उन तस्वीरों को खरीदना चाहते थे।

एक दिन, वह महिला एन्न को एक होटल में ले गई, जहां उसने उसे वृद्ध लोगों को बेचने की योजना बनाई थी। इससे पहले कि कुछ हो पाता, पुलिस ने होटल में छापा मारा और वयस्कों को गिरफ्तार कर लिया। एन्न अब वंछित लड़कियों के लिए बने एक सुरक्षा गृह में रहती है।

"अब मुझे पता है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे अधिकारों का उल्लंघन था, वह मेरी गलती नहीं थी। अब मैं अन्य लड़कियों को सुरक्षित एवं सशक्त होने में सहायता करना चाहती हूं।"

♥ शाइ, 15

इज़राइल

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो संघर्ष वाले क्षेत्रों में बड़े होते हैं और जो शांति के लिए संवाद चाहते हैं।

"जब मैं आठ साल का था, तब सामाजिक न्याय के लिए विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें मेरा परिवार शामिल था। इस अनुभव ने मुझे बदल दिया और वैसा बना दिया जो मै आज हूं। अपनी पहली और दूसरी कक्षा में मुझे चिड़ाया गया, जिसने मेरा आत्मविश्वास खत्म कर दिया। मुझे लगा कि मैं कभी किसी को चोट पहुँचते नही देखना चाहूँगा क्योंकि मुझे चोट लगी थी।"

"तीसरी कक्षा तक मेरी समझ यह थी कि "अरबी लोग बुरे हैं और यहूदी लोग अच्छे हैं, लेकिन जब मैंने यह बात अपनी मां से कही, तो उन्होंने मुझे समझाया कि कोई अच्छा या बुरा नहीं होता, वह केवल दो विरोधी कथानक हैं। मैं अपने मित्रों एवं आसपास के बच्चों को यह देखाने की कोशिश करता हूं कि वास्तव में कोई बुरा पक्ष और अच्छा पक्ष नहीं होता, बस इतिहास को देखने के नज़रिये अलग हैं।"

"मैं यह कभी नहीं भूल सकता कि मैं एक संघर्ष वाले क्षेत्र में रहता हूं, जहां लोग दोनों तरफ लगातार पीड़ित रहते हैं। इतनी मौतें और दर्द है, और मुझे हमेशा लगता है कि मुझे अपने कंधे के ऊपर से देखना पड़ता है। यदि लोग बस वो समझ पाते हैं जो मैं तीसरी कक्षा में समझ गया था, तो हम बेकार के युद्धों से लड़ने के बजाय एक समाधान निकालने में सक्षम होते। हमारा लक्ष्य शांति होना चाहिए।"

♥ ओमार, 15

फिलिस्तीन

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है और जो युद्ध द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों में रहते हैं और शांति के लिए संवाद चाहते हैं।

औमार जिस स्कूल में जाता है वह एक सड़क के ब्लाक के पास है जहां पर सशस्त्र सैनिकों मौजूद हैं। वहाँ अक्सर संघर्ष होते हैं, और आंसू गैस स्कूल में घुस जाती है। वह आंखों में चुभती है, और ओमार तनाव में आ जाता है।

"वह चीज जो मुझे सबसे अधिक सहायक होती है, वह है संगीत सुनना या पियानो बजाना। यह मुझे प्रस्सन करता है। मेरे पास एक कीबोर्ड है जिसे मैं अपने साथ स्कूल ले जाना चाहता हूं, लेकिन यह बहुत खतरनाक है। मुझे उसे एक बड़े काले बैग में ले जाना होगा, और लोग उसे हथियार समझ सकते हैं। इजरायली सैनिकों को ऐसी वस्तुओं पर संदेह हो जाता है। मम्मी डरती है कि मुझे गोली न मार दी जाए। मैं अपनी सारी जिन्दगी इस कब्ज़े वाले क्षेत्र में रहा हूं, और मुझे यह सब कुछ प्रभावित करता है। सैनिक मेरे और अन्य फिलिस्तीन वासियों के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं, जैसे हम यहाँ के नहीं हैं। यह मुझे दुखी और क्रोधित करता है। मुझे अपने दिल में लगता है कि यह गलत है। यह मेरा देश है, और मुझे यहां स्वतंत्र रूप से चलने फिरने का अधिकार होना चाहिए। इसके बजाय ऐसा लगता है कि हम जेल में रह रहे हैं। कभी-कभी आशाहीन होना आसान होता है, लेकिन मैं परिवर्तन में विश्वास करने की कोशिश करता हूं।"

डब्लूसीपी सप्ताह के दौरान बाल जूरी की बैठकें होती हैं जिनमें वे अपने अनुभव साझा करते हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

ओमार

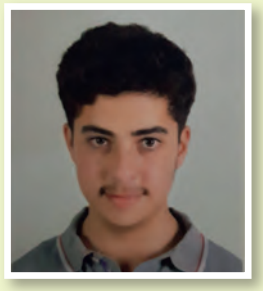

झोनमालिस

❤ झोनमालिस, 13

ब्राजील

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जो स्वदेशी समूहों से संबंधित हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं और उन बच्चों का जो हिंसा के शिकार हुए हैं और जो पर्यावरणीय पतन से प्रभावित हुए हैं।

झोनमालिस, ब्राजील के एमाज़ानिस में रहती है और गुआरानी स्वदेशी समूह की है। उसका परिवार 40 वर्षों से अपनी जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, वह भूमि जो वन कंपनियों और भ्रष्ट राजनेताओं द्वारा चोरी से ले ली गई थी। झोनमालिस के दादा को मार दिया गया क्योंकि वह अपने लोगों के अधिकारों के लिए खड़े हुए थे।

"वह बहुत बहादुर थे, और मेरे लिए एक बड़े आदर्श थे। मेरे जीवन का सबसे बुरा दिन था जब किसी ने हमारे घर में गोली चलाना शुरू कर दिया। मुझे लगा कि मुझे मार दिया जाएगा।"

गुआरानी लोग अब सड़क किनारे शिविरों में रह रहे हैं, जहां वे न तो मछली पकड़ सकते हैं और न ही शिकार कर सकते हैं। वयस्क हतोत्साहित हो गए हैं, वे शराब पीते हैं, नशा करते हैं और झगड़ों में पड़ते हैं। झोनमालिस के पिता ने शराब पीना शुरू कर दिया और बहुत समय पहले, जब वह नशे में थे, तब उसकी माँ पर चाकू से हमला किया और फिर कहीं गायब हो गए। झोनमालिस और उसकी छोटी बहन को, अपनी माँ को पैसों से सहायता करने के लिए, हर सुबह, स्कूल जाने से पहले, कसावा के खेत में काम करना पड़ता है।

झोनमालिस अन्य गुआरानी लड़कियों की सहायता करना चाहती है जो आशाहीन महसूस करती हैं और अंत में शराब पी कर और नशा करके स्वयं को समाप्त कर देती हैं।

"आशा कभी समाप्त नहीं होती, वह बस सोती है। मेरा सपना बच्चों एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकना है। मुझे अपनी मम्मी पर गर्व है, जिन्होंने हम बच्चों के लिए कड़ा संघर्ष किया है!"

"मैंने फरिशतों से प्रार्थना की कि वे मुझे मुक्त करा दें"

कॉंगो लोकतांत्रिक गणराज्य में, पिछले बीस वर्षों में, बहुत सारे बच्चों का अपहरण किया गया है और उनको बाल सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया है। उनमें से एक, 15 साल का असेल्मे है, जो डब्लूसीपी बाल जूरी का नया सदस्य है।

"जुलाई 2016 में, मैं 12 साल का था, जब मैं एक दिन, सुबह जल्दी, मक्का के खेत में मम्मी की सहायता कर रहा था। हमारे पास अपना कोई खेत नहीं है, इसलिए हमें अन्य लोगों के लिए काम करना पड़ता है। बाद में जब मैंने स्कूल जाने के लिए खेत छोड़ दिया, तो मैंने अपने कुदाल को अपने साथ उठा लिया। जंगल में मुझे लगभग 30 सशस्त्र लोगों ने अचानक घेर लिया। वे मुझ पर एसे गिर पड़े, जैसे कोई शेर मुझे खाना चाहता हो। उनमें से अधिकांश बाल सैनिक थे और उनका नेता केवल 16 वर्ष का था। उन्होंने मुझे जंगल में और अंदर जाने के लिए मजबूर कर दिया। जब मैंने सहायता के लिए शोर मचाया, तो उन्होंने मेरे मुंह में पत्तियां डाल दीं और कहा कि अगर मैंने रोना बंद नहीं किया तो वे मुझे मार डालेंगे और मुझे 'मांस की तरह पीट डालेंगे'।"

"अगली सुबह, उन्होंने कहा कि मुझे एक सैनिक केरूप में परशिक्षित किया जाएगा। मैंने एक सप्ताह तक अपने कुदाल को एक हथियार केरूप में इस्तेमाल करकेउनसे परशिक्षण लिया। तब मुझे दूसरे जंगल में ले जाया गया और कुदाल केबदले एक बन्दूक दी गई। मेरा काम, कुछ अन्य लोगों के साथ, सैन्य पुलिस के रूप में कार्य करना था, जो उन लोगों की तलाश करने तथा उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जिम्मेदार थे जो युद्ध से बच कर भाग गये थे, या जो अन्य सशस्त्र समूहोंया कॉंगो की सेना या संयुक्त राष्ट्र के एमयूएनयूएससीओ(MUNUSCO) की नीले हेलमेट वाले सैनिकों के साथ सहयोग करने में संदिग्ध थे।

"मैंने तीन साल तक बहुत कष्ट झेले। मैंने अपने मित्रों को मरते देखा, हमारे सैनिकों को निर्दोष लोगों पर अत्याचार करते और उन्हें मारते देखा। हर रात, मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह अपने फरिशतों को मुझे रिहा करने के लिए भेजे। मैंने अपने भाई-बहनों और मां के बारे में सोचा।"

"मार्च 2019 में, हमें अपने नेता से रात के समय एक गांव से सूअरों को चूराने का आदेश मिला। सूअर सन्की थे और उन्होंने खलिहान में घुसने वाले पहले सैनिक को काटने की कोशिश की। मैं मौका मिलते ही गाँव के चर्च में भाग गया, और सारी रात अपनी राइफल के साथ वहीं बैठा रहा। अगली सुबह प्रार्थना करने पहुंचे सर्वप्रथम लोग मुझे देखकर घबरा गए। लेकिन उन्होंने मेरी सहायता की और एक संगठन से संपर्क किया जो बाल सैनिकों को बचाया करता है। अब मैं स्वतंत्र हूं, और मैं यहां बाल सैनिकों के एक केन्द्र में रहता हूं।"

"हर रात मैं अपने गांव की ओर लौटने और अपनी मां, भाई और मित्रों को प्यार करने का सपना देखता हूं।"

असेल्मे, 15, जो उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो बच्चे सशस्त्र संघर्ष स्थितियों में रहते हैं और सैनिक बनने के लिए मजबूर किए जाते हैं।

लोकतंत्र की राह

प्रति वर्ष, विश्व बाल पुरस्कार कार्यक्रम तुम्हारे अपने लोकतांत्रिक विश्व मतदान का संचालन करने के साथ समाप्त होता है। एक समय की यात्रा करो, हमारे विश्व में लोकतंत्र के उदय को समयनुसार देखो।

लोकतंत्र क्या है?

तुम और तुम्हारे मित्र शायद कुछ मुद्दों पर समान राय रखते हो, लेकिन अन्य मुद्दों पर पूरी तरह से अलग विचार रखते हो। शायद तुम एक दूसरे को सुन सकते हो और उस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हो जब तक कि तुम किसी समाधान पर नहीं पहुंच जाते जो हर कोई को स्वीकार हो। यदि हां, तो तुम सहमत हो और कोई आम सहमति पर पहुंच गए हो। कभी-कभी तुमको असहमत होने के लिए सहमत होना पड़ता है। फिर बहुमत - सबसे बड़े समूह - को निर्णय लेने का अवसर मिलता है। इसे लोकतंत्र कहते हैं।

लोकतंत्र में, सभी व्यक्तियों के समान मूल्य एवं अधिकार होने चाहिए। हर किसी को अपनी राय व्यक्त करने और निर्णयों को प्रभावित करने में सक्षम होना चाहिए। लोकतंत्र का विपरीत तानाशाही है। जब सब कुछ सिर्फ एक व्यक्ति या लोगों के एक छोटे समूह द्वारा तय किया जाता है और किसी को भी विरोध करने की अनुमति नहीं होती है। एक लोकतंत्र में, हर किसी को अपनी आवाज सुनवाने में सक्षम होना चाहिए, लेकिन समझौता आवश्यक है और निर्णय मतदान द्वारा लिया जाता है।

प्रत्यक्ष लोकतंत्र तब होता है जब लोग किसी विशेष मुद्दे पर मतदान करते हैं। उदाहरण के लिए, जब बच्चे तय करते हैं कि विश्व बाल पुरस्कार किसे मिलना चाहिए। एक और उदाहरण है जब कोई देश किसी निश्चित मुद्दे पर जनमत संग्रह करता है। अधिकांश लोकतांत्रिक देश एक प्रतिनिधि लोकतंत्र द्वारा शासित होते हैं। यह तब होता है जब नागरिक व्यक्तियों को अपने प्रतिनिधियों के रूप में कार्य करने के लिए चुनते हैं - राजनेता - नागरिक जो चाहते हैं उसके अनुसार देश पर शासन करने के लिए।

संयुक्त निर्णय

बहुत ज़माने से लोग निर्णय लेने के लिए एकत्र होते आये हैं, एक समूह या गाँव में, शायद शिकार या खेती के बारे में। संयुक्त निर्णय लेते समय कुछ समूहों के रीति-रिवाज़ होते हैं। कभी-कभी एक वस्तु, जैसे कि पंख, को एक से दूसरे को दिया जाता है, और जो कोई भी पंख पकड़े होता है, उसे बोलने की अनुमति दी जाती है।

508 ई0 पू0 — 1700 का शतक — 1789

'लोकतंत्र' शब्द का जन्म

लोकतंत्र शब्द 508 ईसा पूर्व में आया था, जो ग्रीक शब्द डेमोस (लोग) और क्रैटोस (शक्ति) से निकला है। ग्रीस के नागरिकों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय देने के लिए एक सीढ़ी पर चढ़ना पड़ता था। यदि वे किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाते थे, तो वे अपने हाथों को उठा कर उस मुद्दे पर अपना मतदान देते थे। उस समय केवल पुरुषों को मतदान देने का अधिकार था। महिलाओं, गुलामों एवं विदेशियों को नागरिक नहीं माना जाता था और उन्हें ऐसे किसी भी फैसलों में बोलने की अनुमति नहीं थी।

कोई महिला या दास नहीं

1789 में, संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला संविधान लिखा गया। इसमें कहा गया कि लोगों को समाज में निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात कहने और सोचने का अधिकार होना चाहिए। हालांकि, यह संविधान महिलाओं या दासों पर लागू नहीं होता था।

1700 के शतक के तानाशाह शासक

1700 के शतक में, अधिकांश देशों में तानाशाह नेताओं का शासन था। यूरोप के देशों में राजाओं और सम्राटों का शासन था, जो लोगों की इच्छा को अनदेखा कर सकते थे। लेकिन कुछ विचारक प्राचीन विचारों में रुचि रखते थे कि सब लोग स्वतंत्र और समान अधिकारों के साथ पैदा होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि समाज में कुछ समूहों के पास दूसरों की तुलना में अधिक शक्ति और धन क्यों होना चाहिए। कुछ लोगों ने शासकों द्वारा उत्पीड़न की आलोचना की और यह माना कि यदि लोगों को अधिक ज्ञान होता तो वे समाज में हो रहे अन्याय का विरोध करते।

धनवानों की आवाज़

1789 फ्रांसीसी क्रांति केशुरू होने का वर्ष था। लोगों ने स्वतंत्रता और समानता की मांग की। क्रांति केमूल विचार पूरे यूरोप में फैल गए और उन्होंने समाज के विकास को प्रभावित किया। लेकिन यह मामला अब भी था कि केवल पुरुषों को नागरिक माना जाता था। इसके अलावा, अक्सर केवल धनवान पुरुषों, जिनके पास भूमि और भवन थे, को ही मतदान देने और राजनेता बनने की अनुमति थी।

21

महिलाएं मतदान देने का अधिकार मांगती हैं

1800 के शतक के अंत में, अधिक और अधिक महिलाएं राजनीतिक चुनावों में मतदान देने का अधिकार की मांग करने लगीं। 1906 में, फिनलैंड यूरोप का पहला देश बना जिसमें महिलाओं को मतदान देने दिया गया। 1921 में, स्वीडन और यूके ने भी इसे स्वीकारा। पर 1945 तक या बाद में भी, यूरोप, अफ्रीका एवं एशिया के अधिकांश अन्य देशों में, महिलाओं को मतदान देने की अनुमति नहीं थी।

MUSEUM OF LONDON

सबके लिए समान अधिकार

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया जाता है। घोषणा में कहा जाता है कि सभी व्यक्ति समान मूल्य के हैं, और समान स्वतंत्रताओं एवं अधिकारों को साझा करते हैं।

स्वतंत्र चुनाव

1957 में, पश्चिम अफ्रीका में घाना, प्रवासीय शक्ति, ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्र गया, और क्वामे नक्रूमा देश का पहल नेता बन जाता है। अफ्रीका, एशिया लैटिन अमेरिका का आबादीकरण सै वर्ष पूर्व शुरू हुआ था। यूरोप की मह शक्तियों ने सैनिकों और खोजकर्ताओं को भूमि पर कब्जा करने, प्राकृतिक संसाधन चोरी करने और लोगों को गुलामों में बदलने के लिए भेजा।

1856 1921 1947 1948 1955 1957

पहला गुप्त मतदान

1856 में, ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में, विश्व का पहला गुप्त मतदान आयोजित किया गया, जिसमें उम्मीदवारों के नाम के मतपत्रों का उपयोग किया गया।

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

1947 में, भारत, ब्रिटिश साम्राज्य से स्वयं को मुक्त करा लेता है और विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन जाता है। स्वतंत्रता की लड़ाई, महात्मा गांधी के नेतृत्व में लड़ी जाती है, जो हिंसा के बिना उत्पीड़न का विरोध करने में विश्वास करते हैं।

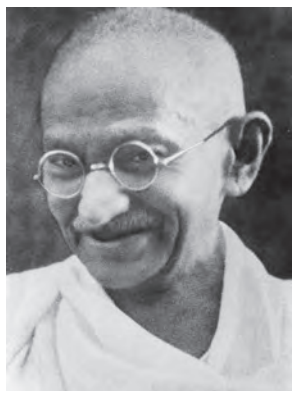

संयुक्त राज्य अमेरिका में समान अधिकार

1955 में, रोजा पार्क्स नामक एक महिला, जो काले थी, ने एक गोरे आदमी के लिए बस में अपनी सीट छो मना कर दिया। रोजा पर जुर्माना लगा, क्योंकि दक्षिण अमेरिका में काले लोगों को गोरे लोगों के समान अधि नहीं थे। उन्हें श्वेत बच्चों के समान, स्कूलों में जाने की अनुमति नहीं थी, और कभी-कभी उन्हें मतदान देने अनुमति नहीं दी जाती थी। नागरिक अधिकारों पर नि मार्टिन लूथर किंग ने बस कंपनी का बहिष्कार किया। नस्लवाद के विरुद्ध और स्वतंत्रता तथा समान अधिक लिए सारे संयुक्त राज्य अमेरिका में एक विरोध आंदो की शुरुआत की।

बच्चों का लोकतांत्रिक विश्व मतदान

विश्व बाल पुरस्कार कार्यक्रम उन्नीसवीं बार होता है। 4 करोड़ 40 लाख से अधिक बच्चों ने इसमें भाग लिया है। यह कार्यक्रम तुमको और तुम्हारे मित्रों को उनके जीवन भर लोकतांत्रिक समाजों के निर्माण में सहायता करता है, जहां मानवाधिकारों एवं बाल अधिकारों का सम्मान किया जाता है। अपने स्वयं के विश्व मतदान दिवस का आयोजन करो जब तुमको लगे कि तुम लोकतंत्र, बाल अधिकारों और बाल अधिकार नायकों के बारे में पर्याप्त जानते हो। तुम्हारा वोट तुम्हारा निर्णय है। कोई और तय नहीं कर सकता कि तुमको कैसे मतदान देना चाहिए।

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन अपनाया गया

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेन्शन को अपनाया। इसमें कहा गया कि परत्येक बच्चे को अपनी राय व्यक्त करने और सम्मान पाने का अधिकार है।

अरब का बसन्त

2010 में, ट्यूनीशिया में एक गरीब युवक स्वयं को आग लगा लेता है जब उसके सब्जी के ठेले को पुलिस जब्त कर लेती है। जब उसकी मृत्यु की खबर फैलती है, तो देश पर शासन करने वाले तानाशाह के विरुद्ध सैकड़ों हजारों दुखी लोग प्रदर्शन करते हैं। पड़ोसी देशों के लोग प्रेरित होते हैं, और मिस्र एवं लीबिया में तानाशाही को उखाड़ फेंका जाता है। आज, ये नए लोकतंत्र अब भी बहुत नाजुक हैं। कई देशों में लोगों के प्रदर्शन जारी है जहां अरब के बसन्त ने अपनी पकड़ बना ली है।

1989 | 1994 | 2010 | 2015 | 2019/2020

दक्षिण अफ्रीका में सबको मतदान देने का अधिकार

1994 में, नेल्सन मंडेला, दक्षिण अफ्रीका के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए पहले राष्ट्रपति बने। वह नस्लवादी रंगभेद प्रणाली में रहे थे, जिसने लोगों को उनकी त्वचा के रंग के अनुसार अलग कर दिया जाता था। मंडेला का चुनाव पहली बार था जब सभी दक्षिण अफ्रीकी समान अधिकारों से चुनाव में भाग ले सके।

वैश्विक लक्ष्यों की ओर तेज़ी से

हालांकि पहले से कहीं अधिक देशों ने लोकतंत्र को अपनाना शुरू कर दिया है, लेकिन अभी भी लोग अन्याय और उत्पीड़न के परिणामस्वरूप पीड़ित हैं। इसलिए 2015 में, संयुक्त राष्ट्र में विश्व के नेताओं ने एक बेहतर, निष्पक्ष विश्व के लिए, 17 नए वैश्विक लक्ष्यों पर काम करने की सहमति व्यक्त की।

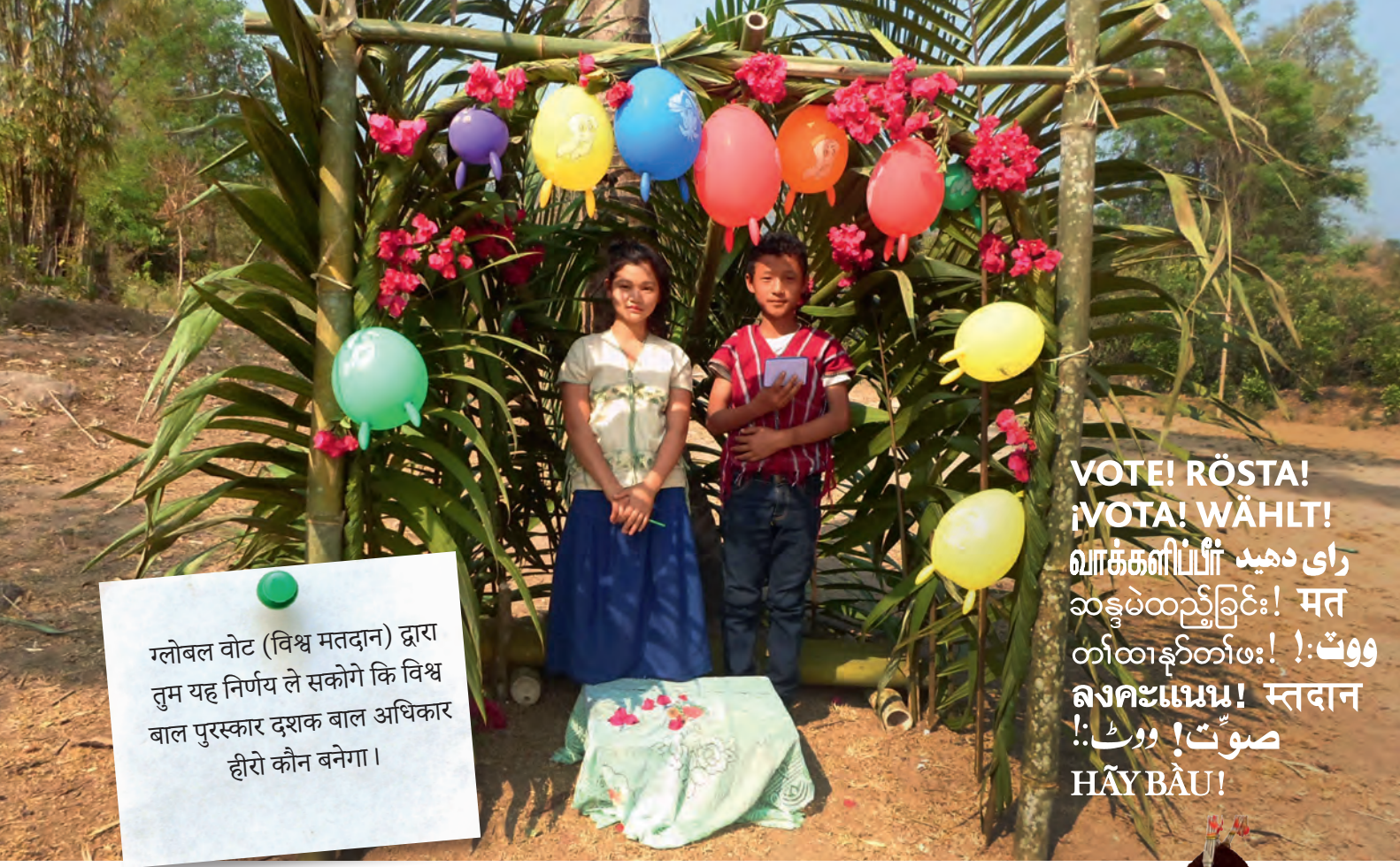

ग्लोबल वोट (विश्व मतदान) द्वारा तुम यह निर्णय ले सकोगे कि विश्व बाल पुरस्कार दशक बाल अधिकार हीरो कौन बनेगा।

ग्लोबल वोट का समय

तुमको विश्व मतदान में अपना मत देने का अधिकार है और उस वर्ष तक जिसमें तुम 18 वर्ष के होते हो। कोई भी तुम्हारे निर्णय को प्रभावित नहीं कर पाना चाहिए - न ही तुम्हारे मित्र, शिक्षक या माता-पिता। किसी को यह नहीं पता लगनां चाहिए कि तुमने किसे मत दिया जब तक तुम स्वयं उन्हें नहीं बताते। तुम्हारे स्कूल के सभी लोग जिनको मत देने का अधिकार है, को मतदान रजिस्टर में सम्मिलित होना चाहिए। जब वे अपना मत पत्र प्राप्त करते हैं या जब वे मतदान पेटी में अपना मत डाल देते हैं उसके बाद ही सूची में, उनके नाम पर काट लगा देना चाहिए।

अच्छी तैयारी

जैसे ही तुम इस वर्ष का विश्व बाल दिवस कार्यक्रम शुरू करते हो, अपने विश्व मतदान दिवस के लिए एक तारीख निर्धारित करो, जिससे तुम्हारे पास नामांकित लोगों के बारे में जानने और विश्व भर में रहने वाले बच्चों के अधिकारों पर चर्चा करने के लिए पर्याप्त समय, सप्ताह अथवा महीने हों।

1 अपने दिवस पर लोगों को आमंत्रित करो!

अपने परिवार एवं मित्रों, स्थानीय मीडिया और राजनेताओं को विश्व मतदान दिवस में आमंत्रित करो!

2 मतदान पेटियां बनाओ

3 प्रमुख लोगों की नियुक्ति करो

- अध्यक्षता अधिकारी चुनाव रजिस्टर पर नामों को काट देते हैं और मतपत्र सौंप देते हैं।
- चुनाव पर्यवेक्षक सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सही हो।
- मतों को गिनने वाले उनकी गणना करते हैं।

4 महत्वपूर्ण मतदान कक्ष

अपना स्वयं का मतदान कक्ष बनाओ, या स्थानीय वयस्क चुनावों से एक उधार लो। मतदान केंद्र में केवल एक बच्चा ही प्रवेश करे, ताकि कोई और यह न देख सके कि वह अपना मतदान किसे देता है।

5 बेइमानी राको

प्रत्येक व्यक्ति जिसने अपना मत दे दिया हो, उसे दोबारा मत देने से रोको, उदाहरण के लिए, उसके अंगूठे पर स्याही लगा कर, एक रंगा हुआ नाखून, या उसके हाथ एवं चेहरे पर एक रेखा बनाओ। एसी स्याही का उपयोग करो जो आसानी से नहीं धुले!

6 मतों की गणना करो

जश्न मनाओ, और फिर सब प्रत्याशियों के परिणामों को डब्लूसीपी के पास दर्ज करो!

पृष्ठ 24-28 पर विभिन्न देशों में विश्व मतदान दिवस देखो।

सेनेगल

मतदान पेटी के ढक्कन के नीचे मतदान की गोपनीयता सुरक्षित।

दि ग्लोब के साथ नॉक आउट

"जन्म प्रमाण पत्र मांगने में सहायता के लिए डब्लूसीपी को धन्यवाद, ताकि हम डिप्लोमा से वंचित न हों और हम पहाड़ों में रहते हुए भी डब्लूसीपी कार्यक्रम में शामिल हो सकें। दि ग्लोब हमारे माता-पिता द्वारा हमारा स्कूल जाना जारी रखने में हमारी सहायता करता है। जब मैं दि ग्लोब खोलता हूं, तो मेरे पिताजी कहते हैं: 'मैं अब क्या करने में असफल रहा हूं?' फिर उन्हें दि ग्लोब में एक बच्चे के बारे में एक रिपोर्ट सुनने को मिलती है, जो अपने माता-पिता द्वारा बुरी तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। दि ग्लोब मेरा नॉक आउट घूंसा है!"

आइरीन, 16, एडेल स्कूल

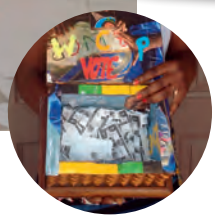

एग्निस, 12, कोर्स डिडिअर मैरी स्कूल, ने मतदान पेटी को ढक दिया और ग्लोबल वोट के लिए मतदान पोस्टर बनाये।

हर कोई दि ग्लोब के बारे में जानना चाहता है

"डब्लूसीपी हमें अपने अधिकारों को जानने में सहायता करता है। मेरे माता-पिता अब समझते हैं कि मुझे एक लड़की होने के बावजूद स्कूल जाना चाहिए और मुझे हर समय पानी नहीं लाना चाहिए या शादी नहीं करनी चाहिए, जो हमारे गांव में आम है। डब्लूसीपी संदेश को पहुचाना आसान बनाता है, खासकर जब हम दि ग्लोब को घर पर पढ़ते हैं, क्योंकि हर कोई जानना चाहता है कि यह क्या है।"

एडमा, 13, एडेल स्कूल

डब्लूसीपी को धन्यवाद हमको साहसी बनाने के लिए

"मैं शारीरिक दंड के बारे में ज्ञान फैलाना चाहता हूं। यहां कई छात्र स्कूल से बाहर निकल जाते हैं क्योंकि उनके शिक्षक उन्हें बहुत ज़ोर से पीटते हैं। जबसे हमारे गांव में डब्लूसीपी आया है, तब से लड़कियां स्कूल जाना जारी रख पा रही हैं, जिसमें माध्यमिक विद्यालय भी शामिल है। मैं और मेरे दोस्त स्कूल जाना जारी रखना चाहते हैं और उसे छोड़ कर जल्दी शादी नहीं करना चाहते। मुझे अपने माता-पिता से यह कहने का साहस देने के लिए मैं डब्लूसीपी को धन्यवाद देती हूं। मेरा दिल खुशी से भर जाता है जब हम अपने गांव में डब्लूसीपी कार्यक्रम पर काम करते हैं।"

डाओल्डे, 14, टौफिन्डे गैंडे स्कूल

बेनिन

डब्लूसीपी ने मुझे बाल अधिकारों के बारे में पढ़ाया

"मुझे पता है कि बच्चे कैसे पीड़ित होकर रहते हैं और मैं उनका पूरे दिल से समर्थन करती हूं। बाल अधिकारों के बारे में मुझे पढ़ाने के लिए डब्लूसीपी को धन्यवाद, जिनके बारे में मुझे पहले जानकारी नहीं थी।"

क्रिस्टीना, सीएस संत रोमारिक

हम कहते हैं नहीं!

"डब्लूसीपी कार्यक्रम के विभिन्न तत्वों ने मेरे लिए यह समझना संभव बना दिया है कि बच्चे कठिन परिस्थितियों में रहते हैं। मैं कुछ ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्हें जीवित रहने के लिए भीख मांगनी पड़ती है। दूसरों की बात नहीं सुनी जाती है और वे वंछित और एकाकी परिस्थितियों में रहते हैं। मुझे खुशी है कि हमने अपने दोस्तों के साथ हजारों बच्चों की पीड़ा के प्रति अपनी सहानुभूति दिखाई है और विश्व भर में, विशेष रूप से यहाँ बेनिन में, बच्चों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को नकारा है।"

रइस्सथ, सीएस संत रोमारिक

बर्मा/म्यांमार
कैरिन राज्य के गौ खी स्कूल में ग्लोबल वोट में वोट पंजीकरण और मतदान।

गीनिया-बिस्साऊ

लड़कियों के अधिकारों के बारे में पढ़ाना

"जबसे मैंने दि ग्लोब की खोज की है, मैंने एक लड़की के रूप में अपने अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मेरे देश में लड़कियों के साथ भेदभाव किया जाता है। बाल विवाह और एफजीएम अब भी आम हैं। मैं पूछती हूं: बारह साल की उम्र की लड़कियां कब इन शर्मनाक रिवाजों से मुक्त होंगी और सही तरीके से पढ़ाई कर सकेंगी? मैंने एक पाठ में लैंगिक समानता के मुद्दे को प्रस्तुत किया और अब मेरे कुछ सहपाठी मुझे लड़कियों के अधिकारों का राजदूत कहते हैं।"
एनदी, 14, डोमिंगोस रामोस स्कूल

गीनिया

मेरा सबसे अच्छा समय

"एक नए बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं अब डब्लूसीपी को धन्यवाद के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ समय अनुभव कर रहा हूं, और यह आत्मविश्वास देता है।"
मोहम्मद, 15, कौमजान स्कूल

नाइजीरिया

लैम्पेसे में वेस्टर्न हॉल कॉलेज में ग्लोबल वोट।

समय की बर्बादी नहीं

"डब्लूसीपी कार्यक्रम ने हमें प्रबुद्ध किया है और विभिन्न अधिकारों की ओर संकेत किया है जो हम नागरिकों को मिले हैं। जब हमारे स्कूल में कार्यक्रम पेश किया गया था तो हमने सोचा था कि यह समय की बर्बादी है, लेकिन बाद में हमें लगा कि यह बच्चों को उनके अधिकारों को प्राप्त करने में सहायता करने का एक तरीका है। यह लड़कों और लड़कियों दोनों को अपनी आँखें खोलने तथा उनको परिवार एवं समाज में अपने अधिकारों को जानने में सहायता करता है।"
माइकल, 16, वेस्टर्न हॉल कॉलेज

मैं माता-पिता को पढ़ा रहा हूं

"दि ग्लोब हमारी दिशानिर्देश है, क्योंकि यह हमें बच्चों के रूप में हमारे अधिकारों को जानने में सहायता करती है और उन्हें कैसे संरक्षित किया जाना चाहिए। हम सभी के समान अधिकार हैं और भेदभाव के अधीन नहीं होना चाहिए। बच्चे यहाँ अपने निर्णय नहीं ले सकते हैं, और लड़कियों को लड़कों के समान नहीं देखा जाता है। डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं माता-पिता को बच्चों के अधिकारों के बारे में और विशेष रूप से, लड़कियों के अधिकारों के बारे में सिखाता हूँ।"
अलातफियातायो, 15, वेस्टर्न हॉल कॉलेज

हमें सुरक्षा देता है

"दि ग्लोब बच्चों के लिए सुरक्षा का काम करती है। अधिकांश वयस्कों का मानना है कि बच्चे अभी तक जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए वे उनके लिए ऐसा करते हैं, इस प्रकार बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन होता है। वे उन्हें गुलाम बनाते हैं और उन्हें बाल विवाह के अधीन करते हैं। हालांकि, डब्लूसीपी कार्यक्रम ने हमें सिखाया है कि हमारे जीवन, हमारे समुदाय, हमारे देश और विश्व में बड़े पैमाने पर एक कहावत है।"
थियोडोरा, 15, वेस्टर्न हॉल कॉलेज

डीआर कांगो

परिवारों को शिक्षित करने में मेरी सहायता करना

"हमारे गाँव में ऐसे माता-पिता हैं जो अपनी बेटियों से 18 साल की उम्र से पहले शादी करने का आग्रह करते हैं। दि ग्लोब से प्रेरणा लेकर, मैंने पहले ही कई परिवारों को शिक्षित किया है, जहाँ मैं रहता हूँ। मैं अपने गांव में दृष्टिकोण एवं व्यवहार को बदलने के लिए डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद देता हूं।"
एनशोबोले, 13, बीवीईएस केंद्र

फिलिपीन्स

"ज्ञान सबसे बड़ा उपहार है। हम लड़कियों के अधिकारों के लिए खड़े हैं। प्रोत्साहित रहो!"
शारा

बुर्कीना फासो

दि ग्लोब इंजनों को चालू करता है

"मैं एक बाल अधिकार राजदूत होकर बहुत खुश हूं और यह सुनिश्चत करने के लिए लड़ूंगी कि बाल अधिकारों का सम्मान किया जाए। मैं एक बच्चे के रूप में लोकतांतिरक वोट में भाग लेकर परसन्न थी। मैं जानती हूं कि लोकतंतर एक राजनीतिक व्यवस्था है जहां लोगों की सत्ता है। दि ग्लोब वह ईंधन है जो इंजनों को शुरू करता है, और मेरे परिवार के सभी लोग इसे पढ़ते हैं।"
ओडिलॉन, 10, सेंट जीन गेब्रियल स्कूल

डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब में एक बैठक।

बाल अधिकारों के लिए मीलों चलना

"मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूं और मेरे घर में दि ग्लोब है। मेरे माता-पिता और भाई-बहन भी इसे पढ़ते हैं। उन्हें लगता है कि डब्लूसीपी और दि ग्लोब दोनों बच्चों और वयस्कों के अधिकारों को बेहतर ढंग से समझने में सहायक हैं। बाल अधिकारों के बारे में जानकारी के साथ, मैं एक ईंधन से भरी कार की तरह हूं, बिना रुके मीलों तक ड्राइविंग करती हूं, ताकि मैं एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, बच्चों के विरुद्ध उल्लंघनों से लड़ सकूं।"
एरियन वेंडियम, 11, तांगहिन ताम्बिला स्कूल

कोटे डी'आइ वोर

यहां सम्मान नहीं

"विश्व बाल पुरस्कार ने मुझे अपने अधिकारों को जानने में सहायता की है। मेरे गाँव में यहाँ बाल अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता। ऐसे बच्चे हैं जो स्कूल नहीं जाते और ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता उनकी देखभाल नहीं करते जब वह बीमार पड़ते हैं।"
क्लैरिसे, 10, ईपीपी पोकोउक्रो

घाना

दि ग्लोब ने हमें स्कूल जाने के हमारे अधिकार के बारे में पढ़ाया

"मेरी बहन और मुझे भोजन हेतु पैसा पाने के लिए चीजें बेचनी पड़ीं। हम स्कूल नहीं जाते थे, इसके बजाय जैसे ही हम उठते थे हमें बेचना का सामान एकट्ठा करने के लिए सीधे खेतों में जाना पड़ता था। हालाँकि, एक दिन जब हमारे माता-पिता घर पर नहीं थे, तब हमारे जिले के एक स्कूल से दो बच्चे हमारे घर आए। वे हमारे लिए दि ग्लोब पत्रिका लाए। उन्होंने हमें बाल अधिकारों के बारे में बताया और यह कि स्कूल जाना कितना आवश्यक है और शिक्षा सफलता की कुंजी है। जब हमारे माता-पिता घर आए, तो हमने उन्हें दि ग्लोब दिखाई, जिससे उन्हें पता चला कि बच्चों को शिक्षा का अधिकार है। अगले दिन मेरी बहन और मुझे स्कूल में पंजीकरण के लिए भेजा गया। स्कूल में पहले दिन मैंने अपनी बहन के बिना अकेला महसूस किया, जो एक अलग कक्षा में थी, लेकिन कुछ ही समय में मैंने सच्चे मित्र बनाने शुरू कर दिये।"
ओसेआई येबोआ, 15, बुड्डुबुरम डी/ए बेसिक, कासोआ, घाना

टोगो

लड़कों को अधिक प्राथमिकता देना बिलकुल गलत है!

"डब्लूसीपी लड़कियों और लड़कों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देता है! यहाँ ऐसा लगता है जैसे लड़कों के कंधों पर एक अतिरिक्त सिर है जो उन्हें लड़कियों की अपेक्षा बेहतर और अलग तरह से सोचने देता है। लड़कों को सभी स्थितियों में प्राथमिकता मिलती है। यह बिलकुल गलत है! हालांकि, डब्लूसीपी ने मुझे जो सिखाया है उसका उपयोग करके मैं अब अपने चारों ओर वातावरण को बदल रही हूं।"
नौरियाताउ

नेपाल
काठमांडू में मैती का स्कूल थेरेसा अकादमी अपना ग्लोबल वोट आयोजित करता है।

न्यायपूर्ण विश्व देखना चाहता हूं

"दि ग्लोब एवं डब्लूसीपी हम बच्चों की आदतों को बदल रहा है। हम डब्लूसीपी से अपने अधिकारों, लोकतंत्र, मतदान और वैश्विक लक्ष्यों के बारे में बहुत कुछ सीख रहे हैं। वैश्विक लक्ष्य एक बेहतर विश्व के लिए, विशेष रूप से, मुझे एक सपना देखने का कारण देते हैं। मैं बड़ा होना चाहता हूं और इस विश्व को बिना गरीबी या हिंसा के देखना चाहता हूं और जहां हर कोई समान हो। दि ग्लोब पढ़ने के बाद मेरे माता-पिता का सम्मान बढ़ गया है और मैं उन्हें इसके लिए और भी अधिक प्यार करता हूं।"
सेड्रिक

पाकिस्तान

हम बच्चों का समर्थन करना

"मुझे यह तथ्य पसंद है कि ग्लोबल वोट हमें सिखाता है कि लोकतंत्र कैसे काम करता है। दि ग्लोब के लेख हम लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह हमारा अधिकार है। यह कार्यक्रम हम बच्चों का समर्थन करता है।"
तानिया, 10, ब्रिक स्कूल, ग्लोरिया विलेज

ज़ैड्रिक लड़कियों के लिए लड़ता है

ज़ैड्रिक, 17, और उसके नौ मित्र जो मोजाम्बिक में बोएनै के मलंगटाना वैलेन्टे नग्वेन्या स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत भी हैं, के पास अपने स्कूल में विश्व बाल अधिकार के लिए एक कमरा है। वे अपने सहपाठियों को लड़कियों के समान अधिकारों के बारे में शिक्षित करते हैं, लेकिन वर्ष में दो बार, वे 5,000 से अधिक बच्चों को शिक्षित करने के लिए, बौएनै के सभी आठ स्कूलों का दौरा करते हैं।

"मुझे अपना स्वयं के व्यवहार में बदलाव लाकर शुरू करना पड़ा और मैने अपनी बहनों की सहायता करना और उनके अधिकारों का सम्मान करना शुरू किया। अब मैं चाहता हूं कि सभी लड़के मेरे उदाहरण का पालन करें और जैसा मैं करता हूं, वैसा ही करें," ज़ैड्रिक कहता है।

मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत "बन गया जब मैं 13 वर्ष का था। अपने प्रशिक्षण के बाद मैंने लड़कों और लड़कियों के समान अधिकारों के लिए लड़ना शुरू किया। मुझे अपनी बहनों के प्रति अपने व्यवहार में बदलाव लाकर शुरू करना था। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया था कि कुछ काम होते हैं जो लड़कियां करती हैं और कुछ काम जो लड़के करते हैं, लेकिन वास्तव में, मैं अपनी बहनों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहा थ।

"मुझे लगता है कि मैं बदल गया हूं क्योंकि मैं घर के सभी कार्यों में सहायता करता हूं और अपनी बहनों का सम्मान करता हूं। उदाहरण के लिए, आज मैंने शुरुआत में अपनी माँ के साथ सुबह खेत में काम किया, और घर लौट कर मैंने पानी भरा। मैं सभी लड़कों और पुरुषों को दिखाना चाहता हूं कि यह संभव है और ऐसा ही होना चाहिए।"

माता-पिता से बात हो रही है

"मैं अब सभी लड़कों और लड़कियों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने और समान अधिकारों केलिए लड़ने केलिए स्कूलों और समुदायों का दौरा करता हूं।"

"गाँवों और समुदायों में, यिद हमारा पाला कुछ ऐसे माता-पिता से पड़ता है, जो लड़िकयों केअधिकारों का सम्मान नही कर रहे होते हैं, तो आमतौर पर, हममें से दो या तीन बाल अधिकार राजदूत एक साथ जाते हैं और उनसे मिलते हैं। हम उनसे लड़िकयों केअधिकारों केबारे में बात करते हैं और यह कि उनकी बेटियों केजीवन में इनको लागू करना कितना महत्वपूणर है।"

"आमतौर पर, हम स्कूलों और समुदायों में, यह समझाने केलिए बैठकें करते हैं कि लड़िकयों केअधिकारों का सम्मान कैसे किया जाना चाहिए। हम बाल अधिकारों तथा लड़कों एवं लड़िकयों के परति अपने दायित्वों केबारे में अपना ज्ञान उनसे साझा करते हैं। हम उनसे अन्य बातों केअतिरिक्त, बच्चों केविरुदध हिंसा, यौन शोषण, बाल विवाह और बच्चों की तस्करी पर चचार करते हैं।"

व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता

"हम घर पर भी लड़के से कह कर उनकी बहनों एवं माताओं की सहायता करने की कोशिश करते हैं। मोज़ाम्बिक की परंपरा के अनुसार, लड़कों और पुरुषों के विशिष्ट कार्य हैं जैसे कि खेतों में काम करना, घरों का निर्माण करना और पशुधन को चराना। घर के अन्य कार्यों और बच्चों की देखभाल करना महिलाओं और लड़कियों के कार्य है। मैं मैदान (मचम्बा) जाता हूं, लेकिन मैं अपने परिवार के लिए भोजन भी तैयार करता हूं। मैं पानी भर कर लाता हूं, बर्तन धोता हूं और बरामदे में पोंछा लगाता हूं। मुझे आशा है कि मेरे आस-पास के सभी लड़के मेरे उदाहरण का अनुसरण करेंगे।"

"हमें लड़कों एवं पुरुषों को समझना चाहिए कि उन्हें लड़कियों के प्रति अपना व्यवहार बदलना होगा। बदलाव आयेगा, लेकिन हमें कभी भी बदलाव के लाभों का प्रदर्शन करते थकना नहीं चाहिए। वर्तमान में हम पाँच लड़के हैं जो बाल अधिकार राजदूत हैं। अब हम स्थानीय निर्णयकर्ताओं जैसे जिले के शिक्षा निदेशक तथा पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।"

"हम लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ना बंद नहीं करेंगे, क्योंकि कई लड़कियों के अधिकारों का अभी भी उल्लंघन हो रहा है। हम देखते हैं कि कितनी लड़कियाँ स्कूल जाना बंद कर देती हैं क्योंकि वे गर्भवती हो जाती हैं या उनको घर पर अपना होमवर्क करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।"

डब्लूसीपी समूह के 10 बाल अधिकार राजदूतों: विलियम, वेलिस्सा, औसेन्डा, इगोर, युसिना, ज़ाड्रिक, डिनोरसिया, फ्रांस, मैदा एवं डेनिस, में से सात इस समूह के भाग हैं और लड़कियों के अधिकारों के बारे में उन्हें शिक्षित करने के लिए जिले में सभी आठ स्कूलों का दौरा करने के लिए एक संयुक्त योजना बनाते हैं। वे अपने स्कूल में तथा अन्य स्कूलों में परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही उनके घरों में भी और उन सब में जिनसे उनके समुदाय में वे मिलते हैं।

PHOTOS: HANNA PERSSON

दशक बाल अधिकार हीरो के लिए प्रत्याशी

2010 में, ग्लोबल वोट में नेल्सन मंडेला और ग्रेका माचेल को 71 लाख बच्चों द्वारा चुना गया था, वो पहले *विश्व बाल पुरस्कार दशक बाल अधिकार हीरो* थे। 2020 डब्लूसीपी कार्यक्रम के लिए, एक बार फिर से डब्लूसीपी दशक बाल अधिकार हीरो का चयन करने का समय हो गया है। इसके उम्मीदवार आठ बाल अधिकार हीरो हैं जिन्हें 2011 और 2019 के बीच लाखों मतदान वाले बच्चों ने *बाल अधिकारों के लिए विश्व बाल पुरस्कार* का प्राप्तकर्ता चुना है। worldchildrensprize.org पर तुम इन बाल अधिकार हीरो के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हो और उन पर फिल्में देख सकते हो।

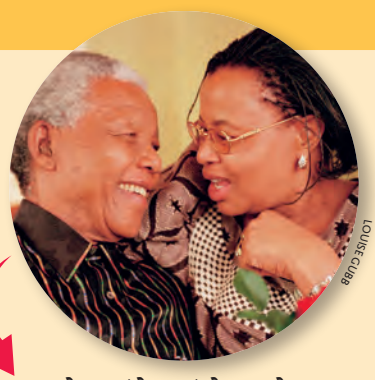

नेल्सन मंडेला एवं ग्रेका माचेल
डब्लूसीपी दशक बाल अधिकार हीरो 2010

उन्होंने पुरस्कृत धनराशि का उपयोग इस प्रकार किया:

मुरहाबाज़ी नामेगाबे,
डी आर काँगो
पृष्ठ 30-37
उन बच्चों को मुक्त कराने और पुनर्वास में सहायता करने में जिनका यौन शोषण किया गया और सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया।

फायमीन नाउन
कम्बोडिया
पृष्ठ 60-67
कचरे के ढेरों तथा आसपास के समुदाय से आये 450 वंछितं बच्चों के लिए अपना एक नया स्कूल बनाने में।

अन्ना मोलेल
तनज़ानिया
पृष्ठ 38-44
मासाई बच्चों एवं अन्य वंछित बच्चों के लिए एक स्कूल बनाने में।

मैनुअल राड्रिग्स
गिनी-बिस्साऊ
पृष्ठ 68-75
150 अंधे बच्चों के लिए एक प्राथमिक स्कूल और एक पुनर्वास केंद्र का निर्माण करने में।

जेम्स कोफी अन्नान
घाना
पृष्ठ 45-51
वंछित बच्चों तथा समुदाय के अन्य निवासियों के लिए एक खेल का मैदान बनाने में।

रेचिल लॉइड
अमेरीका
पृष्ठ 76-82
अधिक से अधिक लड़कियों की सहायता करने के लिए जिनका यौन व्यापार में, बचपन में शोषण किया गया था।

मलाला यूसूफजई
पाकिस्तान और ब्रिटेन
पृष्ठ 52-59
गाजा में फिलिपीन्स के बच्चों के युद्ध में नष्ट हुए स्कूलों के पुनर्निर्माण में।

अशोक दयालचंद
भारत
पृष्ठ 83-89
गरीबी में रह रही लड़कियों को अपनी शिक्षा जारी रखने में सहायता करने के लिए।

बच्चे अब बड़े हो गए हैं!
यह लेख तब लिखे गए थे जब बाल अधिकार हीरो एक पुरस्कार प्राप्तकर्ता था। अतः लेखों में चित्रित बच्चे अब पहले से बड़े हो गए हैं।

मुरहाबाज़ी को क्यों नामांकित किया गया है?

मुरहाबाज़ी नामेगबे को युद्धग्रस्त डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में बाल सैनिकों और अन्य वंछित बच्चों की सहायता करने हेतु संघर्ष के लिए नामित किया गया है।

चुनौती

डीआरसी में युद्ध 1998 में शुरू हुआ और वह विश्व के इतिहास के सबसे क्रूर युद्धों में से एक है। इसमें 30,000 से अधिक बच्चों (वर्तमान में 16,000) को सैनिकों के रूप में लड़ने के लिए मजबूर किया जा चुका है। लड़ाकों द्वारा दसों हजारों लड़कियों एवं महिलाओं का बलात्कार हुआ है। 2003 में एक शांति समझौता हुआ, लेकिन पूर्वी काँगो में संघर्ष जारी है।

कार्य

मुरहाबाज़ी और उसका संगठन बीवीईएस (BVES) 70 गृहों और केंद्रों को चलाता है, जहां पूर्व बाल सैनिक, हमलों से पीड़ित लड़कियां तथा युद्ध वाले क्षेत्रों के बच्चे जहां सशस्त्र समूह सक्रिय हैं, को भोजन, वस्त्र, देखभाल, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सहायता, इलाज, स्कूली शिक्षा, सुरक्षा और प्यार मिलता है। मुरहाबाज़ी को कैद कर लिया गया, उस पर हमला किया गया और उसे मौत की धमकी मिली। उसके आठ सहयोगी मारे जा चुके हैं।

परिणाम एवं लक्ष्य

1998 से अब तक, 4,81,500 बच्चों को एक बेहतर ज़िन्दगी बिताने के लिए बीवीईएस से समर्थन मिल चुका है। मुरहाबाज़ी और बीवीईएस ने 34,400 बाल सैनिकों को मुक्त करा लिया है, 4,500 उन लड़कियों की देखभाल की है जिनका सशस्त्र समूहों द्वारा यौन शोषण किया गया है तथा 8,500 बेसहारा शरणार्थी बच्चों की देखभाल की है। मुरहाबाज़ी लगातार सरकार, सभी सशस्त्र समूहों, संगठनों एवं समस्त समाज से देश के बच्चों की देखभाल के लिए आग्रह करता रहता है।

PAGES 30–37

बाल अधिकार हीरो 1

मुरहाबाज़ी नामेगाबे

"तुम आज रात मरने वाले हो। अपना आखिरी भोजन कर लो!" मुरहाबाज़ी ने अपने मोबाइल फोन पर आया यह छोटा संदेश पढ़ा। वह संयुक्त राष्ट्र की एक महत्वपूर्ण बैठक में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगो में उन बच्चों के बारे में चर्चा कर रहा था जिनको सैनिक बनने के लिए मजबूर किया जा रहा था। क्या कमरे में किसी ने उसे मौत की धमकी भेजी थी? मुरहाबाज़ी ने युद्धग्रस्त डीआर काँगो में, हजारों शोषित और प्रताड़ित किया जा रहे बच्चों की सहायता करने में, अपने संघर्ष के दौरान, अनेकों शत्रु बना लिए हैं। "मैं बच्चों के अधिकारों के लिए हर रोज़ लड़ते हुए मरने के लिए तैयार हूं," मुरहाबाज़ी नामेगाबे कहता है।

मुरहाबाज़ी का तो जन्म ही नहीं हुआ जब उसे अपनी पहली मौत का खतरा हुआ था। 1964 में पूर्वी काँगो के बुकावू में युद्ध चल रहा था, और उसकी गर्भवती माँ जुलिएन वहीं की सकरी गलियों में भाग गई थी। एक सैनिक ने उसके गर्भवती पेट पर अपनी राइफल का बैरल दबाया, लेकिन उनके नेताओं में से एक ज़ोर से बोलाः "उसे मत मारो! उसे जाने दो! "

दो सप्ताह बाद मुरहाबाज़ी का जन्म हुआ। माशी भाषा में उसके नाम का अर्थ है 'एक जो युद्ध में पैदा हुआ था' और 'एक जो दूसरों की सहायता करता है'।

"मेरी माँ सदैव कहती है कि मेरा जीवन वंछित लोगों की रक्षा में समर्पित करने के लिए पहले से ही निर्धारित था।"

सब को भोजन मिलना चाहिए!

मुरहाबाज़ी, बुकावु के सबसे गरीब जिलों में से एक में बड़ा हुआ। पर क्योंकि उसके पिता के पास नौकरी थी, तो उसके परिवार के पास हमेशा भोजन होता था और बच्चे स्कूल जा पाते थे।

"मेरे बहुत से दोस्त हमेशा भूखे रहते थे और वे स्कूल जाने का खर्चा नहीं उठा पाते थे। मुझे लगा कि यह अनुचित था। हर रोज, जब हम भोजन करने वाले होत थे, तब भूखे बच्चे हमारे घर के बाहर इकट्ठे हो जाते थे। मुझे लगा कि इन बच्चों को हमारे साथ बैठने और खाने की अनुमति दी जानी चाहिए और मैंने अपनी माँ से कहा कि मैं तब तक भोजन नहीं करूंगा जब तक यह स्थिति नहीं सुधरती!"

मुरहाबाज़ी ने अपने स्कूल के मित्रों से बात की और साथ में उन्होंने जिले के भूखे बच्चों की तरफ से प्रचार करना शुरू किया। हर दोपहर वे गाने गाते हुए घूमते थे कि कैसे वयस्कों को सारे बच्चों की देखभाल करनी चाहिए। बच्चों ने बताया कि उन्होंने भूख हड़ताल पर जाने की योजना बनाई है, जब तक उनकी मेज पर, पड़ोस के सबसे गरीब बच्चों का स्वागत नहीं किया जाता।

"जल्द ही, हर दिन, स्कूल के बाद, हम सत्तर से अधिक बच्चे प्रदर्शन कर रहे थे!"

अंत में भूखे बच्चों को रात का भोजन, उन परिवारों के साथ, जिनके पास साझा करने के लिए पर्याप्त भोजन था!

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सुरक्षा

मुरहाबाज़ी, यूएन की जीप के सामने, एक बाल सैनिक से बात करते हुए ।

"पहले हमें पैदल जाना पड़ता था और मैंने अक्सर बाल सैनिकों को मुक्त कराने के लिए स्वयं बचाव अभियान चलाये। अब मुझे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा मिलती है जब मैं विभिन्न सशस्त्र समूहों से मिलने जाता हूं।"

बाल अधिकार

बच्चे विरोध प्रदर्शन करते रहे, इस बार माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों को मारने से रोकने के लिए, तथा हर बच्चे के स्कूल जाने के अधिकार के लिए। मुरहाबाज़ी जितना बड़ा हो गया, उतनी ही समस्याएँ उसने डीआर काँगो में बच्चों के लिए देखीं। वह जानता था कि बच्चों को उनका मुद्दा उठाने के लिए वयस्कों की आवश्यकता पड़ेगी, और यह कि उसे भी बच्चों की ठीक से सहायता करने में सक्षम होने के लिए स्वयं अधिक ज्ञान की आवश्यकता थी। अतः उसने विश्वविद्यालय में बाल विकास एवं स्वास्थ्य का अध्ययन किया।

20 नवंबर 1989 को मुरहाबाज़ी ने रेडियो पर समाचार सुना। न्यूज़ रीडर (समाचार वाचक) ने घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकारों पर सम्मेलन को अपना लिया है। सम्मेलन के अनुसार सारे विश्व के बच्चों को एक अच्छा जीवन व्यतीत करने का अधिकार है। न्यूजरीडर ने यह भी कहा कि सम्मेलन पर हस्ताक्षर करने वाले प्रत्येक देश को अपने सभी निर्णयों में बच्चों के हितों को सर्वोत्तम ध्यान में रखना होगा।

"मैं बहुत खुश था। मैंने अपने घर पर एक बैठक आयोजित की, जिसमें हमने निर्णय लिया कि हम बाल अधिकारों पर सम्मेलन को डीआर काँगो की सरकार द्वारा हस्तान्तिरित करवाने के लिए अपना पूरा प्रयास करेंगे।"

बीवीईएस

मुरहाबाज़ी के समूह ने अपना नाम बीवीईएस (ब्यूरो पौर ले वोलोंटैरिएट औ सर्विस डे ल'इनफांसे एट डि ला सैंटे) अर्थात (ब्यूरो फॉर वॉलंटियर सर्विस फॉर चिल्ड्रन एंड हेल्थ) रखा। उसने डीआर काँगो में बच्चों की परिस्थिति को समझना शुरू किया।

"हम अक्सर पिछड़े दूर के गांवों तक पहुंचने के लिए वर्षावन से होकर कई दिनों तक पैदल चलते रहे। रात में, हम तेंदुए एवं अन्य खतरनाक जानवरों से बचने के लिए पेड़ों पर सो गए।" मुरहाबाज़ी और बीवीईएस ने डीआर काँगो के गावों में बच्चों के जीवन के बारे में तथ्यों को संकलित करना शुरू किया। भयानक तथ्य।

"जब हमने सरकार को अपने परिणाम सूचित किये, तो वे बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं हुए। अगर कोई देश के बारे में कुछ भी नकारात्मक कहता था, जैसे कि यहाँ बच्चे पीड़ित थे, तो इसे सरकार पर हमले के रूप में देखा जाता था। यदि हम नहीं रुकते, तो हमको जेल में बंद कर दिया जाता।"

सड़क के बच्चे

मुरहाबाज़ी ने सप्ताह में एक बार रेडियो पर बोलना शुरू किया, जिससे हर कोई बाल अधिकारों पर सम्मेलन के बारे में सुने और डीआर काँगो में बच्चों के जीवन के बारे में भी। हर बार, उसने अपनी मांग दोहराई कि सरकार सम्मेलन पर हस्ताक्षर करे।

"बुकावु की सड़कें उन बच्चों से भरी हुई थीं जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। उनके माता-पिता या तो गरीब थे या एड्स से मर चुके थे। कई लोगों ने इन बच्चों को 'कुत्तों' के रूप में संदर्भित किया, लेकिन हमने कहा कि उन्हें सुरक्षा और प्यार की जरूरत है। 1994 में हमने सड़क के बच्चों के लिए अपना पहला गृह खोला।"

सबसे भयंकर युद्ध

- डीआर काँगो का युद्ध विश्व के इतिहास के सबसे क्रूर युद्धों में से एक है। यह 1998 से चल रहा है।
- युद्ध के परिणामस्वरूप 60 लाख से अधिक लोग लड़ाई में, या भूख और बीमारियों के कारण मारे जा चुके हैं।
- देश में, 30,000 से अधिक बाल सैनिक थे; आज 16,000 हैं।
- डीआर काँगो में 70 लाख से अधिक बच्चे स्कूल नहीं जाते।

मुरहाबाज़ी, वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इस प्रकार अपना योगदान दे रहा है:

लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण। लक्ष्य 4: सभी बच्चों को शिक्षा मिलने का अधिकार है। लक्ष्य 5: लड़कियों के विरुद्ध हिंसा एवं यौन उत्पीणन को रोकना है। लक्ष्य 8: बच्चों को सैनिकों के रूप में इस्तेमाल किये जाने पर प्रतिबंध। लक्ष्य 16: शांतिपूर्ण एवं सबको सम्मिलित करने वाले समाज।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: BO ÖHLÉN

बच्चों को छुड़ाना कठिन

"सशस्त्र समूहों के साथ बातचीत करना आसान नहीं है। वे हमें मारने की धमकी देते हैं जब हम उन्हें बच्चों को छोड देने को कहते हैं। फिर बच्चों को संभालना कठिन होता है क्योंकि वयस्कों द्वारा उनका बहुत शोषण और नुकसान किया जा चुका होता है। और अंत में, जब बच्चों को अपने घरों में लौटने का समय होता है, तब उनके परिवारों, पड़ोसियों, गांवों और स्कूलों को इन बच्चों को स्वीकार करवाना भी कठिन हो सकता है," मुरहाबाज़ी बताता हैं।

बाल सैनिक

"हमने सोचा कि हमने सबसे खराब समय देख लिया था, लेकिन फिर युद्ध शुरू हो गया और तब यहां सभी बच्चों के लिए जीवन बिलकुल नरक हो गया," मुरहाबाज़ी कहता है।

1996 में, बुकावु पर, रवांडा के समर्थन से, विभिन्न काँगो विद्रोही सेनाओं द्वारा आक्रमण किया गया। इसके बाद चलने वाले युद्ध में बच्चों को सीधे निशाना बनाया गया।

"लड़ाकों ने शरणार्थी बच्चों के लिए बने हमारे तीन बाल गृहों को नष्ट कर दिया। मैं समय पर बच्चों को छिपाने में कामयाब रहा, लेकिन मेरा पहला सहयोगी और मित्र मारा गया।"

सभी समूह जो लड़ रहे थे, जिनमें डीआर काँगो की सेना शामिल थी, वे लड़कों का अपहरण कर रहे थे और उन्हें सैनिक बनने के लिए मजबूर कर रहे थे, तथा लड़कियों को यौन दास की तरह इस्तेमाल करने के लिए अपहरण कर रहे थे।

मोबाइल फोन युद्ध को ईंधन देते हैं

डीआर काँगो में सोने और हीरे जैसे मुल्यवान धन काफी मातरा में हैं, इसके अतिरिक्त टंगस्टन और कोल्टन जैसे खनिज भी हैं जो मोबाइल फोन और कंप्यूटर के निर्माण में उपयोग किये जाते हैं। डीआर काँगो में चल रहे संघर्ष को यूरोपीय एवं एशियाई व्यापार द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो कंम्पनियां मोबाइल फोन, कंप्यूटर एवं कंप्यूटर खेलों के निर्माण में लगी हैं। बेल्जियम, यूके, रूस, मलेशिया, चीन और भारत की कंपनियों की पहचान की गई है क्योंकि वे उन सशस्त्र समूहों से खनिज खरीदती हैं जो बाल अधिकारों का क्रूरतापूर्वक उल्लंघन करते हैं। यह कंपनियां उनसे खनिज खरीद कर युद्ध को जारी रखे हैं।

"बेशक मुझे कठोर लड़कों की देखभाल करने का अनुभव था जो पहले सड़कों पर रहते थे, लेकिन बाल सैनिकों का मामला बिलकुल अलग था। लगभग दस साल की आयु के लड़के, जो नशा करते थे, वर्दी पहने थे और बड़े हथियार पकड़े थे। वे वयस्कों द्वारा पूरी तरह से नष्ट कर दिये गए थे। मैं उनको बचाने के लिए सब कुछ करना चाहता था," मुरहाबाज़ी बताता है।

पहला बचाव अभियान

"एक दिन मुझे निराशा में डूबी माताओं का एक समूह मिला, जिन्होंने मुझे बताया कि उनके गाँव से 67 बच्चों का अपहरण कर लिया गया था।"

मुरहाबाज़ी एक केलों का गुच्छा और बाल अधिकारों पर पुस्तकों से भरे एक बैग के साथ निकल पड़ा। अकेला।

"मैंने बिना सही बताए कि मैं कहां जा रहा हूं, एक मोटरसाइकिल टैक्सी कर ली। अगर मैने यह बता दिया होता, तो मुझे कभी सवारी नहीं मिलती!"

जब मुरहाबाज़ी विद्रोही सेना के शिविर में पहुंचा, तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उनके नेता के पास ले जाया गया, जिसने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है।

"मैंने कहा कि हमारी संस्कृति में वयस्क हमेशा बच्चों की देखभाल करते हैं, लेकिन मैंने सुना है कि इस सेना ने बच्चों को चुराया था और उन्हें स्कूल जाने के बजाय लड़ने के लिए मजबूर किया था। मैंने कहा कि मैं वहां बच्चों को पुनः उनके माता-पिता के पास ले जाने के लिए आया था। यह सुन कर नेता गुस्से से पागल हो गया! उसंने अपने सैनिकों को मेरी बाल अधिकारों पर पुस्तकों को फाड़ देने का आदेश दिया। फिर मेरी पिटाई शुरू हो गई।"

बच्चों को विदा किया

उन्होंने मुरहाबाज़ी से कहा कि उसके पास दो विकल्प हैं: या वह उनकी सेना में एक सैनिक बन जाए, या उसे मार दिया जाए। अगली सुबह जब वे उसे मारने की तैयारी कर रहे थे, तब एक नेता ने कार्यवाही रोक दी। वह पिछले दिन बहुत नशे में था जिस कारण वह मुरहाबाज़ी को पहचान नहीं पाया था। अब उसने कहाः "यह कोई दुश्मन सैनिक नहीं है। मुझे पता है कि यह आदमी बुकावु में सड़क के बच्चों की सहायता करता है।"

"बच्चे रोये और चिल्लाये कि मैं उनकी सहायता भी करुँ। मैंने सैनिकों से कहा कि उन्हें बच्चों को छोड़ना है। अगर उनकी योजना सरकार को गिराने और एक बेहतर देश बनाने की थी, तो बच्चों को सैनिकों के रूप में इस्तेमाल करना ऐसा करने का तरीका नहीं था। बच्चों को वापस स्कूल जाना था! और कौन वो नया और बेहतर देश बना सकेगा जो कि वे चाहते थे?"

नेताओं के बीच गरमागरम चर्चा हुई। कुछ लोग मुरहाबाज़ी से सहमत थे। अंत में वह उन्हें समझाने में कामयाब रहा और सैनिकों ने बच्चों को जंगल छोड़ कर जाने दिया। सबसे पहले बचाए गए 67 बाल सैनिक स्वतंत्र होते ही भागे!

मरने के लिए तैयार

यह 23 वर्ष पहले की बात है। मुरहाबाज़ी ने 34,430 बाल सैनिकों को मुक्त करा लिया है। उनमें से 2,017 ऐसी लड़कियां हैं, जिन्हें सैनिक या यौन मजदूर बनने के लिए मजबूर किया गया था। 4,81,500 बच्चे जो युद्ध के कारण पीड़ित हुए हैं - लड़कियों जिन पर यौन हमले किये गए हैं, बेसहारा शरणार्थी बच्चे, बाल सैनिक एवं सड़क के बच्चे - को एक बेहतर जीवन मिला है, मुरहाबाज़ी और बीवीईएस को धन्यवाद। बीवीईएस में 70 घर, स्कूल एवं केंद्र हैं जहां पर बच्चों को घर, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा, स्कूल जाने का अवसर, सुरक्षा और प्यार मिलता है। अधिकांश बच्चे अपने परिवारों के साथ पुनः जुड़ जाते हैं।

मुरहाबाज़ी के अनेकों शत्रु हैं। उसे टेलीफोन कॉल और टेक्स्ट संदेशों द्वारा धमकियां मिलती हैं, और वह शायद ही कभी, दो रातों में, एक ही जगह सोता है। उसके आठ सहयोगी मारे जा चुके हैं।

"डीआर कॉंगो और अन्य देशों में बहुत सारे सैनिक, राजनीतिज्ञ एवं व्यापारी हैं, जो युद्ध द्वारा बहुत धन कमा रहे हैं। देश में जितनी अशांति है, उतना ही उनके लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों, जैसे सोना और हीरे, को लूटना आसान होता है। धन पाने की होड़ में, सभी सशस्त्र समूह, यहां तक कि अन्य देशों की सेनाएं, बाल सैनिकों का उपयोग करती हैं, और हर कोई लड़कियों का बलात्कार करता है। जब मैं इसके खिलाफ लड़ता हूं, तो मैं बहुत सारे शक्तिशाली दुश्मन बनाता हूं क्योंकि मैं उनकी व्यवसायिक गतिविधियों को बाधित कर रहा हूं। वे हेग में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) को सूचित किए जाने से भी भयभीत हैं।"

"जैसे ही मुझे पता लगता है कि किसी सशस्त्र समूह में बच्चे हैं, तब मुझे उनको बचाने से कोई रोक नहीं सकता। मौत का खतरा या दुर्घटना नहीं। जब मुझे यह पता चला कि संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान मौत की धमकी देने वाले यह सैनिक थे, तो हर कोई चाहता था कि मैं देश छोड़ दूं। लेकिन मैं कैसे छोड़ दूँ? मैं बच्चों को निराश नहीं कर सकता। हर दिन मैं उनके लिए मरने को तैयार हूं।"

मुरहाबाज़ी और बीवीईएस कैसे काम करते हैं:

- मुरहाबाज़ी और बीवीईएस कैसे काम करते हैं:
- वे सशस्त्र समूहों से मिलते हैं और उनको बाल अधिकारों केबारे में सूचित करते हैं, जिससे लड़ने वाले सभी लोग इस बात से अवगत हों कि युद्ध में बच्चों केसाथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, दोनों संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन एवं कांगोलीज़ कानून केअनुसार, उदाहरण केलिए, यह तथ्य कि बाल सैनिकों पर परतिबंध है।
- बाल सैनिकों और यौन शोषण से पीड़ित लड़कियों केविमोचन की व्यविस्थत करके।
- शरणार्थी शिविरों में जाएँ और शरणार्थी बच्चों एवं सड़क पर रहने वाले बच्चों की देखभाल करके।
- मुक्त बाल सैनिकों, शोषित लड़कियों, बेसहारा शरणार्थी बच्चों और सड़क पर रहने वाले बच्चों को सुरक्षा, घर, भोजन, वस्त्र, स्वास्थ्य देखरेख, मनोवैज्ञानिक सहायता, स्कूल जाने का अवसर परदान करें जो उन्हें फिर से साधारण स्कूल में लौटने केलिए तैयार करता है, साथ ही व्यावसायिक परशिक्षण भी परदान करके।
- बच्चों केपरिवारों का पता लगा कर और बच्चों को उनकेघरों में लौटने में सहायता दे कर। वे हमेशा बच्चों के परिवारों, साथ ही पड़ोसियों, राजनेताओं, धार्मिक नेताओं और गांवों में शिक्षकों को पहले से तैयार करते हैं, ताकि बच्चों को स्वीकार किया जाए और उनका सही तरीके से स्वागत किया जाए। यिद बच्चे को उनकेपरिवार केसाथ फिर से जोड़ना संभव नहीं हो पाता, तो बीवीईएस बच्चे केलिए एक पालक परिवार खोजने में सहायता करता है।
- अक्सर बच्चों केपरिवारों का आर्थिक रूप से समथरन करके जिससे वे बच्चों को स्कूल भेज सकें और पयारप्त भोजन पराप्त कर सकें।
- अक्सर बच्चों को स्कूल की फीस और यूनीफामर उपलब्ध कराने में सहायता करके, कभी-कभी उनके विश्वविदयालय जाना शुरू करने तक।

मुटिया अपनी वर्दी जला देता है

भिन्न वर्दीयां

मुरहाबाज़ी आंगन में जाने से पहले लड़कों को बरामदे में इकट्ठा करता है जहां वर्दी जलाने की रस्म होगी। बाल गृह के लड़के अलग-अलग सशस्त्र समूहों के थे। चित्र में - लड़कों की अपनी सुरक्षा के लिए - वे वह वर्दी नहीं पहनते हैं जो वे सैनिक होने के समय पहनते थे, बल्कि किसी अन्य सशस्त्र समूह की वर्दी।

बुकावु में, मुहाबाजी के, पूर्व बाल सैनिक लड़कों के लिए बने एक शरणार्थी गृह पर, एक लड़कों का समूह, नया जीवन शुरू करने के लिए अपने परिवारों के पास घर लौटने की तैयारी कर रहा है। लेकिन पहले वह अपनी पुराने सैनिक वर्दीयों को जलाने जा रहे हैं। उनमें से एक 15 वर्षीय मुटिया है, जो दो साल बाल तक सैनिक रहा है।

"हमने अपना अंतिम पाठ, हाल ही में, एक शुक्रवार को समाप्त किया। मेरे दोस्त मवेसी और मैं अपने घर को जा रहे थे। अचानक हमारे सामने तीन सैनिक आ कर खड़े हो गए, उन्होंने कहाः 'तुम यहाँ से नहीं गुजर सकते! यदि तुमने भागने की कोशिश की तो हम तुम्हें वहीं गोली मार देंगे!' मेरे माता-पिता को सैनिकों द्वारा मार दिया गया था, इसलिए मैं बहुत डर गया था। हम रोने लगे और मेरे दोस्त की पिसाब निकल जाने से वो गीला हो गया। हम उनसे स्कूल जाने देने के लिए गिड़गिड़ाए लेकिन वे बस हंसे और कहाः 'हमें परवाह नहीं, तुम हर हाल में हमारे साथ चल रहे हो!' "

"सैनिकों ने हमारे स्कूल की वर्दियां को फाड़ कर चीर डाला। उन्होंने हमारे स्कूल की पुस्तकें फाड़ दीं। तीन दिनों तक जेल में पिटाई के बाद, उन्होंने हमें सैनिक वर्दीयां दीं।

कुछ ही दिन बाद, मुझे पहली बार लड़ने के लिए बाहर भेज दिया गया। फिर मैं दो साल तक उनके साथ फंसा रहा। मैं बच गया, लेकिन मेरे पांच दोस्त मारे गए। मैंने इतनी सारी मृत्यु और खून देखा।"

"मैंने यह सपना देखना छोड़ दिया था कि मैं कभी अपनी सैनिक वर्दी की स्कूल की वर्दी पहन पाऊंगा जब मुहाबाजी सैन्य शिविर में आया और अपनी मेरी जान बचाई। उसने मुझसे कहाः 'तुमको यहाँ नहीं होना चाहिए। तुम फिर से स्कूल जा रहे हो। मेरे साथ आओ।'"

"मैंने यहां बीवीईएस में फिर से स्कूल जाना शुरू कर दिया है और अब मैं अपने बड़े भाई के घर रहने जा रहा हूं, और मैं फिर से गांव में स्कूल जाऊंगां। लेकिन जाने से पहले हम अपनी पुरानी सैन्य वर्दी को जलाने जा रहे हैं। जब मैं गाँव वापस चला जाऊंगा, तब मैं इसकी जगह अपने स्कूल की वर्दी पहन लूंगा।"

गुड लक!

"मुटिया, तुम फिर से स्कूल जाना चाहते हो और एक नया जीवन शुरू करना चाहते हो। मुझे पता है कि तुम अच्छी तरह से तैयार हो और मैं भविष्य में तुम्हारी हर खुशी की कामना करता हूं!" मुरहाबाज़ी कहता है, और मुटिया को गले लगाता है। "धन्यवाद, पिताजी, धन्यवाद! मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा कि आपको अपनी लड़ाई जारी रखने की शक्ति मिले," मुटिया उत्तर देता है।

मुरहाबाज़ी का बैग

प्रत्येक बच्चा जो मुरहाबाजी के बाल गृहों में से एक में रहा है, को एक बैग मिलता है, जिसमें यह वस्तुएं होती हैं जिनसे उनका जीवन आसान हो जाता है जब वे अपने परिवारों के घर जाते हैं। बैग में होता है:

एक दाँत मांझने का ब्रश एवं मंजन

साबुन

एक कम्बल

एक तोलिया

नए वस्त्र

जूते

एक रेडियो

स्कूल यूनिफॉर्म को हाँ!

यूनीफार्म को जलाने के समय से पहले, लड़के संकेत देते हैं। मुटिया अपने संकेत पर पर 'स्कूल यूनीफार्म को हां' लिखता है।

TEXT: ANDREAS LONN PHOTOS: BO ÖHLÉN

वर्दीयां धुआं बन कर ऊपर चली जाती है

"अब हर कोई ध्यान से संकेत को देखो। वह कहता है 'कोई सैनिक की वर्दी नहीं'। अब तुम कभी सैनिक की वर्दी नहीं पहनोगे, तुम्हारे पास स्कूल की यूनीफार्म होंगी, यह कभी मत भूलना! अब हम वर्दियां जला देंगे!" मुरहाबाज़ी रोता है। मुटिया एवं अन्य लड़के, खुशी के नारों लगाते हुए, अपने सैन्य वस्त्र उतारते हैं और उन्हें जला देते हैं।

हम घर जा रहे हैं!

वो बड़ा दिन आ गया है। मुरहाबाज़ी और बीवीईएस को मुटिया के परिवार तथा पंद्रह अन्य लड़कों के परिवारों का पता लगाने में कामयाबी मिली है। अब, अंत में, वे कई वर्षों तक युद्ध में भाग लेने के बाद अपने घरों में लौटने जा रहे हैं।

बमों की जगह बॉलें!

"सैनिकों ने लड़कों से उनकी स्कूल की यूनीफार्म ले ली और उनके बदले उन्हें सैनिक की वर्दियां दे दी। और कलमों के बजाय हथियार। गेंदों के बजाय बम। लेकिन हम लड़कों को अपने साथ घर ले जाने के लिए फुटबॉल देते हैं। जो लोग एक-दूसरे के पास रहते हैं, वे एक फुटबॉल टीम बना सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन करते रह सकते हैं," मुरहाबाज़ी कहता है।

अलविदा दोस्त!

लड़के एक-दूसरे को अलविदा कहते हैं। वे कठिन समय में दृढ़ दोस्त बन गए हैं और उन्होंने एक-दूसरे की सहायता की है, भले ही वे घर जाने के लिए तरस रहे हों, फिर भी एक दूसरे से अलग होना आसान नहीं।

रेडियो महत्वपूर्ण है

"मैं तुमको एक रेडियो दे रहा हूं जिससे तुम जान सको कि हमारे देश और विश्व भर में क्या हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है। उस समाचार को सुनो जो तुमको बाल अधिकारों के बारे में बताए। रेडियो सौर ऊर्जा पर चलता है इसलिए तुमको बैटरी खरीदने की जरूरत नहीं।"

"यह वास्तव में बहुत खुशी का पल है! मेरी एकमात्र चिंता यह है कि नई लड़ाई उन क्षेत्रों में छिड़ जाएगी जहां लड़के लौट रहे हैं, और वे फिर से सैनिक बनने के लिए मजबूर हों जाएंगे। ऐसा होता है, और यह मुझे बहुत क्रोधित करता है। एक लड़के को तीन अलग-अलग सशस्त्र समूहों द्वारा, तीन बार लिया गया। हर बार हमने उसे मुक्त कराया," मुरहाबाज़ी कहता है।

हम घर जा रहे हैं!

हंसना और खेलना चाहता है

“मुझे वास्तव में घर पर अपने दोस्तों की याद आती है। मुझे आशा है कि वे अब मुझसे नहीं डरेंगे क्योंकि मैं एक सैनिक रहा हूँ। मुझे वास्तव में, केवल चैटिंग करना और फुटबॉल एवं अन्य खेल खेलना बहुत याद आता है। मुझे घर लौट जाने की खुशी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब क्या होगा, पर जो कुछ भी मैने एक सैनिक के रूप में अनुभव किया, उससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। कुछ नहीं।”

अक्सांती, 15, 4 वर्ष बाल सैनिक रहा

स्कूल जाने का सपना देखा

“मुझे स्कूल नहीं जा पाना सबसे अधिक याद आया। मुझे सदैव ऐसा लगता था कि मैं गलत जगह पर था, इसके बजाय मुझे स्कूल में होना चाहिए था। मुरहाबाज़ी मुझे फिर से स्कूल शुरू करने में सहायता करेगा जब मैं घर पहुंचूंगा, और मुझे यह एक सपना सच होता जैसा लग रहा है। स्कूल हमको जीवन में बहुत से अवसर दिलाता है। मैं राष्ट्रपति बनना चाहता हूं। पहली बात जो मैं करना चाहूंगा वो उन सभी बच्चों को मुक्त कराना जो सैनिक बनने के लिए मजबूर किये गए थे। मैं उनके परिवारों को खोजने में सहायता करूंगा और बच्चों को फिर से स्कूल शुरू करने दूंगा। अब मेरा सबसे बड़ा भय यह है कि मुझे सैनिकों द्वारा फिर से ले जाया जाएगा और लड़ने के लिए मजबूर किया जाएगा।”

अस्सुमनी, 2 वर्ष बाल सैनिक रहा

अपनी माँ की याद आती हे

“मैं अपनी मम्मी को देखने के लिए तरस रहा हूँ! युद्ध के दौरान मैंने हर समय उसके बारे में सोचा। सिपाही बनने के लिए मजबूर होने से पहले मैं खेतों में उसकी सहायता किया करता था और पानी भरकर देता था। मैं सदैव इस बात की चिंता करता था कि जब मैं छोटा था तब वह कैसे सामना करेगा क्योंकि मेरे पिताजी की मृत्यु हो गई थी। अब मैं बस घर जाना चाहता हूं और फिर से उसके पास होना चाहता हूं। मुझे चिंता है कि मैं अपने सभी दोस्तों को यहां छोड़ रहा हूं। हम अपने भयानक अनुभवों के बारे में एक दूसरे से बात करने में सक्षम हैं, और यह बहुत अच्छा रहा है। जो गाँव के लड़के सैनिक नहीं बने हैं वे कभी नहीं समझ पाएंगे कि मुझ पर क्या बीती है।”

ओबेदी, 15, 2 वर्ष बाल सैनिक रहा

अच्छे पत्थरों के सपने

“जो मुझे ले गए, उन्होंने मुझे सोने, हीरे एवं अन्य खनिजों की खुदाई करने के लिए मजबूर किया। मुझे जो कुछ भी मिलना था उसे अपने मालिकों को दे देना था। मैं उनका गुलाम था। हमने खानों में काम करने वाले अन्य लोगों पर हमला किया। मैं नहीं जानता कि कितने लोग मारे गए। हमने सोने और खनिजों का उपयोग, अमीर हथियारों के सौदागरों से हथियारों को खरीदने के लिए किया, वो बाहर से जंगलों में आए थे। यदि हमारे पास ये सारे खनिज नहीं होते, तो युगों पहले शांति रही होती। अब सभी प्राकृतिक धन हमारे लिए हा निकारक हैं। जबकि वास्तव में उन्हें हमारे लिए अच्छा होना चाहिए। यदि डीआर काँगो की सरकार खनिजों को ठीक से बेच लेती, तो हम स्कूलों, सड़कों और अस्पतालों का निर्माण कर लेतें। मैं ऐसे दिन का सपना देखता हूं। मैं एक दिन एक दर्ज़ी बनने और एक अच्छा जीवन जीने का सपना देखता हूं।”

इसाया, 15, 4 वर्ष बाल सैनिक रूप रहा

शांति की लालसा

“जब मैं सैनिक था, तब हर दिन युद्ध होता था। कभी शांति नहीं थी। मेरे मम्मी और पापा के अतिरिक्त, मुझे शांति नहीं मिलना सबसे अधिक याद रहा। मैं हर समय पीड़ित रहता था। यह बहुत बुरा था। आखिरकार अब मैं घर जाने में सक्षम हूं। मैं आशा करता हूं कि मेरी ज़िन्दगी अब अच्छी हो जाएगी। मैं फिर से स्कूल जा सकूंगा और बहुत सारे मित्र बना पाऊंगा। मुरहाबाज़ी ने मेरी जान बचाई। मुझे उसकी याद आएगी।”

अमानी, 15, 2 वर्ष बाल सैनिक रहा

फैदा - सैनिक और गुलाम

जब फैदा ग्यारह साल की थी, तब डेमाक्रैटिक रिपब्लिक आफ काँगो के कई सक्रिय सशस्त्र समूहों में से एक ने उसका अपहरण कर लिया था। यह एक दुःस्वप्न की शुरुआत थी जो चार साल तक चली, जिसके दौरान उसे एक सेक्स गुलाम और एक सैनिक दोनों होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फैदा अपने दोस्तों की चीखें पास में सुन सकती थी। वे भी सैनिकों के हाथों दुर्भाग्य से उसकी तरह पीड़ित थे। फैदा और उसके मित्र अपने परिवारों के कसावा के खेतों में काम कर रहे थे। किसी ने सैनिकों पर ध्यान न हीं दिया और तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अब फैदा के दो मित्र मर चुके थे। जब सैनिकों में से एक ने फैदा पर हमला करने के लिए अपना कुल्हाड़ा उठाया, तो कमांडेंट चिल्लायाः

"उसे मत मारो! वह मेरी पत्नी बन सकती है!"

सशस्त्र सैनिकों ने फैदा और उसकी दोस्त अकीजा की निगरानी की जब वे खेत में चलने लगे, बिलकुल नंगे।

जब वे सैनिकों के शिविर में पहुंचे, तो यह फिर से शुरू हो गया।

"अगले दिन कमांडेंट और कुछ सैनिक लूटपाट करने चले गए। जैसे ही वह चले गए, जो सैनिक बचे थे, उन्होंने मेरा यौन शोषण करना शुरू कर दिया।" जब कमांडेंट वापस आता था तो फैदा सिर्फ उसकी होती थी। लेकिन जैसे ही वह लड़ने या लूटपाट करने चला जाता था, तो सब फैदा का यौन शोषण किया करते थे। हर रोज़। दिन भर।

एक सैनिक के रूप में जीवन

"वे हमको ज़बरदस्ती ड्रग्स लेने के लिए मजबूर किया करते थे, उनके बावजूद मैं हर किसी की गुलाम बन कर नहीं रह सकती थी।" शिविर में कुछ लड़कियाँ सैनिक थीं, और फैदा ने देखा था कि उनके साथ कभी बलात्कार नहीं होता था। उसने कमांडेंट से पूछा कि क्या वह एक सैनिक बन सकती है।

"वह मान गया, और दो महीने हथियारों के प्रशिक्षण के बाद, मैं उसकी सेना का एक सदस्य थी।" एक दिन सुबह जल्दी फैदा का पहला हमला करने का समय आ गया। "हमें कैम्प छोड़ने से पहले ड्रग्स दिये गए। हम बच्चों को सबसे आगे चलने के लिए मजबूर किया गया। मेरी दोस्त अकीज़ा को अचानक पीठ में गोली लगी। वह मर गई।"

फैदा लगातार भागने के बारे में सोच रही था। लेकिन वह नहीं भाग सकी।

"एक छोटे लड़के ने एक बार भागने की कोशिश की। उसे तुरंत गोली मार दी गई।"

फैदा अपनी बड़ी बहन डोनिया के साथ रहती हैं, और यहाँ वे मिल कर कपड़े धोने का काम करते हैं। "जब मुझे बीवीईएस में बुलाया गया और बताया गया कि उन्होंने मेरी फैदा को बचा लिया था, तो मैं बहुत खुश हुई। आज वह मेरी बेटी है और मेरे परिवार की है," डोनिया कहती है।

फैदा अपने भतीजे को गले लगाती है। "मुझे पता ही नहीं था कि बच्चों के भी अधिकार होते थे जब तक मै मुरहाबाज़ी से मिली नहीं थी। अनेकों लड़कियां, जिनका मेरे जैसा अनुभव रहा है, एड्स की बीमारी से संक्रमित हैं। मुहाबाजी मुझे एचआईवी परीक्षण के लिए अस्पताल ले गया, लेकिन जब मैं सैनिकों के साथ थी तब मुझे उनसे संक्रमण नहीं हुआ था।"

"पहली बार जब मुरहाबाज़ी आया, तो मैंने एक निहत्थे आदमी को हवा में अपने हाथों को हिलाते हुए देखा, वह कह रहा थाः 'अमानी लियो!', 'अब शांति! '। वह आसानी से मारा जा सकता था, लेकिन वह डरा नहीं था," फैदा याद करती है।

मुरहाबाज़ी ने कहा कि वह बच्चों को घर ले जाने के लिए वहां आया था और बच्चों को सैनिक नहीं होना चाहिए, उन्हें स्कूल जाना चाहिए।

कमांडेंट ने बच्चों को रिहा करने से इनकार कर दिया, इसलिए मुरहाबाज़ी को खाली हाथ लौटना पड़ा। कुछ साल बाद वह वापस आया, लेकिन इस बार भी वही हुआ।

तीसरी बार भाग्यशाली

जब फैदा को रखे चार साल हो चुके थे, तो मुरहाबाज़ी फिर आया।

"मुझे विश्वास नहीं हुआ जब मुरहाबाज़ी ने मुझे गले लगाया और कहाः 'यही तुम्हारा मौका है! सब कुछ ठीक हो जाएगा'।"

मुरहाबाज़ी के यौन शोषण से पीड़ित लड़कियों के लिए बने गृह पर, फैदा को फिर से स्कूल शुरू करने का अवसर मिला।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: BO ÖHLÉN

अन्ना को क्यों नामांकित किया गया है?

अन्ना मोलेल को उत्तरी तंजानिया के ग्रामीण इलाकों में चलन-बाधित मासाई बच्चों तथा गरीबी में रह रहे अन्य बच्चों हेतु लड़ने के लिए नामांकित किया गया है।

चुनौती

मासाई चरवाहा होते हैं, लेकिन 20वीं शताब्दी की शुरुआत से वे बहुत जलदी गरीब हो गए हैं। उनकी जमीन को ले लिया गया और अमीर व्यापारियों को बेच दिया गया। मासाई को उन क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर किया गया है, जहां उनके पशुधन के लिए कोई चराई नहीं है, और खेती के लिए कोई जमीन नहीं है। जो बच्चे चलन-बाधित होते हैं, उन्हें अक्सर छिपा कर रखा जाता है, या गरीबी और पूर्वाग्रह के कारण उनके अपने माता-पिता द्वारा छोड़ दिया जाता है।

कार्य

अन्ना और उसका संगठन 'हुदुमा या वालेमवु' (Huduma ya Walemavu) अर्थात 'विकलांगों की देखभाल' उन बच्चों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देता है जो चलन-बाधित होते हैं। उन्हें स्वास्थ्य देखभाल, ऑपरेशन, फिजियोथेरेपी, चिक्तिसा और व्हीलचेयर तथा अन्य गतिशीलता सहायक उपकरण देते हैं, और स्कूल जाने और सुरक्षा तथा प्यार का आभास कराते हैं। माता-पिता को सहायता मिलती है और उनको शिक्षा दी जाती है, जिससे जब बच्चों अपने घरों में वापस लौटें तो वे उन की देखभाल कर सकें। अन्ना, अब एक पेंशनभोगी के रूप में, बेसहारा बच्चों के लिए अपना स्कूल चलाती है।

परिणाम और लक्ष्य

1990 के बाद से, लगभग 15,000 बच्चों, जिनमें मुख्यतः चलन-बाधित मसाई बच्चे हैं, को अन्ना के काम के माध्यम से एक बेहतर जीवन दिया गया है। अन्ना राजनेताओं एवं संगठनों के संपर्क में रहती है और उनसे बच्चों के हितों का प्रतिनिधित्व करती है, और मांग करती है कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए।

बाल अधिकार हीरो 2

अन्ना मोलेल

पृष्ठ 38-44

अन्ना मोलेल केवर्ल छह वर्ष की थी जब उसने पहली बार अनुभव किया कि उत्तरी तंजानिया के मासाई गांवों में चलन-बाधित बच्चों के लिए जीवन कितना कठिन हो सकता हैं। कई वर्षों बाद, अन्ना एक गांव में पहुंची जो उसे लगा कि बिलकुल खाली था। लेकिन एक घर के फर्श पर, उसे आठ साल की एक लड़की, नइमयाक्का मिली, जो हिलने-डुलने में असमर्थ थी और मर गई होती यदि अन्ना ने आ कर उसे बचाया नहीं होता।

अन्ना, जो मासाई लोगों के वंश की है, छह साल की थी और पड़ोसी गाँव में अपने दोस्तों के साथ खेल रही थी जब उसने एक घर के अंदर एक आवाज़ सुनी।

"मैंने अपने दोस्त से पूछा कि यह कौन था। उसने कहा कि यह उसकी बहन थी, जिसे बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। उनकी मां नहीं चाहती थी कि किसी को पता चले कि उनकी एक बेटी है जो 'बिल्कुल सही नहीं है'।"

"मैं घर में घुसी और वहाँ देखा कि एक छोटी लड़की पड़ी हुई थी। जब उसने मुझे देखा तो वह मुस्कुरायी," अन्ना याद करती है।

अन्ना नौरी से मिलती है

अन्ना ने लड़की की बैठने में सहायता की और वे खेलने लगे। लड़की, नौरी, खुश हुई कि आखिरकार उसे कोई साथी मिला। अगले दिन, जब अन्ना लौटी, तब नौरी की माँ पानी भर कर ला रही थी।

"हमें समय का अंदाज़ा नहीं हो पाया। अचानक नौरी की मम्मी अंदर तेज़ी से आई और मुझे एक बेंत से मारा। उसने चिल्लाते हुए कहा कि मैं कभी उनके घर में पैर नहीं रखूँ।"

लेकिन अन्ना अगले दिन फिर आ गई।

"अन्य बच्चे डरते थे, लेकिन मैंने कहा कि सभी को दोस्तों की जरूरत होती है और नौरी कोई अनोखी नहीं है।"

अन्ना अन्य बच्चों को समझाने में कामयाब रही। वे खेलते समय बारी-बारी

अन्ना वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान देती है, जिनमें निम्न शामिल हैं:

लक्ष्य 1: कोई गरीबी नहीं। लक्ष्य 4: हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने का अधिकार। लक्ष्य 10: असमानताओं को कम करना। लक्ष्य 11: अन्य बच्चों के समान, विकलांग बच्चों को भी वही अधिकार मिलें।

वापस गाँव मे

"हमारा उद्देश्य हमेशा होता है कि बच्चे अपने गाँव लौट जाएँ और अपने परिवार के अन्य लोगों की तरह अपना जीवन व्यतीत करें। वे अन्य बच्चों के साथ स्कूल जाएं और समुदाय का एक भाग बने," अन्ना कहती है।

से चैकीदारी करते थे जब अन्य बच्चे खेला करते थे, और जब चैकीदारी करने वाला बच्चा बताता था कि उसकी मां आने वाली थी, तो सब बच्चे बाहर भाग जाते थे। कुछ दिनों बाद, अन्ना ने नौरी की खड़े होने में सहायता की और उसे चलने का अभ्यास कराया। जल्द ही नौरी अन्य बच्चों के साथ मिलकर खेलने लगी।

कुछ सप्ताह बाद, नौरी की माँ अन्ना के घर आई।

"उसने कहा कि वह जानती थी कि मैं क्या कर रही हूँ और वह चाहती है कि मैं यह जारी रखूँ! नौरी को इतना अच्छा कभी नहीं लगा था और यह एक चमत्कार था कि वह अब चल सकती थी और दौड़ भी सकती थी।"

अन्ना ने पूछा कि क्या नौरी स्कूल जाना शुरू कर सकती है, लेकिन उसकी मां इसके लिए तैयार नहीं हुई।

"इसलिए मैंने अपने स्कूल के बाद, हर दिन नौरी के पास जाना शुरू कर दिया और उस दिन जो कुछ भी मैंने सीखा होता था, वह उसे सिखाती थी। मैं उसकी एकमात्र शिक्षिका बन गई जो उसे कभी भी मिली।"

बच्चों के लिए लड़ना शुरू करती है

अन्ना ने नर्स बनने का प्रशिक्षण लिया। एक दिन, एक जर्मन महिला आई और उसने उससे बात करना चाहा।

"वह जानती थी कि मैं एक मासाई थी, और हमारे गाँवों में विकलांग बच्चों के बारे में और जानना चाहती थी। मैंने उसे बताया कि किसी विक्लांग बच्चे का जन्म होते ही उसे मार डालना या कहीं छोड़ देना साधारण बात थी। लोगों को लगता था कि यह उनके द्वारा किये गए किसी गलत काम की सज़ा है जो बच्चा विकलांग पैदा हुआ है। लेकिन मेरा मानाना यह था कि सबसे बड़ा कारण यह था कि मासाई चरवाहे हैं जो जीवित रहने के लिए सवाना घास से होकर लंबी दूरियों तक चलते हैं और अपने पशुओं के लिए नए चराहगाह ढूँढ़ते थे। यदि कोई बच्चा विक्लांग होता था, तो उसे पूरे समूह के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में देखा जाता था। मैंने बताया कि इन बच्चों के अधिकारों का अभी भी उल्लंघन हो रहा था। वे छिपा दिये जाते थे, उनको आवश्यक उपचार उपलब्ध नहीं कराये जाते थे और उन्हें स्कूल जाने या खेलने की अनुमति नहीं होती थी।"

जर्मन महिला ने अन्ना से पूछा कि क्या वह मासाई गांवों में विक्लांग बच्चों के लिए एक परियोजना शुरू करने में सहायता करना चाहेंगी, जिसे 'हुदुमा ये वालेमवु' कहा जाएगा।

"मैंने तुरंत हाँ कह दिया। मैं इसी की प्रतीक्षा कर रही थी! अब मैं आशा कर सकती थी कि मैं विकलांग बच्चों के लिए अधिक कर सकूंगी, उसकी अपेक्षा जो मैंने नौरी के लिए किया था जब मैं छोटी थी।"

हार नहीं मानी

अन्ना ने 1990 में गांवों में गाड़ी चला कर, विकलांग बच्चों के अधिकारों की बात करना शुरू कर दिया था। साथ ही, वह उन बच्चों की तलाश भी करती थी जिन्हें सहायता चाहिए होती थी। जिन बच्चों से उसका पाला सबसे

वंछित मासाई

मासाई चरवाहै होते हैं। कुल लगभग दस लाख मासाई हैं, जिसमें आधे तंजानिया में और आधे केन्या में। 20वीं शताब्दी की शुरुआत से, मासाई द्वारा परंपरागत रूप से उनके पशुओं के लिए चराई के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले भूमि क्षेत्र सिकुड़ गए हैं। अधिकारियों ने मासाई भूमि के बड़े क्षेत्रों को निजी व्यक्तियों एवं कंपनियों को खेती, निजी शिकार के मैदानों तथा जंगली जानवरों वाले राष्ट्रीय उद्यानों के लिए उपलब्ध कराया है। 2009 में, दंगा पुलिस ने उत्तरी तंजानिया में आठ मासाई गांवों को जला दिया क्योंकि भूमि का इस्तेमाल एक निजी शिकार कंपनी और पर्यटकों द्वारा किया जाना था जो वहां बड़े शिकार का खेल चाहते थे। लोगों को उनके घरों से निकाल दिया गया, और 3,000 से अधिक पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों को बेघर कर दिया गया। जो मासाई अपने पशुओं को उपजाऊ क्षेत्र में चरने देते रहे, उन्हें जेल में डाल दिया गया।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: TORA MÅRTENS

खेलना ज़रूरी है!

"एक बच्चा को अकेला छोड़ देना और सबसे अलग रखना उसका सबसे बुरा अनुभव हो सकता है। इसी कारण हमारे लिए केंद्र में खेलना और सब के साथ रहना बहुत महत्वपूर्ण है," अन्ना कहती है।

पहले पड़ा, उनमें से एक थी पौलिना, 15, जिसने अपने माता-पिता को खो दिया था और पोलियो के परिणामस्वरूप चलन-बाधित थी। उसे चलन के लिए जमीन पर घिसटना पड़ता था। अन्ना ने सोचा कि गाँव के नेताओं को समझाना आसान होगा कि यदि पौलिना का सही ऑपरेशन किया जाए तो उसकी जिंदगी बेहतर हो सकती है। लेकिन अन्ना गलत थी।

"वे नहीं जानते थे कि कुछ विकलांग बच्चों के ऑपरेशन भी किए जा सकते हैं जिसके बाद वे बेहतर हो सकते हैं, इस लिए उन्होंने मुझ पर विश्वास नहीं किया। क्योंकि वे अस्पतालों से बहुत दूर रहते थे और पढ़ नहीं पाते थे न ही रेडियो खरीदना वहन कर सकते थे, अतः उन्हें इन बातों का पता नहीं था। उन्हें लगा कि यह पैसों की बर्बाद होगी। तब भी ये बच्चे पशुओं की देखभाल नहीं कर सकेंगे और न ही स्कूल जा पाएंगे।"

"लेकिन मेरी सबसे बड़ी समस्या यह थी कि मैं एक महिला थी। हमारे समाज में, महिलाओं की मूल रूप से कोई आवाज नहीं है, इसलिए उन्होंने मुझे गंभीरता से नहीं लिया।"

लेकिन अन्ना ने हार नहीं मानी। ठीक जिस प्रकार उसने छह साल की आयु में, नौरी की माँ को चुनौती दी थी, अब उसने गाँव के नेताओं को चुनौती दी। गाँव की यात्रा में चार घंटे का समय लगता था, लेकिन दो सप्ताह में अन्ना ने पाँच बार वहाँ की यात्रा की! हर बैठक में उसने बाल अधिकारों पर बात की, और कहा कि पौलिना के लिए एक निःशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था हो गई है। अंत में वह पुरुषों को समझाने में कामयाब हो गई।

खुशी के आंसु

अपने ऑपरेशन के बाद, पौलिना ने बैठने और खड़े होने का अभ्यास शुरू किया। कुछ सप्ताह बाद, उसने बैसाखी से चलना शुरू कर दिया।

"वह बहुत खुश थी, और मैं भी! जब पौलिना तीन महीने बाद घर गई, और खुद गाँव में चलने में सक्षम हो गई, तो लोग खुशी से रो पड़े!" यद्यपि अन्ना खुश थी कि पौलिना चल सकती थी, फिर भी उसे पता था कि यदि उसे भविष्य में आत्मनिर्भर होना है, तो उसे शिक्षा लेनी होगी।"

"पौलिना सिलाई वाली बनना चाहती थी, इसलिए हमने उसे एक पाठयक्रम शुरू करने में सहायता की। वह उसमें बहुत अच्छी थी!"

पौलिना की खबर दूसरे गांवों में फैल गई। लोगों ने खुले तौर पर अपने विकलांग बच्चों के बारे में बात करना शुरू कर दिया और वे भी सहायता लेना चाहते थे। अति दूर गाँवों के जिन बच्चों को सहायता चाहिए थी, अन्ना ने उन तक पहुँचने के लिए यात्रा की। अपनी यात्रा में, वह अधिक से अधिक बच्चों से मिलती थी।"

"1998 में, मांडुली में, हमारा अपना केंद्र तैयार हो गया। हमने फिजियोथेरेपिस्टों एवं नर्सों को नियुक्त किया। और शिक्षकों को भी, क्योंकि मुझे पता था कि जिन बच्चों की हम सहायता करते थे, वे कभी स्कूल नहीं जा पाते थे। 30 बच्चों के लिए जगह थी, लेकिन कई बार हमारे पास वहाँ, एक ही समय में, 200 बच्चे रहते थे।"

"यहां तक कि अगर हमारे पास कमरा नहीं होता था, तो भी हमने हर बच्चे को स्वीकार किया। परिवार इतने गरीब थे कि वे बच्चों का हमारे साथ रहने का भुगतान नहीं कर सकते थे, लेकिन हमने कभी किसी को वापस नहीं भेजा।"

अन्ना द्वारा पौलिना की सहायता करने से अब तक लगभग 30 साल हो चुके हैं, और तब से लगभग 15,000 बच्चों को अन्ना और 'हुदुमा या वाल्मेवु' की बदौलत बेहतर जीवन मिल चुका है।

केवल मासाई ही नहीं

"पहले हम केवल मासाई बच्चों के साथ काम कर रहे थे, लेकिन अब हम किसी भी बच्चे की देखभाल करते हैं, जिसे हमारी सहायता की जरूरत होती है चाहें वह किसी भी जातीय समूह या धर्म का हो। हमारे यहाँ मुसलमान और ईसाई हैं, और वो बच्चे जो हमारे पड़ोसी देशों में युद्ध छोड़कर भागे हैं। बाल अधिकारों के लिए लड़ने की कोई सीमा नहीं होती!" अन्ना कहती है।

'अलग प्रकार से काम करने योग्य' होने का क्या अर्थ है?

वर्षों से, *विकलांग* लोगों के बारे में अनेकों विभिन्न शब्दों का प्रयोग किया गया है, ऐसे शब्द जो अक्सर लोगों को यह महसूस कराते हैं कि वे दूसरों की तुलना में कम मूल्य के हैं। आज, तुम अक्सर *'अलग प्रकार से काम करने योग्य'* वाक्यांश को सुनते हो। हम सभी में क्षमताएं, अक्षमताएं, शक्तियां और कमजोरियां होती हैं। 'अलग-अलग प्रकार से काम करने योग्य' होने का अर्थ है कि हम किसी भी तरह समाज के अधिकांश लोगों से असमान हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुम और तुम्हारे मित्र सभी बच्चों से समान व्यवहार करो, और यह सुनिश्चित करो कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए। मिलकर हम पूरे समाज में विकलांग बच्चों की बाधाओं को कम करने के लिए लड़ सकते हैं। और विकलांग या 'काम काम करने में बाधित' बच्चों को 'अलग प्रकार से काम करने योग्य' कहना शुरू कर सकते हैं।

अन्ना ने नइमयाक्का को बचाया

"जब मैंने नइमयाक्का को उस खाली गाँव में पाया तो वह आठ वर्ष की थी और एक घर में फर्श पर पड़ी थी। मूत्र की तेज गंध थी क्योंकि वह अपनी विकलांगता के कारण चलने में असमर्थ थी। मुझे नहीं लगता था कि वह जीवित रहेगी," अन्ना कहती है।

हम अपने मोबाइल क्लिनिक से उस क्षेत्र में यात्रा कर रहे थे जहाँ एक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित छोटी अनाथ लड़की रहती थी, लेकिन नइमयाक्का हमेशा की तरह अपने वयस्क भाई-बहनों के साथ नहीं मिली थी। जब मैंने उसका पता लगाया, तो एक महिला ने कहा कि सूखे के दौरान, परिवार नए पशुधन की खोज में चला गया था।

"मुझे पता था कि नइमयाक्का के लिए चलना कितना कठिन था, इसलिए मुझे आश्चर्य हुआ कि वे उसे अपने साथ कैसे ले गए। मैं उसके गाँव गई, जो पूरी तरह खाली था। जब हम कार की ओर वापस चलने लगे तब हमें एक करहाने की आवाज़ सुनाई दी।"

एक शेर?

"पहले मुझे लगा कि यह कोई शेर होगा। जैसे हम घरों में से एक से हो कर निकले, तभी हमें वह अजीब सी आवाज फिर सुनाई दी। मुझे डर लगा, लेकिन मैंने सावधानी से अपना सिर घर के अंदर किया और पूछा कि क्या वहां कोई है। मुझे प्रतिक्रिया में थोड़ा कर्राहट सुनाई दी।"

"नइमयाक्का ज़मीन पर पड़ी थी, उसकी सांस बहुत कम चल रही थी। वहां मल की बदबू आ रही थी, क्योंकि वह अपनी सेरेब्रल पैल्सी के कारण बिलकुल असहाय थी। उसके निकट एक खाली कलश रखा था जिसमें दूध था। दूसरे कैलाश में थोड़ा पानी बचा था। नइमयाक्का बहुत कमज़ोर हो गई थी। मैं विक्लांग बच्चों को केंद्र में छोड़ कर चल जाने वाले परिवारों की आदि थी जो अपने बच्चों को दोबारा देखने कभी नहीं आते थे। लेकिन मैने किसी को इस तरह अपने बच्चे को छोड़ते नहीं देखा था!"

नइमयाक्का को बचा लिया

"मैं नइमयाक्का के कान के पास झुकी और उससे पूछा कि क्या वह हमारे केंद्र में जाना चाहेगी, जिससे हम उसकी देखभाल कर सकें। वह जाना चाहती थी। मैं रोयी। मेरे 'हुदुमा या वालेमवु' के सारे सहकर्मी भी रोये। तब तक मैंने नइमयाक्का को अपनी बाहों में लिए रखा। मैंने सोचा कि भले ही दूसरे लोग उसे वो प्यार देने में नाकाम रहे हों जिसकी उसे जरूरत थी, लेकिन मैं उसके लिए वहां रहूंगी और उसे प्यार दूंगा।

"नइमयाक्का को ढूंढना मेरे जीवन के सबसे बुरे क्षणों में से एक था। साथ ही, उसने मुझे उसके अधिकार और अन्य वंछित बच्चों के अधिकार के लिए लड़ते रहने के लिये नई ताकत दी, जिससे वे एक अच्छा जीवन व्यतीत कर सकें। वहीं और तभी मैंने निर्णय लिया कि मैं अपने जीवन के आखिरी दिन तक उनके अधिकारों के लिए लडती रहूंगी।"

"नइमयाक्का अभी भी यहाँ है। हम कभी भी किसी बच्चे को घर वापस नहीं भेजते हैं जब तक कि हम निश्चित नहीं हो जाते कि उसकी देखभाल अच्छी तरह से की जाएगी। गाँव में घर पर रेत में नइमयाक्का को व्हीलचेयर में बैठाकर चलाना लगभग असंभव है। परिवार और उसके पशुधन के साथ एक जगह से दूसरी जगह जाना और भी कठिन है," अन्ना कहती है।

20 करोड़ विकलांग बच्चे

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के अनुसार, विकलांग बच्चों के वही अन्य अधिकार हैं जो सब बच्चों के हैं। वे अतिरिक्त समर्थन के हकदार हैं और एक अच्छा जीवन व्यतीत करने के भी। इसके बावजूद, विकलांग बच्चे विश्व के सबसे वंछित बच्चों में से हैं, केवल मासाई और तंजानिया में ही नहीं। विश्व में 20 करोड़ बच्चे विकलांग ह

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: TORA MÅRTENS

06.00 गुड मार्निंग!
नइमयाक्का अपने मित्रों के साथ अपने दाँत मांझता है। जब वह पहली बार केंद्र में आया, तो उसके लिए स्वयं अपने दांतों को मांझना, कपड़े पहनना और भोजन करना असंभव था।

10.00 अवकाश का समय हो गया अब खेलो!
बच्चे विभिन्न प्रकार के चलन करके अपने शरीर का मजा लेते हैं और व्यायाम करते हैं। नइमयाक्का अगले व्यक्ति को गेंद को पकड़ने और फेंकने की कोशिश करता है।

21.00 गुड नाइट!
"अच्छी नींद लेना", गृह माँ हलीमा कहती है, और नइमयाक्का के गाल को सहलाती है। हलीमा बच्चों के साथ सोती है ताकि वह सुन सके यदि किसी को रात में सहायता की जरूरत पड़े।

मस्तिष्क क्षति से पैरालिसिस (लकवा)

सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) गर्भावस्था के दौरान, जन्म के समय या बच्चे के दो साल की उम्र तक पहुंचने से पहले होती है। सामान्य कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी और रक्तस्राव हैं। कुछ बच्चों को केवल हल्की चलन की समस्या होती है, जबकि अन्य को लकवा मार जाता है। सीपी के साथ कई बच्चों को चलन की कमी के अलावा अन्य विकलागताएं हीती हैं। तुम किसी सीपी से पीड़ित जने को ठीक नहीं कर सकते, लेकिन उसके जीवन को फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा और व्यायाम से बेहतर बना सकते हो।

"सीपी यहाँ आम है क्योंकि यह अक्सर तब होती है जब जन्म के समय जटिलताएँ होती हैं। कई लोग अस्पताल या क्लिनिक से इतने दूर रहते हैं कि उनके पास न तो समय होता है और न ही पैसा जिससे वे वहीं पहुंच सकें जब जन्म देने का समय हो," एन्ना मोलेल कहती है।

लोमनियाकी को

लोमनियाकी जब पैदा हुआ था तब उसके पैर गलत तरह से मुड़े हुए थे। उसका उठ कर बैठना मुश्किल लगता था और वह चलना नहीं सीख पा रहा था। उसके पिता नहीं चाहते थे कि गाँव के अन्य लोग उसे देखें।

"मेरा होना माइने नहीं नहीं रखता था। मुझे ऐसा लगता था कि मैं एक सही मानव नहीं हूँ। लेकिन फिर अन्ना मोलेल आई और मुझे बचा लिया। उसने मुझे एक नया जीवन दिया, और इसलिए मैं उससे प्यार करता हूँ," लोमनियाकी, 15, कहता है।

जब लोमनीयाकी छोटा था, तब वह दिन भर अपने घर में अंधेरे में पड़ा रहता था। वह गाँव के अन्य बच्चों को बाहर हंसते खेलते हुए सुना करता था।

"मैं वास्तव में नहीं जानता कि पिताजी क्यों नहीं चाहते कि दूसरे लोग मुझे देखें, लेकिन मुझे लगता है कि वह मुझे ले कर निराश थे। मां ने ऐसा बिल्कुल नहीं सोचा, लेकिन मेरे पिता ही सारे निर्णय लिया करते थे। कभी-कभी जब पिताजी पशुओं के साथ बाहर चले जाते थे तो मां मुझे चुपके से बाहर ले जाती थी और कुछ समय गाँव में एक पेड़ के नीचे रख देती थी। तब मैं दूसरे बच्चों को खेलते हुए देख सकता था। लेकिन कोई भी मेरे साथ नहीं खेलता या और न ही बात करता था," लोमनीयाकी कहता है।

छिपा कर रखा गया

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: TORA MÅRTENS

लाँगवेसी नृत्य में कूदना!

"ऑपरेशन होने के पश्चात्, अब मैं गाँव के अन्य लोगों के साथ नृत्य कर सकता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी भी दूसरों के साथ नृत्य कर पाऊंगा," लोमनियाकी कहता है।

यहाँ, लोमनियाकी, लाँगवेसी नृत्य कर रहा है, जिसका अर्थ है 'हर दिन'। नृत्य के भाग के रूप में, लड़के एक दूसरे को चुनौती देते हैं कि कौन सबसे ऊँचा कूद सकता है। लोमनियाकी अपने दोस्त बाबू के साथ कूदने का प्रयास कर रहा है

पिता से नफरत

लोमनिकी के पिता ने कहा कि वह स्कूल जाना शुरू नहीं कर सकता।

"उसने मेरे स्कूल जाने के बारे में नहीं सोचा क्योंकि मैं किसी भी अवस्था में, अपने पशुओं की देखभाल नहीं कर पाता या नौकरी करके पैसे कमा पाता जिससे अपने परिवार की सहायता कर सकता। मुझे अपने पिता से नफरत थी, क्योंकि उन्होंने मेरा जीवन नष्ट कर दिया।"

अंत में, उनकी मां पौलिना अब और बर्दाश्त नहीं कर सकी। उसे बहुत बुरा लगा कि लोमनीयाकी के साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा था, अतः उसने अपने पति को छोड़ देने का निणय लिया। एक दिन, उसने लोमनियाकी को अपनी पीठ पर बैठाया और वे सदैव के लिए गाँव से चले गए। पौलिना सवाना (जंगली घास) से हो कर पौदल अपने माता-पिता के गांव चली गई, और वहां लोमनियाकी के दादा और चाचाओं एवं उनके परिवारों ने उनका स्वागत किया।

शुरू में, लोमनियाकी ने सोचा कि सब कुछ पहले से काफी बेहतर हो गया। उसे वो लोग मिले जो उसके प्रति दयालु थे और उससे बात करते थे। मां या उसके चाचाओं में से कोई उसे सुबह बाहर ले जाकर, बड़े बबूल के पेड़ के नीचे एक गाय की खाल पर लिटा दिया करते थे।

"लेकिन अन्य बच्चे जल्द ही मेरे साथ रहने से थक गए। वे भाग गए। और जब वे स्कूल चले गए, तो मुझे पेड़ के नीचे अकेला छोड़ गए।"

"मुझे स्वयं अपने आप को नहीं संभाल पाने में शर्म लगती थी, और मैं और अधिक उदास हो गया। धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि मेरी जिन्दगी कैसी बीतेगी। मुझे स्कूल जाना कभी नहीं मिलेगा। कभी नौकरी नहीं मिलेगी। मुझे लगा कि यह मेरे साथ अन्याय हो रहा है, और मैं दूसरों की अपेक्षा, कम मूल्यवान हूं।"

"मेरे नाम लोमनियाकी का अर्थ है 'आशीर्वाद', लेकिन मुझे लगा कि यह गलती से रख दिया गया होगा। मेरा नाम शायद किसी दुसरे लड़के के लिए रखा जाना था। मैं कोई आशीर्वाद नहीं था। मैं एक अभिशाप था।"

अन्ना गाँव आई

"मैं उस दिन को कभी नहीं भूलूंगा जिस दिन अन्ना मोलेल पहली बार गाँव आई थी। मैं लगभग दस वर्ष का था और एक पेड़ के नीचे पड़ा था। मैंने इससे पहले कभी कार नहीं देखी थी, इसलिए जब मैंने उसे पास आते देखा तो मैं डर गया। मैं चिल्लाया और रोया। कार में से एक महिला बाहर निकली और मेरे पास आकर बैठ गई। वह मुस्कुराई और धीरे से मेरे सिर पर हाथ फेरा और मुझे दिलासा देने की कोशिश की। उसने मुझसे कहा कि मैं डरूं नहीं और वह मेरी सहायता करने आई है।"

अन्ना ने मां पौलिना से कहा कि लोमनियाकी का एक ऑपरेशन हो सकता है जिसके बाद वह पूरी तरह से स्वयं चल सकेगा, और अन्य बच्चों की तरह लोमनियाकी के लिए भी स्कूल जाना संभव हो सकेगा।

"मां इतनी खुश हुई कि वह चाहती थी कि अन्ना मुझे तुरंत अपने साथ ले जाए। लेकिन यह संभव नहीं था क्योंकि मेरे चाचाओं में से कोई घर पर नहीं थे। मां को अपने भाइयों की अनुमति लेनी थी, इसलिए अन्ना को मेरे बिना जाना पड़ा।"

अन्ना चाचाओं से बात करने के लिए देबारा आई। वे बबूल के पेड़ के नीचे बैठे, और अन्ना ने चाचा और दादा को ऑपरेशन के बारे में, तथा लोमनियाकी के भविष्य के बारे में समझाया।

"मैंने पहले कभी किसी महिला को इतनी हिम्मत से बात करते नहीं देखा था। और मैंने कभी पुरुषों को पेड़ के नीचे किसी महिला को इस तरह सुनते नहीं देखा था। अन्ना वास्तव में अलग थी," लोमनियाकी कहता है।

लोमनियाकी चराहा

"जब मैं छुट्टियों में घर आता हूँ, तो अब मैं गाँव के अन्य सभी किशोरों की तरह, परिवार के पशुओं को पालने मे सहायता कर सकता हूँ। हम मसाइयों के लिए पशुधन अति महत्वपूर्ण है," लोमनियाकी कहता है, यहां परिवार की बकरियों की देखभाल करते हुए।

ऑपरेशन का समय

लोमनियाकी का परिवार केंद्र में उसके भोजन का कुछ खर्च वहन करने के लिए थोड़े पैसों का योगदान करेगा। लेकिन जब अन्ना वापस लौटी, तब मां पौलिना व्याकुल हो उठी। उसने बताया कि परिवार उस धन को जुटाने में असमर्थ था जिसकी आवश्यकता थी।

"अन्ना ने मुझे देख कर कहा: 'लोमनियाकी, चिंता मत करो। बेशक मैं तुम्हारी सहायता करूंगी। हम किसी तरह कोई हल निकाल लेंगे!"

उसी दोपहर, अन्ना ने लोमनियाकी को जीप में रखा। उसकी एक नई ज़िन्दगी की यात्रा शुरू हो गई थी।

लोमनियाकी ने तुरंत अन्ना के केंद्र में रहने शुरू कर दिया। अन्ना और उसके गृह की माताओं ने सब कुछ किया जिससे वह खुश थे, और अंत में उसने स्कूल जाना शुरू कर दिया और पढ़ना-लिखना सीख लिया। उन्होंने स्कूल में बाल अधिकारों के बारे में भी पढ़ा।

"अन्ना के गृह मैं अकेला बच्चा था जो विकलांग था। मुझे हमेशा से एक बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस होता था। केंद्र में, अचानक मुझे बहुत सारे अच्छे मित्र मिल गए। हम किसी भी विषय पर बात कर सकते थे क्योंकि हम एक दूसरे को अच्छी तरह समझते थे। मैं गृह में अकेला नहीं पड़ा रहता था, मेरी व्हीलचेयर को इधर-उधर धकेलने के लिए सदैव कोई न कोई मेरा मित्र होता था, जिससे मैं उनमें शामिल हो सकूं। अपने जीवन में मुझे पहली बार अलग महसूस नहीं हुआ, मुझे लगा कि मैं भी उस गिरोह का एक भाग हूं। यह एक अद्भुत अहसास था।"

लोमनियाकी का ऑपरेशन शहर केएक अस्पताल में हुआ। "पहले सप्ताह में, मेरे पैरों में बहुत दर्द था और मैं हमेशा गिरता रहता था। लेकिन धीरे-धीरे यह और बेहतर हो गया, और जल्द ही मैं बैसाखी केसाथ चलने लगा। एक साल तक अभ्यास करने केबाद, मैंने बैसाखी छोड़ने की हिम्मत की और अंत मैं स्वयं चलने में समथर हुआ। यह मेरी ज़िन्दगी का सबसे खुशी का दिन था!"

एक वकील बनना चाहता है

एक और वर्ष बाद, लोमनीयाकी अपने पैरों पर इतना स्थिर हो गया कि वह केंद्र छोड़ सका। तब अन्ना ने उसके स्कूल शुरू करने में सहायता की। पहले तो उन लोगों ने उसे उसके गाँव वाले स्कूल के बारे में सोचा, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि वहां तक पैदल जाना उसके लिए बहुत दूर पड़ेगा।

"मेरे पैर इतने शक्तिशाली नहीं थे कि मैं मैं उस अर्ध-रेगिस्तान में स्कूल जाना सहन कर सकूं, और यदि मेरा सामना जंगली जानवरों से हो जाता तो मुझे उनसे बचने का कोई अवसर नहीं मिलता। इसलिए अन्ना ने मुझे शहर के एक बोर्डिंग स्कूल में जाना शुरू करने में सहायता की।"

लोमनियाकी को स्कूल की छुट्टियों के दिनों में अपने गाँव के घर में रहना अच्छा लगता है, और इन दिनों उसे अपने दोस्तों के साथ पशुओं की देखभाल करने में सहायता करने में कोई परेशानी नहीं होती थी। लेकिन वह अभी भी अंत में एक वकील बनने का सपना देखता है।

"मैं अन्ना की तरह बनना चाहता हूं और अपनी सारी ज़िन्दगी बाल अधिकारों से वंछित बच्चों के लिए लड़ने में बिताना चाहता हूं, ठीक उसी तरह जैसे वह मेरे लिए लड़ी। यदि अन्ना ने सवाना (जंगली घास) को पार करके लंबी यात्रा नहीं की होती, तो मैं अभी भी एक घर में या पेड़ के नीचे अकेल पड़ा होता। इसके बजाय, उसने मुझे एक जीने योग्य जिंदगी दी।"

निराशा का वृक्ष, जीवन का वृक्ष बन जाता है

अन्ना मोलेल और लोमनियाकी बबूल के पेड़ के नीचे बैठे थे जहाँ अन्ना ने लोमनियाकी को पाया था, और जहाँ उसने लोमनियाकी के चाचाओं को विश्वास दिलाया था कि उसका ऑपरेशन होने दें।

"यह निराशा का वृक्ष हुआ करता था, जहाँ मैं अकेला पड़ा रहता था जबकि अन्य बच्चे खेलते थे या स्कूल जाते थे। लेकिन जब से अन्ना ने मुझे बचाया और मेरी नई ज़िन्दगी शुरू हुई है, तब से मुझे यह जगह अच्छी लगने लगी है।"

लड़कियों के अधिकार

"मेरे लिए यह विश्वास करना कठिन है कि इस बात से फर्क नहीं पड़ रहा था कि मां ने सोचा कि मुझे दूसरों के साथ खेलने और स्कूल जाने में सक्षम होना चाहिए। यह निर्णय पिता ने लिए थे। मां की राय से कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। अन्ना ने मुझे बताया कि यह पूरी तरह गलत है। लड़कों और लड़कियों का एक ही मूल्य है और वे अपनी राय को व्यक्त करने और सुनने के लिए समान अधिकार साझा करते हैं," लोमनियाकी कहता है। फोटो में उसकी छोटी बहन नारका कंप्यूटर पर काम करना चाहती है।

शेर और लकड़बग्घे

"हाथी और जिराफ अक्सर यहां के ठीक बाहर जाया करते हैं, और हर रात यहां लकड़बग्घे भी आते हैं। मुझे वो जंगली जानवर अच्छे लगते है जो यहाँ रहते हैं, लेकिन हमने भूखे शिकारियों को मवेशियों तक पहुंचने से रोकने के लिए, पूरे गाँव में मजबूत कटीली झाड़ियों का अवरोध बनाया है। और आगे पहाड़ों की ओर शेर, चीते और तेंदुए रहते हैं," लोमनियाकी बताता है।

जेम्स को क्यों नामांकित किया गया हैं?

जेम्स कोफी अन्नान को घाना की वोलटा झील में मछली पकड़ने के उद्योग में बाल दासता के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए नामांकित किया गया है।

चुनौती

जेम्स, जिसकी स्वयं बाल अवस्था में तस्करी की गयी थी और एक मछुआरे के अधीन सात वर्ष तक दास की तरह काम किया, वो उन बच्चों के लिए अभियान चलाता है जो मछली पकड़ने के उद्योग में गुलामी में मजबूर होते हैं। गरीबी में रहने वाले माता-पिता अक्सर दास व्यापारियों से पैसा ले लेते हैं, फिर वो उनके बच्चों को दास बना कर तब तक रखते हैं जब तक वे ऋण वापस नहीं कर देते। घाना में बाल दासता के विरुद्ध कानून होने के बावजूद, यह माना जाता है कि लगभग 2,50,000 तस्करी के शिकार बच्चे दास की तरह काम करते हैं, और देश में 13 लाख बाल मजदूर हैं।

कार्य

जेम्स का मानना है कि गरीबी, जो गुलामी का आधार है, केवल शिक्षा से ही निपटी जा सकती है। जिन बच्चों को बचाया गया है, वे पहले जेम्स के संगठन 'चैलेंजिंग हाइट्स' (Challenging Heights) के आश्रय गृह में आते हैं, जहाँ उनको उनके कठिन अनुभवों को भुलाने के लिए उनकी सहायता की जाती है। जब वे बेहतर महसूस करते हैं, तो उनको उनके परिवारों के साथ फिर से मिला दिया जाता है। गरीब माताओं को शिक्षित किया जाता है और ऋण दिया जाता है ताकि उनके बच्चे गुलामी में न फंसें।

परिणाम और लक्ष्य

'चैलेंजिंग हाइट्स' ने 1,000 से अधिक तस्करी वाले बच्चों को बचाया है। उनके पास आश्रय गृह में 120 बच्चों के लिए जगह है, और वे एक 700 बच्चों का स्कूल चलाते हैं। जेम्स और 'चैलेंजिंग हाइट्स' ने 15,000 से अधिक बच्चों का समर्थन किया है, जो दास हैं, या जिनके गुलाम बनने का खतरा है। रेडियो कार्यक्रमों द्वारा हजारों वंछित बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में पता चलता है।

पृष्ठ 45-51

बाल अधिकार हीरो 3

जेम्स कोफी अन्नान

जेम्स, गांव के चार अन्य लड़कों के साथ भोर में ही घर से निकल जाता है। उन सभी को कुछ अच्छे वस्त्र पहने हुए पुरुषों ने एकत्र किया है। जेम्स छह वर्ष का है, और वह नहीं जानता कि उसे कहां ले जाया जा रहा है और न ही कि वह अगले सात वर्षों तक वहां दास बन कर मछली पकड़ने का काम करेगा।

कुछ महीने पहले गांव में तीन आदमी आए थे। उनके साथ उनके दो लड़के थे। उन सभी ने बढ़िया सामग्री से बने अच्छे वस्त्र एवं नए शानदार जूते पहन रखे थे। पुरुषों ने गाँव में घूमकर वयस्कों से बात की थी।

बच्चों में अफवाह फैलने लगी। यदि तुम भाग्यशाली रहे और अगली बार उनके साथ जाने को मिला, तो तुम्हारे पास भी अपने पसन्द के नए वस्त्र होंगे। और तुमको स्कूल जाने को मिलेगा और खाने के लिए बहुत कुछ।

जेम्स का परिवार गरीब था, और उसकी मां के 12 बच्चे थे। उन्हें स्कूल भेजना असंभव था। व्यायाम की पुस्तकें, स्कूल बैग या यूनीफार्म के लिए उनके पास पैसा नहीं था।

लड़के गायब होने लगते हैं

अच्छे वस्त्र पहने पुरुषों के आने के बाद, गाँव से लड़के गायब होने शुरू हो गए। एक एक कर के।

"हो सकता है कि अगली बार तुम्हारी बारी हो," जेम्स के मित्रों ने उससे कहा। उन्होंने उन आदमियों को उसके पिता के साथ बैठे बातें करते देखा था।

और अब वह एक बड़ी, पस्त और ज़ग लगी, पुरानी बस में चला जा रहा है। उसका गलियारा तक बच्चों से भरा हुआ है।

जेम्स वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना योदान देता है, जिनमें निम्नलिखित है:

लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण। लक्ष्य 4: हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने का अधिकार। लक्ष्य 8: अच्छा काम। लक्ष्य 16: जबरन मज़दूरी, बाल दासता, बच्चों के विरुद्ध उत्पीणन एवं हिंसा पर रोक।

शाम होती है, और बस सड़कों और लाल रेत की पट्टीयों पर झटके देती हुई चलती जाती है। कहीं-कहीं पर वह रुकती है। हर बार जेम्स को लगता है कि वे आ गए हैं, लेकिन हर बार इंजन फिर से चालू हो जाता है। जब उन्हें शौचालय जाने की आवश्यकता होती है, तो उनके साथ एक गार्ड होना ज़रूरी होता है। तीसरे दिन वे येटी गांव पहुंचते हैं, जो वोलटा झील के उत्तरी छोर पर स्थित है। इस विशाल झील के चारों ओर, प्रति वर्ष दसियों हजार बच्चों को दासों की तरह, मछुआरों के रूप में काम करने के लिए लाया जाता है। बच्चों को 7-25 अमरीकी डालर में बेच दिया जाता है, और उन्हें कम से कम दो साल तक मेहनत से काम करना पड़ता है। जिन माता-पिता को पैसा मिलता है, उन्हें अक्सर यह बता कर बेवकूफ बना दिया जाता है कि उनके बच्चों को स्कूल जाने और व्यवसाय सीखना मिलेगा।

छोटे बच्चे ही चाहिए

तट पर डोंगीं (मछली पकड़ने वाली नावें) प्रतीक्षा कर रही हैं, और बच्चों को आपस में विभाजित कर दिया जाता है। छह घंटे की नाव यात्रा के बाद, जेम्स मछली पकड़ने के गाँव में आता है जहाँ दासों का मालिक, जो एक मछुआरा है, उसे सीधे काम पर लगा देता है। उसे डोंगी को बाहर निकालना है और जाल तैयार करना है।

रात में वह एक झोपड़ी के बहुत अंदर फर्श पर सोता है जहाँ मछुआरे द्वारा खरीदे गए अन्य सभी बच्चे एक पंक्ति में लेटे हुए हैं।

जेम्स को सुबह तीन बजे उसके चेहरे पर पानी फेंक कर उठा दिया जाता है। वे डोंगी को चला कर अपना रास्ता बनाते हैं। जेम्स उन जालों को डालता है जो उसने पिछले दिन तैयार किए थे। लेकिन आज यह उतना आसान नहीं है, और जाल उलझ जाते हैं। जब मछुआरे का ध्यान इस पर जाता है, तो वह भारी चप्पू उठाता है और उससे जेम्स के सिर पर मारता है। अब से उसे किसी भी समय पिटने के लिए तैयार रहना होगा, चाहें छोटी सी बात ही क्यों न हो।

दासों का मालिक नही चाहता कि लड़केअपने माता-पिता केबारे में बात करें। यिद बच्चे अपने माता-पिता को भूल जाते हैं, तो उनसे उसकेअनुकूल काम कराना बहुत आसान होता है। यही कारण है कि वह दास केरूप में छोटे बच्चे ही पसंद करता है। वे बहुत जल्दी भूल जाते हैं।

खतरनाक गोताखोरी

लेकिन जेम्स भूला नही है। विशेषतः अपनी मां को। उसे अपनी मां की याद आती रहती है जब दिन, सप्ताह और महीनों में बदल जाते हैं, तब भी।

काम करने के दिन लंबे होते हैं, और वे सदैव रात के मध्य में शुरू होते हैं। उसे

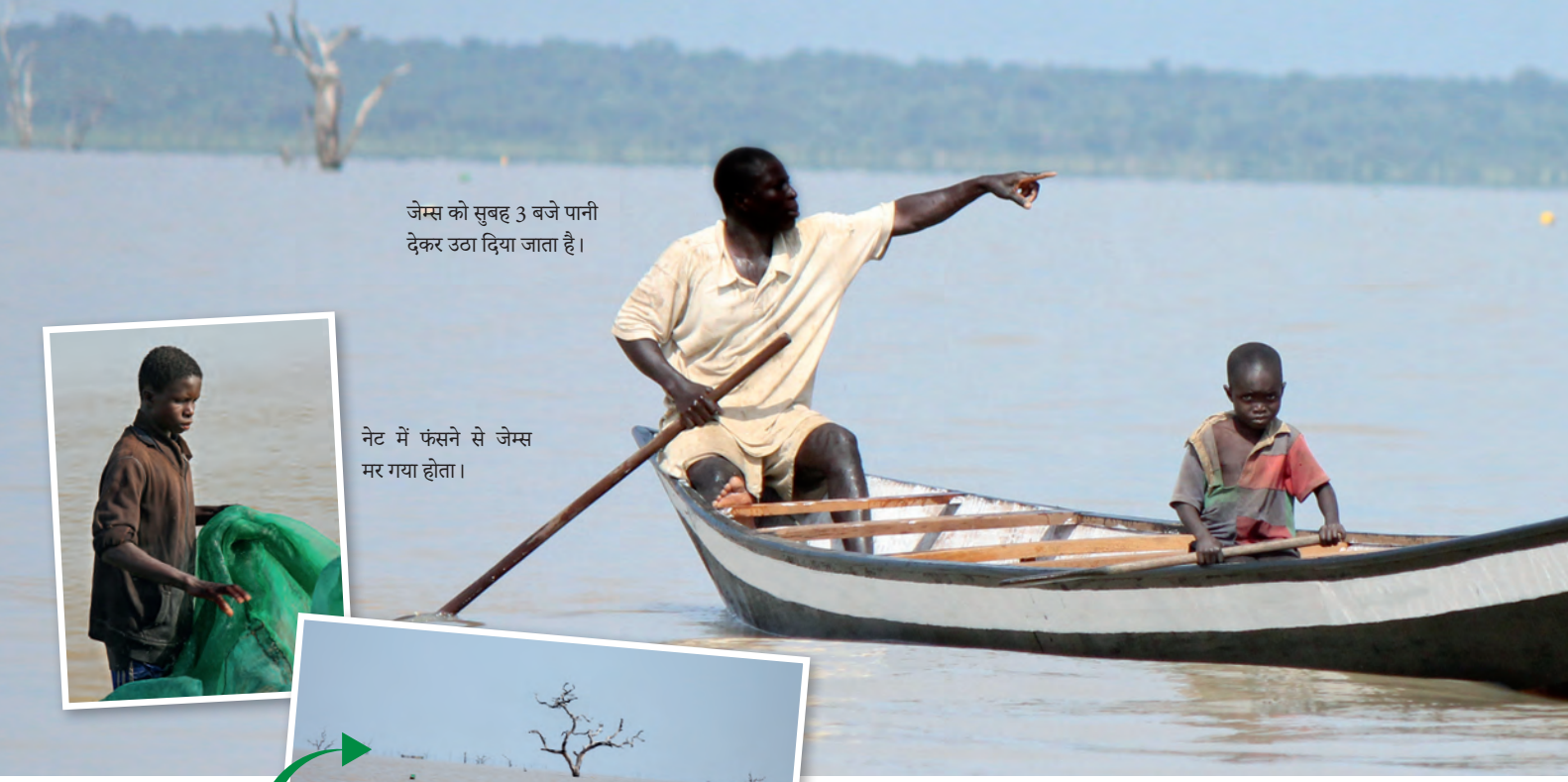

जेम्स को सुबह 3 बजे पानी देकर उठा दिया जाता है।

नेट में फंसने से जेम्स मर गया होता।

झील में पेड़

घाना में वोलटा झील विश्व की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है। इसका निर्माण 40 साल से भी पहले हुआ था जब बिजली बनाने के लिए एक बांध बनाया गया था। बांध के कारण जंगलों मे बाढ़ आयी है, यही वजह है कि झील का तल मृत जंगल के बड़े क्षेत्रों से ठका हुआ है। पेड़ सतह से ऊपर निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से बहुत से पेड़ दिखाई नहीं दे रहे हैं।

हर जगह शाखाओं के होने का अर्थ है कि जाल अक्सर उनमें उलझ जाते हैं, और बच्चों को उन्हें ढीला करने के लिए गोता लगाना पड़ता है। हर साल, कई तस्करी वाले बच्चे डूब जाते हैं, क्योंकि अक्सर वे जालों में फंस जाते हैं और स्वयं को छुड़ा नहीं पाते।

"वहां पर हर पांच में से एक बच्चा मर जाता है," जेम्स कोफी अन्नान कहता है।

तस्करी केशिकार बच्चों के लिए भाग निकलना लगभग असंभव होता है।

केवल कुछ घंटों की नींद मिलती है। उन सभी कार्यों में से, पेचीदे जालों वाला काम सबसे बेकार है। जब वे नीचे की शाखाओं में फंस जाते हैं, तो जेम्स को गंदे पानी में डुबकी लगानी पड़ती है और बिना कुछ दिखाई देते, नेट को मुक्त करने में कोशिश करनी पड़ती है। इस काम में घबरा जाने का ळाय रहता है, और लड़के डूब जाते हैं।

एक दिन जब जेम्स ने पानी के काफी नीचे एक जाल को मुक्त करने के लिए गोता लगाया, तो उसके पैर वहां अंधेरे में नीचे जाल में फंस जाते हैं। वह स्वयं को मुक्त करने के लिए जितनी शक्ति लगा सकता है उतनी शक्ति लगाता है।

अंत में वह नेट को फाड़ने और अपनी ताकत के आखिरी सांस से सतह तक पहुंचने में कामयाब होता है।

उसे बस यहाँ से निकलना है! लेकिन यहां कोई सड़कें नहीं हैं। बस घने जंगल जिनमें जहरीले सांप हैं, और दूसरी ओर विशाल वोलटा झील।

पलायन

जब जेम्स 13 साल का होता है, तो उसे मौका मिलता है। एक करीबी रिश्तेदार की मौत हो गई है और उसके मामा मछली पकड़ने वाले गांव में आती है। यह पहली बार है जब जेम्स ने उसे सात वर्षों में देखा है। उसकी माँ अंततः दासों के मालिक को समझाने में कामयाब हो जाती है कि जेम्स को किसी मृत के अंतिम संस्कार में जाना ज़रूरी है, और यह तय हो जाता है कि पहले वह नाव ले जाएगा और फिर उस गाँव को जाने वाली बस लेगा जहाँ अंतिम संस्कार होगा।

जेम्स को कभी बस नहीं मिलती। पहले उसे एक लकड़ी ले जाने वाले ट्रक से लिफ्ट मिलती है, जो उसके घर वाले गांव की दिशा में जा रहा होता है। मछली पकड़ने वाले दास के रूप में सात वर्षों बाद, जेम्स ने सितारों की सहायता से अपना सास्ता ढूढ़ निकालना सीख लिया है। यह उसे अंधेरी रातों में भागने में सहायता करता है। उसे घर पहुंचने से दो दिन और दो रातें लगेंगी। उसे देसी आम मिलता है और वह उस रसीले फल से अपना पेट भरता है। स्वतंत्रता की भावना उसे मील के बाद मील ले जाती है, और उसके कदम हल्के पड़ते जाते हैं। जल्द ही वह घर पहुंच जाएगा! लेकिन उसके लिए अपना रास्ता खोजना थोड़ा कठिन है। सात वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है, और हर जगह नई सड़कें और घर हैं। क्या कोई उसे पहचान पाएगा?

बेशक वे उसे पहचानते हैं! देखो, यह अन्नान का लड़का घर आ गया! जेम्स कोफी! वह कैसे बड़ा हो गया है! लोग खुशी से उसका अभिनन्दन करते हैं। जेम्स स्वतंत्र है और उसके लिए यह एक नयी ज़िन्दगी की शुरुआत है।

जेम्स, वोलटा झील पर, एक लड़के को छुड़ाने के लिए निकला है, जिसकी तस्करी की गई है।

जब बच्चे जेम्स के आश्रय गृह पहुंचते हैं, तो वे अक्सर बहुत बुरी स्थिति में होते हैं। लेकिन जल्द ही वे ऐसे दोस्त बनाते हैं जिनके साथ वे खेल सकते हैं और जो उनके भयानक अनुभवों को साझा करते हैं।

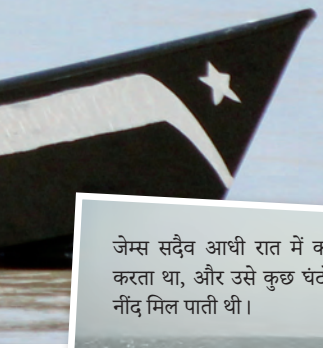

जेम्स सदैव आधी रात में काम शुरू करता था, और उसे कुछ घंटों की ही नींद मिल पाती थी।

दास मालिक अक्सर जेम्स को चप्पू से पीटता था। तस्करी किये गए अनेकों बच्चे इससे पीड़ित हैं।

"जो लड़के येटी गए थे"

घाना में लोगों की तस्करी या बाल दासता के लिए कोई शब्द नहीं हैं। मछली पकड़ने वाले दासों को "जो लड़के येटी गए थे" कहा जाता है। यह उस गाँव का नाम है जहाँ मछली पकड़ने के उद्योग में सबसे अधिक तस्करी करने वाले बच्चे ले जाए जाते हैं। फिर उन्हें झील के चारों ओर विभिन्न दास मालिकों के पास भेज दिया जाता है। घाना में बाल दासता बहुत आम है। बच्चों को उनके माता-पिता या संबंधियों द्वारा बेच दिया जाता है, अक्सर एकल माताओं द्वारा जिनके बहुत सारे बच्चे होते हैं जिन्हें वे खिला नहीं पातीं। जब कोई मर जाता है, गरीब लोगों के लिए किसी के अंतिम संस्कार के लिए दास व्यापारी से पैसे उधार लेना आम बात है। जब वे इसे वापस नहीं कर पाते हैं, तो दास व्यापारी इसके बजाय उनके बच्चों को ले जाता है। वयस्कों को 7-25 अमरीकी डालर मिलते हैं, और बच्चों को कम से कम दो साल तक काम करना पड़ता है, अक्सर इससे बहुत लंबे समय तक। बाल दासता के विरुद्ध एक कानून है, अतः 'चैलेंजिंग हाइट्स' बच्चों को मुक्त कराने के लिए पुलिस की सहायता ले सकती है।

TEXT: EVA-PIA WORLAND PHOTOS: BO ÖHLÉN

जब जेम्स बैंक में काम कर रहा था, तब उसने तस्करी किये गए बच्चों के बारे में सोचा। उसने 'चैलेंजिंग हाइट्स' नामक संगठन की स्थापना की और तस्करी वाले बच्चों को रखने के लिए एक आश्रय गृह बनाया।

बच्चों को कभी नींद नहीं मिल पाती थी जब वे दास थे, लेकिन आश्रय घर में वे जितना चाहें सो सकते हैं।

'चैलेंजिंग हाइट्स' की मोटरबोट ने कई तस्करी किये गए बच्चों को स्वतंत्र कराया है।

छोटे बच्चों ने उसे पढ़ाया

जेम्स पढ़ना-लिखना सीखना चाहता था। वह 13 साल का था और विभिन्न स्कूलों में प्रवेश मिलने के लिए घूमता रहा। लेकिन उन्होंने उसे मना कर दिया। अंत में, एक स्कूल ने जेम्स को स्वीकार कर लिया। वह कक्षा 6 में पढ़ना शुरू कर सकता था।

"लेकिन मैं न तो पढ़ सकता था और न ही लिख सकता था, और मुझे समझ में नहीं आया कि पाठ में क्या चल रहा था।"

एक ही उपाय था। दोपहर के भोजन के समय और अवकाश के समय पिछले वर्षों की पढ़ाई करूं और सहायता लूं। और उनकी पुस्तकों का उपयोग करूं। "मुझे अपने अभिमान को सटकना पड़ा और सबसे छोटे बच्चे मेरे शिक्षक बन गए।"

जेम्स ने जल्द ही अपने साथियों को पढ़ाई में पकड़ लिया। उसने अपने स्कूल को उत्कृष्ट ग्रेड के साथ छोड़ा और वह विश्वविद्यालय में पढ़ने आगे चला गया। अंत में उसे एक प्रमुख बैंक में प्रबंधक की नौकरी मिल गई।

दास 24/7

जब मेबिल की माँ मर गई, तो उसे और उसके भाई-बहनों को संबंधियों के साथ रहने के लिए भेज दिया गया, जहाँ मेबिल को, मजबूरी में, बहुत काम करना पड़ता था। रात में वह मछली पकड़ा करती थी। सुबह वह लकड़ी लेने जाती थी और मक्के का दलिया पकाने में सहायता करती थी। फिर वह नावों पर सभी के लिए दोपहर का भोजन बनाती थी। और उसके बाद रात का भोजन तैयार करने का समय हो जाता था।

"मैं शायद ही कभी सोती थी," मेबिल कहती है। "हर संध्या, मुझे लगता था कि एक तूफान आएगा, फिर मुझे झील पर काम नहीं करना पड़ेगा।"

उसके संबंधियों के अपने बच्चे थे, जिन्हें स्कूल जाने की अनुमति थी, लेकिन मेबिल और उसके भाई-बहन स्कूल नहीं जा पाते थे। एक दिन, स्टीवन और लिंडा 'चैलेंजिंग हाइट्स' से आए। उन्होंने मेबिल के संबंधियों को बताया कि कानून कहता है कि बच्चों को स्कूल जाना है। "उन्होंने हमें जाने से मना कर दिया। तब स्टीवन और लिंडा पुलिसकर्मियों के साथ वापस आये और हमें ले गए। "मैबेल, आश्रम घर में रहने से प्रसन्न है, और वहां स्कूल जाने से भी, लेकिन उसकी पीठ पर भद्दे निशान हैं, जो उसे तब लगे थे जब उसे चप्पू से पीटा गया था।"

30 तस्करी किए

जेम्स और 'चैलेंजिंग हाइट्स' के इन 31 बच्चों को शरणार्थी बच्चों के लिए बने आश्रय गृह में बचाये जाने से पहले एक से बारह साल तक के लिए दास रहे थे। वे 161 वर्षों के संयुक्त कुल के लिए दास की तरह रहे हैं! अब वे स्वतंत्र हैं, और अपने भविष्य का सपना देखते हैं। सबसे आम सपना एक पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी, ड्राइवर, शिक्षक या बैंक प्रबंधक बनना है। जेम्स एक तस्करी किया गया बच्चा था और बड़ा हो कर बैंक प्रबंधक बना!

अर्हिनफुल, 11
2 साल तक दास रहा
डॉक्टर बनना चाहता है

जस्टिस, 12
1.5 साल तक दास रहा
बढ़ई बनना चाहता है

मप्रेम, 12
3 साल तक दास रहा
बैंक प्रबंधक बनना चाहता है

बर्टसी, 13
4 साल तक दास रहा
दर्जी बनना चाहता है

सैमूएल, 16
10 साल तक दास रहा
बैंक प्रबंधक बनना चाहता है

कोबिना, 14
8 साल तक दास रहा
फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

क्वामे, 15
7 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

गए बच्चों के भविष्य के सपने

नेनयी, 16
7 साल तक दास रहा
बस चालक बनना चाहता है

अपरेकु, 14
10 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

सैमी, 10
2 साल तक दास रहा
शिक्षक बनना चाहता है

कोव, 14
12 साल तक दास रहा
बस चालक बनना चाहता है

डैनिअल, 10
2 साल तक दास रहा
दर्जी बनना चाहता है

जेम्स, 13
4 साल तक दास रहा
फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

कोजो, 16
1 साल तक दास रहा
भवन निमारणकतार बनना चाहता है

क्वामे, 8
1 साल तक दास रहा
चालक बनना चाहता है

क्वेकु, 14
10 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

एको, 10
6 साल तक दास रहा
टैक्सी चालक बनना चाहता है

पोर्टिया, 15
6 साल तक दास रही
शिक्षक बनना चाहती है

क्वेकु, 5
1 साल तक दास रहा
कार खरीदना चाहता है

अफेद्ज़ी, 15
1.5 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

नकोन्ता, 12
9 साल तक दास रहा
टैक्सी चालक बनना चाहता है

ओटू, 13
2 साल तक दास रहा
चालक बनना चाहता है

चार्ल्स, 12
6 साल तक दास रहा
शिक्षक बनना चाहता है

मेबिल, 15
9 साल तक दास रही
नर्स बनना चाहती है

यौ, 14
10 साल तक दास रही
शिक्षक बनना चाहती है

एरियल, 14
10 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

जूनियर, 6
2 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबाल खीलाडी बनना चाहता है

एसिआमा, 17
10 साल तक दास रहा
पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है

कोजो जो, 6
1 साल तक दास रहा
विमान चालक या बढ़ई बनना चाहता है

मार्था, 14
“कई” वर्षों तक दास रही
फैशन डिजाइनर बनना चाहती है

TEXT: EVA-PIA WORLAND PHOTOS: BO ÖHLÉN

क्वेसी को मरने के लिए छोड़ दिया गया

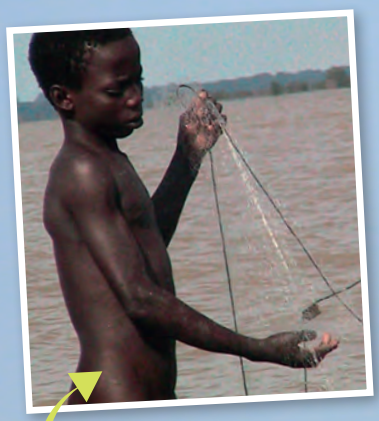

'चैलेंजिंग हाइट्स' ने क्वेसी को तब पाया जब वह जालों को खींच रहा था। उन्हें तुरन्त एहसास हो गया कि वह बहुत बुरी स्थिति में था।

जब क्वेसी के पिता की मृत्यु हो गई, तो उसकी मां याबा के पास उनका अंतिम संस्कार करने के लिए कोई पैसे नहीं थे। एक आदमी जिसे वह जानती थी, ने उसे पैसे उधार देने की पेशकश की, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। अंतिम संस्कार के बाद, वह आदमी पैसे वापस मांगता है ...

याबा के आठ बच्चे हैं और वह टहनियां एवं लकड़ियां बटोर कर बेचती है जिससे परिवार का खर्चा निपटे। उसके पास कोई पैसा नहीं हैं। पैसे उधार देने वाले व्यक्ति ने उसे पुलिस को फोन करने की धमकी दी और कहा कि वह जेल में उसे बंद करा देगा।

क्वेसी सब कुछ सुनता है। वह जानता है कि गाँव के अन्य परिवारों को पैसा मिला जब उनके लड़के यति मछली पकड़ने गए थे। वह आदमी के साथ जाने और अपनी मम्मी के कर्ज को चुकाने की पेशकश करता है।

"तुमको पैसे चुकाने के लिए तीन साल तक काम करना होगा," आदमी कहता है।

रस्सी से कोड़े मारे गए

दासों के मालिक ने बहुत सारे बच्चे खरीद रखे है जो उसके लिए काम करते हैं। उनका काम रात के ग्यारह बजे शुरू होता है। उस समय वे जालों को झील में फेंकते हैं और सुबह के छह बजे तक उन्में मछलियां पकड़ा करते हैं, जिसे बाद जालों को खींच लेना होता है। फिर वे सारी मछलियों को उनमें से निकाल देते हैं। उसमें दोपहर हो जाती है। क्वेसी को बहुत कम सोने को मिलता है।

अक्सर जब जाल शाखाओं में उलझ जाते हैं, तब क्वेसी को उनको सुलझाने के लिए झील की गहराईयों में नीचे गोता लगाना पड़ता है। यह खतरनाक है, और एक दिन उसका एक पैर जाल में फंस जाता है, लेकिन वह स्वयं को मुक्त करने में सफल रहा। जब क्वेसी सतह पर ऊपर आता है, तो गुलामों का मालिक उसके चेहरे पर चप्पू से मारता है। वह थोड़ी सी गलती पर बच्चों के साथ अपना आपा खो देता है, और उनको मारते समय अक्सर अपनी नांव के भारी चप्पू का इस्तेमाल करता है।

झील के बीच में स्थित पेडों के शीर्षों ने क्वेसी की जान बचाई।

यह चित्र 'चैलेंजिंग हाइट्स' की नाव से लिया गया था जब वह क्वेसी की डोंगी के पास आ रही थी।

जब क्वेसी को बचाया गया, तो उसके हाथ एसे दिखते थे। हाथ और नाखून इतने सारे पानी से प्रभावित और क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। सारे मछली पकड़ने वाले दासों के हाथों ऐसे ही दिखते हैं।

एक शाम, क़ासी जागा हुआ लेटा, वहां से भागने की सोच रहा है। उसने पहले भागने की कोशिश की है, लेकिन हमेशा उसे पकड़ा गया और फिर पीटा गया है।

दिन में पहले, गुलामों के मालिक ने क़ासी और एक अन्य लड़के पर मछलियां चोरी करने का आरोप लगाया था। मछुआरे ने उन्हें एक पेड़ से बांध दिया और उनके हाथ-पैर बांध कर उन्हें मोटी रस्सियों से कोड़े मारे। लड़के रोये और दर्द से चीखे।

क़ेसी को पेड़ों ने बचाया

एक दिन जब क़ासी गुलामों के मालिक के बेटों के साथ झील पर था, तब उनमें से एक ने उसे पानी में धकेल दिया।

"हम कह देंगे कि तुम भाग गये और हम तुमको ढूंढ नहीं सके," वे कहते हैं, और नाव लेकर चले जाते हैं।

क़ेसी उस विशाल झील के पानी में अकेला है, और तट कई किलोमीटर दूर है। यहाँ और वहाँ पेड़ों के शीर्ष पानी से बाहर निकले हुए हैं। क़ेसी जिस निकटतम पेड़ को देखता है उसी की ओर तैर कर चला जाता है। वह किसी शाखा पर लटक सकता है और आराम कर सकता है जब तक उसकी ऊर्जा वापस नहीं आ जाती। एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक तैर कर और आराम करके, अंत में क़ेसी एक द्वीप की भूमि पर पहुंचता है और उसके तट पर थक कर गिर जाता है।

क़ेसी को बचा लिया

क़ेसी अब एक साल आठ महीने के लिए दास के रूप में काम कर चुका है। उसका एक साल चार महीने का समय बचा है।

एक दिन, एक मोटरबोट क़ेसी की डोंगी के पास आती है। एक महिला और एक आदमी उससे बात करना शुरू करते हैं। वे कहते हैं कि उनके नाम लिंडा और स्टीवन हैं, और वे उससे बहुत सारे प्रश्न पूछते हैं। उसका नाम क्या है? वह कहां का रहने वाला है? उसकी मां का नाम क्या है? वह किस गुलाम मालिक के लिए काम करता है? क़ेसी समझ नहीं पाता कि वे क्या चाहते हैं, लेकिन वह उनके सभी सवालों का उत्तर देता है।

लिंडा और स्टीवन, जेम्स के संगठन 'चैलेंजिंग हाइट्स' से आते हैं, और उन्होंने पहले कई तस्करी वाले बच्चों को मुक्त कराया है। वे मोटरबोट को फिर से चालू करते हैं और क्यूसी देखता है कि वे तट पर जाते हैं और दास मालिक के घर पहुंचते हैं।

महिला और पुरुष वापस आते हैं और कहते हैं कि अब क़ेसी मुक्त हो सकता है। कि वह उनके साथ एक आश्रय गृह में रह सकता है, जहाँ उसकी देखभाल की जाएगी और उसे दास बन कर नहीं काम करना पड़ेगा। क़ेसी को विश्वास नहीं होता कि यह सब कैसे हो गया। पर फिर स्टीवन एक शिक्षक के नाम का उल्लेख करता है, जिसे क़ेसी, अपनी तस्करी होने से पहले, अपने स्कूल में वास्तव में पसंद करता था। तब उसे आभास होता है कि वे उसकी माँ से मिले होंगे, और वह उनके साथ जाने को तैयार हो जाता है।

अंत में घर पर

लिंडा और स्टीवन ने कई बच्चों को इकट्ठा किया है और एक बस उनकी प्रतीक्षा कर रही है। आश्रय गृह एक पहाड़ी पर है, वहां से जंगल और गांवों का दृश्य मिलता है, और वहां अन्य बच्चों के समूह हैं। वे वॉलीबॉल और फुटबॉल खेलते हैं, जो क़ेसी को प्रिय है।

दिन में कई बार भोजन मिलता है। अन्य सभी बच्चों की तरह, क़ेसी का भी वजन बढ़ता है। वह स्कूल जाता है और पढ़ाई में जो छूट गया था उसे पकड़ लेता है। और उसे सुरक्षित महसूस होता है।

क़ेसी आश्रय घर में लगभग एक साल तक रहता है, जब तक वह अच्छी तरह से स्वस्थ एवं शक्तिशाली नहीं हो जाता। उसके शरीर पर अनगिनित जख्मों के निशान हैं। लेकिन अब वह फिर से अपने घर में अपनी माँ के साथ है और एक साधारण स्कूल में कक्षा छह में है।

TEXT: EVA-PIA WORLAND PHOTOS: BO OHLÉN

अंत में फिर से घर में मां याबा केसाथ। "मुझे नही पता था कि वे क़ेसी को कहाँ ले गए थे है या वह कितने बुरा समय से गुज़र रहा था। वह मर गया होता! अब मैं बहुत खुश हूं कि वह फिर से घर आ गया है और स्कूल जाने लगा है।"

जेम्स एक तस्करी का शिकार हुआ बच्चा था, जो बड़ा होकर बैंक प्रबंधक बना। क़ेसी भी बैंक प्रबंधक बनना चाहता है।

तीन भाईयों को बचाया

भाईयों क़ेकु, 5, कोजो, 6 और क़ामे, 8, को एक गुलामों केमालिक दवारा लाया गया था, जब उनकी मां, उनकेपिता केअंतिम संस्कार केलिए उधार लिए गए धन को नहीं चुका पाई थी। उन भाइयों को एक वषर बाद बचा लिया गया और अब वे 'चैलेंजिग हाइट्स' आशरय गृह में रहते हैं।

यह कोजो, बचाये जाने केबाद, लाइफ जैकेट पहने हुए, 'चैलेंजिग हाइट्स' की नांव में बैठा है।

क़ेसी और उसकेमितर आशरय गृह में फुटबॉल खेल रहे हैं, जिसका बॉल प्लास्टिक की थैलियों और डोरी से बना है।

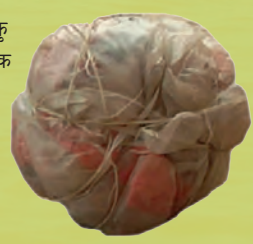

मलाला को क्यों नामांकित किया गया है?

मलाला को पाकिस्तान में और विश्व भर में, लड़कियों को शिक्षा का अधिकार मिलने और आज़ादी की ज़िन्दगी बिताने हेतु संघर्ष करने के लिए नामांकित किया गया है।

चुनौती

विश्व के कई भागों में, लड़कियों को क्रूर हिंसा के अधीन रहना पड़ता है और वे स्वतंत्रता से नहीं रह पातीं। 13 करोड़ से अधिक लड़कियों को शिक्षा नहीं मिल पाती जिसका आज उनको अधिकार है; उनमें से 50 लाख पाकिस्तान में रहती हैं। गरीबी, युद्ध और भेदभाव के कारण वे अपने अधिकारों से वंछित हैं।

काम

मलाला ने 11 वर्ष की आयु में लड़कियों के अधिकारों पर खुलकर बोलना शुरू कर दिया, जब पाकिस्तान की स्वात घाटी में, तालिबान लड़कियों को स्कूल जाने से रोकता था। जब वह 15 वर्ष की थी, तब उसे स्कूल से घर लोटते समय सिर में गोली मार दी गई। तालिबान ने सोचा कि वे मलाला को मारकर चुप करा देंगे। इसके बजाय, उसकी आवाज और भी सशक्त हो गई। वह और उसका संगठन मलाला फंड (Malala Fund) अब सीरिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान और विश्व के अन्य भागों में स्थानीय कार्यकर्ताओं का समर्थन करते हैं जहां लड़कियां अन्याय एवं हिंसा से अत्यधिक प्रभावित हैं। मलाला मांग करती है कि विश्व के नेता वंछित लड़कियों से किये गए अपने वचनों को निभाएं, और यह भी सुनिश्चित करें कि वे अपने अनुभवों को बता सकें और स्वयं अपने अधिकारों को मांगें।

परिणाम एवं लक्ष्य

मलाला ने लड़कियों के शिक्षा मिलने और अच्छी जिन्दगी जीने के अधिकार के लिए एक वैश्विक आंदोलन शुरू किया है। उनके साथ मिल कर, वह यह सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करती है, कि हर लड़की को 12 वर्ष तक, एक सुरक्षित वातावरण में, निःशुल्क शिक्षा मिल सके, और जिसमें लड़कियां, एक बेहतर विश्व बनाने के लिए अपने प्रयास में, अन्य लोगों का नेतृत्व करें।

On Malala Day 2017, Malala visited refugee children from Syria in Iraq.

MALIN FEZEHAI/MALALA FUND

पृष्ठ 52–59

बाल अधिकार 4

मलाला यूसुफ़ज़ई

आज 9 अक्टूबर 2012 है। "तुममें से मलाला कौन है?" सफेद वस्त्र वाला आदमी पूछता है। वह एक रूमाल से अपना चेहरा छिपाए है। मिनीबस में पीछे बैठी लड़कियों में से कोई भी एक शब्द नहीं बोलती। आदमी अपनी पिस्तौल उठाता है और तीन गोलीयां तेज़ी से चलाता है। पहली गोली मलाला के सिर में लगती है। मलाला, पाकिस्तान की स्वात घाटी में, लड़कियों के स्कूल जाने के अधिकार के लिए, तालिबान के विरुद्ध लंबे समय से संघर्ष कर रही है। अब, 15 साल की आयु में, वह मौत के निकट है। पर जब तक मलाला को होश आता है, तब तक वह विश्व भर में लड़कियों के स्कूल जाने के अधिकार का प्रतीक बन चुकी है।

अपने जीवन पर लिखी पुस्तक में, मलाला बताती है कि उसका जन्म, विश्व की सबसे सुन्दर जगह में हआ था।

"स्वात घाटी एक स्वर्गीय जगह है जहीं पहाड़ ही पहाड़ हैं, झरने बह रहे हैं और स्वच्छ झीलें हैं। घाटी के प्रवेश द्वार पर स्थित चिह्न कहता है 'स्वर्ग में स्वागत'।"

इस 'स्वर्ग' में, मलाला भूकंपों और गंभीर बाढ़ के अनुभव करने के लिए तैयार है, जिससे बहुत लोग मरते हैं। लेकिन सबसे बुरी बात तब होती है जब तालिबान स्वात घाटी में आते हैं। वे लोगों को धमकाते हैं और मार डालते हैं, महिलाओं को अपने चेहरे ढकने और लड़कियों को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर

मलाला ने पढ़ना सीख लिया है, और उसका छोटा भाई खुशाल उसकी नकल कर रहा है।

मलाला वैश्विक लश्यों को प्राप्त करने में अपना योगदान देती है, जिनमें यह शामिल हैं:

लक्ष्य 4: अच्छी शिक्षा, विशेष रूप से लड़कियों को स्कूल जाने का अधिकार। लक्ष्य 5: लैंगिक समानता। लक्ष्य 10: असमानताओं को कम करना। लक्ष्य 11: स्थायी समुदाय

ANJA NIEDRINGHAUS/AP

मलाला अपने पिता के स्कूल में पढ़ने गई। तुम सड़क से देखकर नहीं बता सकते कि यहां एक स्कूल है।

TEXT: MAGNUS BERGMAR

करते हैं। वे स्वात में, लड़िकयों के400 से अधिक स्कूलों पर बमबारी करेंगे।

पीड़ित लड़िकयां

मलाला, स्वात के सबसे बड़े शहर मिंगोरा में अपने पिता के स्कूल में बहुत समय बिताती है। वह इस बात को जल्दी जान जाती है कि लड़कों और लड़कियों की जिंदगियां कितनी भिन्न है, और पुरुष कैसे प्रभारी हैं। लेकिन मलाला अपने पिता से यह भी जान लेती है कि स्थिति एसी नहीं बनी रहनी चाहिए।

जब मलाला का परिवार एक पवरतीय गाँव में रिश्तेदारों से मिलने जाता है, तो वह देखती हे कि उसकी चचेरी बहन शाहिदा वहां नहीं है। वह केवल दस साल की है, लेकिन उसकेपिता ने उसे एक बड़ी आयु केआदमी को बेच दिया है, जिसकी पहले से एक पत्नी है। मलाला अपने पिता से शिकायत करती है कि स्वात में लड़िकयां किस परकार पीड़ित हैं।

तालिबान का आगमन

मलाला दस साल की है, जब तालिबान स्वात घाटी में आता है। वे लोगों की सीडी, डीवीडी और टीवी इकट्ठा करते हैं और उन्हें सड़क पर विशाल ढेरों में जला देते हैं। तालिबान छोटे बच्चों को भी पोलियो के खिलाफ टीका लगाने से रोकता है। उन्होंने केबल टीवी चैनलों को बंद कर दिया और बच्चों के बोर्ड गेम पर प्रतिबंध लगा दिया।

फिर तालिबान, लड़कियों के स्कूलों पर अपनी नज़र डालता है। जब मलाला का परिवार किसी ग्रामीण इलाके में रिश्तेदारों से मिलने जाता है, तब उसके स्कूल के फाटक पर एक पत्र लगा होता है। यह मलाला के पिता को चेतावनी है कि वे लड़कियों को स्कूल की सामान्य ड्रेस नहीं पहनने देंगे। इसके बजाय, उन्हें बुर्का पहनना होगा और अपने चेहरे को ढंकना होगा।

स्कूल की कोई लड़की नहीं

अब 2008 है और तालिबान ने स्कूलों को उड़ाना शुरू कर दिया है - ज्यादातर लड़कियों के स्कूल - लगभग हर दिन। मलाला 11 साल की हैं और कई टीवी चैनलों पर उसका साक्षात्कार लिया जाता है। वह लड़कियों के स्कूल जाने के अधिकार के लिए बोलती है। बीबीसी के एक साक्षात्कार में, उर्दू में, जो पाकिस्तान की भाषा है, वह कहती है:

"तालिबान कि क्या हिम्मत जो वो मेरे शिक्षा के अधिकार को छीन सके?"

हालात बुरे से बदतर होते चले जाते हैं। तालिबान घोषणा करता है कि लड़कियों के लिए सभी स्कूल बंद रहने हैं। 15 जनवरी 2009 से, स्वात घाटी में किसी भी लड़की को स्कूल जाने की अनुमति नहीं है। पहले मलाला को लगता है कि यह संभव नहीं हो सकता। लेकिन उसकी दोस्तें उससे पूछती हैं कि तालिबान को भला कौन रोक सकता है?

मलाला स्वात में तालिबान के अधीन जीवन पर एक डायरी लिखना शुरू करती है। जब इसे बीबीसी रेडियो पर पढ़ा जाता है तो वह एक नकली नाम गुल मकई से सुनाई जाती है, जिसका अर्थ है 'मकई का फूल'। उसके स्कूल के दोस्त उस डायरी के बारे में बात करते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि उसे मलाला लिख रही है। वह इस बारे में बात करती है कि भयभीत होना कैसा महसूस होता है, स्कूल जाने वाली लड़कियों पर लगे प्रतिबंध पर, और बुर्का पहन कर अपना चेहरा छिपाने के लिए मजबूर होने पर।

जब एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए उसका वीडियो बनाया जाता है, तो मलाला कहती है, "वे मुझे नहीं रोक सकते ... बाकी विश्व से हमारी पुकार यह है: हमारे स्कूल को बचाओ, हमारे पाकिस्तान को बचाओ, हमारे स्वात को बचाओ।" लेकिन जल्द ही तालिबान ने उनका स्कूल बंद कर दिया।

विरोध प्रदर्शनों के कारण तालिबान दस साल की आयु तक की लड़कियों को स्कूल जाने की अनुमति देता है। मलाला और उसकी सहेलियाँ, जो काफी बड़ी हैं, अपने सामान्य वस्त्रों में स्कूल जाती हैं, अपनी पुस्तकों को अपने शॉल में छिपाए। लड़कियों की प्रधानाध्यापक इसे 'गुप्त विद्यालय' कहती है।

गंभीर धमकियां

अपनी पुस्तक में, मलाला लिखती है कि वह अक्सर सोचती है कि उसके देश में लड़कियों और महिलाओं की जिन्दगी कैसी है:

"हम अपने निर्णय स्वयं लेने और स्वतंत्रता से स्कूल या काम करने के लिए जाने में सक्षम होना चाहते हैं। कुरान में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि एक महिला को एक पुरुष पर निर्भर रहना चाहिए या उसकी बात माननी चाहिए।"

लड़कियों के स्कूल को धमकी

चित्र में लड़कियाँ मलाला के गृहनगर मिंगोरा के स्कूल से अपने घर जा रही हैं। उन्होंने बुर्का पहन रखा है। तालिबान की मांग है कि वे परदा करें, जिसका अर्थ है कि महिलाओं और लड़कियों को पुरुषों को अपना चेहरा नहीं दिखाना है। तालिबान लड़कियों को स्कूल जाने से भी रोकना चाहता है। 18 करोड़ 50 लाख निवासियों वाले पाकिस्तान में, विश्व की सातवीं सबसे बड़ी आबादी है। चार में से तीन महिलाएँ पढ़ना नहीं जानतीं। ग्रामीण क्षेत्रों में, ऐसी जगहें हैं जहाँ सौ में से केवल तीन महिलाएँ पढ़ना जानती हैं। 50 लाख लड़कियां जिनको स्कूल जाना चाहिए, उन्हें कोई शिक्षा नहीं मिलती।

गोली लगने से पहले, मलाला अपने स्कूल के अंतिम वर्ष में, हमेशा रिक्शा से जाती थी। इससे पहले वह स्कूल पैदल जाती थी, लेकिन परिवार के विरुद्ध इतनी धमकियों के बाद, उसकी माँ चिंतित रहती थी।

ANJA NIEDRINGHAUS/AP

तुम मलाला के स्कूल को सड़क से नहीं देख सकते। लड़कियां लोहे के गेट से होकर जल्दी अंदर चली जाती हैं और आमतौर पर, बाहर सड़क पर जाने से पहले, सावधानी से देख लेती हैं।

मलाला के पिता इंटरनेट पर देखते हैं कि तालिबान दो महिलाओं के विरुद्ध धमकी जारी कर रहा है, और उनमें से एक मलाला है। "इन दो महिलाओं को मार दिया जाना चाहिए," वह पढ़ता है।

मलाला के माता-पिता उसे खतरे के बारे में बताते हैं और उसके पिता उससे कहते हैं कि उसे कुछ समय के लिए लड़कियों की शिक्षा और तालिबान के विरुद्ध बोलना बंद कर देना चाहिए।

"हम संभवतः ऐसा कैसे कर सकते हैं? मुझे बहुत सारे आयोजनों में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है, और अब मैं उनसे स्वयं को अलग नहीं कर सकती," मलाला कहती है।

चलने में खतरा

मलाला और उसके पिता अगली बार स्कूल की छुट्टियों में स्वात के पहाड़ों में गाँवों की यात्रा करने की योजना बनाते हैं, जिससे वे बच्चों के माता-पिता और उनसे पढ़ना और लिखना सीखने के महत्व पर बात कर सके।

"हम शिक्षा प्रचारकों की तरह रहेंगे," मलाला अपने पिता से कहती है।

आगे से, मलाला की मां उसे किसी भी स्कूल को पैदल चल कर नहीं जाने देगी। इसके बजाय, वह उसे हमेशा रिक्शा से भेजती है। वह 20 अपनी स्कूल की दोस्तों के साथ एक किरपाल की छत वाले ट्रक में पीछे बैठ कर घर आया करती है। ट्रक में पीछे तीन लंबी बेन्चें हैं। मलाला के घर की गली में जाने वाली सीढ़ियों पर बस रुका करती है। इन दिनों वह हमेशा तालिबान से डरी रहती है जब वह सीढ़ियों पर चल कर जाती है।

तुममें से मलाला कौन है?

8 अक्टूबर की रात को, मलाला पाकिस्तानी इतिहास में एक परीक्षा के लिए देर तक पढ़ रही है। स्कूल बस हर दिन स्कूल के बाद दो चक्कर लगाती है। मलाला और उसके दोस्त परीक्षा के बाद रुक जाते हैं और आपस में बातें करते हैं, इसलिए वे दोपहर बारह बजे दूसरे चक्कर से जाते हैं।

अचानक, दो युवक सफेद वस्त्रों में सड़क पर निकल आते है और मिनीबस को रोक देते हैं। उनमें से एक, टोपी पहने हुए और अपनी आँखों को रूमाल से ढँके हुए है, बस में पीछे से चढ़ता है और अंदर झुक कर देखता है, जहाँ मलाला और उसकी सबसे प्रिय दोस्त बैठी हैं।

"तुम में से मलाला कौन है?"

कुछ लड़कियां सहायता के लिए चिल्लाती हैं, लेकिन आदमी उन्हें चुप रहने के लिए मजबूर करता है। मलाला एकमात्र ऐसी लड़की हैं, जिसने अपना चेहरा नहीं ढका है।

AP

गोली लगने के बाद, मलाला को हेलीकॉप्टर से पेशावर शहर के एक सैन्य अस्पताल में ले जाया जा रहा है।

QUEEN ELISABETH HOSPITAL

मलाला अपने पिता जियाउद्दीन और छोटे भाइयों खुशाल एवं अटल के साथ, ब्रिटेन में बर्मिंगहम के क्वीन एलिज़ाबेथ अस्पताल में।

FAREED KHAN/AP

14 अक्टूबर 2012 को, मलाला को गोली लगने के पांच दिन बाद, बच्चों ने तालिबान के उस पर हमले के विरोध में पाकिस्तान के कराची शहर की सड़कों पर प्रदर्शन किया।

कोई नहीं बताता कि वह कौन है, लेकिन उनमें से कई उसकी तरफ देखती हैं। जब आदमी अपनी काली पिस्तौल उठाता है, तो मलाला अपनी सबसे अच्छी दोस्त का हाथ कस कर पकड़ लेती है। आदमी तेज़ी से तीन गोलियां चलाता है। सबसे पहली मलाला के सिर में लगती है।

12 जुलाई 2013 को, मलाला का 16वां जन्मदिन संयुक्त राष्ट्र में मनाया गया, 80 देशों के एक सौ युवाओं के सामने। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने दिन को 'मलाला दिवस' कहा, और मलाला को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का एक चमड़े की बाइन्डिंग वाला संस्करण दिया, जो आमतौर पर, केवल राष्ट्राध्यक्षों को ही दिया जाता है।

पुरस्कार और यूएन

मलाला को हेलीकॉप्टर द्वारा एक सैन्य अस्पताल पहुंचाया जाता है, और वहीं से ब्रिटेन के एक अस्पताल भेज दिया जाता है। एक सप्ताह बाद उसे वहीं होश आता है। उसका आधा चेहरा लकवाग्रस्त है। लेकिन आठ घंटे के ऑपरेशन के बाद, डॉक्टर उसके चेहरे की नसों को बहाल करने में कामयाब होते हैं।

समाचार पत्रों में, मलाला को विश्व के सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया जाता है। 12 जुलाई 2013 को, मलाला का 16वां जन्मदिन, 80 देशों के 100 युवा मलाला को सुनने के लिए यूएन आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव, बान की-मून, उस दिन को 'मलाला दिवस' कहते हैं। अपने भाषण में, वे मलाला से कहते हैं:

"मैं तुमसे आग्रह करता हूं कि तुम अपनी आवाज़ सुनाती रहो। परिवर्तन लाती रहो। आओ हम सब मिलकर इस बहादुर लड़की की अगुवाई करें। पहले हम शिक्षा को प्रथमिकता दें। इस विश्व को हम सब के लिए बेहतर बनाएं।"

"चलो अशिक्षा, गरीबी एवं आतंकवाद के विरुद्ध एक वैश्विक संघर्ष छेडें। अपनी पुस्तकें और कलमें उठोओ, वे हमारे सबसे शक्तिशाली हथियार हैं। शिक्षा ही एकमात्र उपाय है। सबसे पहले शिक्षा," मलाला उत्तर देती है।

मलाला की आवाज़

तालिबान ने सोचा कि वे मलाला को खत्म करके चुप करा देंगें। इसके बजाय उन्होंने उसे और भी मजबूत आवाज दे दी, जिसे अब पूरे विश्व में सुना जा सकता है। मलाला ने लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ना जारी रखा है, और उसका मलाला फंड पूरी विश्व में लड़कियों के शिक्षा के अधिकार को बढ़ावा देता है। 2013 में, डब्लूसीपी बाल जूरी ने मलाला को तीन बाल अधिकार नायकों में से एक के रूप में नामित किया और ग्लोबल वोट में, लगभग 20 लाख मतदान देने वाले बच्चों ने मलाला को 2014 में बाल अधिकारों के लिए विश्व बाल पुरस्कार देने का निर्णय लिया। बाद में उसी वर्ष, मलाला नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित होने वाले सबसे कम उम्र की व्यक्ति बन गई।

ESKINDER DEBEBE/UN

KIM NAYLOR/WCPF

मलाला, स्वीडन के ग्रिपशाल्म कासेल में लाखों मतदान वाले बच्चों द्वारा विश्व बाल पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

मलाला लड़ना जारी रखती है

अब मार्च 2018 है जब मलाला हेलीकॉप्टर की खिड़की से बाहर देखती है और अपने मोबाइल फोन से एक फोटो लेती है। जल्द ही हेलीकॉप्टर स्वात घाटी में उतरेगा, उसी स्थान पर जहां से बेहोश मलाला को लेकर हेलीकॉप्टर ने छह साल पहले उड़ान भरी थी। जब से उसे होश आया है, तब से मलाला स्वदेश लौटने का सपना देख रही है। आज वह ब्रिटेन में रहती है और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ रही है। लेकिन वह अब भी लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ती है जितना वह लड़ सकती है।

INSIYA SYED/MALALA FUND

अपनी पाकिस्तान यात्रा केदौरान, मलाला पाकिस्तान के प्रधान मंत्री केसाथ बैठकें करती है, जो मलाला की शिक्षा परियोजना में अपना समर्थन देते हैं। अपने भाषण में, मलाला उनसे कहती हैः

"पाकिस्तान की भविष्य की पीढ़ियां हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। हमें बच्चों की शिक्षा में निवेश करना चाहिए ... ताकि महिलाएँ सशक्त हो सकें, काम कर सकें, अपने दो पैरों पर खड़ी हों और आत्मनिर्भर बने।"

कई देशों की यात्रा करती है

"हर दिन मैं लड़कियों के 12 वर्षों तक निःशूल्क एवं सुरक्षित, अच्छी श्रेणी की शिक्षा मिलने के अधिकार के लिए लड़ता हूँ। मैं उन लड़कियों से मिलने के लिए यात्रा करती हूं जो गरीबी, युद्ध, बाल विवाह और लैंगिक भेदभाव से जूझ रही हैं, जिससे वे स्कूल जा सकें। "हम मलाला फंड में काम करते हैं ताकि मेरी तरह, उनकी कहानियां विश्व भर में सुनी जा सकें ," मलाला कहती है।

"13 करोड़ से अधिक लड़कियां स्कूल नहीं जा रही हैं, इस पर अभी बहुत कुछ करना है। मुझे उम्मीद है कि शिक्षा एवं लैंगिक समानता के लिए मेरी लड़ाई में और लोग शामिल होंगे। हम सब मिलकर एक ऐसा विश्व बना सकते हैं जहाँ सभी लड़कियों को शिक्षा मिल सके और वे अपनी ज़िन्दगी में आगे बढ़ सकें।"

"लड़कियों की माध्यमिक स्कूली शिक्षा, समुदायों, देशों और हमारे विश्व को बदल सकती है। यह आर्थिक विकास, स्थायी शांति और इस ग्रह के भविष्य में एक निवेश है।"

"मैं कभी भी एक प्रधानमंत्री या एक वैश्विक व्यक्ति से नहीं मिलती क्योंकि मैं उनके साथ समय बिताना चाहती हूं या एक सेल्फी लेना चाहता हूं। मैं हमेशा इस बारे में बात करती हूं कि वे अपने देश के लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं, या वे लड़कियों की शिक्षा में निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं या वे शरणार्थियों का इलाज कैसे कर रहे हैं। मैं हमेशा उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करने की सोचती हूं जिनकी आवाज नहीं है," मलाला कहती है।

मलाला लड़कियों की सहायता करती है

मलाला का अपना संगठन है, मलाला फंड, जो एक ऐसे विश्व के लिए काम कर रहा है, जहाँ हर लड़की पढ़ कर अपनी जिन्दगी में आगे बढ़ सकती है। मलाला का लक्ष्य दस लाख से अधिक लड़कियों की सहायता करना है। वर्तमान में, यह संगठन छह देशों अथवा क्षेत्रों में काम कर रहा है। जिन स्थानों पर, जहां अधिकांश लड़कियां माध्यमिक विद्यालय के अंत तक पढ़ना जारी नहीं रख पातीं, वे स्थानीय शिक्षकों का समर्थन करने में निवेश कर रही हैं जो लड़कियों की स्थिति को सबसे बेहतर समझते हैं।

मलाला फंड, आवश्यक संसाधनों एवं नीतिगत बदलावों द्वारा सभी लड़कियों को माध्यमिक शिक्षा दिलाने के लिए - स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर, राजनीतिक नेताओं को जवाबदेह होने की पहल कर रहा है।

मलाला फंड लड़कियों को एक आवाज देने में भी सहायता करता है।

"हमारा मानना है कि लड़कियों को स्वयं के लिए बोलना चाहिए और नेताओं को बताना चाहिए कि उन्हें पढ़ने और अपनी क्षमता हासिल करने के लिए क्या आवश्यकता है। हम निर्णय लेने वालों से लड़कियों को मिलवा कर और विधानसभा तथा हमारे डिजिटल समाचार पत्र द्वारा अपनी कहानियों को साझा करके उनकी आवाजों को बढ़ा देते हैं।"

TESS THOMAS/MALALA FUND

मलाला, नाइजीरिया में चिबोक की लड़कियों के साथ, जिनका स्कूल से, बोको हरम आतंकवादी समूह ने अपहरण कर लिया था। इन 276 लड़कियों में से 112 अभी भी लापता हैं।

TOLU ONIBOKUN/MALALA FUND

मलाला, नाइजीरिया में चिबोक की लड़कियों के साथ, जिनका स्कूल से, बोको हरम आतंकवादी समूह ने अपहरण कर लिया था। इन 276 लड़कियों में से 112 अभी भी लापता हैं।

"मुझे लगता है कि लड़कियों के लिए सर्वप्रथम आत्मविश्वास को बढ़ाना आवश्यक है, और फिर हम बाहर की चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं," मलाला कहती है। वह नाइजीरिया के प्रधान मंत्री से मिली है और उनको समझा चुकी है कि हर लड़की की 12 साल की मुफ्त और सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा के लिए नीतियों एवं धन की आवश्यकता पड़ेगी।

लड़की शरणार्थियों पर ध्यान

अपनी यात्राओं के दौरान, मलाला कई लड़कियों से मिली है जो शरणार्थी हैं, या किसी अन्य देश में रह रही हैं। उसने उनकी कुछ कहानियों को एक नई पुस्तक में सम्मिलित किया है।

"अब 6 करोड़ 80 लाख से अधिक शरणार्थी हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संख्या। महिलाएं और लड़कियां सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं।

तुम देख सकते हो कि शरणार्थी शिविरों में वे कितने वंछित होते हैं, और कैसे वे यौन उत्पीड़न एवं बाल विवाह के अधीन रहते हैं। मैंने देखा है कि ये लड़कियां, शिक्षा को प्राथमिकता देती हैं। वे इसके लिए लड़ रही हैं, और वे जानती हैं कि यह उनके लिए महत्वपूर्ण है।"

"जब तुम एक शरणार्थी बन जाते हो, तो तुम उस नई भूमि के लिए एक बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस करते हैं।

लड़िकयों की शिक्षा से एक बेहतर विश्व बनेगा

मलाला और मलाला फं ड का मानना है कि सभी लड़िकयों को 12 साल की शिक्षा मिलना अति आवश्यक है क्योंकि:

- लड़िकयों की माध्यमिक शिक्षा, समुदायों, देशों और हमारे विश्व को बदल सकती है। यह आर्थिक विकास, स्थायी शांति और हमारे गरह के भविष्य के लिए एक निवेश है।
- लड़िकयों की शिक्षा अथरव्यवस्थाओं को मजबूत करती है और रोजगार उत्पन्न करती है।
- शिक्षित बालिकाएं स्वस्थ नागरिक हैं जो स्वस्थ परिवारों का पालन-पोषण करती हैं।
- शिक्षित लड़िकयों की कम आयु में विवाह करने या एचआईवी से अनुबं धित होने की संभावना है, और उनके स्वस्थ, शिक्षित बच्चे पैदा होने की संभावना अधिक है।
- स्कू ल की शिक्षा के हर बीतते साल के साथ, लड़िकयों के शिशु मृत्यु दर और बाल विवाह दर दोनों कम हो जाते हैं।
- समुदाय अधिक स्थिर हो जाते हैं और संघषर के बाद तेजी से सामान्य हो जाते हैं यिद वहीं की लड़िकयां शिक्षित होती हैं।
- शिक्षा विश्व भर में सुरक्षा के लिए महत्वपूणर है क्योंकि चरमपंथ असमानता के साथ बढ़ता है।
- लड़िकयों में निवेश करना हमारे गरह के लिए अच्छा है। लड़िकयों की माध्यमिक शिक्षा को जलवायु परिवतरन के विरुदध सबसे अधिक लागत परभावी और सबसे अच्छा निवेश माना जाता है।

लेकिन जैसे ही तुम महसूस करते हो कि तुम वहीं के हो, तो तुम एक अंदरूनी व्यक्ति बन जाते हो, और तुम उस देश के अन्य लोगों के समान, अपने अधिकारों के हकदार हो जाते हो। यह तुम्हारा घर बन जाता है। और तुम्हारे पास कई घर हो सकते हैं।"

नारी शक्ति यात्रा

"अपनी नारी शक्ति यात्रा 2017 में, मैंने उत्तरी इराक में अपना जन्मदिन और मलाला दिवस मनाने का फैसला किया। मेरी मुलाकात 13 वर्षीय नायिर से हुई, जो यहां शरणार्थी है जब से आईएसआईएस ने उसके गृह शहर मोसुल पर कब्जा किया और उसके पिता का अपहरण किया। वह तीन साल तक स्कूल नहीं जा पाई थी, लेकिन अब उसकी कक्षा शरणार्थी शिविर में एक छोटे से तम्बू में थी। 'कुछ भी मुझे अपनी पढ़ाई खत्म करने से रोक नहीं सकेगा,' उसने मुझे बताया।"

"हमें अपने घरों से मजबूर होकर भागे बच्चों को उनकी शिक्षा और अपने सपने छोड़ देने के लिए नहीं कहना चाहिए। हम नैयर जैसी लड़कियों को अकेले लड़ने की अनुमति नहीं दे सकते।"

"कभी-कभी हम शरणार्थियों को पीड़ितों के रूप में देखते हैं, कि उनकी दुखद कहानियां होंगी। वे वास्तव में दुखी हैं, लेकिन वे हमें यह भी दर्शाते हैं कि उनमें कितना साहस है और वे कितने बहादुर हैं। उनके अपने भविष्य के सपने हैं," मलाला कहती है।

मलाला छः देशों में लड़कियों का समर्थन करती है

TEXT MAGNUS BERGMAR

- ब्राजील में, फंड, स्वदेशी एवं अफ्रीकी-ब्राजीलियन लड़कियों के लिए, शिक्षकों और युवा नेताओं से बहस करके एवं उनको प्रशिक्षण देकर, शैक्षिक अवसरों में सुधार ला रहा है।
- नाइजीरिया में, फंड, आतंकवादी समूह बोको हराम के खतरे में रहने वाली लड़कियों की स्कूल जाने में सहायता कर रहा है, और हर लड़की के लिए 12 साल की मुफ्त, सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा का समर्थन करने वाली नई नीतियों के लिए अभियान चला रहा है।
- भारत में, फंड, बहस करके, मेंटरशिप कार्यक्रमों और पुनः नामांकन अभियानों को चलाकर माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क दिला रहा है।
- अफगानिस्तान में, फंड, महिला शिक्षकों की भर्ती कर रहा है और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने पर काम कर रही है।
- पाकिस्तान में, फंड शिक्षा के लिए लड़ रहा है, लड़कियों के लिए स्कूल बना रहा है और युवा महिलाओं को प्रशिक्षित और सशक्त बना रहा है जिससे वे अपने अधिकारों के लिए बोल सकें।
- सीरिया क्षेत्र में, फंड, तकनीक का उपयोग करके शरणार्थी लड़कियों की कक्षाओं तक पहुँच बनने में सहायता कर रहा है, नामांकन आवश्यकताओं को आसान बनाने के लिए अभियान चला रहा है और बाल विवाहों को कम करने के लिए लड़ रहा है।

मलाला की समाचार पत्र 'असेम्बली'

मलाला का डिजिटल न्यूजलेटर 'असेम्बली' विश्व भर की लड़कियों के लिए, लड़कियों द्वारा किये गए मूल कार्यों को प्रकाशित करती है। तुम्हारी आवाज़ भी सुनी जा सकती है। malala.org पर अभी सदस्यता लें!

और साहसी

"मेरे देश पाकिस्तान में अब भी बहुत कुछ करना बाकी है, जहाँ 2 करोड़ 40 लाख लड़कियां और लड़के स्कूल नहीं जा सकते। मेरा सपना सभी पाकिस्तानी बच्चों के लिए 12 साल की निःशुल्क और सुरक्षित उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करना है, जिससे वे मेरे देश के लिए एक अच्छा भविष्य बना सकें," मलाला कहती है।

मलाला अकेली नहीं है। उसी ही तरह, यहाँ की लड़कियाँ, लड़कियों के स्कूल जाने के लिए लड़ रही हैं। और मलाला उनके लिए एक आदर्श है। यह उनमें से कुछ के लिए खतरनाक हो सकता है, जिस कारण उनके चेहरे ढंके हुए हैं।

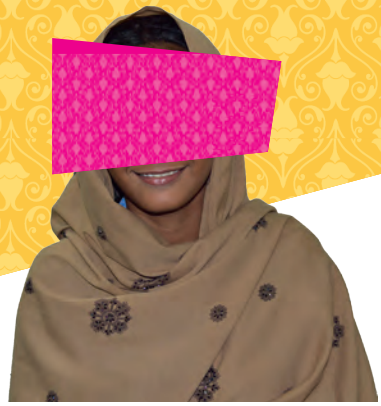

बम स्कूल जाना बंद करा देते हैं

"शिक्षा इतनी महत्वपूर्ण है। यह हमारे जीवन बदल देती है। सभी को स्कूल जाने का अधिकार है। जब मैं अपने भविष्य के बारे में सोचती हूं, तो मैं सपना देखता हूं कि मैं एक शिक्षक हूं, उसी तरह जैसे मेरे शिक्षक हैं। जब बहुत सारे बम फट रहे होते हैं, तो मैं स्कूल नहीं जा सकती। जब मैं शांत होती हूं तब मैं खुश रहती हूं और स्कूल वापस जा सकती हूं। मलाला महान है। वह हमारे लिए एक आदर्श है। हर कोई जानता है कि वह क्या सोचती है और कैसे लड़ रही है।"

मरियम, 12

हमारे देश का विकास करना

"सबको शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है, ठीक वैसे ही जैसे मेरे पास था। हमारा देश तभी विकसित हो सकता है जब सबको शिक्षा मिले। सबको यह नहीं पता, इसलिए हमें उन्हें यह बताना होगा और याद दिलाना होगा। मैं अन्य लोगों से बात करती हूं जो हमारे क्षेत्र में रहते हैं, और इसकेफल स्वरूप् कई बच्चे ने स्कूल शुरू जाना शरू कर दिया है। यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है कि हर किसी को शिक्षा मिल सके, और मैं उन बच्चों को प्रोत्साहित करती हूं जिन्होंने स्कूल जाना शुरू कर दिया है कि उन्हें जारी रखना चाहिए कि वे इसे जारी रखे और कड़ी मेहनत करें। सबको शिक्षा दिलाना हमारा लक्ष्य है, अतः भले ही हम कभी-कभी डर जाते हैं और जान जाते हैं कि बहुत से लोग हमारे बारे में बुरी बातें कह रहे हैं, फिर भी हमने निर्णय लिया है कि हम शिक्षा का समर्थन करेंगे और लड़ते रहेंगे! मलाला हमारे जैसी हैं, और वह हमारे लिए एक आदर्श हैं।"

रैनाज, 14

लड़कियां कुछ भी कर सकती हैं

"शिक्षा सब कुछ है। यह तुम्हारे जीवन को परभावित करती है, और बिना शिक्षा के, मैं बहुत नही कर सकती। मेरे देश में, जिन नौकरियां केलिए लड़केपरशिक्षण ले सकते हैं, उनकेलिए लड़िकयां भी परशिक्षण ले सकती हैं। अगर मैं चाहूं तो मैं एक पुलिसवाली, एक सैनिक, एक विमान चालक या कुछ और बन सकती हूं। लड़कों और लड़िकयों की समान नौकरियां हो सकती हैं।"

"राजनीति का भी महत्व है। बिना राजनीति के, हम अपने देश को विकसित नही कर सकते। हर किसी को राजनीति में शामिल होने का अधिकार है। मैं भी यही चाहती हूं, और जब मैं सत्ता की स्थिति में हूंगी, तो मैं यह सुनिश्चित करने के लिए काम करूंगी कि हमारे देश में हर कोई शिक्षित हो।"

"कभी-कभी हमारे क्षेत्र में स्थिति अनिश्चित हो जाती है, और फिर मुझे स्कूल जाने के बजाय घर पर ही रहना पड़ता है। मैं मलाला की आभारी हूं कि उसने सभी लड़कियों के स्कूल जाने के अधिकार को इतना स्पष्ट किया है। हमारे क्षेत्र में बहुत सारे माता-पिता हैं जो अपनी लड़कियों को हमेशा घर पर रखते हैं। मेरे मित्र और मैं उन बच्चों से बात करते हैं जिनसे हम मिलते हैं और उन्हें स्कूल जाना शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम उनके माता-पिता से भी बात करते हैं। कभी-कभी वे हमारी बात सुनते हैं और उनके बच्चों को स्कूल जाने को मिलता है। जब मुझे पता चला कि मलाला एक डायरी लिखती है, तो मैं भी अपने लिए एक डायरी ले आई और उसमें रोज़ लिखती हूं।"

अस्मा, 14

दूसरों के लिए लड़ना

"हममें से जो लोग स्कूल जाना चाहते हैं, वे जानते हैं कि हमारी भी जिम्मेदारी बनती है। बहुत सारी लड़कियां हैं जहाँ मैं रहती हूँ जो गरीब परिवारों से आती हैं, और किसी ने भी उन्हें स्कूल भेजने के बारे में नहीं सोचा है। कभी-कभी मुझे सिर्फ लड़कियों से बात करने की जरूरत होती है, लेकिन कभी-कभी मुझे माता-पिता से इस पर चर्चा करनी पड़ती है। इसने कई लड़कियों को अब स्कूल जाना शुरू कर दिया है। हमारे क्षेत्र में हमें बहुत सारी समस्याएं हैं: तालिबान, बमबारी और अप्रिय लड़के जो स्कूल जाने वाली लड़कियों से मज़ाक करते हैं। मैंने फैसला किया है कि मैं एक शिक्षा चाहता हूं, जिसका अर्थ है कि मुश्किल होने पर भी मुझे स्कूल जाना होगा। शिक्षा एक प्रकाश की तरह है: अगर यह चमकने लगे तो यह फैल जाता है। हम चाहते हैं कि यह प्रकाश इस पूरे क्षेत्र में, जहां मैं रहता हूं, और हमारे देश भर में चमके।"

"मलाला बहुत बहादुर है। वह जो सोचती है, उससे मैं सहमत हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसे स्कूल में जा पाई जहाँ मैंने सीखा कि दूसरों के लिए कैसे लड़ना है। तुम मलाला के बारे में हर जगह बात नहीं कर सकते क्योंकि बहुत सारे लोग उसके और लड़कियों की शिक्षा के विचार के खिलाफ हैं। लेकिन हममें से कई ऐसे हैं जो लड़ रहे हैं जैसा वह करती है।"

सोफिया, 15

लड़कियां...

मलाला बहुत शक्तिशाली है

"शिक्षा ने मुझे जीवन के बारे में अधिक समझने में सहायता की है। यहां के लड़के और लड़कियां अलग-अलग जीवन जीते हैं। मेरे भाई घर और स्कूल में खेल सकते हैं। मैं केवल स्कूल में खेल सकती हूं। मलाला बहुत मजबूत है और उसने लड़ाई नहीं हारी है। वह चाहती है कि पाकिस्तान की सभी लड़कियां स्कूल जाएं। वह ठीक कह रही है।"

आमना, 12

मलाला के लिए प्रार्थना करना

"लड़कियों के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है। मेरे पास बहुत अच्छा शिक्षक है, और मैं वास्तव में अपने स्कूल से प्यार करती हूं। मलाला वास्तव में एक अच्छी इंसान हैं क्योंकि वह लड़कियों के लिए शिक्षा का समर्थन करती है। मैं उसके लिए हर दिन प्रार्थना करती हूं कि उसे आगे बढ़ने में सहायता मिले।"

ज़ीनत, 12

हम समाज को विकसित कर रहे हैं

"शिक्षित महिलाओं का इस पर बड़ा प्रभाव पड़ता है कि समाज कैसे विकसित होता है। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। शिक्षित महिलाएं जानती हैं कि उनके अधिकार हैं, और वे इस ज्ञान को दूसरों से साझा करती हैं। मलाला को पता है कि सभी लड़कियों को शिक्षा का अधिकार है।"

वारदा, 15

पूरे देश को शिक्षित होना चाहिए

"हम लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।" मैं पढ़ना और लिखना सीख रही हूं, और बहुत सारी अन्य चीजें जिन्हें मैं अन्यथा नहीं जान पाती। "मलाला स्वयं शिक्षित होना चाहती थी, लेकिन वह यह भी चाहती है कि पाकिस्तान में सभी लड़कियों को शिक्षा मिले, और हमारा पूरा देश एक शिक्षित देश बने। वह बहुत बहादुर है और हम सब के लिए एक महत्वपूर्ण आदर्श।"

आइशा, 12

... लड़कों का समर्थन

लड़कियों के समान अधिकार के लिए मतदान

"पाकिस्तान में लड़कों और लड़कियों का जीवन अलग होता है। मुझे लगता है कि हमारे समान अधिकार होने चाहिए। फिलहाल ऐसा नहीं है, और चीजों को बदलना बहुत मुश्किल होगा। हमें इसके बारे में बात करने की आवश्यकता है और फिर हम आज जो अन्याय हो रहे हैं, उनके विरुद्ध वोट देकर उनको रोक सकेंगे। हमें अच्छे नेताओं को वोट देने की आवश्यकता है जो काम करके यह सुनिश्चित करें कि हमारे समाज में अन्याय समाप्त हों।"

बाबर, 12

स्कूल में इसके बारे में बात करना शुरू करो

"सभी को समान अधिकार होने चाहिए, स्कूल जाने का अधिकार और खेलने का अधिकार। माता-पिता हमेशा उतने शिक्षित नहीं होते और उन्होंने अपने माता-पिता से सीखा है कि लड़कियों को बाहर नहीं जाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह गलत है। हमें सब को बराबर सम्मान देना चाहिए। इसे एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय होना चाहिए, जिसके बारे में हम स्कूल में बात करें। वे फिलहाल ऐसा नहीं करते।"

नज़र, 15

माता-पिता का बर्ताव बदलना चाहिए

"लड़कियों को लड़कों के समान अधिकार नहीं दिये जाते हैं। माता-पिता लड़कों और लड़कियों से अलग व्यवहार करते हैं। हमारे माता-पिता की विचारधारा पुराने जमाने की है और हमें वैसा ही करना होता है जैसा हमें बताया जाता है। लड़के घरेलू कार्य नहीं कर सकते, और लड़कियां जब चाहें और कैसे भी, बाहर नहीं जा सकतीं।"

उमैर, 15

हमें परिवारों से बात करने की आवश्यकता है

"लड़कों और लड़कियों को शिक्षा मिलने का समान अधिकार है; यह उनके माता-पिता का उत्तदायित्व है। हम युवा लोग भी ज़िम्मेदार हैं। हमें उन परिवारों से बात करने की जरूरत है जो ज़िम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। हमें एक आदर्श बनना चाहिए, ताकि जो लोग अपनी लड़कियों को उनके अधिकारो से वंछित रखें, विशेष रूप से शिक्षा मिलने के अधिकार से, उन्हें लज्जा का आभास हो। लड़कियां वह सब कुछ कर सकती हैं जो लड़के कर सकते हैं।"

उबैद, 13

TEXT & PHOTOS: BRITT-MARIE KLANG

फायमीन को क्यों नामित किया गया है?

फायमीन को कम्बोडिया केकचरे के ढेरों पर रहने वाले बच्चों केलिए लड़ने, और उनकेशिक्षा मिलने के अधिकार हेतु संघषर करने केलिए नामांकित किया गया है।

चुनौती

कम्बोडिया की राजधानी नोम पेन्ह में, कई गरीब बच्चे कचरे केढेरों पर और झुग्गियों वाले क्षेतरों में रहते हैं और काम करते हैं। वे स्कूल नही जाते हैं, और इसकेबजाय जीवित रहने केलिए कचरा बटोरते हैं और इस काम में अपना जीवन और स्वास्थ्य जोखिम में डालते हैं। कई घायल हो चुकेहैं, और यहां तक कि मर भी गए, जब वे कचरे वाले ट्रकों से कुचल गए या कचरे के पहाड़ में दफन हो गए।

काम

फायमीन और उसका संगठन, 'पीपुल्स इम्प्रूवमेंट ऑगरनाइजेशन' या पीआईओ (PIO) यह सुनिश्चत करते हैं कि वंछित बच्चे, जिनमें एचआईवी/एड्स से परभावित बच्चे शामिल हैं, स्कूल जा सकेंऔर उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें। एक हजार से अधिक बच्चों को शिक्षा, भोजन, स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य देखभाल मिलती है। उन्हें सपने देखने और अपने हितों को विकसित करने केलिए परोत्साहित किया जाता है।

परिणाम और लक्ष्य

2002 से, 5,000 से अधिक वंछित बच्चों को फायमीन और पीआईओ द्वारा बेहतर जीवन मिला है, जो शिक्षा को गरीबी से बाहर निकालने के एक मार्ग केरूप में देखते हैं। आज संगठन अपने स्वयं के तीन स्कूल और एक बाल गृह चलाता है, जहां अनाथ और बेसहारा छोड़ दिये गए बच्चे एक सुरक्षित वातावरण में बड़े हो सकते हैं।

पृष्ठ 60–67

बाल अधिकार हीरो 5

फायमीन नाउन

जब फायमीन छोटी थी, उस समय जो लोग कम्बोडिया की सत्ता में थे, उन्होंने उसे और अन्य बच्चों को स्कूल जाने से रोक दिया था। जब वह एक वयस्क के रूप में, उन बच्चों से मिलती है जो राजधानी नोम पेन्ह के कचरे वाले ढेरें पर काम करते हैं, तो वह समझ पाती है कि वे कैसा महसूस करते होंगे। और यह कि वे सभी स्कूल शुरू करने में सक्षम होने के लिए तरसत हैं। इसलिए वह उनके लिए एक स्कूल शुरू करती है।

फायमीन की कहानी अप्रैल 1975 में शुरू होती है, जब वह चार साल की है। सैनिक हथियार लहराते हुए आते हैं और कहते हैं कि सब को शहर छोड़ना होगा। "बस तीन दिनों के लिए," वे कहते हैं, "फिर तुम लोग वापस घर जा सकते हो"।

सड़कें लोगों से इतनी भरी हुई हैं कि फायमीन का परिवार उनमें से होकर बड़ी मुश्किल से निकल पाता है। सैनिकों ने उनसे कहते हैं, आगे और आगे। वे दूर से राइफलों की गोलियां चलने की आवाजें सुन सकते हैं। जो पीछे मुड़ने की कोशिश करते हैं उन्हें गोली मार दी जाती है।

जब परिवार कई दिनों से चल रहा है, तो उन्हें एक बड़े खेत में रुकना पड़ता है। उन्हें काले कपड़े और कार के टायरों से बने जूते दिये जाते हैं। यही वर्दी है जो खमेर रूज अब हर किसी को पहनाना चाहता है। खमेर रूज उस सैन्य समूह का नाम है जिसने कम्बोडिया में सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया है।

स्कूल पर प्रतिबंध लगा

काले कपड़े पहने बड़े हथियारों वाले अनेकों सैनिकों में से कई केवल 10-12 साल के हैं। उन्हें फायमीन की माँ पसंद है, और जब वह उनसे पूछती है कि फायमीन और उसकी बड़ी बहन को उस कैंप में न भेजें जहाँ बच्चे अपने माता-पिता के बिना रहते हैं, तो वे उन्हें वहां रहने देते हैं।

खमेर रूज द्वारा कई लोगों को मार दिया जाता है, और एक दिन फायमीन की मां को पता चलता है कि उसके सभी 11 भाई-बहन एवं उनके परिवारों का मार दिया गया है।

फायमीन छह साल की हो जाती है, लेकिन उसे स्कूल नहीं जाने दिया जाता। खमेर रूज कोई स्कूलों या पुस्तकों की

फायमीन वैश्विक लश्यों को प्राप्त करने में अपना योगदान देती है, जिनमे यह शामिल हैं:

लक्ष्य 1: कोई गरीबी नहीं। लक्ष्य 2: शून्य भूख। लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण। लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। लक्ष्य 10: असमानताओं को कम करना। लक्ष्य 11: स्थायी समुदाय।

कम्बोडिया का भयानक इतिहास

कम्बोडिया विश्व के सबसे गरीब देशों में से एक है। लगभग 45 साल पहले, खमेर रूज द्वारा देश पर कब्जा किया गया था। पिछले चार वर्षों में जब खमेर रूज सत्ता में था, 18 लाख से अधिक लोग उत्पीड़न, फांसी, बीमारी, भूख और थकावट से मर गए। 1973 में अपनी मां के बगल में खड़ी फायमीन अभी दो साल की है, और परिवार को अब तक घर छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया है।

अनुमति नहीं देता। फायमीन का काम पंप द्वारा पानी भरना है, और इसमें उसे कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

दो साल बाद, पड़ोसी वियतनाम से सैनिक आते हैं और खमेर रूज को हरा देते हैं। परिवार घर लौट सकता है, और नौ साल की फायमीन आखिरकार स्कूल शुरू करने में सक्षम है। वह पूरे विश्व में हर पुस्तक पढ़ना चाहती है, और जल्दी से कक्षा 2 से 4, से 7 तक पहुंच जाती है।

मां बीमार हो जाती है

जब फायमीन 13 साल की होती है, तब सब कुछ फिर से बदल जाता है जब उसकी माँ गंभीर रूप से बीमार हो जाती है।

फायमीन के पिता ने परिवार को बेसहारा छोड़ दिया है और उसे अपनी मां की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। एक-एक करके, वह अपनी संपत्ति बेचती जाती है। पहले मोटरसाइकिल, फिर सिलाई मशीन, एक साइकिल और फर्नीचर। आखिर में उसके पास बस उसका छोटा सा घर और एक साइकिल बची रह जाती है।

"तुम्हें स्कूल जाना चाहिए," उसकी मां कहती है।

लेकिन फायमीन उसे छोड़ना नहीं चाहती, स्कूल जाने के लिए भी नहीं, जहां उसे जाना प्रिय है।

"हाँ," उसकी माँ कहती है। "तुम्हें शिक्षा ज़रूर लेनी चाहिए। ज्ञान एक बेहतर जीवन की कुंजी है। लोग तुमसे तुम्हारे पैसे और वस्तुएं ले सकते हैं, लेकिन कोई तुम्हारा ज्ञान नहीं चुरा सकता।"

हर शाम, फायमीन अपनी मां को अपनी बाहों में लेती है। एक शाम उसकी माँ फुसफुसाती है:

"अपने सपनों को कसकर पकड़ कर रखना, फायमीन। तुम जो कुछ भी सीख सकते हो, उसे इस्तेमाल कर सकती हो।" फिर उसकी मां मर जाती है।

काम करती रहती है

अपनी छोटी भतीजी माल्यदा के अतिरिक्त, फायमीन अब विश्व में अकेली है। फायमीन के पास अब केवल घर की चार दीवारें और एक साइकिल बची है। हर सुबह, तड़के होने से पहले, वह बगीचे से पानी लाती है और ध्यानपूर्वक पानी का टंका भरती है। जब वह पूरी हो जाती है, तो वह पानी को पेय जल के रूप में बेच देती है।

फिर फायमीन को एक कार्यालय सहायक की नौकरी मिल जाती है। नौकरी के बाद, वह शाम की कक्षा में पढ़ने के लिए जाती है। उसने स्वयं से और अपनी माँ से वादा किया है कि वह स्कूल जाएगी, और उसका इरादा यही है, भले ही वह इतनी थकी हुई होती है कि वह अक्सर बस सोना चाहती है।

फायमीन कई वर्षों तक अपनी शिक्षा के साथ संघर्ष करती है। फिर उसे कम्बोडिया के पहले स्वतंत्र चुनावों में काम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की नौकरी मिल जाती है। वह राजधानी नोम पेन्ह चली जाती है, एक कार्यालय में काम करती है, एक कार खरीद लेती है और उसके पास बैंक में पैसा होता है। अचानक उसका जीवन सरल हो जाता है।

मुर्गे की टांग पर लड़ाई

एक दिन, फायमीन दोपहर के भोजन में ग्रिल्ड मुर्गा खा रही है। वह अपने मुर्गे की हड्डियों को एक कचरे के ढेर पर फेंक देती है, और अचानक उसे पांच बच्चे आते

TEXT: JOHANNA HALLIN & EVELINA FREDRIKSSON FOTO: ALEXANDRA ELLIS

अपने दो पैरों पर खड़े हो, लड़कियों!

"कम्बोडिया में लड़कियों के लिए स्कूल न जाना आम बात है क्योंकि परिवारों को लगता है कि यह अनावश्यक है। लड़कियों की बस शादी होगी और उनका एक पति होगा, जो उनके लिए ज़िम्मेदार होगा। पति को स्वतः ही निर्णायक मान लिया जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह गलत है! शिक्षा के माध्यम से, अधिक लोग समझ सकते हैं कि महिलाएं अपने क्षेत्र या परिवार का नेतृत्व भी कर सकती हैं। यही कारण है कि मैं लड़कियों को अपने दो पैरों पर खड़ा होना और अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करना सिखाती हूं!" फायमीन कहती है।

लड़कियों पर ध्यान

फायमीन और पीआईओ लड़के और लड़कियों दोनों की सहायता करते हैं, लेकिन फायमीन जानती है कि लड़कियां विशेष रूप से वंछित होती हैं। उनके लिए जल्दी स्कूल छोड़ना और अपने माता-पिता के साथ काम शुरू करना आम बात है। यही कारण है कि यहां मुख्यतः लड़कियों को स्कूल से अतिरिक्त सहायता मिलती है, उदाहरण के लिए, हर महीने चावल। उनके माता-पिता को एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसमें वे वचन देते हैं कि वे अपनी बेटी की पढ़ाई में अपना समर्थन देंगे और उसे शाम को या रात में काम नहीं करना पड़ेगा।

फायमीन के स्कूल में छात्रों के भविष्य के सपने

एक बड़ा पीला स्कूल बनाना चाहती है

"गणित महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से गुणा करना। जब मैं इंजीनियर बनूंगी, तो बच्चों के लिए एक बड़ा पीला स्कूल बनाऊंगी।"

सोखगिम, 13

पूरी विश्व से बात करना चाहती है

"अंग्रेजी महत्वपूर्ण है, इससे मैं विश्व भर के लोगों से बात कर सकती हूं। मैं अंग्रेजी पुस्तकें पढ़ना और कंप्यूटर पर दोस्तों को संदेश भेजना चाहती हूं।"

सोमाली, 14

बच्चों को हर सुबह फायमीन के स्कूल में जाना प्रिय है।

स्कूल कैंटीन में बच्चों के साथ फायमीन, जहां सबको दोपहर का भोजन मिलता है।

यह 2002 है, और पहली बार फायमीन कचरे के ढेर पर लड़कियों से मिलती है।

दिखाई देते हैं। वे मुर्गे के अवशेषों को पाने के लिए एक दूसरे से लड़ते और खरोंचते हैं। फायमीन हैरान होती है। बच्चे बचा-खुचा खाने के अवसर पर लड़ रहे हैं।

बच्चों का कहना है कि वे ग्रामीण इलाकों से आए हैं, क्योंकि उनके माता-पिता काम की तलाश में हैं। लेकिन उपलब्ध एकमात्र काम कचरे के ढेर में से कचरा छांटने का है, जो उनका घर भी है। वे बताते हैं कि कैसे वे हर दिन सिर्फ जीवित रहने के लिए लड़ते हैं।

"मैं तुम्हारी सहायता कैसे कर सकती हूं?"

"मैं सिर्फ स्कूल जाना चाहता हूं," लड़कों में से एक कहता है।

जब फायमीन बच्चों को छोड़ देती है, तो वह उसके बारे में सोचना बंद नहीं कर सकती। वे बिना किसी सहायता के संघर्ष कर रहे हैं, जैसे उसने किया था।

अगले दिन, फायमीन नोम पेन्ह केसबसे बड़े कचरे केढेर पर जाती है, जो एक पवरत जितना ऊंचा है। वह बच्चों और माता-पिता से मिलती है, कैनवस की चादरें देखती है, जिसकेनीचे वे सोते हैं, उन ट्रकों को भी जो अपने मार्गों नहीं बदलते, भले ही कोई बच्चा उनकेरास्ते में आये या नहीं। वह उन खुले घावों को देखती है जो कभी ठीक नहीं होते। हर चीज में गंध भरी होती है। वहां नरक जैसा लगता है, फायमीन सोचती है।

एक स्कूल शुरू करती है

फायमीन अपनी नौकरी से इस्तीफा दे देती है, अपने बैंक से सारे पैसे निकाल लेती है और कचरे केढेर पर काम शुरू कर देती है। अधिक्तर बच्चे स्कूल जाने केलिये व्याकुल हैं, लेकिन उनके माता-पिता हिचिकचाते हैं। बच्चों को

कचरा इकट्ठा करने के लिए वस्त्र

श्रेय निच के कचरा इकट्ठा करने वाले वस्त्र। जा बच्चे कचरे में से सामान बीना करते हैं वो ऐसे कपड़े पहनने की कोशिश करते हैं जो यथासंभव सुरक्षात्मक हों। अधिमानतः लंबी आस्तीने और बूट, लेकिन ये हमेशा उपलब्ध नहीं होते। जो बच्चे नंगे पैर या छोटी आस्तीन वाले वस्त्र पहन कर काम करते हैं, वे अक्सर चोटिल होकर कट जाते हैं।

फायमीन का ग्रीन स्कूल भवन पुराने कचरे के ढेर के स्थल पर स्थित है, जहाँ अब बकरियां चरती हैं।

पीआईओ के इतिहास को चित्रित करना चाहता है

"मुझे परिदृश्य और जानवरों को चित्रित करना पसंद है, खासकर खरगोशों को। मैं एक कलाकार बनना चाहता हूं और पीआईओ के इतिहास को चित्रित करना चाहता हूं।"
पिच, 13

खमेर और कंप्यूटर महत्वपूर्ण हैं

"हमारी भाषा खमेर मेरे लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि मैं एक व्यवसाय में काम करना चाहती हूं। फिर मुझे कंप्यूटर में अच्छा होना पड़ेगा।"
काकड़ा, 11

दूसरे ग्रह पर उड़ कर जाना चाहता है

"कंप्यूटर सबसे महत्वपूर्ण चीज है जिसके बारे में सीखना चाहिए। मैं एक विमान चालक बनना चाहता हूं और उसका कॉकपिट एक बड़े कंप्यूटर की तरह लगता है, अन्यथा मैं एक अंतरिक्ष यान उड़ा कर दूसरे ग्रह पर जाना चाहूंगा।"
किम, 12

परिवार का समथरन करने में सहायता करनी होगी, अन्यथा वे भूखे मर जाएंगे।

पहले दिन, 25 बच्चे फायमीन केस्कूल में आते हैं। फिर और अधिक आना शुरू होते है। फायमीन ही स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने हेतु कचरे केढेर पर पहला नल जुड़वाती है। वहां रहने वाले लोगों को भोजन और शिक्षकों की भी आवश्यकता है।

फायमीन हर रोज़ कचरे के ढेर पर होती है। वह एक शिक्षक, नेता, कार्यवाहक, सामाजिक कार्यकर्ता है - बच्चों के लिए वही सब कुछ है। धीरे-धीरे स्कूल बड़ा होता जाता है। अधिक बच्चे और अधिक शिक्षक आते हैं, और दो वर्षों बाद, फायमीन एक और स्कूल खोल देती है।

कभी हार मत मानो!

अब 17 साल हो गए हैं जब से फायमीन ने अपने संगठन की स्थापना की है। उसके अनाथ या बेसहारा बच्चों के लिए तीन स्कूल और एक बाल गृह है। उसका संगठन कचरे के ढेर के आसपास परिवारों और पूरे समुदायों की भी सहायता करता है।

"कभी हार मत मानो! ऐसा मेरा विचार है, और मैं बच्चों को स्कूल में भी यही बताती हूं। यहां के बच्चों का जीवन कठिन है। यहां गिरोह, ड्रग्स, और बहुत असुरक्षा है। लेकिन हम उन्हें अपने सपनों पर विश्वास करने और उन्हें हासिल करने के लिए लड़ने में सहायता करते हैं," फायमीन कहती है।

फायमीन और पीआईओ चाहते हैं:

- बच्चों को उनके जीवन के सपने खोजने में सहायता करना। कचरे के ढेर पर कई बच्चों का अपने भविष्य का कोई सपना नहीं है।
- बच्चों को आशा देना। उनकी प्रगति देखकर और उनके लिए अवसर उपलब्ध करा कर, जिससे उनकी प्रतिभा प्रकट हो सके, फायमीन और शिक्षक दिखाते हैं कि बच्चों की स्थिति बदल सकती है।
- बच्चों को प्यार दें जिस पर उन्हें भरोसा हो। फायमीन और पीआईओ कई वर्षों तक बच्चों का पालन करते हैं।

बच्चों के लिए पीआईओ के कार्यः

- पुराने कचरे के ढेर पर और नोम पेन्ह की झुग्गियों में तीन स्कूल।
- खमेर और अंग्रेजी भाषाओं में शिक्षा, भाषा और कंप्यूटर कौशल पर विशेष ध्यान देते हुए।
- अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए एक बाल गृह।
- परिवारों को सहायता, जिससे वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों को स्कूल भेज सकें।
- स्कूल में सभी बच्चों के लिए और क्षेत्र में रहने वाले बच्चों एवं वयस्कों के लिए स्वच्छ जल।
- किशोरों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे नाई की दुकान या सिलाई का काम।
- एक नर्स, एक डॉक्टर और एक दंत चिकित्सक उपलब्ध कराना।

पर्यटकों को पढ़ाना चाहता है

हिन, 13 वर्षीय, तीन साल से पीआईओ के स्कूल जा रहा है। वह अपने मम्मी, पापा और छोटे भाइयों के साथ स्कूल के ठीक पीछे रहता है। उसके परिवार ने कई वर्षों तक कचरे के ढेर पर काम किया, लेकिन अब केवल उसके माता-पिता ही काम करते हैं। "मैं एक गाइड बनना चाहता हूं और पर्यटकों को कम्बोडियन संस्कृति और परंपराओं के बारे में सिखाना चाहता हूं। मैं उन्हें पारंपरिक अभिनंदन करना सिखा सकता हूं।"

यदि तुम किसी संत का अभिनंदन करते हो, तो तुम्हारे हाथ ऊँचे, तुम्हारी नाक से ऊपर होने चाहिए।

अपने साथियों का अभिनंदन करते समय तुम्हारे हाथ तुम्हारी ठोढ़ी के नीचे होने चाहिए। तुम कहोगे "चुम रीप सु", औपचारिक "सो सदेई" के बजाय।

किसी वयस्क का अभिनंदन करते समय, अपने हाथों को अपनी नाक से नीचे रखो।

यदि तुम किसी संत का अभिनंदन करते हो, तो तुम्हारे हाथ ऊँचे, तुम्हारी नाक से ऊपर होने चाहिए।

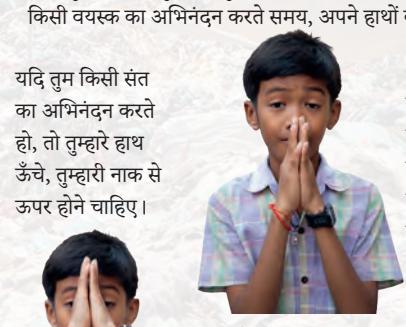

अपने साथियों का अभिनंदन करते समय तुम्हारे हाथ तुम्हारी ठोढ़ी के नीचे होने चाहिए। तुम कहोगे "चुम रीप सु", औपचारिक "सो सदेई" के बजाय।

किसी वयस्क का अभिनंदन करते समय, अपने हाथों को अपनी नाक से नीचे रखो।

स्कूल जाने का सपना सच होता है

कीन कचरे के पहाड़ में कई गहरे गढ्ढे में से एक में खड़ी है। अचानक, वह एक ऐसी आवाज सुनती है जिसका केवल एक ही मतलब हो सकता हैः कचरा लुढ़क रहा है! कीन स्वयं को ऊपर की ओर खींचती है, और इससे पहले कि ट्रैक्टर द्वारा शुरू किये गए कचरे के स्खलन से वह गढ्ढा भरे जहां वह खड़ी है, वह बाहर निकल आती है।

कीन और उसकी छोटी बहन फैली दोनों कचरे के ढेर पर काम करती थीं और स्कूल जाने का सपना देखती थीं।

कुछ साल पहले, जब कीन आठ साल की होती है, वह और उसकी छोटी बहन फैली अपना गृह गाँव छोड़ देती हैं। वे अपने माता-पिता को अलविदा कहती हैं और अपनी दादी के साथ एक मिनीबस में सिमट कर बैठ जाती हैं। तीन घंटे बाद, वे अपने गंतव्य पर पहुंचती हैं: राजधानी नोम पेन्ह में 'स्टंग मीन चेय' कचरे का ढेर, जहां वे सप्ताह के हर दिन सुबह से शाम तक काम करेंगी।

जानलेवा काम

कीन और फैली को जल्द ही पता चल जाता है कि उन बच्चों का क्या होता है जो समय से बाहर नहीं निकल पाते जब कूड़े का स्खलन शुरू होता है। पहली बार जब कीन को इसका अनुभव हुआ, तब वह एक लड़के से कुछ ही मीटर दूरी पर खड़ी थी, उस कचरे के पहाड़ के किनारे से थोड़ा आगे। पहाड़ की चोटी पर ट्रैक्टर चालक उन्हें नहीं देखता है, और लड़के पर कचरा फेंकने का काम जारी रखता है।

कीन और अन्य सभी लोग, जो लड़के को जल्दी से गायब होते देखते हैं, उसे ढेर में खोद कर बाहर निकालने में सहायता करते हैं। वह भयभीत दिखता है, लेकिन अगले दिन ही वह कचरे के ढेर पर काम कर रहा होता है जैसे मानो कुछ नहीं हुआ हो। कीन जानती है कि उसके पास कोई विकल्प नहीं है जिससे वो अपना पेट भर सके।

एक अन्य समय पर, एक लड़के को खोदने में बहुत समय लगता है, और वह मर जाता है।

सिर्फ कूड़े के पहाड़ पर चलना ही बहुत खतरनाक है। कई बार कीन कमर तक पोखरों में गिर चुका है जो कचड़े के ढेर के बीच बन जाते है। यदि कोई ऐसे किसी गडढे में गिरता है और उसका पैर गडढे के तल को नहीं छू पाता, तो वह कभी नहीं मिलता।

हाथ का नृत्य

पारंपरिक कम्बोडियन नृत्यों में बहुत सारी हाथों की क्रियाएं होती हैं, जिनका बहनें अभ्यास करती हैं।

कीन और फैली स्कूल में अपना दोपहर का भोजन कर रही हैं। जब वे ढेर पर काम करती थीं तब वे अक्सर भूखी होती थीं।

नृत्य करने के वस्त्र

कीन और फैली को दोनों हिप हॉप और पारंपरिक नृत्य प्रिय हैं।

स्कूल वाली महिला

कीन और उसकी बहन हर दिन कचरे में कुछ खोजा करती हैं। कभी-कभी वे इतनी भूखी होती हैं कि वह खाना खाती हैं जिसे दूसरों ने फेंक दिया होता है। उनके द्वारा पहने गए कपड़े भी ढेर से आते हैं। एक दिन, कीन और फैली ने एक महिला को कचरे के ढेर के पास घूमते हुए देखा, वह सुरक्षात्मक मुखौटे बांट रही थी और वहां काम करने वाले लोगों से बात कर रही थी।

कीन और फैली ध्यान से सुनती हैं जब महिला एक स्कूल के बारे में बात करना शुरू करती है। बच्चों को स्कूल देखने के लिए महिला के साथ जाने की अनुमति मिल जाती है। जब वह महिला, फायमीन, बच्चों को बताती हैं कि वहां जाना मुफ्त है, तो फैली में इसकी उम्मीद जागती है कि वह और उसकी बहन स्कूल शुरू कर सकेंगी।

बहनें अपनी दादी को अपने स्कूल जाने के बारे में बताती हैं।

"तुमको कचरा इकट्ठा करते रहना होगा, नहीं तो हम सब भूखे मरेंगे," दादी कहती है।

फैली रोती है और अपनी दादी से आग्रह करती रहती है:
"मैं अपनी पूरी जिंदगी कचरे के ढेर पर काम नहीं करना चाहती!"

अंत में, दादी मान जाती है। बहनें स्कूल जाना शुरू कर सकती हैं।

हर दिन, स्कूल के बाद, कीन और फैली कचरा बटोरने के लिए जाती हैं। जब वे देर रात को अपनी छोटी झोंपड़ी में घर जाती हैं, तब वे घर के काम करती हैं, जबकि दादी कचरा छांटती है। फिर वे पढ़ाई करती हैं। वे डरती हैं कि अन्यथा वे अपने पाठों को समझ कर नहीं पढ़ पाएंगी।

भूख हड़ताल

दादी, जिनको टीबी है, कमज़ोर हैं, और अब कीन और फैली को गाँव जाना पड़ेगा। वे रास्ते भर रोती जाती हैं। वे बस स्कूल जाते रहना चाहती हैं।

अपने गाँव में, वे सुबह से लेकर देर शाम तक चावल बोती हैं। कीन अक्सर रोती है। वह स्कूल और उन सभी पाठों के बारे में सोचती है जो वह स्कूल में नहीं पढ़ पा रही है।

कीन और फैली का परिवार लड़कियों की दलीलें नहीं सुनता है, इसलिए वे एक योजना बनाती हैं: जब तक वे नोम पेन्ह और स्कूल लौटने की अनुमति नहीं देते हैं, तब तक वे कुछ भी खाने से इनकार करती हैं। बहनों की भूख हड़ताल कई दिनों तक चलती है, और अंत में उनकी बात मान ली जाती है।

अद्भुत शैम्पू

दादी उनके साथ जाती है और सुनिश्चित करती है कि वे पीआईओ के बाल गृह में रहने के लिए जा सकें।

पहली बार वे अपने बालों को शैम्पू से धोती हैं।

"यह अद्भुत है। अब मैं अंत में पूरी तरह से स्वच्छ महसूस कर सकती हूं," फैली कहती है।

अप्रैल में कम्बोडियन नए साल पर, बहनें अपने परिवार से मिलने जाती हैं। समारोह के दौरान, कुछ बच्चे कीन से बात करते हैं।

"क्या तुम हमें अंग्रेजी सिखा सकती हो? और हमें दिखाओ कि हम वर्णमाला कैसे लिखें?" वे पूछती हैं।

कीन को बहुत गर्व है। उसने जो सीखा है, उसे साझा करने में वह खुश है। उसके माता-पिता देखते हैं जब वह बच्चों को पत्र लिखना सिखाती है, और वे गर्व से मुस्कुराते हैं।

"आज मैं एक अति भाग्यशाली लड़की हूँ, जिसे स्कूल जाने का अवसर मिला है। यदि मैं पीआईओ नहीं आई होती, तो मुझे पता नहीं कि मेरा भविष्य कैसा रहा होता," कीन कहती है।

पीआईओ की यूनीफार्म

स्कूल में, सभी छात्र एक ही यूनीफार्म पहनते हैं जो उन्हें पीआईओ से मिलाता है। फैली हर सुबह इसे पहनती है। जब वे कचरे के ढेर पर काम करते थे, तो बहनें केवल वही कपड़े पहनती थीं जो उन्होंने पहन रखे होते थे। अब उनके पास कपड़े के कई बदलाव हैं, और वे उन्हें बदल-बदल कर पहन सकती हैं!

स्कूल जाना प्रिय है

फैली और उसकी दोस्त पिच ने स्कूल के दिन के अंतिम घंटे के दौरान पुस्तकालय में किताबें पढ़ीं। फैली को स्कूल जाना बहुत प्रिय है। जब उसकी दादी उसे और कीन को वापस गाँव ले गई, तो बहनों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी ताकि वे स्कूल लौट सकें।

TEXT: JOHANNA HALLIN & EVELINA FREDRIKSSON FOTO: ALEXANDRA ELLIS

स्कूल और कचरे के साथ एक

15 वर्षीय लैंगिंग अपनी बहन, मां एवं 17 रिश्तेदारों के साथ पुराने कचरे वाले ढेर पर एक धातु की बनी झोंपड़ी में रहता है। उसकी मां बहुत बीमार है, तब भी उसे काम करना पड़ता है जिससे वह परिवार के भोजन का खर्च उठा सके। लैंगिग शाम को उसके साथ जाता है।

लैंगिंग जब छोटा था, तब स्थिति बदतर थी। वह स्कूल नहीं जाता था, बस सारे दिन कचरा इकट्ठा किया करता था।

"मुझे लगातार भूख लगती थी। मैं उन खराब फलों को उठा लेता था जिनको लोग फेंक दिया करते थे, और मुझे जो बोतलें मिलती थीं उनमें बची आखिरी बूंदों को पी लिया करता था।"

लैंगिंग और उसकी बहन ने अन्य बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म में और स्कूल बैग ले जाते देखा। उन्होंने बिनती की और गिड़गिड़ाये, और अंत में, उन्हें पीआईओ में शुरूआत करने की अनुमति मिल गई।

"फुटबॉल, स्कूल और मेरे दोस्त मुझे खुश रखते हैं। लेकिन जब मैं अपने माँ के बीमार होने के बारे में सोचता हूँ, तो मुझे बहुत दुख होता है। इतना दुख कि मुझे गुस्सा आ जाता है।"

6:00 बजे उठने का समय

लैंगिंग और उसकी बहन पिच, परिवार के बिस्तर मे, एक दूसरे के बगल में सोते हैं। मच्छरदानी उन्हें मच्छरों से बचाती है, जो वहां नमी के वातावरण में पनपते हैं।

6:30 स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित

हर बुधवार, लैंगिंग पाठ शुरू होने से पहले कक्षा की सफाई करता है।

9:30 टीवी देखने का अवकाश

अवकाश के समय, लैंगिंग और उसके मित्र स्कूल के बगल में लगे टीवी में समाचार देखने जाते हैं।

11:00 तली हुई पसंदीदा

सभी बच्चों दोपहर का भोजन स्कूल की छत पर करते हैं। भोजन किए बिना, उनमें से कई भूखे रह जाते हैं। लैंगिंग को सबसे अच्छा लगता है जब भोजन में तली हुई सब्जियां होती हैं।

13:00 कंप्यूटरों को चालू करें

कंप्यूटर का रोमांचक पाठ पुस्तकालय में होता है।

TEXT: JOHANNA HALLIN & EVELINA FREDRIKSSON PHOTOS: ALEXANDRA ELLIS

लंबा दिन

14:15 बहुत थक गया, बहुत थक गया ...

लगभग हर रोज़, दोपहर के भोजन वाले अवकाश में, लैंगिंग सोता है, लेकिन कभी-कभी वह इतना थक जाता है कि वह दोपहर के अंग्रेजी के पाठ में भी सो लेता है। उसको केवल पाँच घंटे की नींद मिली है क्योंकि उसका शाम का काम रात को देर में समाप्त होता है।

प्लास्टिक और रबर के जूते
0.07 सेंट/किलो

प्लास्टिक की बोतलें
0.14 सेंट/किलो

स्ट्रा
0.1 सेंट/किलो

गत्ता 0.07 सेंट/किलो

17:15 शाम की पारी शुरू होती है

लैंगिंग अपने कचरा बटोरने वाले वस्त्र पहन लेता है। तब वह कचरा बटोरने के लिए शहर के केंद्र चला जाता है।

21:00 अंधेरे में चलना

लैंगिंग आधी रात तक काम करता रहता है।

00:30 रात को नहाना

जब वे अंत में घर पहुंचते हैं, तब लैंगिंग पानी से नहाता है। दूसरों के रात्रिभोज का बचा हुआ कुछ चावल खाने के बाद, वह अपने बिस्तर में चला जाता है।

मैनुअल को क्यों नामांकित किया गया है?

मैनुअल रॉड्रिग्स को गिनी-बिस्साऊ में नेत्रहीन एवं अन्य विकलांग बच्चों हेतु संघर्ष करने के लिए नामित किया गया है।

चुनौती

गिनी-बिस्साऊ में विकलांग बच्चे बहुत वंछित होते हैं। अक्सर ऐसे बच्चे जो बहरे या अंधे होते हैं, उन्हें स्कूल नहीं जाने दिया जाता, और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जैसे उनका कम मूल्य हो। कभी-कभी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, वे गरीबी या पूर्वाग्रह के कारण छिपा दिये जाते हैं या लावारिस छोड़ दिये जाते हैं।

काम

मैनुअल और उसका संगठन 'एग्रिस' (AGRICE) विकलांग बच्चों को एक सम्मानपूर्ण ज़िन्दगी देता है। उन्हें स्वास्थ्य देखभाल एवं चिकित्सा उपचार, भोजन और एक घर की सुविधा प्राप्त होती है, तथा उन्हें स्कूल जाने को मिलता है और प्यार एवं सुरक्षित वातावरण दिया जाता है। मैनुअल उन बच्चों को बचाता है जिन्हें लावारिस छोड़ दिया गया है या छिपा दिया गया है, लेकिन वह उनके परिवारों को भी शिक्षित करता है जिससे वे ऐसा दोबारा न करें।

परिणाम और लक्ष्य

1996 के बाद से, मैनुअल और 'एग्रिस' ने, हजारों बच्चों को एक बेहतर ज़िन्दगी मिलने में सहायता की है। 300 से अधिक नेत्रहीन बच्चों को मैनुअल के केंद्र द्वारा सहायता मिली है और वे उसके नेत्रहीन लोगों के लिए विशेष पूर्वस्कूल और स्कूल में पढ़ चुके हैं। कुछ समय शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, अधिकांश बच्चे अपने परिवारों के साथ पुनः रहने लगते हैं और एक साधारण स्कूल में पढ़ने लगते हैं। वह यह सुनिश्चित करने के लिए अथक संघर्ष करता है कि सभी विकलांग बच्चों को वो सब अधिकार मिलें जो अन्य बच्चों को मिलते हैं।

पृष्ठपृष्ठ 68–75

बाल अधिकार हीरो 6

मैनुअल राड्रिग्स

मैनुअल 9 वर्षीय एडेलिया के सिर को धीरे से सहलाता है। वह उसका सहारा लिए हुए बेंच पर उसके साथ बैठी हुई है। जब एडेलिया एक नवजात शिशु थी, तो उसे जंगल में मरने के लिए छोड़ दिया गया था क्योंकि वह अंधी थी।

"गिनी-बिस्साऊ में कई लोग विकलांग बच्चों को बेकार समझते हैं, इसलिए वे उन्हें न तो प्यार देते हैं और न ही स्कूल जाने देते हैं। मेरा जीवन इन बच्चों के लिए लड़ने के बारे में ही है," मैनुअल ने कहा, जो स्वयं अंधा है।

मैनुअल को पता है कि एक विकलांग बच्चे को अपने जीवन में वयस्कों से कितनी देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है, न कि उसकी परवाह किए बिना उसे बेसहारा छोड़ दिया जाए। उसने स्वयं तीन साल की उम्र में अपनी दृष्टि खो दी थी।

"हम कुल नौ थे, और मेरे मम्मी और पापा हमसे प्यार करते थे। मेरे पिता और मैं सबसे अच्छे दोस्त थे। हम हर दिन पूर्वस्कूल में पढ़ने के लिए हाथ में हाथ पकड़े जाते थे, और एक दूसरे के साथ बहुत खेलते थे।"

जब मैनुअल तीन साल का था, तब कुछ ऐसा हुआ जिसने सब कुछ बदल दिया।

"मेरी आँखें, जो भूरी थीं, नीला होने लगीं, और मुझे सब कुछ धुंधला दिखने लगा था। मुझे पूर्वस्कूल जाना बंद करना पड़ा क्योंकि मेरी दृष्टि बहुत खराब थी। इसने मुझे दुखी कर दिया, लेकिन मेरे पिता मुझसे भी अधिक दुखी थे।"

वह लंबी यात्रा

मैनुअल के पिता ने सुनिश्चित किया कि मैनुअल को अच्छी से अच्छी चिकित्सा देखभाल मिले जो वे उपलब्ध करा सकें। लेकिन वह गिनी-बिस्साऊ में नहीं बल्कि पुर्तगाल में थी। उन्होंने अपनी सेना के वेतन के चेक से अधिक से अधिक धन बचाना शुरू कर दिया। अंत में एक हवाई जहाज का टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त धन जमा हो गया जो मैनुअल को पुर्तगाल में उसके चाचा के पास ले जाता। लेकिन उसके परिवार में कोई अन्य जना उसके साथ नहीं जा सका।

"मेरे लिए यह आसान नहीं था। मैं केवल चार साल का था, और उदास और डरा हुआ था। लेकिन मैं भाग्यशाली था।

एडेलिया के साथ मैनुअल, जिसे मरने के लिए जंगल में छोड़ दिया गया था जब वह एक बच्ची थी, लेकिन कुछ चरवाहों ने उसे बचा लिया।

विमान में एक नन थी जिसने मेरी सहायता की और अस्पताल में दो नर्सें थीं जो मेरी देखभाल करती थीं।"

"अस्पताल में दो वर्षों बाद, उन्होंने महसूस किया कि वे मेरे दृष्टि दोष को ठीक करने के लिए कुछ नहीं कर सकते थे। मेरा इलाज बहुत देर में हुआ था।"

फिर से घर में
मैनुअल के केंद्र पर, इसाबेल ने ब्रेल को सीखा और पाया कि वह आसपास के लोग जितना उससे उम्मीद करते हैं उससे वह कहीं अधिक कर सकती है। वह अब अपने परिवार के साथ रहती है, और हर सुबह उसकी चचेरा बहन औआ उसको स्कूल जाने में सहायता करती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: KIM NAYLOR

अंधों के लिए स्कूल

मैनुअल के पिता अपने बेटे के लिए लड़ते रहे। वह जानते थे कि पुर्तगाल में अंधे लोगों के लिए अच्छे स्कूल थे, लेकिन गिनी-बिस्साऊ में एक भी नहीं था।

"मेरा परिवार पुर्तगाल के एक बोर्डिंग स्कूल में जाने के लिए पर्याप्त धन जुटाने में कामयाब रहा। मैंने ब्रेल का उपयोग करके गिनती करना, पढ़ना और लिखना सीखा।"

वर्ष बीतते गए, और मैनुअल ने यह सोचना शुरू कर दिया कि शायद उसका जीवन इतना बुरा नहीं बीतेगा। लेकिन एक दिन, स्कूल में छह साल पढ़ने के बाद, उसे एक जीवन बदलने वाला संदेश मिला। उसके पिता दिल का दौरा पड़ने से मर गए थे।

"मैं दस साल का था, और मैंने अपने पिता और स्कूल जाना जारी रखने की संभावना, दोनों को खो दिया क्योंकि कोई भी मेरे स्कूल के शुल्क का भुगतान नहीं कर सकता था।"

जब मैनुअल घर आया, तो देश युद्ध की स्थिति में था। परिवार मैनुअल को सुरक्षा हेतु पड़ोसी देश गिनी ले गया। वहां वह विकलांग बच्चों और युवा लोगों के लिए बने एक स्कूल में जाने लगा। छह साल बाद, वह घर लौटा।

राष्ट्रपति को रोका

कोई भी विश्वास नहीं करता था कि मैनुअल, जो अंधा था, उसे नौकरी मिल सकती थी, लेकिन हर दिन वह राष्ट्रपति के महल में जाता था और राष्ट्रपति से बात करने के लिए कहता था। मैनुअल का मानना था कि राष्ट्रपति उसकी और अन्य विकलांग लोगों को काम दिलाने में सहायता करेंगे।

"एक दिन मैं राष्ट्रपति की कार के रास्ते में खड़ा होने में कामयाब रहा, इसलिए उसे रुकना पड़ा! राष्ट्रपति के रक्षक मुझे उनके पास ले गए। मैंने उनको समझाया कि मुझे नौकरी पाने के लिए सहायता की जरूरत है, क्योंकि कोई भी नेत्रहीन लोगों को नौकरी नहीं देता था। मैंने कहा कि मैंने स्विचबोर्ड ऑपरेटर के रूप में काम करना सीख लिया है। राष्ट्रपति उत्सुक हुए, और उन्होंने मुझे राष्ट्रपति कार्यालय में स्विचबोर्ड पर काम करके देखने के लिए कहा। वह मुझसे प्रभावित हुए और मेरी नौकरी डाक सेवा के मुख्य कार्यालय में लगवा दी!"

'एग्रिस' शुरू करता है

हालाँकि मैनुएल अच्छा कर रहा था, लेकिन उसने देश के उन अंधे बच्चों को नहीं भूला, जिन्हें वों अवसर नहीं मिल पाये, जो उसको मिले थे।

"बहुतों को छिपा कर रखा गया या लावारिस छोड़ दिया गया। सरकार ने अभी भी देश में एक भी स्कूल शुरू नहीं किया था, जिसे नेत्रहीन छात्रों के लिए अनुकूलित किया गया हो," मैनुअल कहता है।

अतः 1996 में, मैनुअल ने 'एग्रिस' (दि गिनीयन एसोसिएशन फॉर रिहैबिलिटेशन एंड इंटीग्रेशन ऑफ दि ब्लाइंड) नामक एक संगठन शुरू किया, ताकि दृष्टिहीन लोग समाज में जागरूकता ला सकें और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर लड़ सकें।

ROUND THE GLOBE RUN FOR A BETTER WORLD 1 APRIL

मैनुअल वैश्विक लश्यों को प्राप्त करने में अपना योगदान देता है, जिनमें यह शामिल हैं:

लक्ष्य 1: कोई गरीबी नहीं। लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण। लक्ष्य 4: प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार। लक्ष्य 10: असमानताओं को कम करना। लक्ष्य 11: विकलांग लोगों के वही अधिकार होते हैं जो साधारण लोगों के।

एक बचाव अभियान पर

कभी-कभी मैनुअल और उनकी टीम को अपनी जीप के बजाय एक गधा गाड़ी की सवारी करनी पड़ती है, जिससे वे किसी गाँव में जा सकें जहाँ उन्हें मालूम है कि विकलांग बच्चे हैं जो कठिन समय बिता रहे हैं। मैनुअल का स्वागत किया जाता है, और ग्रामीण उसको सुनते हैं जब वह बताता है कि विकलांग बच्चों के वही अधिकार हैं जो अन्य सभी बच्चों के हैं। वह अंधेपन के कारणों और अपनी आंखों को नुकसान से कैसे बचायें पर भी बात करता है। मैनुअल और 'एग्रिस' में 16 क्षेत्रीय कार्यकर्ता हैं, जो नेत्रहीन बच्चों तथा अन्य विकलांग बच्चों को ढूढ़ने के लिए गांवों और समुदायों में जाया करते हैं। मैनुअल चर्चों, मस्जिदों, पारंपरिक नेताओं तथा स्थानीय अधिकारियों के साथ काम करता है, जो 'एग्रिस' से संपर्क करते हैं यदि वे उन बच्चों के बारे में जानते हैं जिन्हें सहायता की जरूरत है।

'एग्रिस' के माध्यम से, मैनुअल कई नेत्रहीन बच्चों के संपर्क में आया, जिनका जीवन कठिन था। जब उसकी मां की मृत्यु हो गई, तो उसने अपने घर के आधे हिस्से को गिनी-बिस्साऊ के पहले अंधे बच्चों के सुरक्षा गृह में बदल दिया। 2000 में उसमें जाने वाले पहले बच्चे दो भाई थे - सुन्नर, 11 महीने का और ममदी, 6 वर्ष का।

अपनी पत्नी डोमिंगस के साथ, मैनुअल ने उन दोनों छोटे लड़कों की देखभाल की। अफवाह फैल गई कि भाइयों के साथ बड़ा अच्छा व्यवहार किया गया और अधिक और अधिक नेत्रहीन बच्चों का आना शुरू हो गया।

"उसी समय हमने अपने बचाव अभियान भी शुरू कर दिये थे। हम अंधे बच्चों की तलाश के लिए गाँवों का दौरा करते थे या अन्य विकलांग बच्चों की, जिन्हें हम जानते थे कि वे अक्सर शारीरिक हानि पहुंचने के कखतरे में रहते थे। हमने लोगों को बाल अधिकारों के बारे में बताया और उन बच्चों की देखभाल करने की पेशकश की जिन्हें सहायता की जरूरत थी। जल्द ही हमारे गृह में हमारे साथ चालीस से अधिक दृष्टिहीन बच्चे रह रहे थे!"

फिर से घर में

मैनुअल के कें दर पर, इसाबेल ने बरेल को सीखा और पाया कि वह आसपास के लोग जितना उससे उम्मीद करते हैं उससे वह कहीं अधिक कर सकती है। वह अब अपने परिवार के साथ रहती है, और हर सुबह उसकी चचेरा बहन औआ उसको स्कूल जाने में सहायता करती है।

व्हाइट केन स्कूल

मैनुअल के स्थान पर, बच्चों ने यह सीखा कि घर वापस आने पर वे स्वयं की देखभाल कैसे करें और अपने परिवार की सहायता कैसे करें। मैनुअल का लक्ष्य था कि बच्चे घर लौटकर समाज में भाग लें। उन्होंने वस्त्र धोना और बर्तन धोना, सफाई-सुव्यवस्था करना, खाना बनाना और बहुत कुछ सीखा। मैनुअल को पता था कि बच्चों को भी स्कूल जाने की जरूरत है। उसने दृष्टिबाधित बच्चों की जरूरतों के अनुकूल, ब्रेल में प्रशिक्षित

मैनुअल के स्कूल में अंधे बच्चे, ब्रेल की सहायता से, अपने जीवन में पहली बार पढ़ना और लिखना सीखते हैं।

वर्गों वाली एक प्लास्टिक टेम्पलेट जिसमें कागज घुसाया जाता है, ताकि लेखनी से लिखा जा सके।

15 वर्षीय ने ब्रेल का निर्माण किया

ब्रेल का निर्माण 1824 में लुई ब्रेल नामक एक 15 वर्षीय फ्रांसीसी लड़के ने किया था। ब्रेल पेपर या प्लास्टिक की चादरों पर छोटे वर्गों (कोशिकाओं) की भीतर उभरे बिन्दीयों की एक श्रृंखला है जिसे तुम दोनों तर्जनी का उपयोग करके महसूस कर सकते हो और पढ़ते हो। वर्ग में बिन्दीयों के विभिन्न संयोजनों द्वारा विभिन्न अक्षरों का निर्माण होता है। ब्रेल का उपयोग आंकड़े और संगीत के नोट बनाने के लिए भी किया जा सकता है। 1809 में लुई ब्रेल के जन्म की याद में प्रति वर्ष 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है।

एक लेखनी, ब्रेल लेखन के लिए उपयोग की जाती है।

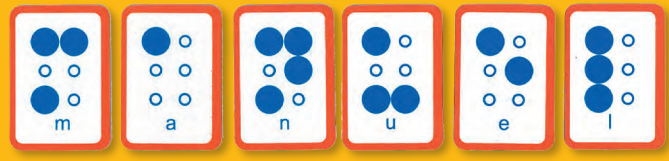

यह मैनुअल का नाम ब्रेल में है।

14 लाख अंधे बच्चे

विश्व में 1 करोड़ 90 लाख दृष्टिहीन बच्चे हैं। इनमें से 14 लाख का अंधापन कभी नहीं ठीक हो सकता।

मैनुअल बच्चों को एक कहानी सुनाता है। अब्दुलई, जो मैनुअल के घुटने पर बैठा है, को एक सप्ताह पहले पाया गया था जब मैनुअल एक बचाव मिशन पर बाहर गया था।

शिक्षकों को रखकर एक स्कूल तुरंत शुरू करने के लिए सरकार से अनुरोध करने के अथक प्रयास किए।

"सरकार के पास स्कूल शुरू करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उन्होंने मुझे स्कूल बनाने के लिए थोड़ी सी जमीन दे दी।"

मैनुअल का पहला स्कूल बांस और ताड़ के पत्तों से बना, और बच्चे जमीन पर बैठे क्योकि वहां कोइ बैन्चें नहीं थीं।

"एक दिन, कनाडा के राजदूत यह देखने के लिए आये कि हम अपने छात्रों के साथ कैसे काम कर रहे हैं। जब हम कक्षा में खड़े थे, तभी एक बड़ा सांप बच्चों की तरफ रेंगता हुआ आया। सांप से मुठभेड़ देखने के बाद, राजदूत ने हमें धन देने का निर्णय लिया ताकि हम बच्चों के लिए एक सुरक्षित स्कूल बना सकें!"

20 साल का काम

अब 20 साल हो गए हैं जब से मैनुअल ने पहले नेत्रहीन बच्चों की देखभाल करनी शुरू की थी। आज, मैनुअल और 'एग्रिस' के पास एक पूर्वस्कूल और एक स्कूल, दो पुनर्वास केंद्र, कक्षाएं, एक भोजन कक्ष और छात्रावास, पुस्तकालय, संगीत कक्ष, जिम और शिल्प कार्यशाला हैं। गिनी-बिस्साऊ का शिक्षा विभाग, मैनुअल को शिक्षक प्रदान करके उसकी सहायता करता है। स्कूल सभी बच्चों के लिए खुले हैं, न कि केवल उन लोगों के लिए जिनकी दृष्टि बाधित है।

"मुझे स्पष्ट है कि हम सब को मिलकर पढ़ना चाहिए। यह एक अच्छा तरीका है, विकलांग बच्चों के साथ अकेला पड़ने से रोकने के लिए, और लोगों को यह समझने के लिए कि हम सभी समान मूल्य के हैं।"

कभी-कभी गिनी-बिस्साऊ में बच्चों के साथ होने वाली सभी भयानक बातों के बारे में सोच कर मैनुअल को थकान महसूस होती है और दुख होता है।

"पर फिर मैं अपने पिता की बदौलत जीवन में मिले सारे अवसरों केबारे में सोचता हूं। मेरे लिए उनकेप्यार का मतलब था कि मुझे बहुत अच्छी स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा मिली। मेरे पिता मेरे आदशर हैं। जिस तरह से उन्होंने मेरे साथ व्यवहार किया, उसी तरह मैं उन सब दृष्टिहीन बच्चों का इलाज करना चाहता हूं, जिन्हें मेरी जरूरत है।"

व्हाइट केन स्कूल

मैनुअल के स्कूल को 'बेंगाला ब्रांका' कहा जाता है, जिसका अंग्रेज़ी में अर्थ है 'व्हाइट केन' (सफेद बेंत)। 1950 के दशक के बाद से, 'व्हाइट केन', जिसका उपयोग कई अंधे लोग चलने में सहायता के लिए इस्तेमाल करते हैं, अंधे लोगों का सबसे आम प्रतीक रहा है।

केवल एक नेत्र चिकित्सक

"लगभग सभी अंधापन रोकने और उसका इलाज करना संभव है*, लेकिन गिनी-बिस्साऊ एक गरीब देश है, और पूरे देश में केवल एक ही डॉक्टर है," मैनुएल बताता है। गिनी-बिस्साऊ में अंधापन के सबसे आम कारण हैं:

रिवर ब्लाइंडनेस
रिवर ब्लाइंडनेस (ऑन्कोसेरसिएसिस) एक परजीवी संक्रमण है जो काली मक्खी के काटने से फैलता है जो नदियों के पास रहती है। एक परजीवी आंखों सहित, शरीर के अंदर हजारों जहरीले लार्वा पैदा करता है। इस बीमारी के विरुद्ध एक टीकाकरण है।

ट्रेकोमा एक संक्रामक बीमारी है
जिसमें बैक्टीरिया पलकों की आंतरिक सतह को कठोर कर देते हैं, और निशान ऊतक बढ़ता है। संक्रमण धीरे-धीरे अंधापन की ओर जाता है। यह अक्सर उन मक्खियों द्वारा फैलता है, जो किसी संक्रमित व्यक्ति की आंखों के संपर्क में रही होती हैं। यह साफ पानी, बेहतर स्वच्छता, चिकित्सा एवं आपॅरेशनों द्वारा रोकी जा सकती है और उपचार किया जा सकता है।

मोतियाबिंद आंख के लेंस में धुंधलापन है। इसका आपॅरेशन किया जा सकता है।

ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जो ऑप्टिक तंत्रिका पर हमला करती है। मौजूदा क्षति पर आप रेशन करना संभव नहीं है, लेकिन चिकित्सा देखभाल आगे की क्षति को रोक सकती है और शेष दृष्टि को बचा सकती है।

*विश्व में 80 प्रतिशत अंधापन उपचार योग्य या रोकथाम योग्य है।

बहुत से दोस्त

"मैं मैनुअल के स्कूल में कक्षा 4 में हूं। मैं ब्रेल और नियमित वर्णमाला दोनों का प्रयोग करता हूं। दोनों देखने वाले बच्चे और नेत्रहीन बच्चे मेरे स्कूल में जाते हैं। देखने वाले बच्चे अक्सर हममें से बाकी बच्चों की सहायता करते हैं और उनको समझाते हैं कि बोर्ड पर क्या लिखा है जब शिक्षक ने उस पर कुछ लिखा होता है," सैम्युएल कहता है।

एक दूसरे की सहायता करना

"मैं अक्सर मैनुअल के लिए छोटे-छोटे काम करता हूं। कभी-कभी मैं उसकी सहायता करता हूं जब वह केंद्र के बाहर चला जाता है। तब वह मेरे कंधे पर हाथ रखता है और हम एक साथ चलते हैं," सैम्युएल कहता है।

शोरगुल वाली फुटबॉल!

बच्चे एक प्लास्टिक की थैली में गेंद रख कर या एक पुरानी ढंडी पीने की बोतल को फुटबॉल की जगह इस्तेमाल करके खेलते हैं, इसलिए अंधे बच्चे सुन सकते हैं कि गेंद कहाँ है। सैम्युएल की सबसे बड़ी इच्छा एक पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना है।

चित्र बनाना प्रिय है

"मुझे चित्र बनाना पसंद है, लेकिन मुझे चित्र बनाने के लिए कागज़ को अपनी आंख के बहुत पास रखना होता है," सैम्युएल बताता है।

सैम्युएल को अपनी दृष्टि वापस मिल गई!

"मुझे अपने माता-पिता द्वारा लावारिस छोड़ दिया गया था **क्यों**कि मैं अंधा था। लेकिन मैनुअल मेरे गांव आया और मुझे बचाया। उसको धन्यवाद, कि मैं अब एक आँख से देख सकता **हूँ**" सैम्युएल, 12, जो मैनुअल केकेंद्र में रहता है, कहता है।

सैम्युएल का जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था। उसके बड़ा भाई, साWलोमन, की दृष्टि खराब थी और वह अंधा होता जा रहा था। जब उसके पिता को पता चला कि सैम्युएल भी अंधा हो रहा है, तो वह परिवार को ही छोड़ कर चले गए।

"मां खेतों में काम करती थी और मुझे और मेरे भाई को गाँव में पड़ोसियों के साथ छोड़ दिया करती थी। कभी-कभी वह एक समय में कई सप्ताह तक दूर रहती थी," सैम्युएल कहता है। पड़ोसी लोगों ने भाइयों की देखभाल ठीक से नहीं की। "हम भूखे, नंगे, गंदे रहते थे और वे हमें पीटा करते थे।"

मैनुअल का बचाव अभियान

मैनुअल ने पाया कि दो छोटे लड़के थे जो अंधे थे और गाँव में उनकी देखभाल नहीं की जा रही थी, और वह उन्हें लाने के लिए एक बचाव अभियान में निकल गया। ठीक जैसे केंद्र में अन्य बच्चे आये थे।

सैम्युएल को नेत्र परीक्षण कराना पड़ा। डॉक्टरों ने पाया कि उसकी एक आंख में मोतियाबिंद था और वह उस पर ऑपरेशन करना चाहते थे।

"मैं आठ वर्ष का था और मैं अपना पूरा जीवन अंधा रहा था, इसलिए मुझे नहीं पता था कि कुछ भी कैसा दिखता था। अचानक मैं एक आंख से बाहर देख सकता था, और मैंने जो पहली चीज देखी वह मेरे अस्पताल के बिस्तर के ऊपर लगा छत पर पंखा। मैं बहुत घबरा गया!"

देख सकता था

जब सैम्युएल पलंग से बाहर निकला और अस्पताल की सीढ़ीयों से नीचे उतरा, तो वह इतना खुश हुआ कि उसने अस्पताल के बगीचे के चारों ओर दौड़ कर कई चक्कर लगाये।

मैनुअल ने भाइयों के माता-पिता के संपर्क में रहने के लिए कड़ी मेहनत की थी। अब जब वे जानते हैं कि सैम्युएल देख सकता है, और वे जानते हैं कि सालोमन ने कितना पढ़ा है, तो माता-पिता चाहते हैं कि दोनों भाई घर वापस चले जाएं। मैनुअल का हमेशा लक्ष्य होता है कि जहां संभव हो, बच्चों को उनके परिवारों के पास उनके घर वापस ले जाएं। लेकिन सैम्युएल को अपने माता-पिता पर भरोसा नहीं है।

"ऑपरेशन के बाद, मम्मी मिलने आईं और मैंने उन्हें नहीं पहचाना। यह मैनुअल ही था जिसने मेरी देखभाल की जब मुझे जरूरत थी। उसने मुझे सांत्वना दी जब मैं दुःखी हुआ। उसने मुझे प्यार दिया," सैम्युएल कहता है।

सभी बच्चों के लिए स्कूल

"सैम्युएल और मैं दोस्त हैं और हम गणित के कठिन प्रश्नों को हल करने में एक-दूसरे की सहायता करते हैं। दोनों अंधे और देखने वाले बच्चे हमारे स्कूल जाते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमारे बीच वास्तव में कोई अंतर है। मेरे लिए, यह स्पष्ट है कि नेत्रहीन बच्चों को भी स्कूल जाना चाहिए। यहां गिनी-बिस्साऊ के स्कूल विकलांग बच्चों की जरूरतों के लिए शायद ही कभी अनुकूलित होते हैं। ये गलत है। सारे स्कूल सभी बच्चों के लिए उपयुक्त होने चाहिए, ठीक हमारे स्कूल की तरह। यदि तुम स्कूल नहीं जाते हो, तो तुमको नौकरी मिलना कठिन होगा।"

जर्मिन्डो, 15

एडेलिया को मरने के लिए छोड़ दिया गया

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: KIM NAYLOR

"मैं कभी नहीं भूलूंगा जब मैंने पहली बार छोटी नवजात शिशु एडेलिया को अपनी बाहों में लिया था। वह बहुत कमजोर थी और उसके शरीर पर गंदगी, पिस्सू और कीट के काटने के निशान भरे हुए थे। उसे मरने के लिए जंगल में छोड़ दिया गया था, सिर्फ इसलिए कि वह अंधी थी। मैं बहुत गुस्से में था। अब एडेलिया नौ साल की है और मैं उससे प्यार करता हूं," मैनुअल ने कहा, और वह एडेलिया की कहानी बताता है:

जब एडेलिया का जन्म हुआ और उसके पिता को पता चला कि वह नेत्रहीन है, तो उसने कहा कि वह उसकी बेटी नहीं है, और वह अपने परिवार को छोड़ कर चला गया। एडेलिया की युवा माँ को पता नहीं था कि वह क्या करे। उसने एडेलिया को जंगल में अकेला छोड़ दिया। एडेलिया नग्न थी और सांपों, वर्षा एवं जलती धूप से बिलकुल असुरक्षित थी।

"कुछ चरवाहे उस जगह से गुजर रहे थे जहाँ एडेलिया को छोड़ दिया गया था, और उन्होंने उसके छोटे से शरीर को देख लिया। एडेलिया इतने लम्बे समय तक रोयी थी और अपने वातावरण से संघर्ष किया था, कि उसमें कोई ऊर्जा नहीं बची थी। चरवाहों को यकीन हो गया था कि छोटी लड़की मर चुकी थी, जब अचानक उसने एक हलका सा चलन किया था। वह ध्यान से एडेलिया को पास के एक कैथोलिक मिशन स्टेशन में ले गए।"

कोई पुलिस सहायता नहीं

"ननों ने मुझसे संपर्क किया, और हम एडेलिया को अंदर ले गए। हमने उसे खाना और पानी दिया और उसे अस्पताल ले गए ताकि उसे सही दवा मिल सके। यह एक चमत्कार जैसा था जब वह फिर से जीवित हो गई।"

"हम यह सुनिश्चित करते हैं कि जो लोग अपराधों के दोषी हैं उनको दण्ड मिले। इसलिए मैं पुलिस के पास गई और उसको बताया कि एडेलिया के साथ क्या हुआ था, और मैं चाहती थी कि वे उसके माता-पिता को गिरफ्तार करें। लेकिन बिल्कुल कुछ नहीं हुआ। कानूनी प्रणाली बहुत अच्छी तरह से काम नहीं कर रही है, और इसके अतिरिक्त, कभी-कभी पुलिस विकलांगों के विरुद्ध अपराधों को गंभीरता से नहीं लेती।"

हर जगह खोजा

"मैंने स्वयं माता-पिता को खोजने की कोशिश की। मैं छोटे-छोटे गाँवों के बीच के पैदल मार्गों पर कई मील पैदल चला और जहाँ हो सका वहां सो गया। मुझे आखिरकार एडेलिया की माँ मिली, जो बहुत युवा थी। लेकिन इससे पहले कि हमें किसी तरह के समाधान तक पहुंचने का मौका मिलता, वह बिना अपने कोई निशान छोड़े, गायब हो गई। मैंने उसे माफ कर दिया है और मुझे पता है कि हम सभी गलतियाँ करते हैं। लेकिन यह हमारे काम के महत्व को दर्शाता है और इसकी जागरूकता बढ़ाता है कि नेत्रहीन बच्चों, तथा अन्य विकलांग बच्चों के, अन्य सभी बच्चों जैसे अधिकार हैं।"

"सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एडेलिया जीवित है, और हम उसकी एक अच्छा जीवन जीने में सहायता कर सकते हैं!"

एडेलिया की अलमारी

"मैनुअल मुझे अपने लिए सारे कपड़े दिला देता है। लेकिन वो मेरी 'बड़ी बहन' न'गुएन्डे है जो हमारे कपड़े और कमरे की देखभाल करती है। यह मेरी पसंदीदा पोशाक है," एडेलिया कहती है।

"जब मैं स्कूल जाती हूँ तब मैं एसी देखती हूँ

... और यह मेरे पसंदीदा जूते हैं क्योंकि वे इतने आरामदायक हैं!"

मैनुअल किसी को निराश नहीं करता

"हम कभी भी किसी बच्चे को घर वापस नहीं भेजते जब तक कि हम यह नहीं जान लेते कि उसकी देखभाल अच्छी तरह की जाएगी," मैनुअल कहता है।

मनपसंद वस्तुएं

"मेरी पसंदीदा चीजें छोटे गमले, कटोरे और खिलौने वाले बर्तन हैं जो हमें पिछले वर्ष क्रिसमस पर मिली थी," एडेलिया कहती हैं।

मैनुअल के साथ एडेलिया का

मैनुअल के केन्द्र के कई बच्चे अपना स्कूल और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद घर वापस चले जाते हैं। लेकिन एडेलिया की तरह, कुछ बच्चों के लिए, केंद्र ही उनका घर है।
“मैं यहां सुरक्षित महसूस करती हूं क्योंकि यह मेरा घर है,” एडेलिया हंसते हुए कहती है।

5:00
गुड मार्निंग!

“हम चार एक ही कमरे में सोते हैं, और बड़ी बहन न'गुएन्डे भी। हम सब अंधे हैं। पहले मैं अपना बिस्तर बनाती हूं, फिर नहाती-धोती हूं और अपने दांतों को ब्रुश करती हूं,” एडेलिया कहती है। “मैं अपने स्कूल की यूनीफार्म पहन लेती हूं और न'गुएन्डे मेरे बालों को ब्रुश करने में सहायता करती है।”

06:30 गिरी-गिरी से मैनुअल के स्कूल

“न'गुएन्डे सुनिश्चित करती है कि हमारे स्कूल बैग में हमारी सभी चीजें हों और हमें स्कूल बस में बैठा कर आती है, जिसे यहां गिरी-गिरी' कहा जाता है। बस में हम एक साथ गाते हैं,” एडलिया कहती है।

8:00
स्कूल शुरू होता है

एडेलिया की कक्षा में दोनों अंधे और देखने वाले बच्चे हैं।
“मैं अपने स्कूल से प्यार करती हूं और मैं मैनुअल के स्कूल में एक शिक्षक बनना चाहती हूं,” एडिलिया कहती है।

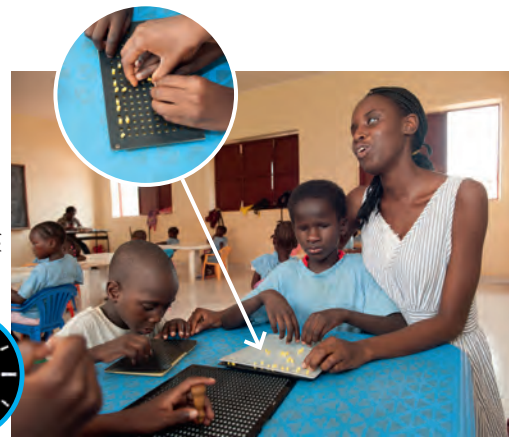

10:00 नाश्ते करने का अवकाश

“मैं अपना नाश्ता करता हूं; डबलरोटी और जूस। डबलरोटी की गंध मेरी पसंदीदा गंध है!”
“अवकाश के समय हम खेलते हैं। यह स्कू ल के बारे में सबसे अच्छी बात है!”
एडेलिया की सहपाठी, कै डी, सहमत होकर कहती है:
“हम नृत्य करते हैं, गाते हैं और एक साथ खेलते हैं, नेतरहीन बच्चे और हममें से जो देख सकते हैं क्योंकि हम सब दोस्त हैं!”

आम प्रिय है!

“कल जब पापा मैनुअल एक यात्रा से घर आए तो वह अपने साथ कुछ आम लेकर आये। मुझे आम का स्वाद बहुत पसंद है!”

12:00 स्कूल समाप्त होता है

“जब स्कूल समाप्त हो जाता है, तब हम फिर से गिरी-गिरी से घर चले जाते हैं,” एडेलिया कहती है।

एक दिन

13:00 दोपहर का भोजन और बर्तन धोना

“जब हम घर आते हैं, तो हम कपड़े बदलते हैं और दोपहर का भोजन करते हैं। जब चक्र में मेरी बारी आती है तो मैं बर्तन धोती हूं।”

मैनुअल के केंद्र में बच्चे सीखते हैं कि व्यंजन, खाना बनाना, सफाई करना तथा स्वतंत्र जीवन में अपने प्रशिक्षण के अंतर्गत, बिस्तर बनाना, और ताकि वे घर लौटने पर अपने परिवारों की सहायता कर सकें।

18:00 रात का खाना

“हमें हमेशा स्वादिष्ट भोजन मिलता है! “मेरा पसंदीदा व्यंजन ताड़ के तेल में बनी मछली है,” एडेलिया कहती है।

17:15 नहाने का समय

13:30 खेलना और दोपहर में सोना

“दोपहर के भोजन के बाद, मैं अपने दोस्तों के साथ खेलती हूँ। हम भाई-बहन की तरह हैं क्योंकि हम साथ रहते हैं। मुझे पता है कि दूसरे कैसे दिखते हैं क्योंकि मैंने उनके चेहरे को छुआ है। हम फुटबॉल खेलते हैं, नृत्य करते हैं और गाते हैं। फिर हम एक झपकी लेते हैं,” एडेलिया बताती है, यहाँ नफी के चेहरे को छूते हुए यह पता लगाने के लिए कि वह कैसी दिखती है।”

20:00 संध्या की सभा - डजुम्बई

“हर शाम, हम डजुम्बई मनाते हैं जिसमें हम एक साथ गाते हैं और नाचते हैं। तब न'गुएन्डे हमेशा हमें एक कहानी सुनाती है, अक्सर बाइबल में से,” एडेलिया कहती है।

पिलोटो ने मुझे काट लिया

“हमारे यहाँ एक कुत्ता भी है, जिसे पिलोटो कहते है। उसने मुझे एक बार काटा। उसे मेरे बिस्कुट चाहिए थे! लेकिन उसे सहलाना अच्छा लगता है,” एडेलिया बताती हैं।

21:00 गुडनाइट, एडेलिया!

“न'गुएन्डे हमें बिस्तर में लिटा देती है और हमारे सोने से पहले गुडनाइट कहती है,” एडेलिया कहती है।

यह है जो मैनुअल का संगठन ‘एग्रिस’ करता है:

- वे गांवों में बचाव अभियान चलाते हैं, नेतरहीन बच्चों एवं अन्य विकलांग बच्चों की तलाश करते हैं और उनकी मैनुअल के कें दर में सहायता करते हैं।
- बचाव अभियानों के दौरान, वे गरामीणों को सूचित करते हैं कि विकलांग बच्चों के वहीं अधिकार होते हैं जो अन्य सभी बच्चों के । वे लोगों को सबसे आम नेतर रोगों को रोकने के बारे में बताते हैं और मुफ्त दवाएं भी देते हैं।
- वे नेतरहीन बच्चों को सुरक्षा, एक घर, भोजन, कपड़े तथा कें दर में सुरक्षा परदान करते हैं। कें दर में, बच्चे भविष्य में स्वयं की देखभाल करने, और घर लौटने पर अपने परिवार की सहायता करने के लिए जीवन कौशल भी सीखते हैं।
- वे बच्चों को चिकित्सा देखभाल देते हैं और उनके नेतर ऑपरेशन करते हैं।
- वे दो स्कू ल चलाते हैं, जो देश में पहले हैं जो दृष्टिबाधित बच्चों के लिए अनुकू लित हैं, लेकिन वे सभी के लिए खुले हैं।
- वे बच्चों को फिर से घर वापस जाने में सहायता करते हैं। वे बच्चों के परिवारों, साथ ही पड़ोसियों और शिक्षकों को बच्चों के लौटने से पहले तैयार करते हैं, जिससे उनका सकारात्मक तरीके से स्वागत किया जाता है। यिद यह संभव नहीं है, तो वे बच्चे को एक पालक परिवार खोजने में सहायता करते हैं।
- एक बार जब बच्चे मैनुअल का कें दर छोड़ देते हैं, तब वे स्कू ल की फीस और स्कू ल की पोशाक दिलाने में बच्चों का समथरन करते हैं।
- वे पूरे समाज में जागरूकता बढ़ाते हैं कि विकलांग बच्चों के अन्य सभी बच्चों जैसे अधिकार हैं।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: KIM NAYLOR

रेचिल को क्यों नामांकित किया गया है?

रेचिल लॉयड को संयुक्त राज्य अमेरिका में बच्चों के 'कमर्शियल सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन आWफ चिल्ड्रेन'अर्थात 'व्यावसायिक यौन शोषण'या सीएसईसी (CSEC) से निपटने हेतु अपने अभियान चलाने के लिए नामांकित किया गया है।

चुनौती

प्रति वर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका में दसियों हजारों बच्चे जिनमें 12 वर्ष तक की कम उम्र की लड़कियाँ शामिल हैं, सेक्स बेचने के लिए मजबूर होती हैं। उनमें से अधिकांश गरीबी में बड़ी हुई हैं और गैर-सफेद हैं। कुछ लोग दुर्व्यवहार के बाद घर से भागे हुए हैं, या शरणार्थीयों के रूप में यूएसए आए हैं।

काम

रेचिल और उसका संगठन 'गर्ल्स एजुकेशनल एंड मेंटरिंग सर्विसेज' या जैम्स (GEMS) प्रति वर्ष 400 लड़कियों और युवतियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराकर, शिक्षा और नौकरी दिलाने में सहायता, काउंसलिंग, कानूनी सहायता और प्यार का समर्थन करता है। बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण से पीढ़ितों को दूसरों की सहायता करने के लिए नेताओं के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है। कुछ 1,500 युवा महिलाओं को बचाव अभियानो द्वारा समर्थन दिया जाता है, और 1,300 से अधिक वयस्कों, जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता एवं पुलिस अधिकारी शामिल हैं, को बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण तथा लड़कियों के अधिकारों पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

परिणाम और लक्ष्य

1998 से, रेचिल द्वारा शुरू किये गए अभियान द्वारा हजारों लड़कियों के जीवन को बदल दिया गया है, जिनमें पीड़ित लड़कियां ही परिवर्तन का नेतृत्व करती हैं। प्रभावित लड़कियों पर घ्यान देने और पूर्वाग्रह के विरुद्ध अभियानो को चलाकर लाखों अमरीकी वासीयों तक पहुंचा गया है। रेचिल अधिक बाल-सुलभ कानूनों एवं प्रणालियां बनाने के लिए उत्तरदायी है, जिसमें न्यूयॉर्क का 'दि सेफ हार्बर फॉर एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन एक्ट' शामिल है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला कानून है जो उन बच्चों को अपनी सुरक्षा करने का अधिकार देता है जिनको सेक्स के लिए मजबूर किया गया है, इसके बजाय कि उनको दंडित करे।

पृष्ठ 76–82

बाल अधिकार हीरो 7

रेचिल लॉइड

रेचिल का फोन एक शुक्रवार की शाम बजता है, जैसे वह घर जाने लगती है। पुलिस ने सड़क पर एक युवा लड़की को उठाया है जिसका लगता है कि उसे सेक्स के लिए मजबूर किया गया होगा। वह किसी से बात नहीं कर रही है। शायद रेचिल सहायता कर सकती है?

रेचिल युवा लोगों के लिए बने केंद्र में प्रतीक्षा करती है, जहां पुलिस उन बच्चों को ले जाती है, जो मुसीबत में होते हैं। थोड़ी देर बाद, स्टाफ का एक सदस्य एक लड़की के साथ आता है जिसने एक 'पोनीटेल' लगाई होती है। लड़की, डैनिएल, क्रोध में दिखती है।

रेचिल बताती हैं कि वह 'जैम्स' से आई हैं, एक संस्था जो न्यूयॉर्क में बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण (सीएसईसी) से पीड़ित लड़कियों की सहायता करती है।

'उस ज़िन्दगी में'

ज्यादातर लड़कियां आमतौर पर उत्सुक होती हैं, जब रेचिल उन्हें बताती है कि वह भी सेक्स उद्योग में फंस गई थी, अर्थात 'उस ज़िन्दगी में' जैसा उसे यहां लड़कियां कहती हैं।

"क्या मैं पूछ सकती हूँ कि तुम कितने साल की हो?"

"ग्यारह।"

रेचिल हैरान है। वह कई 12, 13 और 14 साल की बच्चीयों से मिल चुकी है, जो बाल व्यावसायिक यौन शोषण का शिकार हो चुकी हैं, लेकिन कभी भी 11 वर्ष की आयु की नहीं।

डेनिएल उसे बताती है कि उसे मैक्सिकन खाना और हैरी पॉटर की किताबें पसंद हैं। कि वह कविताएँ लिखती है और उसका एक प्रेमी है जो 29 साल का है। जिसको डेनियल अपना प्रेमी कहती है वह वास्तव में उसका दलाल है, जो उसे सेक्स के लिए मजबूर करता है।

रेचिल वैश्विक लश्यों को प्राप्त करने में अपना योगदान देता है, जिनमें यह शामिल हैं:

लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण। लक्ष्य 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। लक्ष्य 5: लैंगिक समानता। लक्ष्य 8: निर्णय कार्य। लक्ष्य 16: हिंसा और दुर्व्यवहार, बच्चों के यौन शोषण और तस्करी पर रोक।

रेचिल 20 से अधिक वर्षों से उन लड़कियों एवं युवा महिलाओं के लिए लड़ रही है, जिनका शोषण अमेरिका में तस्करों द्वारा किया गया है। आज, दुर्व्यवहार से पीड़ित कई लड़कियां स्वयं ही नेता बन जाती हैं, और वे अन्य पीड़ितों की सहायता करती हैं। चित्र में रेचिल और जैम्स की टीम के अन्य सदस्यों के साथ पीड़ितों का एक समूह है।

अलग-अलग नाम!
इन पृष्ठों पर रेचिल पर कहानियों में चित्रित किये गए कई लोगों के नाम बदल गए हैं और उनकी आयु नहीं बतायी गई है। यह उनकी पहचान को सुरक्षित रखने के लिए किया गया है।

अधिक्तर लड़कियां जिनको सुरक्षित रखने के लिए रेचिल लड़ती है, 13 या 14. वर्ष की आयु में बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण (सीएसईसी) का शिकार हो जाती हैं। जैम्स लड़कियों और युवतियों को एक बेहतर ज़िन्दगी दिलाने के लिए, प्रेम और व्यावहारिक समर्थन देता है।

रेचिल का बचपन
रेचिल इंग्लैंड में पली बढ़ी। उसके सौतेले पिता स्वार्थी हो जाते है जब वह शराब पीते हैं। एक शाम वह रेचिल को मारते है और उसके बालो द्वारा लंबी सीढ़ियों पर घसीटते हुए उसे ऊपर ले जाते है। उसके बाद जब वह नशा कर लेते हैं तब वे उससे दूर हो जाते हैं। सिवाय जब वह उसकी मम्मी को मारते हैं। फिर वह उनको चिल्लाकर रुकने के लिए कहती है। लेकिन उसकी कोई नहीं सुनता। इसके बजाय उसकी मम्मी भी शराब पीना शुरू कर देती है।

रेचिल किसी भी समय घर पर नहीं रहना चाहती। वह अपने दोस्तों के साथ शहर में घूमती है और जब वह 12 साल की हो जाती है, तो वह भी शराब पीना शुरू कर देती है।

अंत में, जब रॉबर्ट परिवार को छोड़ देता है, तब उसकी माँ दिन और रात शराब पीया करती है। वह अक्सर अपनी जान लेने की धमकी देती है। रेचिल उसे दिलासा देने की कोशिश करती है। लेकिन अंत में, वह भी जीवित नहीं रहना चाहती। वह शराब की बोतलों में से एक को लेती है जिसे उसके मा ने सिंक के नीचे छिपा दिया है और उसे उन सभी गोलियों के साथ मिला कर पर जाती है जो उसे घर पर मिलती हैं।

रेचिल को अस्पताल ले जाया जाता है और वह बच जाती है। एक सामाजिक कार्यकर्ता चाहती है कि उसे एक पालक परिवार के पास भेज दिया जाए, लेकिन वह मना कर देती है। उसे लगता है कि मम्मी स्वयं को सम्हाल नहीं पाएंगी। अंत में, सब कुछ के बावजूद, रेचिल को घर भेज दिया जाता है।

स्कूल छोड़ देती है
रेचिल स्कूल छोड़ देती है और उसे एक कारखाने में नौकरी मिल जाती है। 14 साल की आयु में, वह वास्तव में बहुत छोटी है, लेकिन वह अपनी आयु के बारे में झूठ बोलती है। शाम को वह बार में जाती है, शराब पीती है और ड्रग्स लेती है।

किस तरह के बच्चों को खरीदा और बेचा जाता है?

संयुक्त राज्य अमेरिका में बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण में कोई भी बच्चा फंस सकता है, लेकिन अधिकांश गैर-सफेद बच्चे होते हैं जो विशेषतः गरीबी में बड़े हुए होते हैं:

- अफ्रीकी-अमेरिकी और लातीनी बच्चे।
- जो बच्चे घर से भाग गए हैं और/या बेघर हैं।
- जिन बच्चों को देखरेख में ले लिया गया है।
- जो बच्चे दुर्व्यवहार के शिकार हुए हैं।
- जो बच्चे शराब पीते हैं या ड्रग्स लेते हैं।
- जो बच्चे विकलांग होते हैं।
- एलजीबीटीक्यू (LGBTQ) समुदाय के बच्चे।
- जो बच्चे शरणार्थी या प्रवासी के रूप में यूएसए आते हैं और अंग्रेजी नहीं बोलते।

रेचिल, 9, अपने स्कूल की ड्रेस में।

रेचिल, 14, एक मॉडल के रूप में काम कर रही है।

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOSEPH RODRIGUES & GEMS

रेचिल कुछ बेहतर करने का सपना देखती है, जैसे वकील या पत्रकार बनना। उसे एक किशोर पत्रिका के लिए मॉडल के रूप में काम करने का अवसर मिलता है। तब मॉडलिंग एजेंट सुझाव देता है कि वह 'सेक्सी' तस्वीरों के लिए पोज करे, भले ही 14 साल की आयु में इस तरह तस्वीरें लेना अवैध है।

जब रेचिल 17 साल की होती है, तब वह इस काम को करते हुए अपने घर नहीं जा सकती। वह जर्मनी भाग जाती है, और उन क्षेत्रों में पहुंच जाती है जहां पर डोडी बार और सेक्स क्लब हैं। एक लाल नियन चिह्न 'लड़कियां, लड़कियां, लड़कियां' चमकता है। राहेल अंधेरे कमरे में सीढ़ीयों से नीचे चली जाती है।

रेचिल की एक घरेलू नर्स के रूप में नौकरी ने उसे बेहतर महसूस कराया। आज वह कहती है कि "उन्होंने मुझे अपना प्यार दे कर पुनः जीवित कर दिया है।"

रेचिल के यूएसए में आने के बाद से बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण में परिवर्तन आया है। अधिक्तर लड़कियां अब सड़क पर नहीं बल्कि इंटरनेट पर बिकती हैं।

क्लब में, रेचिल का काम ग्राहकों की गोद में नाचना और बैठना है, शराबी लोग जो उसके कपड़ो को खींचा करते हैं। शाम कों, वह शॉवर के नीचे लंबे समय तक रहती है, जब तक वह ऐसा महसूस नहीं करती कि उसकी त्वचा की एक परत कम हो जाएगी।

रेचिल जर्मनी, में एक जेपी नामक लड़के से मिलती है और उसे उससे प्यार हो जाता है। जेपी पहले तो अच्छा रहता है, लेकिन वह उसके सारे पैसे ले लिया करता है और उनसे ड्रग्स खरीदा करता है। यह तब तक चलता रहता है जब तक कि जेपी लगभग उसे मार नहीं डालता, और रेचिल एक चर्च सें सुरक्षा मांगती है।

रेचिल जर्मनी में एक अमरीकी परिवार के साथ बच्चों की देखभाल करने वाली आया बन जाती है। लंबे समय तक, वह हर रात एक ठंडे पसीने में जागती है, बहुत घबराई हुई। लेकिन परिवार उसे बहुत प्यार देता है और वह बेहतर महसूस करने लगती है।

रेचिल दूसरों की सहायता करने का फैसला करती है और चर्च में शामिल हो जाती है। एक दिन, उससे पूछा जाता है कि क्या वह यूएसए जाना चाहती है और वहां काम करना चाहती है, ताकि सड़कों पर सेक्स बेचने वाली महिलाओं की सहायता कर सके जिससे वे सड़क की ज़िन्दगी को छोड़ दें। रेचिल तुरन्त सहमत हो जाती है।

रेचिल कुछ वापस लौटाती है

दिन के दौरान वह आश्रयों एवं जेलों का दौरा करती है। रात में वह सड़कों पर चलती है जहाँ महिलाएँ सेक्स बेचती हैं। "हाय, मैं रेचिल हूं ... क्या मैं तुमको एक कॉफी या हॉट चॉकलेट दे सकती हूं?" लड़कियां रेचिल के ब्रिटिश लहजे पर हंसती हैं और उसे अमेरिकी कठबोली सिखाती हैं, जैसे कि सड़क को 'ट्रैक' कहा जाता है, और यह कि सेक्स व्यवसाय की लड़कियां 'उस जिन्दगी में' कही जाती हैं। जो पुरुष (दलाल) उन्हें बेचते हैं, उन्हें 'पिम्प्स' कहा जाता है, ग्राहकों को 'जॉन्स'। उनमें से ज्यादातर 13 या 14 वर्ष की आयु से 'उस ज़िन्दगी में' हैं।

उनमें से लगभग सभी गरीबी में बढ़ी हुईं, उनको कोई परिवारिक समर्थन नहीं मिला। कुछ अपने घरों से भाग गईं, पालक परिवारों के घरों में रहती थीं या अपने घरों से बाहर निकाल दी गई थीं। रेचिल उस समय हैरान रह जाती है जब उसे पता चलता है कि सड़क पर यह लड़कियां 12 साल तक की हैं। वह क्रोधित हो जाती है जब उनको पुलिस गिरफ्तार कर लेती है और जेल भेज दिया जाता है।

"तुम बच्चे हो!" वह कहती है। "तुमको सहायता मिलनी चाहिए, सजा नहीं।"

सुरक्षा गृह की आवश्यकता

न्यूयॉर्क में, कम से कम 70,000 बेघर लोग सड़कों पर और आश्रय स्थलों में रहते हैं। उनमें से लगभग 30,000, बच्चे हैं। इनमें से अधिक्तर बच्चे और उनके परिवार बेघर हैं। कई माता-पिता काम करते हैं, लेकिन वे शहर के उच्च किराओं को वहन करने के लिए बहुत कम कमाते हैं। कई लड़कियां धंधे में फंस जाती हैं, या उनके लिए 'उस जिन्दगी' को छोड़ना कठिन होता है, क्योंकि वे कहीं नहीं जा सकतीं। 16 से अधिक आयु की लड़कियां जैम्स के सुरक्षा गृह में रह सकती हैं। छोटी लड़कियां अक्सर अधिकारियों द्वारा प्रबंधित, पालक परिवारों के घरों में रहती हैं। दोनों रेचिल और जैम्स, वहां की लड़कियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते हैं, ताकि कर्मचारी समझ सकें कि लड़कियों को क्या चाहिए और यह कि उनको कामयाब होने का अधिकार है। एक घरेलू नर्स के रूप में रेचिल की नौकरी ने उसे बेहतर महसूस कराया। आज वह कहती है कि "उन्होंने मुझे पुनः जीवित कर दिया।" राचेल के यूएसए में आने के बाद से बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण में परिवर्तन आया है। अधिक्तर लड़कियां अब सड़क पर नहीं बल्कि इंटरनेट पर बिकती हैं।

प्रिय कंबल

"मुझे वह कंबल प्रिय था जो मुझे पहली बार सुरक्षा गृह में मिला था जब मैं वहा बायी थी। फिर मैं एक बार भाग गयी, लेकिन मैं वापस आ गयी। उन्होंने मुझे दूसरा कंबल देने की कोशिश की, लेकिन मैं अपना वाला ही चाहती थी, वह मुझे सुरक्षित महसूस कराता है," जिन्जर कहती है।

'जैम' शब्द का अंग्रेजी में 'मणि' एक अतिरिक्त एक और अर्थ भी है। रेचिल के लिए, उसे सड़क पर मिलने वाली सभी बिखरी हुई लड़कियां सुंदर रत्न हैं। उन्हें अपने वास्तविक मूल्य को जानने के लिए बस थोड़ा चमकाने और खोजने में सहायता करने की जरूरत है।

यहां कई सितारे, जैसे बियॉन्स, रेचिल और जैम्स के कार्य का समर्थन करते हैं।

जैम्स का जन्म होता है

जब रेचिल को पता चलता है कि छोटी लड़कियों की सहायता करने वाला कोई नहीं है, तो वह अपनी नौकरी से इस्तीफा दे देती है। वह अपना संगठन अपनी रसोई की मेज पर 30 डॉलर और एक उधार कंप्यूटर से शुरू करती है। वह अपने संगठन का नाम 'जैम्स' रखती है। शुरू में, रेचिल के पास अपने वंचित मुहल्ले में स्थित उसके छोटे से फ्लैट में किसी को देने के लिए केवल प्रेम और आश्रय ही था।

"लड़कियां मेरे सोफे पर सोती थीं, मेरे कपड़े उधार लेती थीं और मेरे फ्रिज को साफ करती थीं!" कभी-कभी एक दलाल एक लड़की की तलाश में आया करता था, जो भाग गई थी, और उसने दरवाजा तोड़ने की कोशिश की।

जैसे-जैसे जैम्स बढ़ने लगा, रेचिल ने आराम सोफा और खुशी से रंगी दीवारों के साथ एक 'ड्रॉप-इन' केंद्र खोल दिया। वह एक ऐसी जगह चाहती थी, जहां हर कोई सुरक्षित महसूस कर सके, जिसमें सलाहकारी से लेकर पाठ हों, योग तथा मिल-बांट कर खाने वाली दावतें हों। उसने लड़कियों के लिए सुरक्षित आवास खोले, जो विशेष रूप से वंछित थीं और जो तब कहीं नहीं जा सकती थीं जब उनके दलालों ने उन्हें छोड़ दिया।

पीणित नेता बन जाती हैं

रेचिल ने शुरुआत में जिन लड़कियों की सहायता की थी उनमें से कई पीड़ितों के रूप में समझी जाती हैं और अन्य लड़कियों को प्रेरित करने के लिए नेता बन गई हैं। जैम्स के पीड़ित और रेचिल याला करते हैं और परिवर्तन की मांग करते हैं।

"हम विधायकों और राजनेताओं, राष्ट्रपतियों, कलाकारों और फिल्म सितारों से मिलते हैं। लड़कियों की अपनी कहानियां हैं जो लोग सुनना चाहते हैं, और जिनसे फर्क पड़ता है," रेचिल कहती है, जो स्वयं व्हाइट हाउस और यूएन, दोनों में भाषण दे चुकी है।

रेचिल और जैम्स कैसे काम करते हैं?

रेचिल और जैम्स 12-24 के बीच की उम्र की लड़कियों और युवतियों का समर्थन करते हैं, जो अमरीका में बच्चों (सीएसईसी) के व्यावसायिक यौन शोषण से बची हैं:

- नेतृत्व का प्रशिक्षण।
- सलाह, समूहों में चर्चा, रचनात्मक गतिविधियाँ, खेल एवं स्वास्थ्य गतिविधियाँ।
- शिक्षा में सहायता और सलाह।
- वंछित लड़कियों के लिए सुरक्षित आवास।
- स्वतंत्र जीवन जीने में सहायता करने के लिए मार्गदर्शन।
- निवारक कार्य।
- कानूनी सहायता तथा जेल की सजा के बजाए अन्य विकल्प।
- लड़कियों के अधिकारों, न्याय, बाल-सुलभ कानूनों और प्रणालियों के लिए सीएसईसी के विरुद्ध अभियान चलाना।

शकुआना ने अपने जीवन को नियंत्रण

में लिया

शकुआना 15 साल की है जब वह एक खाई में बेहोश पाई गई। वह अस्पताल में जागती है। एक नर्स उसे एक दर्पण देती है और वह अपने बिगड़े हुए चेहरे को देखती है। आखिरी बात जो उसे याद है, कि वह एक कार में बैठी, एक अंधेरी सड़क पर चली जा रही थी।

जब शकुआना छोटी होती है, तो वह यह नहीं समझ पाती कि उसकी माँ क्यों हमेशा क्रोधित होती है और उसे मारती है।

शकुआना को किसी ने नहीं बताया है कि उसकी माँ को एक गंभीर मानसिक बीमारी है।

हाई स्कूल में, शकुआना स्कूल के श्रेष्ठ पाठकों में से एक है। वह अपनी माँ का गौरव और आनंद बनना चाहती है, लेकिन उसकी माँ केवल बुरी बातों को ही देख पाती है। जब वह नहीं चिल्ला रही होती और उसे मार रही होती, तो वह एक बच्ची की तरह रोती है और सांतवना चाहती है। कभी-कभी शकुआना को लगता है कि वह अब और नहीं जीना चाहती। लेकिन फिर मां की देखभाल कौन करेगा?

तितलियां

शकुआना एक दुकान में काम करने लगती है। पहले की तरह स्कूल के बाद सीधे घर जाने के बजाय, वह काम के बाद शाम को घर पैदल जाती है। एक शाम, एक लड़का उसे कहता है:

"हाय प्यारी!"

शकुआना जल्दी से उसके पास से होकर चली जाती है। लेकिन जल्द ही वह फिर से उससे टकरा जाती है।

"अरे! क्या हम सिर्फ बात नहीं कर सकते?" लड़का हर शाम उसे बुलाता है जब तक कि शकुआना रुक नहीं जाती।

"तुम बहुत सुन्दर हो!" वह कहता है। "तुम कितने साल के हो? मैं 17 का हूं।"

"मैं 15 साल की हूं," शकुआना उत्तर देती है, हालांकि वह वास्तव में केवल 14 की होती है। वे फोन नंबरों का आदान-प्रदान करते हैं और उसके पेट में तितलियां उड़ने लगती हैं और वह खुश अपने घर चली जाती है। इससे पहले किसी ने उसे सुंदर नहीं कहा है।

शकुआना और लड़का हर दिन मिलने लगते हैं।

क्या तुम आज स्कूल से छुट्टी नहीं ले सकती? मैं तमको बहुत याद करता हूं," वह कभी-कभी कहता है। इससे पहले शकुआना को किसी ने याद नहीं किया है। वह स्कूल गोल करना शुरू कर देती है और उसके शिक्षक चिंतित एवं निराश हो जाते हैं।

दबाव डालने लगता है

एक शाम, लड़का उससे सेक्स करना चाहता है, लेकिन शकुआना उसे मना कर देती है। वह हर दिन इसकेबारे में बात करता है और अंत में, वह मान जाती है। पर बाद में, लड़का उससे बात करना बंद कर देता है और उसकेसाथ हवा जैसा व्यवहार करता है। शकुआना को अब पता चलता है कि उसने अपनी आयु केबारे में झूठ बोला था। वह 17 का नहीं है, वह असली में 29 का है। "मैं एक दलाल हूं," वह कहता है, "अगर तुम मेरे साथ रहना चाहती हो, तो तुमको मेरे लिए काम करना पड़ेगा।"

स्थिति जल्दी से बदलती हैं क्योंकि दलाल केपास शुरु से ही एक योजना थी जब उसने पहली बार शकुआना को देखा था। वह उसे ऊँची एड़ी केजूते और छोटे, तंग कपड़े देता है। वह बताता है कि नौकरी का मतलब है कि उसे पैसे केलिए दूसरे पुरुषों के साथ जाना होगा।

"यिद तुम मुझसे प्यार करती हो, तो तुम मेरे लिए कु छ भी करोगी," वह कहता है।

शुरू में, दलाल विभिन्न पुरुषों के साथ 'तिथियों' की व्यवस्था करता है। लेकिन थोड़ी देर बाद उसे अन्य लिड़कयों के साथ सड़क पर खड़ा होना पड़ता है। वे इसे 'ट्रैक पर काम करना' कहती हैं। जब एक कार रुकती है, तो उसे चला रहे आदमी कभी-कभी पूछता है कि वह कितने साल की है। वह कहती है जो दलाल ने उससे कहने के लिए कहा है।

"18."

"नही, तुम नहीं हो, तुम 13 की लगती हो," कु छ पुरुष कहा करते हैं। लेकिन तब भी वे उसे खरीद लेते हैं।

उस लड़के ने कहा था कि वह 17 का है और
शकुआना का प्रेमी बनना चाहता था जबकि
वास्तव में उसकी आयु 29 वर्ष थी। उसने
उसे दूसरे पुरुषों को सेक्स बेचने के लिए मजबूर किया।

जब शकुआना हाई स्कूल स्नातक दिवस पर अपना भाषण दे रही थी, तब उसने अपने सहपाठियों के साथ भविष्य के लिए दस सलाह साझा करके समाप्त किया:

- सदैव आत्मसम्मान करो!
- कभी भी किसी को नीचा न देखो।
- यदि तुम इस जीवन में सफल होते हो, तो उस यात्रा को याद रखना जो तुमने तय की है।
- अपने आसपास के लोगों को जानो।
- जब तुम गलत हो तो उसे स्वीकार करने से कभी न डरो।
- प्रत्येक दिन ऐसे जियो जैसे कि वह तुम्हारी ज़िन्दगी का आखिरी दिन हो।
- अपने सम्मुख महान लोगों का सम्मान करो।
- सहायता मांगने से कभी मत डरो।
- जब तुम नीचे गिरो तो देखो कि तुम वापस कैसे उठ सकते हो।
- याद रखो कि तुम सबसे श्रेष्ठ हो!

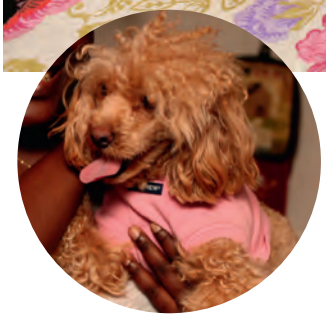

शकुआना का सबसे अच्छा दोस्त उसका पिल्ला चेरी है!

जल्दी रिहा

एक रात शकुआना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। न्यूयॉर्क में, सेक्स बेचना गैरकानूनी है। 15 साल से कम आयु के व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाना भी एक अपराध है। यह स्वतः ही बलात्कार मान लिया जाता है। लेकिन यह कानून शकुआना जैसी लड़कियों पर लागू नहीं होता। उसे किशोर हिरासत केंद्र में भेज दिया जाता है।

कुछ महीने बाद, शकुआना की जैम्स संगठन की हैले नामक युवती से भेंट होती है। शकुआना के पास सेवा करने के लिए छह महीने बाकी हैं, लेकिन हैले बताती हैं कि उसे पहले ही रिहा किया जा सकता था, बशर्ते वह जैम्स में आये और उसकी सहायता को स्वीकार करे।

शकुआना रेचिल को जान जाती है, और वह कभी भी उसकी समूहिक चर्चा में शामिल होना नहीं छोड़ती। सप्ताह में एक शाम, रेचिल लड़कियों से मिलती है, वे अपनी कहानियां साझा करती हैं, रोती हैं, हँसती हैं और एक दूसरे का समर्थन करती हैं। "तुम पीड़ित हो, लेकिन तुम लड़ सकती हो और पीड़ित समझी जा सकती हो, एक अच्छा जीवन जी सकते हैं," रेचिल कहती है। शकुआना शायद ही विश्वास कर सकती है कि रेचिल, जो इतनी मजबूत और पेशेवर लगती है, भी 'उस ज़िन्दगी में' रही है। इससे उसमें आशा जागती है।

बेघर

शकुआना की माँ ने उसे घर वापस आने दिया और उसने फिर से स्कूल जाना शुरू कर दिया। लेकिन जल्द ही उसकी मां फिर से उससे नाराज होने लगती है।

"रंडी! तुम सड़कों पर वापस चली जाओगी!"

शकुआना अंदर से टूटा हुआ महसूस करती है। शायद वह ठीक नहीं हो सकती है? एक शाम वह देर से घर आती है और उसकी माँ उसे बाहर फेंक देती है।

"फिर कभी वापस नहीं आना," वह चिल्लाती है, दरवाजा भेड़ते हुए।

शकुआना ने सभी प्रकार के फिल्म सितारों के सामने भाषण दिए हैं, और उन्हें यौन व्यापार के विरुद्ध अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया है। यहां वह रेचिल के साथ है।

शकुआना जीवित रहने का एक ही तरीका जानती है - एक दलाल ढूंढना। उसके नए दलाल के साथ बहुत सारी लड़कियां रहती हैं। वह उन्हें ड्रग्स और सेक्स बेचने के लिए मजबूर करता है, उन्हें अंदर बंद करके रखता है और केवल उन्हें काम पर जाने के लिए ही जाने देता है।

एक बरसात की शाम, दलाल शकुआना को सड़क पर भेजता है। कुछ दिनों बाद, वह अस्पताल में ज़खमी और खून से लथपथ पड़ी होती है। आखिरी बात जो उसे याद है वह यह है कि एक कार उसके पास आकर रुकी थी और वह उसमें अंदर चली गई। फिर बिलकुल अंधेरा छा गया।

स्नातक स्तर की पढ़ाई

शकुआना जैम्स वापस जाती है, जो उसे आवास और स्कूल दिलाने में सहायता करता है। तीन वर्ष बाद और वह एक मंच पर सफेद गाउन एवं टोपी पहने खड़ी है। प्रधानाचार्य कहते हैं:

"और अब ... वरिष्ठ और कक्षा की उच्चतम स्नातकः शकुआना!"

अपने भाषण में, शकुआना स्वयं की तुलना कमल के फूल से करती है।

"कमल के फूल गंदे पानी में उगते हैं और सतह से ऊपर उठ कर अत्यधिक सुंदरता के साथ खिलते हैं।"

अब शकुआना विश्वविद्यालय में हैं और जैम्स में काम कर रही हैं। वह आश्रयों, स्कूलों, पालक परिवारों के घरों एवं किशोर हिरासत केंद्रों का दौरा करती है और वहां की लड़कियों को अपने जीवन के बारे में बताती है, बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण और जैम्स के बारे में।

"मैं दूसरों की सहायता करना चाहती हूं क्योंकि मुझे नहीं पता कि मैं आज कहां होती यदि रेचिल और जैम्स ने मुझे बचाया नहीं होता," शकुआना कहती है। "अब मेरी बारी है। मैं अन्य लड़कियों के लिए जीवित सबूत हूं कि हम अपने जीवन को नियंत्रित कर सकते हैं।"

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOSEPH RODRIGUES & GEMS

युवा लोगों के लिए सुरक्षित बंदरगाह

रेचिल के साथ मिलकर बाल-सुलभ कानूनों के लिए लड़ रही जैम्स की लड़कियां।

जब रेचिल न्यूयॉर्क के अनुचित कानूनों के विरुद्ध लड़ाई लड़ती है, तो वह उन लड़कियों से उसकी सहायता करने के लिए कहती है जो उन कानूनों से प्रभावित हुई हैं।

निक्की, जो अपना भाषण लिख रही है, के पास एक बड़ा, चिरा हुआ निशान है जो उसकी दाहिनी जांघ की लंबाई तक गया है, जब से एक दलाल ने उसे चाकू से मारा था। वह 13 साल की आयु से कई बार वयस्कों के साथ जेल में रही है।

कल, रेचिल, निक्की और कुछ अन्य लड़कियां अल्बानी की यात्रा करेंगी, जो न्यूयॉर्क राज्य की राजनीतिक राजधानी है। यह वह जगह है जहां कानून लिखे जाते हैं और उनको अनुमोदित किया जाता है। यह पहली बार है कि बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण (सीएसईसी) के पीड़ितों की आवाजें उन लोगों को सुनाई देंगी जो सत्ता में हैं, जो निर्णय लेते हैं।

जैम्स और लड़कियां मांग कर रही हैं कि अमेरीकी पीड़ित बच्चों को वैसा ही संरक्षण दिया जाए जो उन बच्चों को दिया जाता है जिन्हें दूसरे देशों से अमरीका लाया गया है और उनका यौन शोषण किया गया है। वे चाहते हैं कि उन्हें दोषी ठहराए जाने और कड़ी सजा दिए जाने के बजाय सहायता और समर्थन का हकदार होना चाहिए।

एक बार जब लड़कियां अपने भाषण समाप्त कर लेती हैं, तब पूरी तरह से चुप्पी है। बहुत लोग रो रहे हैं। शकुआना, बच्चों हेतु कानून बदलने के लिए कह कर अपना भाषण समाप्त करती है। एक महत्वपूर्ण व्यक्ति अपने आँसू पोंछता है और कहता है:

"सभी प्रशंसा के योग्य हैं। मैं तुमको वचन देता हूं कि इस बिल के पारित होने को सुनिश्चित करने के लिए मुझसे जो भी हो सकेगा, मैं करूंगा। 2010 में, न्यूयॉर्क में, नए कानून को मंजूरी मिलने में साढ़े चार साल लग गए। इसे कहा जाता है।

'दि सेफ हार्बर फॉर एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन एक्ट', और यह पूरे यूएसए में अपनी तरह का पहला बिल था।

अपने जीवन में आये पुरुषों की आभारी हूं

"यह आवश्यक है कि लड़कों और पुरुषों को बच्चों के व्यावसायिक यौन शोषण से निपटने और लड़कियों के अधिकारों के लिए अभियान में शामिल किया जाए," रेचिल कहती है। "हमने 'मेल एलाइज़' (पुरुष साथी) नामक अभियान शुरू किया है, जो सभी को हमारी तरफ से खड़े होने के लिए आमंत्रित करता है।"

"जब मैं बड़ी हो रहा थी तब मैं सदैव लड़कों के साथ अपना समय बिताती थी। मुझे लड़कियों पर पूरा भरोसा नहीं होता था। फिर मैंने विकसित होना शुरू किया और लड़के पुरुषों में बदल गए, जो केवल सेक्स के लिए मुझमें रुचि रखते थे। फिर 'वो ज़िन्दगी' आई, जिसमें मुझे एक आदमी द्वारा बेचा गया और अन्य पुरुषों द्वारा खरीदा गया ... जब मैं 'उस जिन्दगी' से बाहर निकली, तो मुझे ऐसा लगा कि मैं कभी किसी दूसरे आदमी पर भरोसा नहीं कर सकती ... मुझे लगता था कि वे सब एक ही होंगे, लेकिन समय के साथ मुझे ऐसे पुरुष मिलने लगे जो मेरे लिए भाई और दोस्त की तरह अधिक थे ... मैंने पुरुषों को इंसान के रूप में देखना शुरू कर दिया, सभी अलग-अलग अनुभवों के साथ, न कि केवल गंदे, भावहीन, सेक्स-संचालित रोबोटों की तरह। हालांकि इसमें समय लगा, लेकिन मैं अपने जीवन में कुछ पुरुषों की आभारी हूं, और महिलाओं से भी उनकी मित्रता के लिए आभारी हूं।"

फराह

रेचिल को क्यों नामांकित किया गया है?

अशोक दयालचंद को भारत में बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों हेतु अभियान चलाने के लिए नामित किया गया है।

चुनौती

भारत में, हर रोज़ 15,600 लड़कियों का बाल विवाह होता है। लड़कियों को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है और वे अपने पति के घर में गुलाम बन कर रह जाती हैं। वे गर्भवती होने पर मृत्यु का जोखिम उठाती हैं, क्योंकि उनके शरीर बच्चों को जन्म देने के लिए तैयार नहीं हुए होते हैं।

काम

लड़कियों की स्थिति को उठाने और उनके जीवन को बचाने एवं बाल विवाह को समाप्त करने के लिए, अशोक और उसके संगठन 'इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट पचोड' या आईएचएमपी (IHMP) ने लड़कियों को ज्ञान और आत्मविश्वास देने के लिए 'गर्ल्स क्लबों' की शुरुआत की जिससे उनको ज्ञान मिले तथा उन्में आत्म विश्वास जागे ताकि वे एक दूसरे का समर्थन करने में सक्षम हों जब उनके अपने माता-पिता उनका जबरन बाल विवाह करने की कोशिश करें, इसके बजाय उनको स्कूल की पढ़ाई समाप्त करने दें। अशोक के 'बॉयज क्लबों' में, 5,000 लड़के एवं युवाओं ने बाल विवाह, लड़कियों के अधिकारों और लैंगिक समानता के बारे में जाना है।

परिणाम और लक्ष्य

1975 से अब तक, 500 गाँवों की लगभग 50,000 लड़कियों ने अपने अधिकारों के बारे में जाना है और जीवन कौशल शिक्षा प्राप्त कर चुकी हैं। उस क्षेत्र में एक विवाहित लड़की की औसत आयु 14 से बढ़ कर 17 हो गई है। पहले बच्चे के जन्म पर उनकी औसतन आयु 18 हो गई है, जिसका अर्थ है कि बच्चो को जन्म देते समय कम युवा माएं मर रही हैं। लक्ष्य है सभी लड़कियों के लिए स्वतंत्रता और एक ऐसा समाज जो यौन भेदभाव एवं असमानता से मुक्त हो।

पृष्ठ 83–89

बाल अधिकार हीरो 8

अशोक दयालचंद

"एक लड़की के साथ तभी से भेदभाव और अत्याचार किया जाने लगता है जबसे वह अपनी माँ के गर्भ में होती है क्योंकि भारत में कई माता-पिता गर्भपात चाहते हैं यदि बच्चा एक लड़की है, भले ही वह अवैध हो। सबसे खराब उल्लंघन बाल विवाह में मजबूर किया जाना है। मेरा काम इस पर रोक लगाना है," अशोक कहता है, जो 45 वर्षों से लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

मैं एक बहुत अच्छे घर में पला-बढ़ा हुआ और शहर के सबसे अच्छे स्कूल में पढ़ने गया। मैंने अपनी मां के नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया और मुझे भारत के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश मिल गया। मैं एक सफल नेत्र रोग विशेषज्ञ बनना चाहता था, ताकि किसी बड़े शहर के एक अच्छे अस्पताल में काम करके अच्छे पैसे कमा सकूं," अशोक कहता है।

जब वह व्यावहारिक अनुभव ले रहा था, तब अशोक ने एक स्वास्थ्य सेवा दल के साथ पर्वतीय गाँवों की यात्रा की। उन्होंने ऐसे लोगों पर आंख के ऑपरेशन किये जो गरीब थे और जो अन्यथा सहायता नहीं पाते।

"मैं विलासिता में पला-बढ़ा था और मैं पहले कभी किसी भारतीय गाँव में नहीं गया था। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि मैं एक अच्छा इंसान था। मैं जल्द से जल्द शहर लौटने और अपना सुखी जीवन बिताने की योजना बना रहा था। लेकिन मुझे पता था कि यहां मुझे बहुत कम समय में बहुत सारा अनुभव मिल जाएगा, क्योंकि हम प्रति सप्ताह 200 ऑपरेशन कर रहे थे।"

गरीबी का सामना करना

अशोक अब घोर गरीबी में रहने वाले लोगों से घिरा हुआ था, जो भूखे, बीमार थे और जिनको किसी भी तरह की शिक्षा नहीं मिली थी।

एक दिन, अशोक ने एक गरीब छोटी तिब्बती शरणार्थी लड़की की जांच की। उसने देखा कि उसे एक आँख की बीमारी थी जिसको ठीक किया जा सकता था

अशोक वैश्विक लश्यों को प्राप्त करने में अपना योगदान देता है, जिनमे यह शामिल हैं:

लक्ष्य 4: लड़कियों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। लक्ष्य 5: लैंगिक समानता। बाल विवाह तथा सब प्रकार की हानिकारक परंपराओं पर रोक, जिसका निम्न लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी योगदान है: लक्ष्य 1: कोई गरीबी नहीं, लक्ष्य 2: शून्य भूखमरी, और लक्ष्य 10: लैंगिक असमानताओं का कम होना।

यह वह मोटरसाइकिल है जिसका इस्तेमाल अशोक ने लगभग 45 साल पहले गांवों में लोगों से बात करने और यह जानने के लिए किया था कि उनकी वास्तव में क्या आवश्यकता है। वह 78 गांवों वाले क्षेत्र में एकमात्र डॉक्टर था।

अगर उसे जल्दी से सही इलाज मिल जाता। नहीं तो वह अंधी हो जाती। अशोक ने उसे अस्पताल के एक पलंग पर रख दिया। लेकिन उसका मालिक गुस्सा हो गया और लड़की को बाहर फेंक दिया क्योंकि पलंग केवल उन मरीजों के लिए था जिनका ऑपरेशन होना था।

"जब मैंने लड़की को बाद में बाजार में देखा, तब उसकी माँ उसको सहारा दे रही थी। मैं बहुत निराश हुआ जब मुझे पता चला कि वह अंधी हो चुकी थी। मैं गया और अपने प्रबंधक को ढूंढा और उस पर चिल्लायाः 'आपने एक छोटी लड़की को अंधा कर दिया! मैं आपके इस खूनी अस्पताल में और एक मिनट के लिए भी नहीं रहूँगा।'"

"मैं कभी नहीं लौटा। मुझे पता था कि मैं एक अच्छे अस्पताल में अच्छा वेतन पाने वाला नेत्र चिकित्सक बनने की अपनी योजना को पूरा नहीं कर पाऊँगा। उस छोटी लड़की ने मुझे हमेशा के लिए बदल दिया था।"

भारत में लड़कियों के लिए खतरनाक जीवन

- प्रति वर्ष, भेदभाव के कारण, लड़कों की तुलना में कम भोजन, चिकित्सा और देखभाल मिलने के कारण, 2,40,000 पांच साल से कम आयु की लड़कियां मर जाती हैं।
- 3 लाख 70 हज़ार से अधिक लड़कियां स्कूल नहीं जाती। 20 करोड़ महिलाएं अनपढ़ हैं।
- 1990 और 2018 के बीच, 110-160 लाख महिलाओं के भ्रूण का गर्भपात हो चुका है।

मरती महिलाएं

अशोक ने गरीबी में रहने वाले लोगों का चिकित्सीय उपचार करने का निर्णय लिया।

"मैंने एक मोटरसाइलिक से जगह-जगह यात्रा की, लोगों से बात करने और यह पता लगाने के लिए कि उन्हें वास्तव में क्या चाहिए था। मैं हर दिन बाहर होता था क्योंकि इस 78 गांवों वाले क्षेत्र में, मैं एकमात्र डॉक्टर था।"

अशोक ने जल्द ही महसूस किया कि ग्रामीणों में सबसे बड़ी समस्या थी प्रसव में मरने वाली गर्भवती महिलाओं की अधिक संख्या।

"अस्पताल को जाने वाली सड़कें खराब थीं और परिवहन बैलगाड़ी से होता था। अपने पहले सप्ताह में, दो युवा लड़कियों और उनके अजन्मे शिशुओं की मृत्यु हो गई क्योंकि वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पायी थीं।"

"हमें एहसास हुआ कि युवा गर्भवती महिलाओं को होने वाली समस्याओं में से कई इस तथ्य के कारण थीं कि वे बहुत कम आयु की थीं। गांवों में 10 में से 8 लड़कियां 18 साल की आयु से पहले ही शादी कर लेती थीं, जिनमें से अधिकांश बस 14 की होती थीं। लड़कियां के शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने से पहले ही वे गर्भवती हो रही थीं क्योंकि वे अभी स्वयं बच्चीयां थीं। मुझे उनकी ज़िन्दगियां बचाने के लिए बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, और इसलिए भी क्योंकि लड़कियों ने अपना बचपन खो दिया और उनके अधिकारों का हनन हुआ।"

लड़कियों से बदतर व्यवहार

अशोक ने महसूस किया कि शादी के बहुत पहले से ही लड़कियों से बदतर व्यवहार किया जा रहा था।

"जीवन में बहुत पहले से, लड़कों की, लड़कियों की तुलना में, बेहतर देखभाल की जाती थी। बेटीयों की तुलना में बेटों को अधिक मां का दूध, भोजन, टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य देखभाल मिलती थी। लड़कियों को अक्सर कुपोषित रखा जाता था और यदि वे बीमार पड़ जाती थीं, तो उन्हें डॉक्टर को देखने के लिए बाद में ले जाया जाता था, या बिल्कुल भी नहीं।"

अशोक ने देखा जबकि लड़के स्कूल जाते थे और अपने दोस्तों के साथ समय बिताते थे, गाँव की लड़कियाँ घर पर ही रहती थीं और घर के सारे काम किया करती थीं।

1985 में, अशोक और उसके सात सहयोगियों ने 'इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट पचोड' या आईएचएमपी नामक संस्था शुरू की, जो निवारक मातृत्व देखभाल एवं स्वास्थ्य देखभाल पर काम करेगी, और बाल विवाह के विरुद्ध तथा लड़कियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी। "किसी भी लड़की के अधिकारों का उल्लंघन उसके बाल विवाह के अधीन होने से अधिक नहीं होता। वह स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर हो जाती है, इसके बजाय उसको अपने पति का गुलाम बनना पड़ता है और उसके बच्चों को जन्म देना पड़ता है और घर के सारे काम करने पड़ते हैं। वह अपने परिवार, अपने मित्रों, अपनी आजादी और अपने सपनों से अलग हो जाती है। मैं सोचने लगा कि क्या परिवार वास्तव में अपनी बेटियों के लिए यही चाहते थे। और इसके अतिरिक्त, भारत में बाल विवाह वास्तव में कानून के विरुद्ध है।

हजारों ग्रामीणों के साथ चर्चा के बाद, अशोक ने महसूस किया कि अधिकांश परिवार अपनी बेटियों की शादी बच्चों की तरह नहीं करना चाहते थे, लेकिन पुरानी परंपराओं, समूह दबाव और गरीबी ने उन्हें यह महसूस करवा दिया कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है।

1 करोड़ 20 लाख बाल वधुएं

- प्रति वर्ष, विश्व भर में 1 करोड़ 20 लाख लड़कियों को 18 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले विवाह करने के लिए मजबूर किया जाता है। इसका अर्थ हुआ हर मिनट 23 है।
- विश्व में 5 लड़कियों में से 1 का विवाह 18 साल की आयु से पहले कर दिया जाता है।
- भारत में, हर रोज़, 15,600 लड़कियों का विवाह होता है, इस तथ्य के बावजूद कि बाल विवाह अवैध है।
- 'बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' बाल विवाह पर रोक लगाता है, लेकिन 93 देशों में लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले करने की अनुमति है।
- 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों में से एक है कि बाल विवाह को समाप्त करना है।

हम अशोक के क्लबों के सदस्य हैं!

अजय, 17

अंजलि, 14

अकोश, 17

अंजलि, 14

अकोश, 16

अन्युम, 14

अकोश, 17

आनंद, 17

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

जिन लड़कियों ने जीवन कौशल शिक्षा पूरी कर ली है और गर्ल्स क्लबों में भाग लेना जारी रखा है वे बाल विवाह और स्कूल समाप्त करने के बाद बाल विवाह को रोकने में कामयाब रही हैं। वे नियोजित बाल विवाहों रोकने के लिए उनके माता-पिता को समझाने में सफल रही हैं।

लड़कियों के लिए लाइफ स्किलस् एजुकेशन

ग्रामीणों और अशोक ने सिर्फ लड़कियों की सदस्यता वाले क्लब स्थापित किए, जहां वे एक-दूसरे को सशक्त बना सकती थीं और महत्वपूर्ण काम सीख सकती थीं। मिलकर उन्होंने लाइफ स्किलस् एजुकेशन (जीवन कौशल शिक्षा) पर एक पाठ्यपुस्तक बनाया जो लड़कियों को अपने जीवन का गुजारा बेहतर तरह से करने में सहायता करता। उन विषयों को चुना गया जिनको ग्रामीणों को स्वयं लगता था कि उनकी बेटियों को पढ़ना महत्वपूर्ण है। इसमें लड़कियों के अधिकारों, मासिक धर्म और स्वास्थ्य और कैसे किसी हमले की रिपोर्ट दर्ज कराएं, बैंक कैसे काम करते हैं, सम्मिलित था।

"हमें इस पर ध्यान देना था कि कैसे सब काम किए जाएं जिन पर ग्रामीणों का अनुमोदन हो क्योंकि लड़कियां अपने घर या स्कूल से दूर बहुत समय बिताती थीं। लड़कियों के मिलने और सीखने के लिए एक सुरक्षित रास्ता और एक सुरक्षित जगह ढूंढना आवश्यक था। ग्रामीणों ने स्वयं कुछ स्थानों का सुझाव दिया जैसे गाँव का हॉल, एक मंदिर या स्कूल के बाद एक कक्षा। चूंकि ग्रामीण महिला राज्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर बहुत भरोसा करते थे, जो हर भारतीय गांव में होती हैं, अतः मुझे लगा कि वे लड़कियों के लिए आदर्श शिक्षक बनेंगी। इसलिए हमने उन्हें जीवन कौशल शिक्षा सिखाने के लिए प्रशिक्षित किया।"

प्रत्येक क्लब 11-19 वर्ष की 25 अविवाहित लड़कियों से बना था, जो सप्ताह में दो बार मिलती थीं।

"लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ता गया जैसे-जैसे उन्होंने अधिक ज्ञान प्राप्त किया और एक ऐसी जगह मिली जो सिर्फ उनके लिए थी जहां उनको एक दूसरे से बात करने का अवसर मिला। और जहां उनकी राय मायने रखती है। उन्होंने लड़कियों के अधिकारों के बारे में जो सीखा, उसे अपने माता-पिता और पड़ोसियों के साथ साझा किया।"

बहादुर लड़कियां

अशोक और आईएचएमपी ने एक गांव के बाद दूसरे गांव में गर्ल्स क्लबों को शुरू किया, और कुछ ही समय में, गांवों में बाल विवाह की प्रथा के साथ अन्य बातों में भी परिवर्तन आना शुरू हो गया।

"जिन लड़कियों ने जीवन कौशल शिक्षा कक्षा पूरी कर ली थी और जो गर्ल्स क्लब

गर्ल्स क्लब के रास्ते पर

अशोक और उसके संगठन के काम से 50,000 लड़कियों तक पहुंचा जा चुका है। उनमें से आधी अविवाहित लड़कियां हैं जो 500 गांवों में जीवन कौशल शिक्षा की कक्षा पूरी कर चुकी हैं और जो अब किसी न किसी गर्ल्स क्लब की सदस्या हैं।

अश्विनी, 14 भीमराव, 17 अश्विनी, 13 चेतन, 16 भागश्री, 14 कुरान, 15 गंगासागर, 12 रामदेव, 16 कावेरी, 13 रवि, 16

बैशाली और आरती का बड़ा भाई, अशोक के बॉयज क्लबों में से एक का सदस्य है। इसका मतलब है कि उसने घर पर सहायता करना शुरू कर दिया है, इसलिए उसकी बहनों को खेलने और अपना होमवर्क करने का समय मिल जाता है।

में भाग लेती रही, वे शादी और स्कूल समाप्त करने केबाद अपनी शादी रोकने में कामयाब रही। लड़िकयों को ज्ञान और साहस मिला था। "उन्होंने अच्छे तर्कों का इस्तेमाल करना और तक्र -वितक्र करना सीखा, जिससे उन्हें अपने माता-पिता को सुनिश्चत बाल विवाहों को रोकने में सहायता मिली," अशोक बताता है।

हालाँकि काम अच्छा चल रहा था, अशोक फिर भी चिंतित था कि चीजें उतनी तेजी से नहीं चल रही थीं। कई लड़कियों को अभी भी विवाह करने के लिए मजबूर किया जा रहा था, और कई बच्चे जन्म के समय मर रहे थे। "हमने नवविवाहित जोड़ों के साथ काम करना शुरू किया, जहां लड़की एक बच्ची थी, यदि उसकी आयु 18 साल से कम थी। हमने उसे, उसके पति और पूरे गाँव को लड़की के गर्भवती होने केसभी खतरों के बारे में समझाया और उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश की वे जितनी देर हो सके पहली गर्भावस्था में देरी करें।"

तो लड़कों से कैसे निपटें?

कभी-कभी गांवों में किशोर लड़के पत्थर फेंकते और चिल्लाते थेः "तुम लड़कियों को हमारे सिर पर खड़ा होना सिखा रहे हो! अगली बार जब तुम आओगे, तब हम तुम्हारे ऊपर पत्थर फेंकेंगे! "

अशोक ने महसूस किया कि लड़कों को छोड़ दिया गया है और यह एक बड़ी गलती हुई है।

"स्पष्ट है कि यदि हमें बाल विवाह को रोकना था तो लड़कों को समझना और इस प्रयास में शामिल होना चाहिए था। यह उन सभी पुरुषों से संबंधित था जो उन लड़कियों से शादी कर रहे हैं जो बहुत छोटी थीं, और जो लड़कियों और महिलाओं को पीटा करते थे। "

अशोक और आईएचएमपी ने ब्वायज क्लबों की स्थापना करनी शुरू की। लड़के महीने में एक बार मिलते हैं और लड़कियों के अधिकारों, बाल विवाह और लैंगिक समानता के बारे में सीखते थे।

बड़ी प्रगति

अशोक के काम से कुछ 50,000 लड़कियां तक पहुंचा गया है। उनमें से आधी अविवाहित लड़कियां हैं जो 500 गांवों में जीवन कौशल शिक्षा की कक्षा पूरी कर चुकी हैं और जो अब किसी न किसी गर्ल्स क्लब की सदस्य हैं। 5,000 अविवाहित लड़के और युवक अब तक बॉयज क्लबों के माध्यम से पहुँचे जा चुके हैं।

जिन गांवों में आईएचएमपी काम करता है, उनमें एक लड़की की अपने पहले बच्चे को जन्म देते समय औसत आयु 18 हो गई है। कुछ माताएं और बच्चे प्रसव में मर रहे हैं।

"जब हमने अपना काम शुरू किया, तब एक लड़की की शादी होते समय औसत आयु 14 थी. अब यह 17 है। यह इससे बेहतर था, लेकिन हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक कि हर कोई कम से कम 18 साल का नहीं हो जाता।" अशोक कहता है।

कोमल, 13

रिशिकेस, 16

मनीषा, 12

सागर, 16

मरजिका, 13

सहेल, 16

संदीप, 17

पल्लवी, 14

रुपाली, 12

अशोक और आईएचएमपी कैसे काम करते हैं

- अविवाहित लड़कियों के लिए गर्ल्स क्लबों को शुरू करना, जहां वे अपने अधिकारों के बारे में सीखती हैं और जीवन कौशल शिक्षा प्राप्त करती हैं।
- अविवाहित लड़कों के लिए बाइज़ क्लबों को शुरू करना, जहां वे बाल विवाह, लड़कियों के अधिकारों के तथा लैंगिक समानता के बारे में सीखते हैं।
- नवविवाहित जोड़ों को शिक्षित करना, जहाँ दुल्हन 18 वर्ष से कम की है, लड़कियों के अधिकारों और यथासंभव लंबे समय तक पहली गर्भावस्था में देरी के महत्व के बारे में बताना।
- माता-पिता, पुलिस, ग्राम परिषदों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को लड़कियों के अधिकारों एवं लैंगिक समानता के बारे में शिक्षित करना।

सागर की सूची कि लड़के कैसे लड़कियों के अधिकारों का अपमान करते हैं

- पुरुष घर के सारे काम करने के लिए लड़कियों एवं महिलाओं को मजबूर करते हैं।
- लड़के स्कूल जाती लड़कियों को परेशान करते हैं, उनसे मूर्खता की बातें कहते हैं और उन्हें मोबाइल फोन में अशलील चित्र देखने के लिए मजबूर करते हैं।
- पुरुष अपनी बेटियों एवं बहनों को बाल विवाह करने के लिए मजबूर करते हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है।
- लड़कियों को उनके पिता द्वारा और फिर उनके पति द्वारा प्रताड़ित दुराचार किया जाता है और उनके साथ दुराचार किया जाता है।
- लड़के लड़कियां का बलात्कार करते हैं तथा उनके साथ अन्य यौन हिंसा करते है।

सागर को पानी लाने और कपड़े धोने में सहायता मिलती है, जिसका अर्थ है कि उसकी बहनें, बैशाली, 13, और आरती, 12, को भी अपना होमवर्क करने, दोस्तों से मिलने और खेलने का समय मिल जाता है।

लड़कों को लड़कियों का आदर करना चाहिए!

सागर, 15, उन अनेकों लड़कों में से एक है जिसको अशोक का संदेश प्राप्त हुआ है कि लड़कियों और लड़कों का समान मूल्य है।

"बॉयज क्लब महीने में दो बार मिलता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इन चीजों के बारे में बात करें क्योंकि लड़कियों की ज़िन्दगी यहाँ लड़कों की तुलना में बहुत कठिन है।"

"क्लब में, हम सीखते हैं कि 18 से कम उम्र की लड़की को शादी करने के लिए मजबूर करना अवैध है, लेकिन कुछ परिवार तब भी शादी कर देते हैं। अगर किसी लड़की की शादी एक बच्चे के रूप में होती है, तो उसे स्कूल छोड़ना होगा और उसके बजाय अपने पति की देखभाल करनी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए। यदि तुम अपने सपने साकार करना चाहती हो, तो तुमको पहले स्कूल जाना होगा। और, एक छोटी बच्ची का शरीर बच्चे पैदा करने के लिए तैयार नहीं होता। दोनों लड़की और उसका नवजात शिशु जन्म के समय मर सकते हैं।"

एक सच्चा पुरुष

"पहले एक 'सच्चा पुरुष' वही कहा जाता था जो एक बड़ा, शक्तिशाली आदमी होता था जो अपनी पत्नी को पीट देता था। वह महिला की 'बॉस' होता था और उसे उसकी आज्ञा का पालन करना पड़ता था। अशोक के बॉयज क्लब में, हम सीखते हैं कि एक 'सच्चा पुरुष' लड़कियों एवं महिलाओं का सम्मान करता है, उनके साथ अच्छा व्यवहार करता है और महिलाओं को बराबर की तरह देखता है।

"एक अच्छा आदमी अपने बेटों और बेटियों को जीवन में एक जैसा ध्यान देता है और संभावनाएं दिलाता है। असल में, वह एक अच्छा इंसान है। "वयस्क होकर मैं ऐसा ही आदमी बनना चाहता हूं, लेकिन मैं पहले से ही ऐसा बनने की कोशिश करना चाहता हूं। घर पर मैं पानी लाता हूं और कपड़े धोता हूं। मैं सहायता करना चाहता हूं, इसलिए मेरी मां और बहनों को सब कुछ नहीं करना पड़ता।"

बॉयज क्लब की बैठक

लड़के महीने में एक बार मिलते हैं और लड़कियों के अधिकारों, बाल विवाह तथा लैंगिक समानता के बारे में सीखते हैं।

अशोक एक आदर्श है

"अशोक एक ऐसा आदमी है जो लड़कियों एवं महिलाओं के साथ सम्मानतापूर्वक व्यवहार करता है, जैसा अपने साथ के इंसानों के साथ करना चाहिए। वह एक महत्वपूर्ण आदर्श है और मैं उसके जैसा बनना चाहता हूं," सागर कहता है।

सलिया की बाल विवाह के विरुद्ध

"अशोक के गर्ल्स क्लब के बिना मेरा जीवन कुछ और ही हो गया होता। मेरी शादी हो चुकी होती, मुझे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया होता और मैं शायद अब तक माँ बन चुकी होती। मेरा जीवन समाप्त हो चुका होता," सालिया, 15, गम्भीरता से कहती है।

"जब मैं 13 साल की थी, तब मैं अपनी माँ के साथ आग के पास बैठी थी, उससे बात कर रही थी और खाना बनाने में सहायता कर रही थी जब हमारे परिवार की एक करीबी महिला हमसे मिलने आ गई। अचानक मैंने महिला को कहते हुए सुनाः

'मैं चाहती हूं कि तुम मुझे अपनी बेटी सलिया को मेरे बेटे के लिए पत्नी के रूप में दे दो।'"

"मैं चैंक गई और रोने लगी। मैं वास्तव में शादी नहीं करना चाहती थी। मैं स्कूल जाना चाहती थी, जो मुझे प्रिय था। मुझे पता था कि उसका बेटा एक वयस्क व्यक्ति था। यह अजीब सा लग रहा था।"

हमने झगड़ा किया

"मैं अशोक के गर्ल्स क्लबों में से एक की सदस्य थी, और मैने बहुत कुछ जान लिया था कि बाल विवाह कितना बुरा होता है। लेकिन सबसे अधिक, मुझे पता था कि बाल विवाह गैरकानूनी था।"

"मैं चिंतित और क्रोधित थी। मुझे बहुत अजीब सा लग रहा था कि मेरा परिवार बैठा था और मेरी शादी करने की चर्चा कर रहा था। मैं रोयी, और उसके विचार मेरे सिर में गूंज रहे थे।"

"मैंने अपने दोस्तों रोजिना और साइमा से सहायता मांगी। वे भी गर्ल्स क्लब की सदस्य थीं। हमने मिलकर संघर्ष करने का निर्णय लिया।"

"रोजिना स्कूल के बाद मेरे साथ घर आई और मेरे माता-पिता को एक ऐसी लड़की के बारे में बताया, जिसे एक व्यवस्थित बाल विवाह करने में मजबूर किया गया था। लड़की इतनी व्यथित हो गई थी कि उसने गाँव के कुएँ में डुब कर अपनी जान ले ली।"

"मेरी मम्मी चिंतित हो गई जब उसने यह सुना और मेरे पिताजी से बात की।"

भूख हड़ताल

"जब हम बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों के बारे में अपने मां, पिता और परिवार के बाकी लोगों को बता रहे थे, तब मैंने एक भूख हड़ताल भी शुरू कर दी। मैंने कहाः 'जब तक तुम इस शादी को मना नहीं कर देते, तब तक मैं कुछ नहीं खाऊँगी। मैं स्कूल जाना चाहती हूँ! मैं शादी करने से इंकार करती हूं!"

"आखिरकार, मेरे पूरे परिवार को एहसास हो गया कि मेरा निर्णय अटल था और उन्होंने मेरी शादी रद्द कर दी। मैं बहुत खुश थी और मैंने स्वतंत्र महसूस किया! लेकिन महिला और उसका परिवार बहुत नाराज़ था और अब वे हमसे बात नहीं करते हैं।

"अशोक के गर्ल्स क्लब को धन्यवाद कि मुझे उससे वह ज्ञान, समर्थन और साहस मिला कि मैं अपने परिवार से बात करने और शादी के विरुद्ध लड़ने की हिम्मत कर सकी।"

हमारा गर्ल्स क्लब

"अब मैं रोजीना और साइमा के साथ अपना स्वयं के एक गर्ल्स क्लब का

तीन पीढ़ियाँ

सलिया की माँ साजिदा और उसकी दादी जेतुन दोनों ने 12 साल की उम्र में शादी की थी।

"जब मैं छोटी थी, तब लड़कियां स्कूल नहीं जाती थीं। मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा है कि सलिया ने अभी तक शादी नहीं की है, और वह स्कूल समाप्त कर सकेगी और उसको एक अच्छा भविष्य मिलेगा," दादी कहती है।

जिस ब्लैकबोर्ड को सलिया, रोजिना और साइमा धारण कर रही हैं, वह कहता हैः पढ़ने के उद्देश्यः बाल विवाह क्या है? बाल विवाह से क्या हानि हैं? लड़का और लड़की की शादी की कानूनी आयु क्या है?

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

भूख हड़ताल

नेतृत्व कर रही हूँ जो सप्ताह में दो बार मिलता है। हमं बीस जने हैं जो हर बुधवार और शनिवार मिलते हैं, और मुझे यह बहुत पसंद है! बैठकें दो घंटे तक चलती हैं। हम एक साथ समय बिताते हैं और मस्ती करते हैं, लेकिन हम मुख्यतः लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं।"

"यहाँ लड़कियों के अनेकों अधिकारों का उल्लंघन होता है। लड़कियां घर का सारा काम करती हैं। कभी-कभी लड़के खेती में अपने पिता की सहायता करते हैं, लेकिन अक्सर वे कुछ नहीं करते, बस अपने मित्रों के साथ घूमा करते हैं। यह सही नहीं है!"

"अब जब हम बहुत सारे लोग हो गए हैं, तो लोगों ने सुनना शुरू कर दिया है! हम गांव की बैठकों में दोनों वयस्कों एवं बच्चों को साथ लाते हैं और हम उन्हें लड़कियों के अधिकारों के बारे में बताते हैं।"

"जब हमने पिछली बार गाँव में एक प्रदर्शन मार्च निकाला था, तब हममें से सिर्फ चालीस लड़कियाँ ही थीं जब हम शुरू हुए थे, लेकिन रास्ते में और जुड़ते गए और इसके अंत तक हम बहुत सारे हो गए! हमने तख्तियां उठाई और चिल्लाया कि बाल विवाह रोको, और यह कि लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करो। हम जानते हैं कि जो हम कर रहे हैं वह सही है!"

लड़कियों के अधिकारों के लिए गौरवपूर्ण नेता

"जब गाँव में मेरी गर्लफ्रेंड और मैंने अशोक की संस्था द्वारा चलाए जा रही जीवन कौशल शिक्षा कक्षा को पूरा किया, तो दूसरी लड़कियों ने मुझे हमारे गर्ल्स क्लब का नेता चुना। मैं वास्तव में खुश और गौरवान्वित थी!"

बेहतर जीवन के लिए शिक्षा

"लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना वास्तव में महत्वपूर्ण है! यदि ऐसी लड़की जिसके पास बहुत कम या कोई शिक्षा नहीं है, को 12 या 13 साल की आयु में विवाह करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो एक वयस्क व्यक्ति के लिए उसे एक संपत्ति का अंश समझकर व्यवहार करना आसान होगा," सलिया बताती है।

स्वागत है!

"आज हम बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करने जा रहे हैं," सलिया कहती हैं, और सभी लड़कियों का क्लब में स्वागत करती है।

ROOUNR A BD TEHTTE GELK
WOBOERRLUN FD

वैश्विक लक्ष्यों के लिए राउंड दि ग्लोब रन!

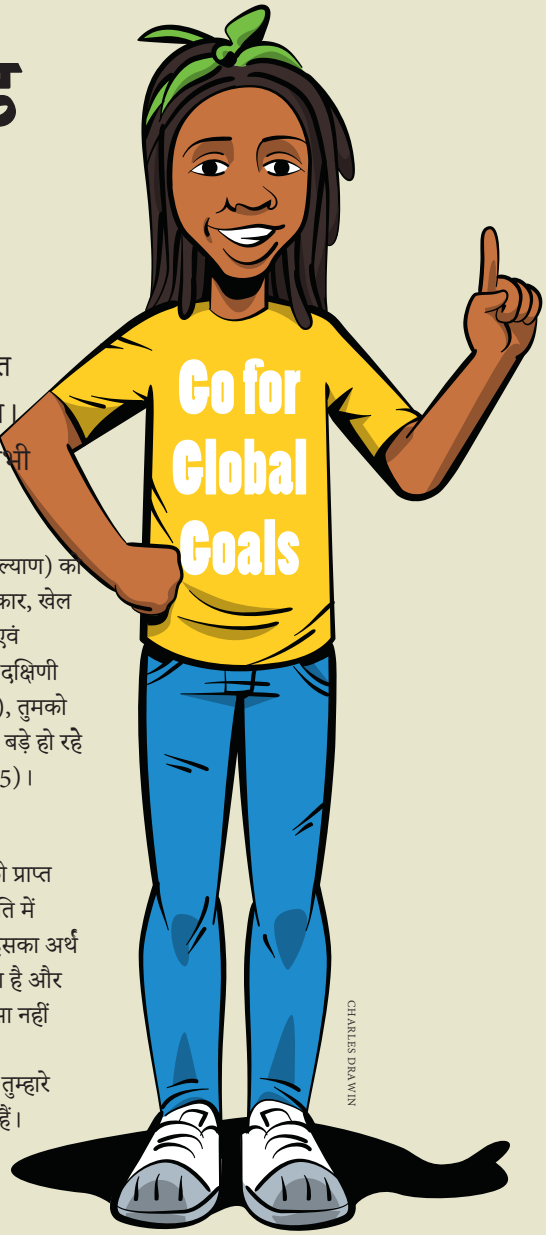

विश्व के देशों ने वर्ष 2030 तक तीन असाधारण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहमति व्यक्त की है: अत्यधिक गरीबी, असमानताएं, अन्याय को कम करना और जलवायु परिवर्तन रोकना। इसे प्राप्त करने के लिए, देशों ने सतत विकास के लिए 17 वैश्विक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। सभी लक्ष्य महत्वपूर्ण और परस्पर जुड़े हैं।

हर देश की सरकार मुख्य रूप से लक्ष्यों को पराप्त करने और लक्ष्यों को पराप्त करने में सहायक परिवतरनों को लाने केलिए जिम्मेदार होती है। लेकिन यिद विश्व को उन्हें पराप्त करने का कोई अवसर देना है, तो तुमको, सब को, लक्ष्यों केबारे में पता होना चाहिए और शामिल होना चाहिए और बदलाव केलिए लड़ना होगा! इसका मतलब दोनों वयस्क और बच्चे। छोटी-छोटी किरयाएं भी बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

तुम वैश्विक लक्ष्यों केबारे में पता लगा सकते हो और डब्लूसीपी कार्यक्रम द्वारा अपना ज्ञान साझा कर सकते हो। दि ग्लोब में तुम बाल अधिकार नायकों और कई बच्चों से मिलोगे जो एक बेहतर विश्व के लिए लड़ रहे हैं। उदाहरण के लिए, वे अनेक वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता कर रहे हैं:

- लक्ष्य 5 - लड़िकयों केलिए लैंगिक समानता और समान अधिकार
- लक्ष्य 10 - असमानताएँ कम होना
- लक्ष्य 16 - न्याय एवं शांतिपूणर समाज।

दि राउंड दि ग्लोब रन लक्ष्य 3 (अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण) को मजबूत करता है और सभी बच्चों को खेलने का अधिकार, खेल और अवकाश देता है। नो लिटर जेनरेशन कचरापन एवं जलवायु परिवर्तन (लक्ष्य 13) को रोकने पर है। और दक्षिणी अफ्रीका के लिम्पोपो के अनुभाग में (पृष्ठ 108-132), तुमको उन बच्चों के बारे में पता चलेगा जो एक एसी जगह में बड़े हो रहे हैं, जहां प्रकृति और पशु जीवन को खतरा है (लक्ष्य 15)।

बाल अधिकार

वैश्विक लक्ष्य बाल अधिकारों से जुड़े हैं। यदि लक्ष्यों को प्राप्त कर लिए जाते है, तो दुनिया भर के बच्चों के लिए स्थिति में सुधार होगा। यदि उन्हें प्राप्त नहीं किया जाता है, तो इसका अर्थ यह होगा कि बच्चों के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है और उनके अधिकारों का सम्मान नहीं किया जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए!

यहां कुछ उदाहरण इसके दिए गए हैं कि यह लक्ष्य तुम्हारे अधिकारों और अन्य बच्चों के अधिकारों से कैसे जुड़े हैं।

1. कोई गरीबी नहीं

कोई भी बच्चा को गरीबी में नहीं बड़ा होना चाहिए। किसी भी बच्चे केसाथ अलग तरह से व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए और न ही उसे अन्य बच्चों केसमान अवसरों से वंछित करना चाहिए इस आधार पर कि उसकेया उसकेपरिवार के पास कितना धन है।

2. शून्य भूखमरी

किसी भी बच्चे को भूखा नहीं रहना चाहिए और न ही उसका कुपोषण हो। सभी बच्चों को पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध होना चाहिए।

3. अच्छा स्वास्थ्य और देख-रेख

सभी बच्चों को स्वस्थ रहने, अच्छी स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा उपचार पराप्त करने और टीकाकरण करने का अवसर मिलना चाहिए। शराब/ड्रग्स का दुरुपयोग कम होना चाहिए, साथ ही सड़क दुघरटनाएँ और वायु परदूषण भी।

4. गुणवत्ता की शिक्षा

सभी बच्चों को एक शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और सब बच्चों को पढ़ना-लिखना सीखने का अवसर मिलना चाहिए। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क होनी चाहिए। किसी भी बच्चे के साथ स्कूल में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

5. लैंगिक भेदभाव

लड़कियों और लड़कों को सभी प्रकार से समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए। किसी भी लड़की के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। बाल विवाह और लड़कियों के विरुद्ध हिंसा, जैसे कि एफजीएम और यौन हमले को रोकना होगा।

6. स्वच्छ पानी और स्वच्छता

सभी बच्चों को स्वच्छ पानी और शौचालय तक पहुंच होनी चाहिए और अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देने में सक्षम होना चाहिए। कई देशों में लड़कियों की देख-रेख एवं सुरक्षा के लिए अलग शौचालय आवश्यक हैं।

7. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा

सभी बच्चों को सुरक्षित एवं स्थायी ऊर्जा उपलग्ध होनी चाहिए जो पर्यावरण को नष्ट किए बिना उनके जीवन को सरल बनाती है।

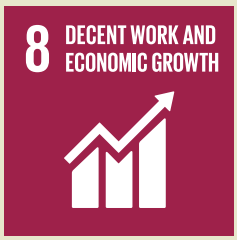

8. अच्छा काम और आर्थिक विकास

किसी भी बच्चे को बाल श्रम या लोगों की तस्करी का शिकार नहीं होना चाहिए। इसमें सैनिकों के रूप में बच्चों का उपयोग नहीं करना शामिल है। माता-पिता के पास काम करने की अच्छी स्थिति होनी चाहिए ताकि वे अपने बच्चों की देखभाल कर सकें।

9. सुगम उद्योग, नवाचार और सूचना

उद्योगों, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे को इस तरह से बनाया जाना चाहिए कि वे बच्चों के लिए खतरनाक या हानिकारक नहीं हों। सभी बच्चों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुंच होनी चाहिए जो उनके जीवन को बेहतर बनाती है।

10. असमानताओं को कम करना

सभी बच्चों को पृष्ठभूमि, लिंग, विश्वास, यौन पहचान या अभिविन्यास, विकलांगता या यह तथ्य कि उन्हें अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है, की परवाह किए बिना समान अवसर मिलने चाहिए।

11. स्थायी शहरों और समुदायों

सभी बच्चों के पास रहने के लिए अच्छी जगह होने चाहिए जिसके निकट खेलने के क्षेत्र और हरे भरे स्थान हों, प्रभावी सार्वजनिक परिवहन मार्गों के साथ। बढ़ते बड़े शहरों को, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करते हुए, पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाना चाहिए।

12. जिम्मेदार खपत और उत्पादन

बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि कैसे अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से रहना है, उदाहरण के लिए, टिकाऊ खपत, पुनर्चक्रण और पुर्नउपयोग।

13. जलवायु परिवर्तन

बच्चों को सीखना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला कैसे करें, और यह मांग करने में सक्षम होना चाहिए कि वयस्क, (उदाहरण के लिए, निर्णय लेने वाले) भी वैसा ही करें।

14. पानी के नीचे जीवन

बच्चों को जानना चाहिए कि कैसे कचरा, अत्यधिक मछली पकड़ना तथा उत्सर्जन हमारे समुद्रों, झीलों, नदियों और वहां रहने वाले जीवों को प्रभावित कर सकता हैं।

15. भूमि पर जीवन

बच्चों को इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि जंगलों और भूमि, पहाड़ों, पशुओं एवं पौधों की रक्षा कैसे करें और यह समझना चाहिए कि हमें प्रकृति के संसाधनों को व्यर्थ में क्यों बर्बाद नहीं करना चाहिए।

16. शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएं

किसी भी बच्चे पर हिंसा, हमला या उसका शोषण नहीं होना चाहिए। सब बच्चों को शांतिपूर्ण समुदायों में बड़े होने में समर्थन ..मिलना चाहिए जहां सबके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए, उदाहरण के लिए, अधिकारियों, पुलिस और अदालतों द्वारा।

17. लक्ष्यों के लिए भागीदारीयां

सबके लिए बेहतर विश्व बनाने के लिए देशों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना, समर्थन देना और सीखना चाहिए।

राउंड दि ग्लोब रन फॉर

अब 1 अप्रैल 2019 है और 11 लाख बच्चे (11,11,370 सटीक) बोलते हैं, चिल्लाते हैं और उन परिवर्तनों के बारे में पोस्टर बनाते हैं जिन्हें वे देखना चाहते हैं जिससे उनके अधिकारों का सम्मान हो और वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति हो जहां वे रहते हैं, अपने देश में और हमारे विश्व में।

वे एक लंबी मानव श्रृंखला बनाकर शुरू करते हैं, और फिर वे तीन किलोमीटर चलते हैं, दौड़ते हैं या स्की करते हैं। दिन समाप्त होने से पहले, उन्होंने *'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड'* के अंतर्गत 33 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर ली है। यह विश्व के 84.9 चक्करों के बराबर है!

1 अप्रैल 2020 को, अगले 'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' का समय हो जाएगा। क्या हम इस बार विश्व भर में एक सौ से अधिक बार विश्व का चक्कर लगा सकेंगे?

MARIE BIRKL

एक बेहतर विश्व के लिए स्कीइंग

स्वीडन के ओस्टेरसुंड में ओडेन्स्लुंड स्कूल के छात्रों ने एक बेहतर विश्व के लिए स्की पर एक लंबी श्रृंखला बनाई। उनके साथ एंडर्स सॉडरग्रेन भी शामिल हो गए, जो स्कीइंग में एक ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। स्वीडन में, 'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' में भाग लेने वाले स्कूलों का दौरा स्वीडिश ओलंपियनों द्वारा किया जाता है, जो ओलंपिक मूल्यों एवं वैश्विक लक्ष्यों के बारे में बात करते हैं।

जबरन विवाह के विरुद्ध एकजुटता
स्टेला, 11, ओडेन्सलुंड स्कूल, स्वीडन

KIM NAYLOR

जलवायु की देखभाल करो
स्वीडन में स्लैट्ट्रिंग स्कूल की सोफिया, 12 तथा नाइक, 12, ने अपने स्कूल के दोस्तों के साथ 'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' में भाग लिया।

"मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि अधिक से अधिक लोगा वैश्विक लक्ष्यों के बारे में जानें। यह अच्छा है कि लक्ष्य विभिन्न मुद्दों को सम्मिलित करते हैं जैसे समानता, गरीबी और पर्यावरण में गिरावट क्योंकि बहुत कुछ करने की आवश्यकता है जिससे हर कोई एक अच्छा जीवन जी सके," सोफिया कहती है।

"कुछ वर्षों में, हम बच्चे ही पृथ्वी और एक दूसरे की देखरेख कर रहे होंगे। अतः हमारे पास एक अच्छा और सुरक्षित बचपन होना चाहिए। बच्चों को पढ़ाना आवश्यक है, जिससे वे अपने अधिकारों के बारे में जान लें। बस ऐसा करना एक सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक कदम है। मुझे लगता है कि स्कूल में डब्लूसीपी के साथ काम करना वास्तव में मजेदार है। यह तुमको विश्व का एक और दृष्टिकोण देता है, और मुझे लगता है कि यह हमारे समाज को बेहतर बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है," नाइक कहता है।

"मुझे दस लाख से अधिक अन्य बच्चों के साथ एक बेहतर विश्व के लिए दौड़ना बहुत अच्छा लगा। यह एक तरह की एकजुटता है और ऐसा लगता है कि हम वास्तव में विश्व की समस्याओं को हल कर सकते हैं यदि हम मिलकर काम करें," सोफिया कहती है, और नाइक आगे कहता है:

"मुझे लगता है कि यह विचार कि यहीं इतने सारे बच्चे हैं, पूरे ग्रह का भविष्य, जो पर्यावरण की परवाह करते है, हमें सुरक्षित महसूस कराता है। हम जानते हैं कि भविष्य में हम पर्यावरण और जलवायु जैसी बातों के बारे में बहुत सक्रमकता से सोचेंगे।"

लैंगिक समानता, लड़कियां और लड़के
लाबान, 11, ओडेन्सलुंड स्कूल, स्वीडन

लैंगिक समानता
वेंडेला, 11, ओडेन्सलुंड स्कूल, स्वीडन

ए बेटर वर्ल्ड

“मैं वो कहती हूं जो मै सोचती हूं!”

“जब चर्च मेमोरियल जूनियर सेकेंडरी स्कूल, मकेनी, सियरा लियोने की इसात, 15, चकोरे में माइक्रोफोन के पास जाती है, तो वह अपने हाथ से लिखे संदेश को अपने गले में पहने होती है: “बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि उनको एक सतत् पर्यावरण में कैसे रहना चाहिए।”

“मैं ‘राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड’ का जश्न मनाने और यह कहने के लिए यहां हूं कि मुझे क्या लगता है। हमारे स्कूलों और समुदायों में बाल अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। शारीरिक दंड अभी भी दिया जा रहा है और शिक्षकों का हमारे प्रति रवैया अच्छा नहीं है। हमारे नेता और बुजुर्ग बाल विवाह की प्रथा को लेकर चल रहे हैं। यदि हम वैश्विक लक्ष्यों को जारी रखना चाहते हैं, तो हमारी शिक्षा के मानक को ऊपर उठाना होगा। बच्चों को निःशुल्क स्वास्थ्य देख-रेख नहीं मिलती और मृत्यु दर अधिक हैं। हम अपने देश में कोई विकास नहीं देख रहे हैं। जब पर्यावरण की बात आती है, तो हमारा देश वनों की कटाई का केंद्र बन गया है। पूरे देश में जो पेड़ों की कटाई होती है, वह बिना पेड़ों के पौधों को लगाए हो रही है। यदि हम तत्काल कुछ नहीं करते हैं, तो हम वैश्विक गर्माहट, भूस्खलन और बाढ़ की और बढ़ रहे हैं।”

शांति और न्याय

शांति और न्याय, यही है जो अधिक्तर पोस्टरों पर लिखा था जब डीआर काँगो के बनिया शहर में कई स्कूलों ने ‘राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड’ केदौरान एक साथ मार्च किया था। लेकिन जैसा कि तुम चित्र में देख सकते हो, अन्य संदेश भी थे: *‘वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन्स प्राइज और कम असमानता’*। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बच्चे ऐसे देश में शांति और न्याय देखना चाहते हैं जहां कई सशस्त्र समूह 1998 से लड़ रहे हैं, और कई बच्चे मारे गए हैं या बाल सैनिक बनने के लिए मजबूर किये गए हैं।

लैंगिक समानता

OBEDIAS SHAWAMI PRINCE

“मेरे पिताजी एक किसान हैं और हम गरीब हैं। जब मैं स्कूल से घर आता हूं, तो मैं अपनी मां की सहायता करता हूं। ‘राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वल्र्ड’ के लिए हम अपने गांव से गुजरे। यह पहली बार था जब एक बेहतर पाकिस्तान और एक बेहतर विश्व के लिए बहुत सारे बच्चे एकत्रित हुए।”
सामिया, 10, ओकरा, पाकिस्तान

एक बेहतर पाकिस्तान के लिए घेरा

पाकिस्तान के चाह तमोली में ब्रिक ;ठत्प्ब्द्ध विद्यालय के छात्र उन परिवारों के हैं जो ईंट भट्ठों पर कर्ज के गुलाम हैं, और उन्हें स्कूल का दिन खत्म होने के बाद स्वयं ईंटें बनानी पड़ती हैं। पहले उन्होंने इस पर अपने पोस्टर बनाए जो बदलाव वे पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। फिर उन्होंने एक घेरे में, हाथ में हाथ पकड़ कर, एक बेहतर विश्व के लिए अपने ‘राउंड दि ग्लोब रन’ की शुरुआत की।

ALI HAIDER

चलो संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों

"गुड मार्निंग! हम तुमको *'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड'* के बारे में बताने जा रहे हैं। एक बेहतर विश्व में, बच्चे स्वतंत्र हैं और समाज या स्कूल में उनका लाभ नहीं उठाया जा सकता। चलिए सुनिश्चित करते हैं कि हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे क्योंकि तब लड़कियों और लड़कों के बीच समानता होगी!" युरान, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मसीया सेकेंडरी स्कूल, मोज़ाम्बिक, ज़ोर से कहता है और वहां भीड़ उसका समर्थन करती है। बाल अधिकार राजदूत स्कूल के 'राउंड दि ग्लोब रन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' के लिए जिम्मेदार हैं, और उनके भाषणों के बाद, दौड़ शुरू होती है।

"जिन लोगों ने हमें कस्बे से भागते हुए देखा था, वे चिल्लाए: 'तुम क्या कर रहे हो? यह किसके बारे में है? फिर हमने अपने सं के त दिखाये और सबसे अपनी बात कही। उन्होंने हमें अपना समथरन दिया और यह बहुत मजेदार था!" एन्जेला कहती है।

मैं एक परिवर्तनकर्ता हूं!

"मेरे लिए, 'राउंड दि ग्लोब रन' समाज को यह दर्शाता है कि हम बच्चे एक शांतिपूर्ण विश्व में रहने की मांग करते हैं जहां कोई हिंसा न हो, और जहां बच्चों का लाभ नहीं उठाया जाता हो। हम लड़कियों के यौन शोषण को समाप्त करने की मांग करते हैं, और हम दिखा रहे हैं कि हम युवा लोग इस दौड़ में भाग लेकर कुछ हासिल करना चाहते हैं।"

"हम बाल अधिकार राजदूतों ने अपने स्कूल के मित्रों को बच्चों और लड़कियों के अधिकारों और लैंगिक समानता के बारे में पढ़ाया। यह संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों में से एक है, और यह हमारे लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां लड़कियों और लड़कों के बीच कोई लैंगिक समानता नहीं है। आखिरकार, 'राउंड दि ग्लोब रन' समाज को संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों के बारे में पढ़ाने से संबंधित है। और यह महत्वपूर्ण है! आज सभी लक्ष्यों का उल्लंघन किया जा रहा है और यदि हम कुछ नहीं करते हैं, तो हमारा विश्व जीवित नहीं बचेगा। प्रत्येक व्यक्ति को यथासंभव वो सब कुछ करना चाहिए जिससे यह सुनिश्चित हो कि लक्ष्य प्राप्त किए जाएंगे। हमारे बच्चों को वास्तव में लक्ष्यों को गंभीरता से लेने चाहिए क्योंकि यह हमारा भविष्य है।"

"हम बाल अधिकार राजदूत हर शनिवार और रविवार को मिलते हैं। हम परिवारों का दौरा करते हैं और लड़कियों और बच्चों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं। एक बाल अधिकार राजदूत की तरह, मैं वास्तव में स्थिति बदलने का एक भाग बन सकती हूं। मेरा सपना एक सामाजिक कार्यकर्ता बनना और बच्चों की सुरक्षा करना है।"

एलाइन, 13, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मसीया सेकेंडरी स्कूल

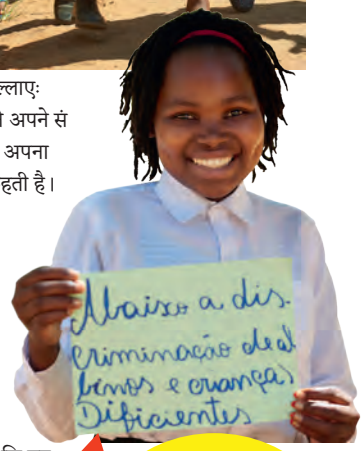

"अल्बिनो तथा विकलांग बच्चों के विरुद्ध भेदभाव बंद करो"
एन्जेला, 14

विकलांग बच्चों के लिए दौड़

"आज यहां मसीया में, हम सभी को यह दिखाने के लिए दौड़े कि हम संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ लड़ रहे हैं। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत की तरह, मैं संयुक्त राष्ट्र के समान लक्ष्यों को साझा करती हूं। मुझे लगता है कि यह लक्ष्य वास्तव में महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे दुनिया के अस्तित्व के बारे में हैं। यदि मुझे एक ऐसा लक्ष्य चुनना होता जो विशेष रूप से महत्वपूर्ण लगता, तो वह संख्या 10 होता। यह कहता है कि सभी के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए और सबको समान अवसर मिलने चाहिए, जिसमें विकलांग बच्चे भी शामिल हैं। हमारे स्कूल का एक लड़का व्हीलचेयर का उपयोग करता है और उसे कक्षाओं में जाना कठिन पड़ता है। वह या तो जल्दी स्कूल जाता है क्योंकि उसे स्कूल जाने की तैयारी करने में काफी समय लग जाता है, या फिर उसे आशा होती है कि उसका कोई सहपाठी उसकी सहायता करेगा। लेकिन हर कोई दयालु नहीं होता। उसके पास मेरे जैसे ही अधिकार हैं, लेकिन उसे स्कूल जाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है। यह सही नहीं है!

"हमें सभी स्कूलों, और पूरे समाज को अनुकूलित करने की आवश्यकता है, जिससे विकलांग बच्चों के अधिकारों का सम्मान हो। मुझे लगता है कि उन सभी विकलांग बच्चों के लिए निःशुलक बसें होनी चाहिए, जिन्हें स्वयं स्कूल जाने में कठिनाई होती है। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत की तरह, मैं लोगों में परिवर्तन ला सकती हूं कि वे विकलांग बच्चों को किस नज़रिए से देखते हैं।"

एन्जेला, 14, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मसीया सेकेंडरी स्कूल

"जल्दी शादी और बच्चों की तस्करी बंद करो"
एलाइन, 13

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

को प्राप्त करते हैं!

लैंगिक समानता के लिए दौड़

"आज सुबह की सभा में मैंने शुरुआत की क्योंकि मैं अन्य बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में बताना चाहता था। मैं मुख्य रूप से लड़कियों और लड़कों के बीच असमानताओं के बारे में बात करना चाहता था। संयुक्त राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य यह है कि वर्ष 2030 तक लड़कों और लड़कियों के अधिकारों और मूल्य के बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिए। लेकिन यहां लड़कों और लड़कियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। एक परिवार में बेटियों को कभी-कभी स्कूल जाने का अवसर नहीं मिलता क्योंकि उन्हें काम करना पड़ता है, जबकि उसी परिवार के बेटे स्कूल जाते हैं। यह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। और कभी-कभी अच्छे ग्रेड एवं परीक्षा परिणाम के बदले में शिक्षकों द्वारा लड़कियों का यौन शोषण किया जाता है। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए। यह लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य को सदैव के लिए नुकसान पहुँचा देता है! एक लड़का होते हुए, मुझे इस बात पर शर्म आती है। लड़कियों और लड़कों के समान अधिकार हैं और उनके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। एक बेहतर विश्व के लिए और एक बेहतर मोजाम्बिक के लिए 'राउंड दि ग्लोब रन' के दौरान आज हमने अपने समुदाय को यही दिखाया। मेरा स्वयं का सपना इंजीनियर बनने का है।"

युरान, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मसीया सेकेंडरी स्कूल

लड़कियों का सम्मान नहीं किया जाता

"आज मैं एक बेहतर विश्व के लिए दौड़ा और बाल अधिकारों का सम्मान किये जाने के लिए कहता हूं। कुछ मामलों में, यहां बच्चों का सम्मान किया जाता है, लेकिन हमेशा नहीं। मैं एक 13 साल की लड़की को जानता हूं, जो गरीब है, वह उन संतरों को उठाती थी जो इस क्षेत्र के एक पड़ोसी के पेड़ से यहां जमीन पर गिर जाते थे। एक दिन, पड़ोसी ने उससे कहा कि उसे घर में आना चाहिए और उससे जो कहा जाए वह करना चाहिए। अन्यथा उसे आगे से, संतरे उठाने की अनुमति नहीं होगी। पहले उसने मना कर दिया, लेकिन क्योंकि वह जानती थी कि वह उसे फिर से भूखी रहेगी, तो वह मान गई। घर में पुरुष ने लड़की से दुष्कर्म किया, और वो गर्भवती हो गई। यह बिलकुल गलत है और बाल अधिकारों का एक गंभीर उल्लंघन है!

"हमारे यहाँ लड़कियों के अधिकारों का उसी तरह से सम्मान नहीं किया जाता है जैसा कि हमारा होता है। घर पर वे सभी काम करती हैं, जबकि लड़के सिर्फ अपने मित्रों के साथ घूमते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। कुछ परिवारों में, लड़कियों को इतना काम करने के लिए मजबूर किया जाता है कि उनके पास अपना होमवर्क करने या स्कूल जाने तक का समय नहीं होता। मेरे परिवार में, मेरी बहन और मैं काम को साझा करते हैं। मैं साफ-सफाई करता हूं, कपड़े धोता हूं और अन्य काम भी करता हूं। हम एक दूसरे की सहायता करते हैं, और मुझे लगता है कि बिलकुल ऐसे ही होना चाहिए।"

"मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूं और मुझे दूसरों को प्रभावित करने का अवसर मिला है। मेरे लिए अन्य लड़कों से बात करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिससे वे वयस्क होने पर अपनी बेटियों और पत्नियों के साथ अच्छा व्यवहार करें। जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तो मैं एक पुलिसकर्मी बनना चाहता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि तब मैं बच्चों की सुरक्षा करने में सक्षम हूंगा।"

डेल्टसन, 10, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मसीया सेकेंडरी स्कूल

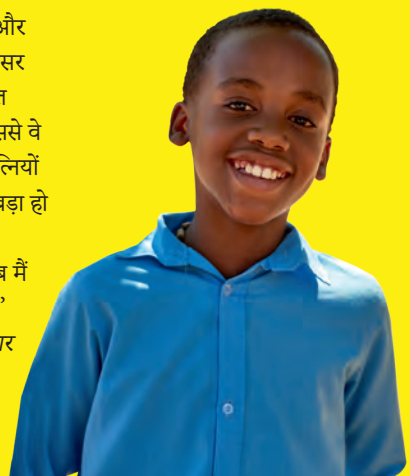

"स्कूलों और समुदायों में हिंसा बंद करो"
दुलसे, 13

"बच्चों के भविष्य की रक्षा करने में सहायता करो"
फेलियो, 13

"हम सभी संस्थानों में रैंप चाहते हैं" (विकलांगों के लिए)
अनसेरा, 14

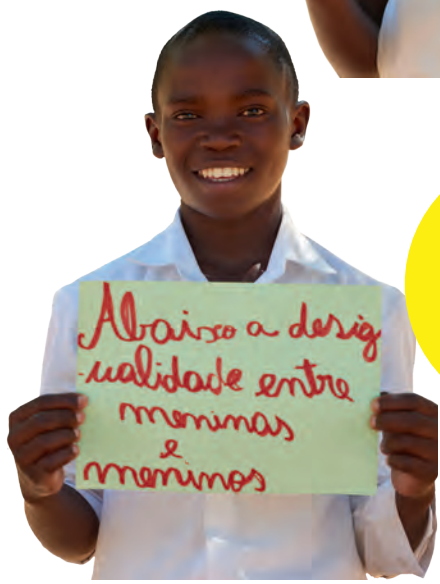

"लड़कों और लड़कियों के बीच असमानताओं को रोको"
चेल्टन, 13

दि नो लिटर जेनरेशन

कचरा लगभग हर जगह पृथ्वी पर पाया जा सकता है - भूमि पर, झीलों में और महासागरों में। लेकिन तुम और विश्व भर के अन्य बच्चे एवं युवा परिवर्तन ला सकते हो। नो लिटर पीढ़ी के माध्यम से, तुम हर बच्चे के एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में अधिकार के लिए खड़े हो सकते हैं, और जलवायु परिवर्तन से लड़ सकते हो।

मानव इतिहास केबहुमत केलिए, कचरा एक बड़ी समस्या नहीं रही है। इसका अधिकांश भाग जैविक, भोजन और रसोई का कचरा था, जो विघिटत हुआ और वापस पृथ्वी में चला गया।

समस्याएं तब शुरू हुईं जब शहर आकार में बढ़े हुए और हमने परयोगात्मक नई सामगरीयां पराप्त की जैसे प्लास्टिक। सुरक्षित कन्टेनरों में भोजन और अन्य सामान को स्टोर करना आसान था। हालाँकि, इसने बहुत अधिक अपशिष्ट उत्पन्न किया जो अपने आप विघिटत नही होता।

प्लास्टिक नहीं समाप्त होता

प्लास्टिक कचरे को छोटे अंशों में विघिटत होने में सैकड़ों, या हजारों साल लग सकते हैं। यह हवा में या निदयों और बारिश केपानी दवारां लंबी दूरीयों तक यातरा कर सकते हैं। हमारे महासागरों में परति वषर 80 लाख टन प्लास्टिक पहुंचता है। प्लास्टिक केछोटे टुकड़े (माइकरोप्लास्टिक्स) नुकसान पहुंचा सकते हैं। माइकरोप्लास्टिकस को छोटे जीवों जैसे पशु प्लवक तथा क्लैम दवारा खाया जा सकता है। जब इन जीवों को बड़े जानवरों दवारा खाया जाता है, तो प्लास्टिक खादय शरृंखला में आगे चला जाता है। अंत में, तुम जिस मछली को रात केखाने में खाते हो, उसमें प्लास्टिक हो सकता है।

कचरा निपटाने में पैसा खचर होता है

यह अनुमान लगाना किठन होगा कि सारे विश्व में कचरे केनिपटान में कितनी लागत आती है। कई देश कचरे को साफ करने और उठाने में बहुत सारे संसाधन लगाते हैं, लेकिन शुरू से ही कचरे को सही तरह से निपटाना सस्ता पड़ता है।

जिस अपशिष्ट का पुर्ननवीनीकरण किया जा सकता है या जलाया जा सकता है, उस विशेष कचरे के ढेरों में रखा जाना चाहिए, जहां यह पर्यावरण को कम से कम हानि पहुंचाता है। लेकिन बहुत से लोग लापरवाह होते हैं और वस्तुओं को गलत जगह फेंक देते हैं। जिन सामग्रियों का पुर्ननवीनीकरण किया जाना चाहिए, यदि वह उस कचरे में पहुच जाता है जिसे जला दिया जाता है, और बहुत कुछ कचरे के रूप में जमीन पर पहुंच जाता है। यह पृथ्वी के संसाधनों की बर्बादी है क्योंकि बहुत सी वस्तुओं का उपयोग बार-बार किया जा सकता है।

जब कचरे को बिना सोचे-समझे फेंक दिया जाता है, तो यह दोनों पशुओं और लोगों को हानि पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए, रोग मल और सुइयों के माध्यम से फैलते हैं। बहुत सारे कचरे में खतरनाक पदार्थ भी होते हैं जिन्हें प्रकृति में रिसना नहीं चाहिए।

धन का अर्थ है अधिक अपशिष्ट

अमीर देश विशेष रूप से शहरों में सबसे अधिक अपशिष्ट और कचरा उत्पन्न करते हैं। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी लग सकता है कि गरीब देशों में अधिक कूचरा है क्योंकि उनके पास अक्सर कचरे को इकट्ठा करने और रिसाइकल करने के लिए अच्छी प्रणालायों की कमी होती है। परिणामस्वरूप, कई लोग सड़कों पर अथवा खुले कचरे के ढेरों में कूड़ा फेंकने के लिए मजबूर होते हैं। बहुत सारे कचरा एवं अपशिष्ट उड़ सकता है और झीलों एवं महासागरों में पहुंच सकता है।

दूसरी ओर, धनवान देश अपने कचरे का निपटान कर सकते हैं। इसलिए वह सड़कों पर उतना नहीं दिखता है। कभी-कभी कुछ बहुत खतरनाक कचरे जैसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे और रसायनों को गरीब देशों में तक भेज दिया जाता है।

कचरा वह सब कुछ है जो जमीन पर या झीलों और समुद्रों में समाप्त होता है, और उसे वहाँ नहीं होना चाहिए, जैसे कांच की बोतलें, प्लास्टिक की थैलियां, टिन, सिगरेट के अंश या मिठाईयों के रैपर।

परिवतरन केलिए काम करना

यह सुनिश्चत करना सभी की जिम्मेदारी है कि हर जगह केलोग, खासकर बच्चे, सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण में रहें। इन समस्याओं को हल करने और जलवायु परिवतरन से लड़ने केलिए देशों को मिलकर काम करना होगा। कचरे की देखभाल, पुनचर्क्रण और कूड़े-कचरे की देखभाल करना संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों को 2030 तक पराप्त करने और जलवायु संकट को हल करने में सहायता करेगा।

देशों को सही काम करना आसान बनाना चाहिए, उदाहरण के लिए, ढक्कन के साथ अधिक कचरे के डिब्बे लगाकर, जिससे अपशिष्ट उड़े नहीं, और पुर्ननवीनीकरण प्रणालियों में सुधार होना चाहिए।

पूरे विश्व में, प्रति वर्ष लगभग 45,000 करोड़ सिगरेट अंश जमीन पर गिराए जाते हैं! यदि तुम इन सभी सिगरेट अंशों को एक रेखा में लगाओ, तो रेखा 90,000,000 किलोमीटर लंबी होगी। यह चंद्रमा को 117 बार आने-जाने के बराबर है। और सिगरेट के अंश को इतने छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ने में, कि इसे देखा नहीं जा सके, लगभग तीन साल लग जाते हैं। लेकिन छोटे टुकड़े भी नुकसान कर सकते हैं। नॉर्वे में एक फंसी व्हेल के पेट में 30 प्लास्टिक बैग थे। यदि यह चलन जारी रहा तो वर्ष 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्रीपक्षीयों ने प्लास्टिक खा लिया होगा।

कई देशों ने प्लास्टिक बैगों के मूल्य पर प्रतिबंध लगा दिया है या उसे बढ़ा दिया है। अफ्रीका में रवांडा विश्व का पहला देश था जिसने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाया।

निर्माता - जो कंपनियां प्लास्टिक पैकेजिंग बनाती हैं, उन्हें बेहतर पैकेजिंग विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो कचरे के रूप में विघटित नहीं हो।

नॉर्वे में एक फंसी व्हेल के पेट में से 30 प्लास्टिक की थैलियां निकलीं। यदि यह चलन जारी रहा तो वर्ष 2050 तक सभी समुद्री पक्षियों में से 99 प्रतिशत ने प्लास्टिक खा लिया होगा।

कचरे के बारे में सबसे अच्छी और बुरी बातें

सबसे अच्छी बात यह होती यदि कोई कचरा होता ही नहीं। शायद हम कम पैकेजिंग का उपयोग कर सकते?

- कोई भी कचरा जो उत्पादित किया जाता है उसका आदर्श रूप से पुर्नउपयोग या पुर्ननवीनीकरण किया जाना चाहिए। तब हमारा सामान और सामग्री फिर से उपयोगी हो सकती है और इससे पृथ्वी के संसाधनों को बचाने में सहायता मिलेगी।
- यदि यह संभव नहीं हो, तो कचरे को जला देना जाना चाहिए या कचरे के ढेर पर ले जाना चाहिए। लेकिन हमें इसे ठीक से करना चाहिए, इसलिए हम हवा, जमीन या पानी को दूषित नहीं करते हैं।
- सबसे बुरी बात यह है यदि अपशिष्ट जमीन पर या नदियों, झीलों और समुद्रों में कचरे के रूप में समाप्त हो जाता है।.

15 मई 2020 को 'नो लिटर दिवस' पर, हर जगह बच्चे दिखायेंगे कि वे 'कचरा रहित पीढ़ी' के हैं। तुमको यह सब करना है:

- कचरा उठाओ और देखो कि वह जगह अच्छी लगे।
- सबको स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने के बच्चों के अधिकार के बारे में और जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी फैलाओ।
- कचरे को तौलो और कुल वजन की रिपोर्ट डब्लूसीपी को दो!
- सुनिश्चित करो कि सभी एकत्र किया गए कचरे का पुर्ननवीनीकरण किया जाए या वह वहां जाए जहां उसे सुरक्षित संग्रहीत कर दिया जाए।

भारत

"यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम मां प्रकृति की रक्षा करें।"
कुंसंग, 14, सरस्वती विद्या दान स्कूल, दार्जिलिंग, भारत

नेपाल

टेरेसा अकादमी, काठमांडू के बच्चे

विश्व भर में

स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड के बेंचोरी-डेवेनिक स्कूल में बच्चे हैरान थे कि उन्हें एक छोटे से क्षेत्र में इतना सारा कूड़ा मिला।

फिलीपीन्स

"हमारी पृथ्वी पर स्वच्छ पानी होना होगा। पानी के बिना, कोई जीवन नहीं है!"
शीना, नेग्रोस स्कूल, डुमागुएटे, फिलीपीन्स

दक्षिण अफ्रीका

प्रीमियर मीसिएस्कूल औरेंज स्कूल, ब्लूएमफोंटीन

युगांडा

ब्राज़ील

सेनेगल

नो लिटर दिवस

डीआर काँगो

"आज मुझे एहसास हुआ कि हम बच्चों को एक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है। हमने सफाई की है और अपने माता-पिता से कहा है कि उन्हें इस क्षेत्र को वैसा ही अच्छा बनाए रखने में सहायता करनी है जैसा कि हमने इसे आज बनाया है।"
मुम्बेरे, 13, सेंट-साइमन स्कूल, गोमा, डीआर काँगो

बर्मा/म्यांमार

प्लौ खी स्कूल

बुर्कीना फासो

प्राइमेर प्रिवी सिल्मीयीरी स्कूल

वेस्टर्न हॉल स्कूल में वज़न लेना

नाइजीरिया

सियरा लिओन

पाकिस्तान

गिनी

गिनी में, छात्रों ने 'कचरा रहित दिवस' के दौरान जलवायु संकट के बारे में जानकारी फैलाई।

घाना

ध्यान दें!
सावधान रहो कि कचरा तुमको बीमार न करे! दस्ताने और मुखौटा पहनो और एक वयस्क से सहायता लो यदि तुमको कोई तेज या अन्य तरह से खतरनाक वस्तु मिले।

स्वीडन

टोगो

तुमको कितनी पृथ्वीयां चाहिए?

सब लोगों को भोजन और पानी, अपने सिरों पर एक छत और कभी-कभी, जीवित रहने के लिए गर्मी की आवश्यकता होती है। हम सभी पृथ्वी के संसाधनों को साझा करते हैं, लेकिन कुछ लोग दूसरों की तुलना में उनका बहुत अधिक उपयोग करते हैं। सारे विश्व में हम ऐसे भोजन करते हैं, यात्रा करते हैं और उपभोग करते हैं, जैसे कि मानो हमारे पास 1.7 पृथ्वीयां हों!

प्रत्येक मानव अपने रहन-सहन द्वारा ग्रह को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, इसमें यह शामिल है कि हम क्या खाते हैं, क्या वस्तुएं खरीदते हैं और कैसे यात्रा करते हैं। किसी देश या व्यक्ति पर कितना प्रभाव पड़ता है, इसे अक्सर हमारा पारिस्थितिक पदचिह्न कहा जाता है। कुवैत और यूएसए जैसे देशों के साथ, स्वीडन में प्रति व्यक्ति का दुनिया में सबसे बड़ा पारिस्थितिक पदचिह्न है।

पदचिन्ह क्या है?

एक पारिस्थितिक पदचिह्न उस 'छाप' को संदर्भित करता है जो प्रकृति में प्रत्येक व्यक्ति पृथ्वी की सतह पर बनाता है। हम जितने अधिक संसाधनों का उपयोग करते हैं, उतना ही पर्यावरण को प्रभावित करते हैं।

तुम्हारे पदचिह्न का आकार उसी क्षेत्र से ही नहीं जुड़ा है जिसका उपयोग तुम अपने उत्पादानों के लिए करते हो, भोजन से लेकर यंत्रों तक, बल्कि उस क्षेत्र के साथ भी जिसकी जरुरत तुमको अपने अपशिष्ट को निपटाने में पड़ती है।

छोटी, रोजमर्रा की क्रियाएं बड़ा बदलाव ला सकती हैं। याद रखोः

- कचरे को जमीन पर नहीं फेंको।
- अनावश्यक वस्तुएं नहीं खरीदो।
- मरम्मत, पुर्नउपयोग और पुर्नचक्रण।
- अक्षय ऊर्जा का उपयोग करो।
- तुम और क्या कर सकते हो?

इस ग्रह पर जितनी भूमि और संसाधन मौजूद हैं, इसके आधार पर, तुम गणना कर सकते हो कि तुम जैसे रहते हो वैसे यदि हर कोई रहता हो तो हमें कितनी पृथ्वीयों की आवश्यकता होगी।

बड़े हस्तछाप

यदि तुम पर्यावरण के लिए अच्छे काम करते हो, जैसे कि अधिक पुर्नचक्रण करना और पानी का संरक्षण करना, तो तुम्हारी पारिस्थितिक हस्तछाप बढ़ जाती है। यह सहायता करता है कि तुम्हारे द्वारा खरीदी गई वस्तुएं और तुम्हारे द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा का उत्पादन ऐसे होता हो कि प्रकृति को कम से कम प्रभावित करता हो। उदाहरण के लिए, यदि तुम जिस कार में यात्रा करते हो, वह जीवाश्म ईंधन के बजाय बिजली से चलती हो। अक्सर दुनिया के दूसरी तरफ उगाये जाने वाले पदार्थ जिन्हें तुम्हारे देश में ले जाया जाता है, की तुलना में स्थानीय रूप से उगाया गया भोजन एक छोटा पदचिह्न छोड़ता है।

अधिक अपशिष्ट बनाएँ

धनवान देशों में, पिछले 20 वर्षों में, प्रति व्यक्ति द्वारा कचरा उतपन्न करने की मात्रा कई गुना अधिक हो गई है, और इसे बदलना होगा। अपशिष्ट में कार्बन डाइऑक्साइड भी होती है, वो गैस जो तब बनती है जब हम तेल, पेट्रोल और कार्बन का उपयोग करते हैं, या कचरा और लकड़ी जलाते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड एक ग्रीनहाउस गैस है जो जलवायु परिवर्तन को काफी प्रभावित करती है, जिस कारणं सूखा, बाढ़ और महासागरों में अम्लीकरण होता है। विभिन्न देशों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। स्वीडन में, आधे से अधिक पदचिह्न का कारण कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन है। बहुत कुछ हमारे भोजन एवं उपकरणों के उपभोग पर निर्भर करता है।

बड़े, धनी पदचिह्न

धनवान देशों के पास सबसे बड़ा पारिस्थितिक पदचिह्न है, जबकि गरीबों के पास उनकी अपेक्षा काफी छोटे पदचिह्न हैं। कभी-कभी एक ही देश में विभिन्न लोगों के बीच बड़े अंतर होते हैं। अमेज़ान वर्षावन का एक बच्चा लगभग कोई संसाधनों का उपयोग नहीं करता, जबकि एक धनवान रेंजर के पास अपना हवाई जहाज, कई कारें, वातानुकूलन और एक तैरीकी पूल हो सकता है। यह एक विशाल पदचिह्न बनाता है।

अब क्या होना है?

समृद्ध स्थानों में अपने पदचिह्नों को कम करने के लिए उत्पादन और खपत को कम करना चाहिए। साथ ही, दूसरी ओर, कई गरीब लोगों को बिजली, गर्मी, भोजन और स्वच्छ पानी के साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए अपने पदचिह्नों को बढ़ाने की आवश्यकता है। चुनौती यह है कि पर्यावरण के लिए खतरनाक विकल्पों की तुलना में बेहतर जीवन के लिए एक पर्यावरण के अधिक अनुकूल रास्ता ढूंढना है जो अमीर देश लंबे समय से उपयोग कर रहे हैं।

यदि हर कोई दुनिया के औसत निवासी की तरह रहता है, तो हमें 1.7 पृथ्वीयों की आवश्यकता होगी। और अगर हर कोई रहता है जैसे वे निम्न देश में रहते हैं तो हमें आवश्यकता होगी...

...उत्तरी अमेरिका = 5 पृथ्वीयां

...अफ्रीका = 0.8 पृथ्वीयां

...दक्षिण अमेरिका = 1.8 पृथ्वीयां

...यूरोप = 2.8 पृथ्वीयां

...एशिया = 0.7 पृथ्वीयां

NAINA HELEN W. JÅMA/AFTONBLADET/TT

MINAS PANAGIOTAKIS/TT

विश्व के बच्चे ग्रेटा के साथ जलवायु के लिए हड़ताल करते हैं

16 वर्ष की आयु में, ग्रेटा, इस बात का सबूत है कि बच्चे एक बड़ा अंतर ला सकते हैं। सितंबर 2018 में, वह स्वीडन के संसदीय भवन के सामने हर शुक्रवार को, जलवायु के लिए अपने स्कूल से हड़ताल पर, अकेली खड़ी हो जाती थी। उसने मांग की कि वयस्क लोग विज्ञान की सुनें और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाएं, जो लोगों, जानवरों और प्रकृति के लिए खतरा है।

ग्रेटा का विरोध सोशल मीडिया के माध्यम से पूरी दुनिया में तेजी से फैल गया। अन्य देशों के बच्चे ग्रेटा से प्रेरित थे और उन्होंने हर शुक्रवार को हड़ताल करना शुरू कर दिया। उनकी लड़ाई ने 'फ्राइडेस फॉर फ्यूचर' नामक एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित किया।

सितंबर 2019 में, एक शुक्रवार को, 160 से अधिक देशों में चालीस लाख लोग ग्रेटा के साथ जलवायु के लिए हड़ताल पर चले गए। क्या तुम उनमें से एक थे?

"हमारे लिए तुम असफल हो रहे हो। लेकिन युवा लोग तुम्हारे विश्वासघात को समझने लगे हैं। आने वाली सभी पीढ़ियों की नज़रें तुम पर है।"
ग्रेटा, 16, के 2019 में यूएन को, अपने भाषण में

पृथ्वी के संसाधन कितने समय तक चलेंगे?

जितना पानी, भोजन, ऊर्जा प्रकृति एक वर्ष में उत्पन्न कर सकती है, मानवता उससे अधिक की खपत करती है। कुछ देश दूसरों की अपेक्षा कहीं अधिक संसाधनों का उपयोग करते हैं। हा साल, जिस दिन सारे संसाधन समाप्त हो जाते हैं, उसे उस साल का 'ओवरशूट दिवस' कहा जाता है, और 2019 में यह 29 जुलाई को पड़ा था!

"हमारे लिए तुम असफल हो रहे हो। लेकिन युवा लोग तुम्हारे विश्वासघात को समझने लगे हैं। आने वाली सभी पीढ़ियों की नज़रें तुम पर है।"
ग्रेटा, 16, के 2019 में यूएन को, अपने भाषण मे

जैसा कि तुम चित्र में देख सकते हो, कुछ देशों ने वर्ष के अंत से काफी पहले अपने संसाधनों का उपयोग कर लिया, जबकि कई देशों में ऐसा बिलकुल भी नहीं हुआ। उनका पारिस्थितिक पदचिह्न इतना छोटा है कि उनके संसाधन पर्याप्त हैं।

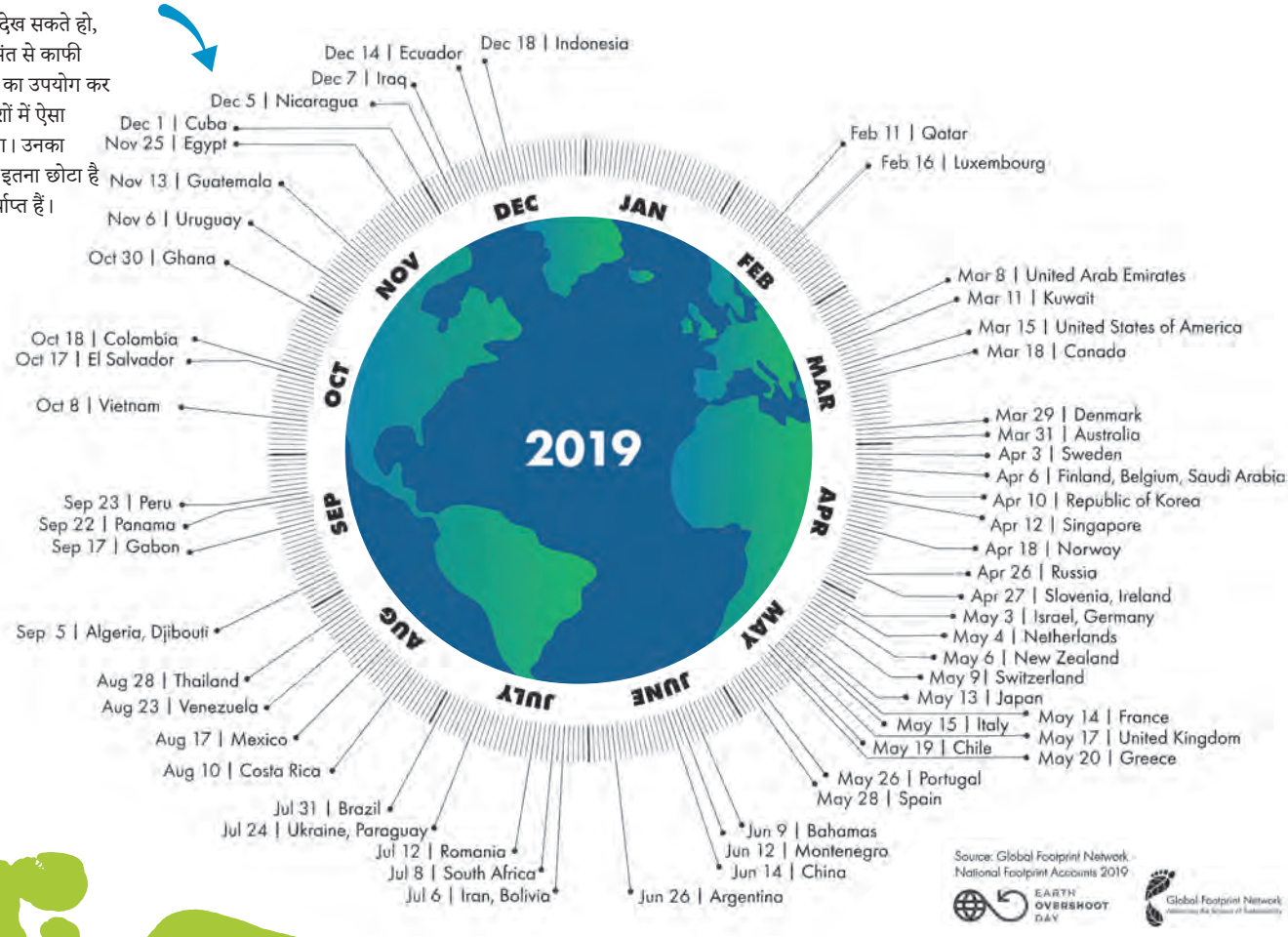

पृथ्वी गर्म हो रही है ...

सूर्य की किरणें धरती से टकराती हैं और गर्मी में बदल जाती हैं जो पृथ्वी की सतह से निकलती है। ग्रीनहाउस गैसें इस गर्मी विकिरण को अंतरिक्ष में गायब होने से रोकती हैं। जब वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर बढ़ता है, तो अधिक गर्मी पीछे छूट जाती है और पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है।

कुछ महत्वपूर्ण ग्रीनहाउस गैसें हैं कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) एवं मीथेन (CH_4)। अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड मुख्य रूप से कारों, कोयले की आग, तेल की आग, कारखानों तथा विमानों द्वारा वातावरण में छोड़ी जाती है। उत्तरी गोलार्ध (hemisphere) में विकसित देश सबसे अधिक उत्सर्जन करते हैं। चीन भी भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है। जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होती जाती है, वैसे-वैसे वह सभी देशों को प्रभावित करत जाती है।

जलवायु में परिवर्तन

जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होगी, हमारी जलवायु में परिवर्तन होगा। जलवायु मौसम की एक लंबी अवधि को कहते हैं। उदाहरण के लिए, यह आमतौर पर कितनी गर्म होती है, कितनी बार हमें वर्षा मिलती है और शायद सूखा मौसम सामान्य रूप से कितना लंबा और कितना गर्म होता है। एक अधिक गर्म पृथ्वी का अर्थ है कि सूखा मौसम अधिक लंबा हो सकता है, प्रति वर्ष, वर्षा नहीं हो, या इसके विपरीत हो सकता है और कुछ स्थानों पर अधिक मूसलाधार वर्षा और बाढ़, जहां तुम रहते हो। शायद अधिक तूफान भी आएं, और वे शक्तिशाली हो सकते हैं।

समुद्रों के बढ़ते स्तर

जैसे-जैसे पृथ्वी गर्म होती है, समुद्र का स्तर बढ़ता है। अधिक्तर क्योंकि गर्म पानी फैलता है और अधिक जगह लेता है, लेकिन यह भी क्योंकि ग्लेशियर (भूमि पर बर्फ) पिघल जाते हैं और समुद्र में बह जाते हैं। ग्रीनलैंड एवं अंटार्कटिका में सबसे अधिक भूमि बर्फ है। समुद्री स्तरों के बढ़ने पर तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में बड़े बदलाव होंगे। यदि समुद्री जल खेतों और घरों को ढक देता है तो लोग इन क्षेत्रों में नहीं रह पाएंगे।

यह कहना कठिन है कि पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों में कैसे जलवायु परिवर्तन होगा, लेकिन हम निश्चित रूप से जानते हैं कि पृथ्वी के गर्म होते ही जलवायु परिवर्तन होगा। यदि पृथ्वी बहुत गर्म हो जाती है, तो कुछ देशों में रहना असंभव हो सकता है, और सबसे खराब स्थिति में परिवर्तन इतने अधिक हो सकते हैं कि लगभग पूरा ग्रह निर्जन हो जाता है! अगर कुछ नहीं किया जाता, तो पृथ्वी गर्म होती रहेगी!

जीवाश्म ईंधन

जीवाश्म ईंधन पुराने संयंत्र सामग्री के अवशेष हैं जो सैकड़ों लाखों वर्षों से धरती में एकत्रित हो गए हैं। जब लोग कोयला, तेल या प्राकृतिक गैस जलाते हैं, तो हम कुछ ही वर्षों में उतनी कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ देते हैं जो कई लाखों वर्षों में पौधों द्वारा अवशोषित की गई है! यही कारण है कि जीवाश्म ईंधन जलने से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बहुत तेजी से बढ़ रही है।

जंगलों का गायब होना

जब बड़ी जंगलों की आगें होती हैं, तो वह वातावरण में बहुत अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती है। यह कार्बन डाइऑक्साइड बाद में फिर से अवशोषित की जा सकती है यदि जंगल फिर से बढ़ा हो जाता है। यह एक प्राकृतिक चक्र है जो पृथ्वी के इतिहास में चलता रहा है। लेकिन यदि जंगलों को काट दिया जाए, या इससे बदतर, जला दिया जाए, बिना किसी नए जंगल को उगाए, तो वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाएगी, क्योंकि जलने से निकली कार्बन डाइऑक्साइड को नए पेड़ों द्वारा अवशोषित करके संग्रहीत नहीं किया जा सकता!

वातावरण में ग्रीनहाउस गैसें गर्मी विकरण (लाल तीर) को अंतरिक्ष में गायब होने से रोकती हैं।

ILLUSTRATION: JAN-ÅKE WINQVIST TEXT: JAN-ÅKE WINQVIST & CARMILLA FLOYD

यदि हम कार्यवाही नहीं करेंगे

अत्यधिक खराब मौसम एवं उच्च तापमान

सूखा, बाढ़ तथा प्राकृतिक आपदाएँ पृथ्वी पर सभी को प्रभावित करती हैं, लेकिन गरीब देशों में बच्चों के अधिकार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

रोग

मलेरिया एवं डेंगू बुखार, तथा जलजनित रोग जैसे हैजा एवं दस्त बढ़ जाते हैं और दुनिया के अधिक क्षेत्रों में तेजी से फैल जाते हैं। अधिक बच्चे बीमार होंगे और मरेंगे।

भूख

वर्ष 2050 तक भूखे और कुपोषित बच्चों की संख्या में 2-2.5 करोड़ की बढ़त होने का अनुमान है।

युद्ध एवं संघर्ष

असमानता और गरीबी से हिंसा और युद्ध का खतरा बढ़ जाता है। यह बच्चों, विशेषकर लड़कियों को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

आर्थिक संकट

गरीब बच्चे अधिक बीमार होते जाएंगे और भूखे रह जाएंगे, और कभी-कभी बेघर। बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के बजाय काम करने के लिए मजबूर भी होना पड़ेगा। लड़कियों का स्कूल जाना पहले छूटेगा।

शरणार्थी संकट

अनेकों बच्चों को अपना घर छोड़ना पड़ता है जब गाँव और कस्बे निर्जन हो जाते हैं। युद्ध और संघर्ष भी बच्चों के परिवारों को उनके घरों से भागने के लिए मजबूर कर देता है। बच्चों की स्कूली शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होता है, विशेषतः उनका मानसिक स्वास्थ्य।

यदि हम इस पर अभी कार्यवाही करें!

भूख और गरीबी कम

फसल बेहतर होगी और सूखे या बाढ़ से नष्ट नहीं होगी। बच्चों के पास खाने के लिए पर्याप्त होगा और वे स्वस्थ होंगे।

साफ पानी एवं स्वच्छता

बच्चे स्वस्थ रहेंगे, स्कूल जा सकेंगे, खेल सकेंगे और अपना विकास कर सकेंगे। स्वच्छ पानी तक पहुंच विशेष रूप से लड़कियों को पढ़ाई करने और खेलने के लिए अधिक समय देगा, क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तक नहीं चलना पड़ेगा।

बचाव एवं सुरक्षा

अधिक से अधिक समानता और लैंगिक समानता लोगों और देशों के जोखिम को कम करती है जो भूमि और प्राकृतिक संसाधनों केक्षेत्रों में हिंसक संघर्ष में शामिल होते हैं।

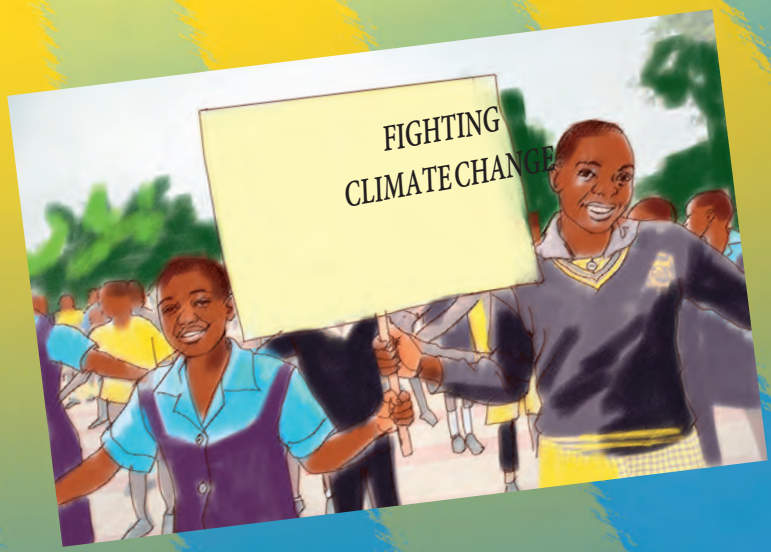

जलवायु पर्विर्तन से लड़ना

एक स्थायी ज़िन्दगी जियो

सबको प्रयास करना चाहिए कि वे एक स्थायी ज़िन्दगी जीये। लेकिन यह धनी देशों द्वारा लंबी समय तक उत्सर्जन और बर्बादी है जिस कारण वर्तमान जलवायु संकट है। धनी देशों को अब उन गरीब देशों का समर्थन करना चाहिए जहां बच्चे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पीड़ित हैं।

जलवायु-स्मार्ट

धनवान लोग लंबे समय से आरामदायक जीवन जीने के लिए संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, इस पर्यावरणीय रूप से हानिकारक तरीके के विनाशकारी परिणाम हुए हैं। हमें अब अधिक जलवायु-स्मार्ट विकल्पों की आवश्यकता है, ताकि पृथ्वी पर हर कोई एक सभ्य जीवन जी सके। धनी देशों के पास विकास की अगुवाई और वित्त की बड़ी जिम्मेदारी है।

बच्चे कार्रवाई की मांग करते है

आज, दुनिया भर में बच्चे अपनी पीढ़ी और आने वाली पीढ़ीयों के लिए एक ऐसी दुनिया की विरासत के लिए लड़ रहे हैं जहाँ लोग और पर्यावरण स्वस्थ हों। बच्चे मांग कर रहे हैं कि वयस्क और निर्णय लेने वाले लोग विज्ञान की सुनें और जलवायु परिवर्तन को रोकने एवं स्थायी समाज के निर्माण हेतु सब कुछ करें।

एस्थर, 16, एडम स्कूल, डीआर कॉंगो, से 'कृपया असमानताओं को कम करो' का संकेत उठाये है, और पत्रकारों को उत्तर देता है: "बच्चों को स्कूल और घर दोनों में एक अच्छी शिक्षा की आवश्यकता है।"

OBEIDAS SHAMWAMI PRINCE/WCPF

अपनी आवाजें सुनवाओ!

क्या तुम और तुम्हारे मित्र, बाल अधिकारों और वैश्विक चुनौतियों के बारे में ज्ञान साझा करना चाहते हो? अपनी आवाज़ें मीडिया के माध्यम से सुनवाओ। जागरूकता बढ़ाने से सत्ता वाले लोगों पर दबाव पड़ता है, जिससे जब वे निर्णय लेते हैं, तो बच्चों के बारे में अधिक सोचते हैं।

प्रति वर्ष, जब एक बार लाखों बच्चों के मत ग्लोबल वोट में गिन लिए जाते हैं, तब बच्चे दुनिया भर में एक ही दिन अपने स्वयं के विश्व बाल सम्मेलन का आयोजन करते हैं। वे बाल अधिकारों के लिए सम्मान की मांग करते हैं और बताते हैं कि किस प्रत्याशी को सबसे अधिक वोट मिले हैं और 'दि वर्ल्ड्स चिल्ड्रन प्राइज फॉर दी राइट्स ऑफ दि चाइल्ड' का प्राप्तकर्ता है और किन दो को 'वर्ल्ड चिल्ड्रन्स प्राइज' मानद पुरस्कार मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से केवल बच्चे ही बात हर सकते है जो उनका साक्षात्कार ले सकते हैं। क्या तुम इसमें शामिल होने के इच्छुक हो?

तुमको ऐसा करना है:
अपने देश में डब्लूसीपी संपर्क को बताओ कि तुम 'चिल्ड्रन्स प्रेस कॉन्फ्रेंस' करना चाहते हो। क्या तुम्हारे क्षेत्र में कई स्कूल मंच पर परत्येक स्कूल केएक परतिनिधि केसाथ एक संयुक्त परेस कॉन्फ्रेंस करो (संपक्र विवरण पृष्ठ 31)।

अच्छा स्थल
यिद संभव हो तो, अपने सम्मेलन केलिए अपने क्षेतर की सबसे महत्वपूणर इमारत को चुनो यह दिखाने केलिए कि बाल अधिकार महत्वपूणर हैं! इसे अपने स्कूल में आयेजित करना भी ठीक होगा। अपरैल केअंत या मई की शुरुआत में 2020 के परेस कॉन्फ्रेंस की सही तारीख को डब्लूसीपी वेबसाइट पर परकाशित किया जाएगा।

मीडिया को आमंतिरत करो
अपने स्थानीय मीडिया से संपक्र करने के लिए पयारप्त समय दो। तुमको उनसे थोड़ा आगरह करने की आवश्यकता हो सकती है। फोन, ईमेल और अखबार के कायारलयों और वयिक्तगत पतरकारों को टेक्स्ट संदेश भेजो। दुभारग्य से, सभी वयस्कों को इसका एहसास नहीं है कि बाल अधिकार कितने महत्वपूणर हैं। इसलिए तुमको उन्हें यह समझाना पड़ेगा।

तैयारी करो
लिखो और अभ्यास करो जो तुम डब्लूसीपी के बारे में कहना चाहते हो, और अपने क्षेत्र में तथा अपने देश में बच्चों की ज़िन्दगी कैसी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करो
1-एक प्रदर्शन के साथ शुरू करो, और सबको बताओ कि विश्व भर के बच्चे एक ही समय प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं।
2-डब्लूसीपी के बारे में तथ्य और छोटी वीडियो क्लिपें दिखाओ।
3-बताओ कि बच्चों के लिए जीवन कैसा है और तुम बाल अधिकारों के उल्लंघन के बारे में क्या जानते हो, जहां तुम रहते हो और तुम्हारे देश में। उन परिवर्तनों के बारे में बात करो जिनको तुम देखना चाहते हो और अपनी माँगें प्रस्तुत करो।
4-बाल अधिकार नायकों के शानदार प्रयासों के बारे में जानकारी साझा करो और ग्लोबल वोट के परिणाम को प्रकट करो।
5-प्रेस विज्ञप्ति और बाल अधिकार तथ्य पत्रक बांटो।

worldchildrensprize.org/wcpc पर तुमको यह मिलेगा:

- 2019 प्रेस कॉन्फ्रेंस की सटीक तारीख।
- प्रेस विज्ञप्तियां, बाल अधिकार तथ्य पत्रक एवं ड्राफ्ट स्क्रिप्ट।
- पत्रकारों को आमंत्रित करने और राजनेताओं के लिए प्रश्नों पर सलाह।
- डब्लूसीपी, ग्लोबल वोट और बाल अधिकार नायकों पर फिल्में।
- प्रेस छवियां।

स्वीडन की महारानी सिल्विया

नेल्सन मंडेला

मलाला यूसूफज़ई

डेसमंड टूटू

ग्रेका माचेल

हम विश्व बाल पुरस्कार के संरक्षक हैं

मलाला यूसुफज़ई और स्वर्गीय नेल्सन मंडेला दोनों ने विश्व बाल पुरस्कार का संरक्षक बनना चुना। वे दोनों ही नोबेल शांति पुरस्कार के एकमात्र प्राप्तकर्ता हैं और 'बाल अधिकारों के लिए विश्व के बच्चों का पुरस्कार' के प्राप्तकर्ता भी, जिसे मीडिया अक्सर 'चिल्ड्रन्स नोबल पुरस्कार' के रूप में संदर्भित करता है।

जिसने भी बाल अधिकारों या 'विश्व के बच्चों का पुरस्कार' के लिए कुछ अच्छा किया है, वह एक 'आनरेरी एडल्ट फ्रेन्ड' (मानद वयस्क मित्र) और डब्लूसीपी का संरक्षक बन सकता है। महारानी सिल्विया डब्लूसीपी की पहली संरक्षक थीं। इसके बाद, मलाला और दिवंगत नेल्सन मंडेला के साथ यह भी डब्लूसीपी संरक्षक बन गए हैं: ज़नाना गुसमाओ, ग्रेका माचेल, डेसमंड टूटू और स्वीडन के प्रधान मंत्री।

यदि कुछ गलत दिखे तो एक व्हिसलब्लोअर बनो!

डब्लूसीपी कार्यक्रम को आयोजित करने में तुम्हारी और अन्य बच्चों की सहायता करने वाले सभी वयस्कों को बाल अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। यदि, तुम डब्लूसीपी कार्यक्रम पर काम कर रहे हो, तब यदि तुम एक बच्चे के साथ गलत व्यवहार होते हुए देखते हो, या तुम स्वयं के साथ गलत व्यवहार किया जाता है, जो तुमको कुछ कहना चाहिए। जो लोग कोई गलत होने की शिकायत दर्ज कराते हैं, उन्हें 'व्हिसलब्लोअर' (शिकायतकर्ता) कहा जाता है।

तुमको सदैव प्रयास करना चाहिए और ऐसे वयस्क से बात करनी चाहिए जिस पर तुम अपने स्कूल में भरोसा करते हो या जहां तुम पहले रहते थे। यदि यह संभव नहीं है, तो तुम डब्लूसीपी से संपर्क कर सकते हो। डब्लूसीपी कार्यक्रम को चलाने के संबंध में जो कुछ नहीं होना चाहिए, उसके कुछ उदाहरण हैं: यदि एक वयस्क, जैसे कि एक शिक्षक, प्रधान अध्यापक या कोई अन्य व्यक्ति, किसी बच्चे के साथः

- हिंसा, जिसमें यौन हिंसा शामिल है, करे।
- दबंगई, अभद्र भाषा अथवा अन्य प्रकार की मनोवैज्ञानिक हिंसा करे।
- उसकी गोपनीयता का उल्लंघन करे (उदाहरण के लिए, यदि कोई तुम्हारा चित्र लेता है या तुम्हारे बारे में व्यक्तिगत जानकारी प्रकाशित करता है, भले ही तुम उसे नहीं चाहते हो या तुमसे पूछा नहीं गया हो)।

यदि तुम जो रिपोर्ट दर्ज कर रहे हो, उसका डब्लूसीपी कार्यक्रम से कोई लेना-देना नहीं है, तो तुमको इसके बजाय, हमेशा किसी ऐसे वयस्क से संपर्क करना चाहिए जिसे तुम जानते हो और जिस पर विश्वास करते हो। यदि तुमको या अन्य किसी को तत्काल सहायता की आवश्यकता हो, तो तुमको पुलिस से संपर्क करना चाहिए।

दि ग्लोब निःशुल्क है!

दि ग्लोब एक निःशुल्क शिक्षण सहायता है जिसका उपयोग डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों द्वारा किया जा सकता है। यदि तुम किसी को भी दि ग्लोब बेचते हुए देखते हो, या पैसे कमाने के लिए डब्लूसीपी प्रोग्राम से संबंधित कुछ और बेचते देखते हो, तो यह गलत है। डब्लूसीपी पर हमें बताओ, या हमसे संपर्क करने के लिए किसी वयस्क से पूछो।

कैसे शिकायत दर्ज करें

डब्लूसीपी के साथ जो हुआ है, उसकी रिपोर्ट करने का सबसे सुरक्षित तरीका है कि तुम हमारे व्हिसलब्लोअर फॉर्म का उपयोग worldchildrensprize.org/whistle पर करो। फिर तुम्हारी रिपोर्ट डब्लूसीपी पर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को भेजी जाएगी, जो तुम्हारी जानकारी को सही से सम्झेंगा।

राजकुमारी सोफिया, बाल जूरी के सदस्य, पैक्सटन और दक्षिण अफ्रीका के अन्य संगीतकार, जैज़ यार्ड अकादमी और अफ्रीकी सनशाइन, और लिल्ला अकादमीन मंच पर अंतिम गीत, 'ए वर्ल्ड ऑफ फ्रेंड्स' के लिए।

विश्व बाल पुरस्कार समारोह

प्रति वर्ष, जूरी के बच्चे, स्वीडन के मैरिफ्रेड में ग्रिप्शाल्म कासेल में, विश्व बाल पुरस्कार समारोह का नेतृत्व करने के लिए इकट्ठा होते हैं। सभी बाल अधिकार नायकों को उनके बच्चों के लिए किये गए कार्यों हेतु सम्मानित किया जाता है। राजकुमारी सोफिया ने बाल जूरी के सदस्यों को पुरस्कार प्रदान करने में सहायता की।

लाखों मतदान करने वाले बच्चों ने *बाल अधिकारों के लिए विश्व बाल पुरस्कार* प्राप्त करने के लिए बाल अधिकार नायक के रूप में भारत के **अशोक दयालचंद** को चुना। 16 साल की दिव्या उन कई लड़कियों में से एक हैं जिन्हें बाल विवाह को स्वीकार करने से मना करने के लिए शिक्षित और सशक्त बनाया गया।

गाइलैंड मेसाडिएओ, हैती, को *विश्व बाल मानद पुरस्कार* मिला। वह 15 साल के गुएरलाइन के साथ थी, जो उन घेरेलू दास बच्चों में से एक थी जिनकी उसने सहायता की थी।

स्पेज़ निहांगजा, बुरुंडी, को भी *विश्व बाल मानद पुरस्कार* मिला। उसके साथ फ्लोरियन, 17 थी, जो अनेकों वंछित बच्चों में से एक थी जिसको स्पेज़ ने शिक्षा दिलवाने में सहायता की है।

किम, 14, जिम्बाब्वे से, एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है और डब्लूसीपी जूरी की सदस्य भी। उसका समारोह का नेतृत्व करने का तीसरी वर्ष है।

PHOTO: KIM NAYLOR & CHRISTINE OLSSON/WCPF

शांति एवं परिवर्तनकर्ता पीढ़ी

ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर संरक्षण क्षेत्र में या उसके आसपास रहने वाले 1,00,000 बच्चों के लिए एक परियोजना है, लेकिन निश्चित रूप से सभी बच्चों का भाग लेने के लिए स्वागत है। यहां हम इस क्षेत्र को *ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क* कहते हैं, जो 18 शांति पार्कों में से एक है जिनको दक्षिणी अफ्रीका के देशों में सीमा पार सहयोग से स्थापित किया गया था।

जो बच्चे शांति एवं परिवर्तनकर्ता पीढ़ी परियोजना में भाग लेते हैं, वे जिम्बाब्वे के *गोनारेझाउ नेशनल पार्क* और मोजाम्बिक के *लिम्पोपो नेशनल पार्क* के अंदर या पास के स्कूलों में जाते हैं, दोनों *ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क* में हैं। उन बच्चों को शामिल करते हुए जो स्कूल नहीं जाते, उनको मिला कर दोनों देशों में लगभग एक हजार बच्चों को उनके स्कूलों में *शांति एवं परिवर्तनकर्ता पीढ़ी* के राजदूतों के रूप में, उनके शिक्षकों के साथ काम करके, विश्व के बच्चों के पुरस्कार कार्यक्रम को चलाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षकों, माता-पिता के प्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं को भी बाल अधिकारों, विशेष रूप से लड़कियों के लिए समान अधिकारों, वैश्विक लक्ष्यों और वन्य जीवन के मुद्दों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

गोनारेझाउ और लिम्पोपो नेशनल पार्क सुंदर क्षेत्र हैं, जो पशु जीवन से समृद्ध हैं, जिस पर यहाँ रहने वाले कई लोगों को गर्व है। लेकिन यहाँ भी बाल अधिकारों के बहुत उल्लंघन हुए हैं, विशेषकर लड़कियों के अधिकारों के, और दुर्भाग्य से अवैध शिकार भी होता है। जलवायु परिवर्तन से उस क्षेत्र में बड़ा सूखा भी पड़ सकता है। कुछ बच्चे यहाँ अपने जीवन के बारे में बात करते हैं।

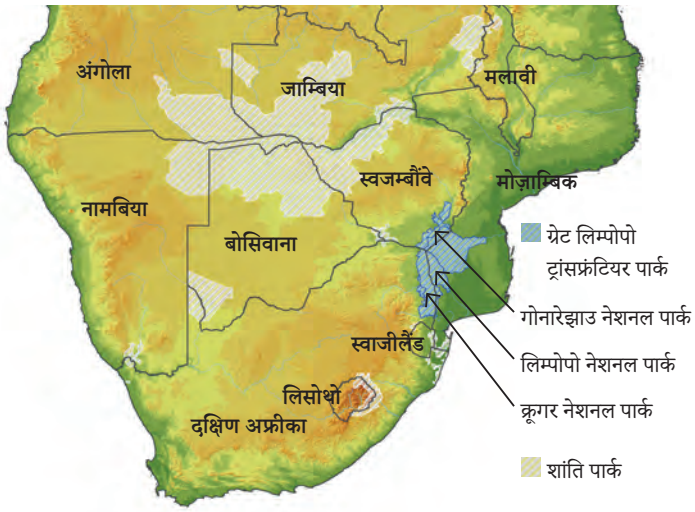

शांति एवं परिवर्तनकर्ता पीढ़ी इनके बीच की साझेदारी है

द्वारा वित्त पोषित

यह परियोजना इनके सहयोग से कार्यान्वित की गई है

तथा जिम्बाब्वे एवं मोजाम्बिक के शिक्षा मंत्रालय, प्रांत और जिला विभाग द्वारा

www.worldschildrensprize.org
www.peaceparks.org

शांति पार्क में पशु

विश्व में सबसे ऊँचा

जिराफ पृथ्वी के सबसे ऊँचे जानवर हैं। वे 4-6 मीटर की ऊंचाई तक बढ़े हो सकते हैं और अपना अधिकांश जीवन खड़े बिताते हैं। जिराफ दिन भर खड़े रहने के दौरान कुछ मिनट के लिए तेज झपकी लेते हैं। वे जन्म तक खड़े हुए ही देते हैं। मानव अंगुलियों के निशानों की तरह, कोई भी दो जिराफों का एक 'कोट पैटर्न' नहीं होता। अन्य प्रजातियां अक्सर जिराफों के निकट रहती हैं, उन्हें शुरुआती चेतावनी प्रणालियों के रूप में इस्तेमाल करती है। उनकी लंबी गर्दन और उत्कृष्ट दृष्टि उन्हें शेर और हाइना जैसे शिकारियों को दूर से 'स्पॉट' करने की अनुमति देती है। जब जिराफ भागना शुरू करते हैं, तो अन्य जानवर भी वैसा ही करते हैं।

खतरे में

अफ्रीकी महाद्वीप पर जंगलों में अनुमानित 1,11,000 जिराफ रहते हैं। पिछले 15 वर्षों में, इस संख्या में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है, और वे पहले से ही सात अफ्रीकी देशों से गायब हो चुके हैं। ग्रेट *लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क* में तुमको केवल 4,500 जिराफ मिलेंगे, उनमें से 446 जिम्बाब्वे के *गोनारेझाउ पार्क* में और लगभग 25 मोजाम्बिक के *लिम्पोपो पार्क* में।

शिकारी उनके मांस, चमड़ी, हड्डियों और बालों के लिए उनका शिकार करते हैं। उन्हें उनके 'बोन मैरो' एवं दिमाग के लिए मारा जाता है, जिसे कुछ अफ्रीकी समाजों में माना जाता है कि वह एड्स के इलाज में सफल है। अन्य देशों में वे अपनी पूंछों के लिए मारे जाते हैं, जिन्हें एक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। जब यह 'ट्रॉफी शिकार उद्योग' द्वारा 'ओवरहार्वेस्टिंग' के साथ संयुक्त होता है; रोग, युद्ध एवं नागरिक अशांति; साथ ही संसाधनों के लिए मनुष्यों और उनके पशुधन से प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष या कथित प्रतिस्पर्धा होती है, तो इसका अर्थ निकलता है कि जिराफों की प्रजाति गंभीर संकट में है।

कार्यवाही

कई संगठन जंगली जिराफों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए लड़ते हैं। उनके उद्देश्य हैं:

- इकोपर्यटन में जिराफों के महत्व परं समुदायों को शिक्षित करना। समुदायों के लिए मृतकों की तुलना में जीवित जिराफ अधिक मूल्यवान हैं।
- संरक्षण कृषि को बढ़ावा देना जो कि फसल को बढ़ाता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि जिराफ का निवास क्षेत्र स्वस्थ रहे।
- पुनःवनरोपण परियोजनाओं द्वारा जिराफ निवास क्षेत्र एवं भोजन की हानि को पूरा करें।

संकटग्रस्त

शिकरी गिद्धों को ज़हर खिला देते है

गिद्धों की 23 प्रजातियों में से 14 को खतरा या खतरे में होने की संभावना माना जाता है। *दि ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क* में, गंभीर रूप से लुप्तप्राय हूडेड गिद्ध यहां उड़ान भरते हुए, गिद्धों की नौ से अधिक प्रजातियों में से एक है।

गिद्ध इकोप्रणाली के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। सड़ने वाले शवों को उठाने के लिए वे बड़ी दूरीयों तक उड़ते हैं और इस तरह बीमारी के प्रकोप को रोकते हैं। एक शव के पास गिद्धों का झुंड इसका पहला संकेत हैं कि एक जानवर का शिकार किया गया है। रेंजरों द्वारा पता लगाने से बचने के लिए, शिकारी किए गए शव को कृषि कीटनाशकों से लेस कर देते हैं, जिससे गिद्ध सहित जो भी जानवरं उसको खाते हैं, मर जाते हैं। परिणामस्वरूप कई गिद्ध मर रहे हैं।

हर नौ बब्बर शेरों में से एक बचा है

एक सौ साल पहले 2,00,000 से अधिक बब्बर शेर अफ्रीकी मैदानों में घूमा करते थे। आज 23,000 से भी कम, अर्थात नौ बब्बर शेरों में से बस एक बचा है।

बब्बर शेर रात में मनुष्यों की तुलना में छह गुना बेहतर देख सकते हैं, और 1.5 किमी तक की दूरी से शिकार को सुन सकते हैं। बड़े शिकारियों के रूप में, वे छोटे जानवरों के साथ-साथ बड़ी प्रजातियों का भी शिकार करते हैं, जैसे जेब्रा, जिराफ और हिप्पोस, बब्बर शेर अपने पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बब्बर शेरों के बिना, अन्य बड़े शिकारियों की अतिजनसंख्या हो जाने का जोखिम है जो छोटी प्रजातियों के विलुप्त होने का कारण बन सकते हैं।

बब्बर शेर 'दी बिग फाइव' के भी महत्वपूर्ण सदस्य हैं, जो प्रति वर्ष हजारों पर्यटकों को अफ्रीका की ओर आकर्षित करते हैं और महाद्वीप में रोजगार के अवसर लाते हैं।

खतरे में

ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क के अंर्तगत, दक्षिण अफ्रीका के *क्रुगर पार्क* में, 1,600 बब्बर शेर घूमते हैं, मोजाम्बिक के *लिम्पोपो पार्क* में 66 और जिम्बाब्वे कें *गोनारेझाउ पार्क* में 33 से कम। बब्बर शेरों के सिकुड़ते निवास क्षेत्र उन्हें मनुष्यों की ओर निकट धकेल देते हैं और उनके भोजन के स्रोत कम कर देते हैं, जिस कारण वे फिर से घरेलू पशुओं का शिकार करने की ओर लौट जाते हैं। अक्सर प्रतिशोध में उनको मार दियां जाता है। बुशमीट का अवैध शिकार उनके भोजन स्रोत को और कम कर रहा है। कभी-कभी, अत्यधिक जहरीले कृषि कीटनाशकों से युक्त भोजन का उपयोग शेरों को आकर्षित करने और मारने के लिए किया जाता है। तेजी से, शेरों के उनके शरीर के अंगों (हड्डियों, दांतों, पंजे, पंजे और खाल) के लिए शिकार हो रहे हैं, बड़े पैमाने पर एशिया में उनका व्यापार होता है, लेकिन स्थानीय रूप से भी। अत्यधिक ट्रॉफी शिकार, शेर के अस्तित्व पर और अधिक दबाव बढ़ाता है।

लिम्पोपो पाक में, एक विशेष शिकार-विरोधी इकाई 'जंगल केराजा' केसंरक्षण पर केंदिरत है। वे ऐसे इलाकों में गश्त करते हैं, जो शेर के निवास केलिए जाना जाता है जिससे उनका शिकार करने वाले लागों को रोका जा सके। एक अन्य ध्यान का केन्दर मानव-वन्यजीव संघषर कम करने पर है, जिसमें उचित शिकारी-परूफ बाड़ा लगाना, पशुधन केनुकसान केलिए मुआवजे केसाथ-साथ उन क्षेतरों में शिकारियों का पुनवारस शामिल है, जहां मानव जनसंख्या घनत्व कम है।

जंगली कुत्ते खतरे में

अफ्रीकी जंगली कुत्ते अत्यधिक बुद्धिमान जानवर हैं जो झुंडों में रहते हैं। बड़े मांसाहारी जानवरों में से, जंगली कुत्ते सबसे कुशल शिकारी होते हैं, जो शिकार के दौरान अच्छी तरह से एक समन्वित टीम के रूप में काम करते हैं।

जंगली कुत्ते उन व्यवहारों को प्रदर्शित करते हैं जो समुह के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं। इसमें एक मार को साझा करना महतवपूर्ण है, यहां तक कि उन सदस्यों के साथ भी जो वास्तविक शिकार में शामिल नहीं थे, और गैर-प्रजनन वाले वयस्क अपने स्वयं के पोषण का त्याग देते हैं जिससे समूह के पिल्लों को पर्याप्त खाने और बढ़े होने के लिए मिल सके। जब एक कुत्ता बीमार, घायल या बुजुर्ग हो जाता है, तो उसे शिकार से प्रतिबंधित कर दिया जाता है, शेष समूह उसकी देखभाल करता है और उसे खिलाता है।

जंगली कुत्ता दुनिया के सबसे लुप्तप्राय स्तनधारियों में से एक है। अफ्रीकी जंगली कुत्तों की आबादी कभी 5,00,000 होने का अनुमान था। आज वे घटकर सिर्फ 3,000 से 5000 वयस्कों तक ही रह गए हैं। *ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क* में, अनुमान है कि दक्षिण अफ्रीका के *क्रुगर पार्क* में 450 जंगली कुत्ते हैं, जिम्बाब्वे के *गोनारेझाउ* में 220 और मोजाम्बिक के *लिम्पोपो पार्क* में एक अज्ञात संख्या है। जंगली कुत्तों की अचानक गिरावट काफी हद तक मानवीय उत्पीड़न, बीमारी और सिकुड़ते शिकार क्षेत्रों के कारण है।

सबसे तेज...

7 करोड़ कीड़े खाता है!

पैंगोलिन की आठ प्रजातियों में से चार अफ्रीका में रहती हैं। पैंगोलिन मुख्य रूप से चींटियों और दीमक पर अपनी असाधारण लंबी, चिपचिपी जीभ का उपयोग करते है, जो पूरी तरह से विस्तारित होने पर, पैंगोलिन से अधिक लंबी होती है। कीटों के लिए उनकी अतृप्त भूख उन्हें उनके इको तंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका देती है: कीट नियंत्रण। एक वयस्क पैंगोलिन सालाना 7 करोड़ से अधिक कीड़े खा सकता है।

पैंगोलिन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध है, फिर भी पैंगोलिन दुनिया में सबसे अधिक तस्करी वाला स्तनपायी है। वे मुख्य रूप से अपने मांस और त्वचा की प्लेटों (स्केल्स) के लिए शिकार किए जाते हैं। उनकी प्लेटों का उपयोग पारंपरिक एशियाई चिकित्सा में किया जाता है,

उनके मांस को एशिया के कई भागों में एक शाही भोजन माना जाता है, और उनकी खाल और अन्य भागों का उपयोग फैशन जैसे कार्यों में किया जाता है। राइनो हॉर्न की तरह, एशिया से इनकी मांग बढ़ रही है क्योंकि उनकी अपनी अफ्रीकी पैंगोलिन प्रजातियों की संख्या कम हो गई हैं।

सबसे बड़ा

अफ्रीकी बुश हाथी सबसे बड़ा स्थलीय जानवर है और वह 12 फीट से अधिक ऊँचा हो सकता है, उसका वजन लगभग 6,350 किलो होता है। सभी अफ्रीकी हाथियों, जिनमें मादा भी शामिल हैं, के टस्क (दांत) होते हैं। हाथीयों की सामाजिक संरचनाओं में, एक नर हाथी के नेतृत्व में, जनानाएं एवं बछड़े व्यवस्थित रहते हैं। एक मादा हाथी का एक ही बछड़ा, हर 4-5 साल में पैदा होता है, 22 महीने के गर्भकाल के बाद - किसी भी स्तनपायी से अधिक लंबा समय।

एक महत्वपूर्ण भूमिका

हाथियों को एक 'कीस्टोन' प्रजाति के रूप में जाना जाता है - उनका पर्यावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है और वे आसपास की जैव विविधता को प्रभावित करते हैं। वे अपना भोजन करने में प्रतिदिन 12 घंटे तक समय लगा सकते हैं। परिणामस्वरूप, ये बड़े स्तनधारी अपने पर्यावरण से बहुत कुछ मांगते हैं और अक्सर लोगों से पर्यावर्णीय संर्घष में आ जाते हैं।

प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों को संतुलित करने में हाथियों की अहम भूमिका है। चूंकि वे जंगलों और घने घास के मैदानों को रौंदते हैं, तो वे छोटी प्रजातियों के सह-अस्तित्व के लिए जगह बनाते हैं। हाथी दूसरे जानवरों को भी पानी देने वाले होते हैं। वे अपने पैरों, धड़ और दांतों का उपयोग करते मिट्टी में गडढे बना देते हैं। फिर ये हाथी द्वारा निर्मित गडढे में पानी सभी जानवरों के पीने के लिए उपलब्ध हो जाता है।

इकोपर्यटन क्षेत्र, जिसमें हाथी एक मुख्य आकर्षण है, हजारों रोजगार पैदा करता है। 'दि बिग फाइव' में से एक हाथी है जिनको खोना प्रकृति-आधारित उद्योगों को पनपने से होने वाले लाभों पर एक विनाशकारी प्रभाव डालेगा।

खतरे में

पिछले दशक में हाथी की संख्या में 62 प्रतिशत की गिरावट आई है, अफ्रीका में 3,50,000 शेष हैं। लगभग 29,500 हाथी ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क में घूमते हैं। जिम्बाब्वे के गोनारेझाउ में 11,000 वास करते हैं, जबकि मोजाम्बिक के लिम्पोपो पार्क में 1,500 हाथी रहते हैं।

हर रोज, अनुमानित 100 अफ्रीकी हाथियों को शिकारियों द्वारा मार दिया जाता है जो इनके दाँतों की आईवरी, मांस और शरीर के अंगों की तलाश में रहते हैं। वे एशिया में, मुख्य रूप से चीन मे, अपना जीवन खो रहे हैं ताकि हाथी दांत का इस्तेमाल नक्काशीदार आभूषणों और गहने बनाने में किया जा सके। हाथी अक्सर ट्रॉफी शिकार के लिए, या मानव-वन्यजीव संघर्ष के परिणामस्वरूप मारे जाते हैं।

कार्यवाई

दुनिया भर में हाथियों की रक्षा करने के लिए, हाथी दांतों की आईवरी के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध लगा है। इसके बावजूद हाथियों का अवैध शिकार जारी है। यह हस्तक्षेप हाथियों की सुरक्षा के लिए किये गए हैं:

- ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क जैसे बड़े संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना में सहयोग, जो हाथियों के खुले आवागमन के लिए पर्याप्त भूमि उपलग्ध करते हैं।
- वन्यजीवों से अपनी और अपनी फसलों की रक्षा के साधन उपलब्ध कराने में समुदायों की सहायता करना।
- उन समुदायों के साथ काम करना जो पार्कों के पास रहते हैं और अवैध शिकार रोकने के लिए आर्थिक विकल्प विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं।
- अवैध हाथीदांत खरीदने वाले देशों में इससे संबन्धित जानकारी देना।

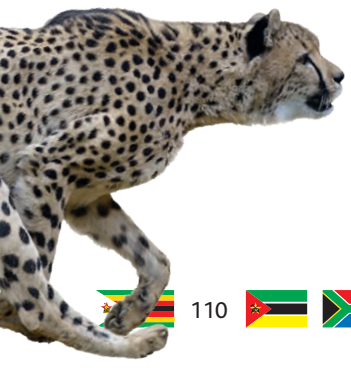

विश्व में सबसे तेज!

चीता न केवल ग्रेट लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क में सबसे तेज जानवर है, बल्कि यह पृथ्वी पर भी सबसे तेज भूमि स्तनपायी है। उसकी सबसे तेज दर्ज की गई गति 120 किमी प्रति घंटा (75 मील प्रति घंटा) है।

अपने सपने को साइकिल चलाकर साकार करना

“मेरा सपना प्रकृति और पशु संरक्षण के साथ काम करना है, एक रेंजर की तरह या किसी संगठन में लेखाकार, जो जंगली जानवरों की रक्षा के लिए लड़ती है। और मेरी साइकिल की बदौलत यह सपना सच हो सकता है,” अमुकेलो, 15, कहती है, जो जिम्बाब्वे के गोनारेझाउ नेशनल पार्क के पास बत्तीटी में रहती है।

जबसे चिल्लोजो क्लब हमारे स्कूल में आया है तबसे मैंने प्रकृति और जंगली जानवरों के साथ काम करने का सपना देखा है। क्लब के पाठों में हमने जानवरों की सुरक्षा के बारे में पढ़ा है और कैसे हमारे आसपास के प्राकृतिक वातावरण से सब कुछ जुड़ा है। हमने अवैध शिकार के बारे में भी बहुत कुछ जाना। अवैध शिकार कई मायनों में बुरा है, लेकिन मुझे लगता है कि पांच सबसे महत्वपूर्ण बिंदु हैं:

1. अवैध शिकार हमारे जंगलों को नष्ट कर देता है। कई शिकारी जानवरों के पास अधिक आसानी से पहुंचने के लिए जंगलों में जगह-जगह आग लगा देते हैं।
2. अवैध शिकार हमारे सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन, जंगली जानवरों, को नष्ट कर देता है।
3. जंगली जानवरों के बिना, हम अपने गांवों में एवं पूरे देश में, पर्यटकों और नौकरियों को खो देते हैं।
4. कई लोग शिकारियों और रेंजरों के बीच संघर्ष में मारे जाते हैं।
5. हाथी दांत और जानवरों की खाल के अवैध व्यापार से संबंधित संगठित अपराध का मतलब है कि हमारा देश महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा खोता है, और यहे जिम्बाब्वे को और गरीब बना देता है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

एक साथ सुरक्षित
अमुकेलो और उसकी चचेरा बहन अबिगिरल हर रोज साइकिल से अल्फा म्पापा हाई स्कूल पढ़ने जाते हैं।

“हमें सुरक्षित महसुस होता है यदि हम दो एक साथ होते है, क्योंकि हम लड़कियो के लिए यहां वास्तव में सुरक्षित नहीं है यदि हम अकेले घर से बाहर जाएं,” अमुकेलो कहती है।

दि चिलोजो क्लब

दि चिलोजो क्लब पार्क के पास के गांवों में स्कूलों के लिए गोनारेझाउ संरक्षण ट्रस्ट और भागीदारों का कार्यक्रम है। क्लब के कार्यों में शामिल हैं:

- गांवों के स्कूलों में प्रकृति संरक्षण और पशु संरक्षण के बारे में छात्रों को पढ़ाना।
- छात्रों को राष्ट्रीय उद्यान में दिन के दौरों पर ले जाना ताकि वे असली में जंगली जानवरों का अनुभव कर सकें।
- छात्रों को चार-दिवसीय पार्क में घूमने के लिए ले जाना और शिविर लगाना, जहां वे जानवरों, प्राकृतिक पर्यावरण, अवैध शिकार, ट्रेकिंग एवं पशु संरक्षण के काम को भी अधिक सीखते हैं।
- पार्क के पास के गाँवों में स्कूल पुस्तकाल्यों को शुरू करना।

जल्दी उठना
“बाइक मिलने से पहले, मैं सुबह तीन बजे उठती थी, जिससे मुझे स्कूल जाने से पहले घर के सारे काम करने का समय मिल सके,” अमुकेलो कहती है।

स्कूल जाना महत्वपूर्ण है

मेरा सपना पार्कके निकट केग ांवों को यह समझाना है कि हम जंगली जानवरों के साथ शांति से कैसे रह सकते हैं। मैं किसी ऐसे संगठन में एक रेंजर या एकाउंटेंट के रूप में काम करना चाहूंगा जो जंगली जानवरों की रक्षा के लिए लड़ता हो। दोनों नौकरियों का मतलब है कि तुम्हारी अच्छी शिक्षा हो, अतः स्कूल वास्तव में मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

मैं आभारी हूं कि मैं स्कूल जा सकती हूं। दुर्भाग्य से, यहाँ कई लड़कियों को मेरी उम्र में स्कूल छोड़ने केलिए मजबूर किया जाता है और उन्हें उन व्यवसायों का अवसर नहीं मिल पाता जिनको उन्होंने अपना लक्ष्य बना रखा है। गरीबी और पूर्वाग्रहों के कारण कई लोग नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। यदि किसी गरीब परिवार में एक बेटा और एक बेटी है, तो हमेशा बेटे को जाने को मिलता है यदि वे चुनने के लिए मजबूर होते हैं। परिवार सोचता है कि अगर बेटे को शिक्षा मिलती है, तो उसे एक अच्छी नौकरी मिलेगी और वह पैसा कमाएगा जो परिवार साझा कर सकता है।

उन्हें लगता है कि बेटी के स्कूल जाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि उसकी शादी हो जाएगी और वह दूसरे परिवार में चली जाएगी। वह कभी भी अपने परिवार को पैसे नहीं दे पाएगी, बल्कि उस परिवार को जिसमें उसकी शादी होगी। मेरी उम्र की लड़कियों के लिए बाल विवाह का शिकार होना और स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना असामान्य नहीं है।

दि बिग फाइव

“चिलोजो क्लब ने हमें इस क्षेत्र में रहने वाले ‘दि बिग फाइव’ के बारे में बहुत कुछ बताया हैः हाथी, भैंस, गेंडे, शेर एवं तेंदुए। लेकिन मेरा पसंदीदा जानवर वॉटरबक है। वह तेज और चतुर होता है और अक्सर शिकारियों के हमले के समय दूर चला जाता है,” अमुकेलो कहती है। ‘बिग फाइव’ नाम बहुत पहले बड़े शिकारियों द्वारा इन पांच जानवरों के लिए इस्तेमाल किया गया था। आज इस नाम का उपयोग उन लोगों द्वारा किया जाता है जो जानवरों के आवास में रहते हैं और जो पर्यटक अफ्रीका के राष्ट्रीय उद्यानों में जाते हैं।

“मैं भाग्यशाली हूं कि मैं उन छात्रों में से एक हूं जो चिल्लोजो क्लब से साइकिल उधार लेने में सक्षम हैं, अतः मैं सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकती हूं। मैं दो घंटे से अधिक समय तक पैदल स्कूल जाती थी। मुझे वहाँ जाने के लिए सुबह पाँच बजे घर से निकलना पड़ता था। अब मुझे साइकिल से स्कूल जाने में 45 मिनट लगते हैं! टब मैं अधिक ऊर्जा से पढ़ाई में अपना ध्यान केंद्रित कर सकता हूं, और मेरे परिणामों में सुधार हुआ है। साइकिल से मुझे यह भी लाभ है कि मुझे घर में सहायता करने के लिए और अपना होमवर्क करने के लिए अधिक समय मिल जाता है। अंधेरा होने से पहले घर आना भी अधिक सुरक्षित होता है। अंधेरे में अकेले घर को को जाना सुरक्षित नहीं है। यदि मैं माध्यमिक स्कूल समाप्त कर लेती हूं, तो मुझे सदैव के लिए साइकिल मिल जाएगी!”

बफैलो बाइक्स

यह साइकिलें ‘बफैलो बाइक्स’ कहलाती है और वे ‘वर्ल्ड बाइसिकिल रिलीफ’ से आती हैं, जो चिलोजो क्लब और गोनारेझाउ कंजर्वेशन ट्रस्ट के साथ मिलकर गोनारेझाउ नेशनल पार्क में काम करते हैं।

ब्लेसिंग डरती है कि कहीं उसकी शादी न कर

“पिताजी गोनारेझाऊ नेशनल पार्क में अवैध शिकार करने जाते थे ताकि वह मेरी स्कूल की फीस का भुगतान कर सकें। लेकिन अब रेंजरों ने सुरक्षा बढ़ा दी है और उन्हें शिकार बंद करना पड़ा है। इसका मतलब है कि मैं अब स्कूल नहीं जा सकती, क्योंकि हमारे पास पैसा नहीं है। अब मुझे डर है कि मेरी शादी कर दी जाएगी और मैं कभी अपने रेंजर बनने के सपने को साकार नहीं कर पाऊंगी,” ब्लेसिंग, 15, कहती है।

मेरे पिता ने भैंस और इम्पाला का शिकार किया और उसका मांस बेचा। उसने और मम्मी ने पैसे का इस्तेमाल मेरी और मेरे भाई-बहनों की स्कूल की फीस देने के लिए किया। लेकिन अब रेंजरों ने जंगली जानवरों की रक्षा करने के लिए पार्क में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है। कई शिकारियों को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया जा रहा है। पिछले वर्ष, मेरे पिता को इस बात का एहसास हुआ कि उनके साथ भी ऐसा हो सकता है, इसलिए उन्होंने यह काम बंद करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा।

“मुझे सचमुच स्कूल की याद आती है! मेरा जीवन तब बहुत अलग था। मैं अपनी दोस्तों से मिलती थी और उनके साथ अवकाश में नेटबॉल खेलती थी। मैंने स्कूल में कई महत्वपूर्ण चीजें सीखीं। मेरा सर्वप्रिय विषय था कंटेंट जिसमें मैने पर्यावरण एवं समाज के बारे में बहुत कुछ सीखा। मुझे भाषाएं भी पसंद हैं, दोनों अंग्रेजी और शानगनी। जब मैं स्कूल जाया करती थी, तब मुझे बचपने में बहुत मज़ा आता था। मैं बहुत हंसती थी और स्वतंत्र महसूस करती थी।”

देर तक काम करने के दिन

“अब मैं केवल काम करती हूं। मैं सुबह चार बजे उठती हूं और बरामदे की सफाई करती हूं। फिर मैं आग जलाकर पानी गर्म करती हूं। जब वह गर्म हो रहा होता है तब मैं पिछली रात के भोजन के प्लेटें एवं सॉसपैनें धोती हूं। मैं इस समय अपने स्कूल की ड्रेस पहन रही होती थी, और फिर मैं स्कूल जाती थी। इसके बजाय, एक बार जब मैं सबके लिए नाश्ता बना लेती हूं, तब मैं लकड़ी और पानी लाने जाती हूं, और अपने परिवार के कपड़े धोती हूं। परिवार में हम नौ जने हैं, इसलिए मुझे हर दिन कपड़े धोने पड़ते हैं। अन्यथा एक बार में यह बहुत अधिक हो जाएगा। जैसे शाम हाने लगती हैं, मैं रात का भोजन बनाना शुरू कर देती हूं, जो सूर्यास्त तक, छह बजे तैयार होता है। कभी-कभी हम बैठ कर बात करते हैं और रात के खाने के बाद एक दूसरे को कहानियाँ सुनाते हैं, अन्यथा मैं सीधे बिस्तर में चली जाती हूं क्योंकि मैं इतनी थक जाती हूं। यहां घर की देखभाल करना सबसे बड़ी बेटी का काम होता है, और मैं लगभग सब कुछ करती हूं।”

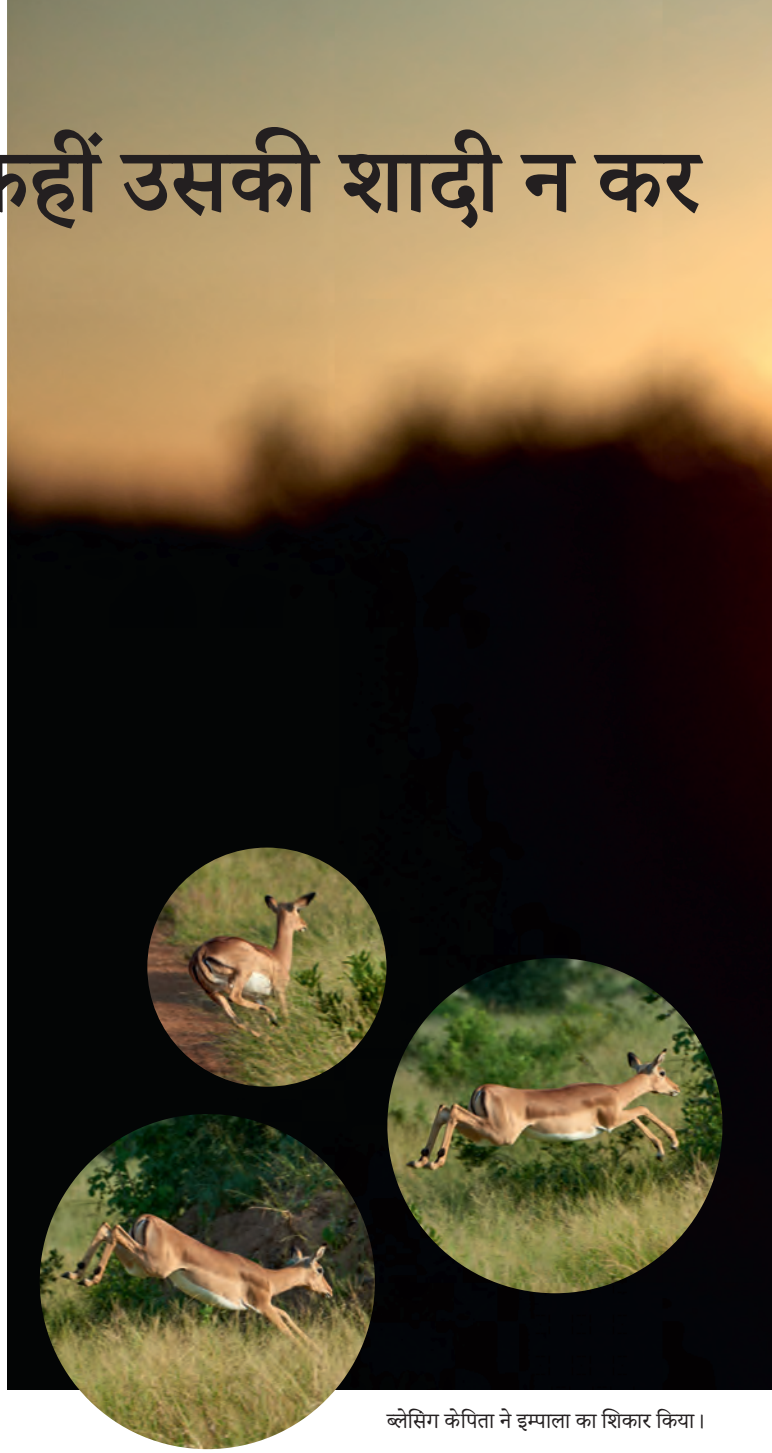

ब्लेसिंग केपिता ने इम्पाला का शिकार किया।

अकेली और सबसे अलग

“मुझे घर छोड़ने और अपने दोस्तों से मिलने की अनुमति नहीं है, क्योंकि मैं एक लड़की हूँ। मैं वास्तव में नहीं जानती क्यों। शायद इसलिए कि मेरे माता-पिता डरते हैं कि मैं किसी परेशानी में न फंस जाऊं। कि मेरा यौन शोषण हो सकता है या शायद मैं गर्भवती हो जाऊं। यह मेरी उम्र की सारी लड़कियों पर लागू होता है, लेकिन लड़कों पर नहीं। वे कहीं भी जाने और अपने दोस्तों से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। मेरे लिए भी ऐसा ही था, जब तक मैं करीब 10 वर्ष की नहीं हुई। हालांकि मैं समझती हूं कि मेरे माता-पिता मेरी रक्षा करना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह उचित है कि लड़कों को बहुत अधिक स्वतंत्रता मिलनी चाहिए जबकि हमें नहीं। मैं चाहूंगा कि हम कोई भी खतरे का जोखिम उठाये बिना, कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हों। जिस तरह की स्थिति अब हैं, उससे मैं बहुत अकेला और अलग-थलग महसूस कर रही हूं।”

लड़कियों की शादी कर दी गई

“मेरी आयु की कई लड़कियां जो स्कूल नहीं जातीं उनकी शादी हो चुकी है, ब्लेसिंग कहती है।”

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

दी जाए

बाल विवाह

"माता-पिता के डरने के कारणों में से एक यह है कि उनकी बेटी पर हमला किया जाएगा, उसे कोई प्रेमी मिल जाएगा या वह गर्भवती हो जाएगी, जो परिवार की प्रतिष्ठा को बर्बाद कर देगा। यदि उसिके परिवार की प्रतिष्ठा खराब हो गई, तो बेटी की अच्छी जगह शादी करना कठिन हो जाएगा। क्योंकि कि अक्सर हमारे माध्यमिक विद्यालयों को जाने के रास्ते काफी लम्बे होते हैं, तो हम रास्ते में हमला होने का जोखिम उठाते हैं, अतः जब वे प्राथमिक विद्यालय समाप्त कर लेती हैं, तो कई लड़कियों को अपनी पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। बहुत कम माध्यमिक विद्यालय के अंत तक पढ़ पाती हैं। कई लड़कियों की शादी लगभग 14 साल की उम्र में हो जाती है। पति शादी होने पर लड़की के परिवार को लबोला देता है, जैसे गाय या धन इसीलिए कुछ परिवार अपनी बेटियों की शादी कम उम्र में करना चुनते हैं। कभी-कभी धन का उपयोग बेटों की स्कूली शिक्षा के लिए किया जाता है। यह बहुत गलत है। यह हम लड़कियों के विरुद्ध उत्पीड़न है! हमें वह शिक्षा क्यों नहीं मिल रही है जिसके हम हकदार हैं? हमें उन्हीं बातों को सीखना और समझना चाहिए जो लड़के करते हैं। जिससे हम एक अच्छा जीवन मिलकर जी सकें।"

शादी कर दिये जाने का भय

"यह वयस्क पुरुष हैं जो युवा लड़कियों से शादी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह अजीब है। एक बच्चे की शादी करना गलत है। बच्चे शादी के लिए तैयार नहीं होते। मेरे मम्मी और पापा ने मुझसे शादी करने की बात की है और इससे मुझे डर लगता है। मैंने उन्हें बताया कि मैं पहले स्कूल समाप्त करना चाहती हूं। लेकिन क्योंकि अब हम स्कूल की फीस नहीं दे सकते, वे कहते हैं कि यदि मैं अभी शादी कर लूं तो यह सबसे अच्छा रहेगा। इससे मुझे उपने भविष्य के बारे में सोच कर डर लगता है।"

"जब मैं स्कूल गई, तो चिलोजो क्लब हमें पढ़ाने आया। हमने प्रकृति, प्राकृतिक चक्र और जंगली जानवरों के बारे में सीखा और यह कि उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता क्यों है। उन्होंने हमें यह भी बताया कि हमारे जानवरों और हमारे प्राकृतिक पर्यावरण की देखभाल करना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है, क्योंकि पर्यटक गोनारेझाऊ में आकर सब कुछ अनुभव करना चाहते हैं। मैंने तब से एक रेंजर बनने का सपना देखा है। यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण कार्य है, उन जानवरों की रक्षा करना जो हमें धन और रोजगार दोनों दे सकते हैं, कुछ ऐसा जिसकी हमें वास्तव में यहाँ जरूरत है। और मुझे जानवर प्रिय हैं!"

भैंस का मांस बेचकर ब्लेसिंग के स्कूल की फीस दी गई।

कोई स्वतन्त्रता नहीं

"जब मैं स्कूल जाया करती थी, तब मुझे बचपन में बहुत मज़ा आता था, लेकिन अब नहीं। तब मैं आजाद महसूस किया करती थी। अब मैं केवल काम करती हूं," ब्लेसिंग कहती है।

सपना टूट गया?

"अब मुझे भय है कि मैं रेंजर नहीं बन पाऊंगी, क्योंकि मुझे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है, इसलिए मेरे पास शायद पर्याप्त कौशल नहीं होगा कि मैं उसका प्रशिक्षण ले सकूं, यदि मुझे स्वीकार भी कर लिया गया क्योंकि मैंने अपना स्कूल खत्म नहीं किया है। और अगर मैंने शादी कर ली, तो मैं रेंजर बनना भूल सकती हूं। तब मैं इसके बजाय किसी की पत्नी बन जाऊंगी। यहां के अधिकांश पुरुष अपनी पत्नियों को राष्ट्रीय उद्यान में काम करने की अनुमति नहीं देते। यहाँ, पत्नी का काम घर, उसके पति और बच्चों के देखभाल करना है, घर के बाहर काम करना नहीं।"

"मेरे पिता ने मजबूरी में शिकार किया। जब रेंजरों की बढ़ती सुरक्षा के कारण उसे रुकना पड़ा, तो मैं और स्कूल नहीं जा सकी। इस बीच, मैं एक रेंजर बनना चाहती हूं ... मुझे पता है कि यह एक विरोधाभास है! लेकिन मैंने चिलोजो क्लब में सीखा है कि हमारे जंगली जानवर मृत की तुलना में जीवित अधिक मूल्यवान हैं। कि वे हमारी विरासत का एक भाग हैं और हमें भविष्य के लिए उनकी देखभाल करनी चाहिए। मुझे वास्तव में यही मानना है भले ही इससे मुझे बड़ी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।"

गोनारेझाऊ
- हाथियों का स्थान

"हाथी मेरे पसंदीदा जानवर हैं। वे इतने सुंदर और बुद्धिमान हैं, लेकिन वे खतरनाक भी हो सकते हैं और हममें से जो पार्क के पास रहते हैं, उनके लिए बड़ी समस्याएं खड़ी कर सकते हैं। वे हमारे खेतों में भटक जाते हैं और हमारी फसलों को रौंद कर खा जाते हैं, जिसकी हमें जीवित रहने के लिए जरूरत है। मक्का, बाजरा, शर्बत, तरबूज ... वे सब कुछ खाते हैं! जब हाथी आते हैं तो हम उन्हें आग जलाकर डराने का प्रयास करते हैं, अपने हाथों से ताली बजाते हैं, चिल्लाते हैं और उपने मवेशियों वाले कोड़ों को चलाते हैं। यह एक सीटी वाली आवाज़ करता है जिसे हाथी को अच्छी नहीं लगती। लेकिन हमने सावधान रहना सीख लिया है, क्योंकि अगर तुम उन्हें परेशान करोगे तो वह बहुत क्रोधित हो सकते हैं। वे हमला कर सकते हैं, और इसलिए तुमको सावधन होना होगा। कुछ वर्ष पहले, पड़ोस के एक गाँव में, एक आदमी की हाथी द्वारा कुचल जाने से मौत हो गई। जब हम हाथियों को स्वयं नही डरा सकते, तो हमने सहायता के लिए रेंजरों से संपर्क करने का प्रबंध कर लिया है। रेंजर्स हवा में चेतावनी शॉट्स फायर कर सकते हैं, और फिर वे आमतौर पर चले जाते हैं। कई लोग वास्तव में हाथी को नहीं पसंद करते, लेकिन मुझे वे प्रिय हैं!" ब्लेसिंग कहती है।

गेनारेझाऊ में 11,000 हाथी रहते हैं, और पार्क को उसके स्वाभविक नाम *'दी प्लेस ऑफ एलिफेंट्स'* से भी जाना जाता है।

हाथी मल + मिर्ची = कोई हाथी नहीं!

जिस क्षेत्र में ब्लेसिंग रहती है, उस क्षेत्र, चिलोजो क्लब ने हाथियों से संघर्ष कम करने के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर मिर्ची ईंटें (हाथी गोबर एवं मिर्च) बनाना शुरू कर दिया है। यदि ग्रामीण मिर्च की ईंटों पर गर्म कोयले डालते हैं और शाम को अपने खेतों के चारों ओर उनको डाल देते हैं, तो मिर्च का धुआं हाथियों को इतना परेशान करता है कि वे उससे दूर रहते हैं। एक भी हाथी को गोली लगने या एक व्यक्ति के घायल होने के बिना फसल बच जाती है। ईंटें बनाने में सस्ती और सरल पड़ती हैं, क्योंकि बहुत सारे लोग मिर्च उगाते हैं, और चारों ओर बहुत सारा हाथी गोबर मुफ्त मिल जाता है।

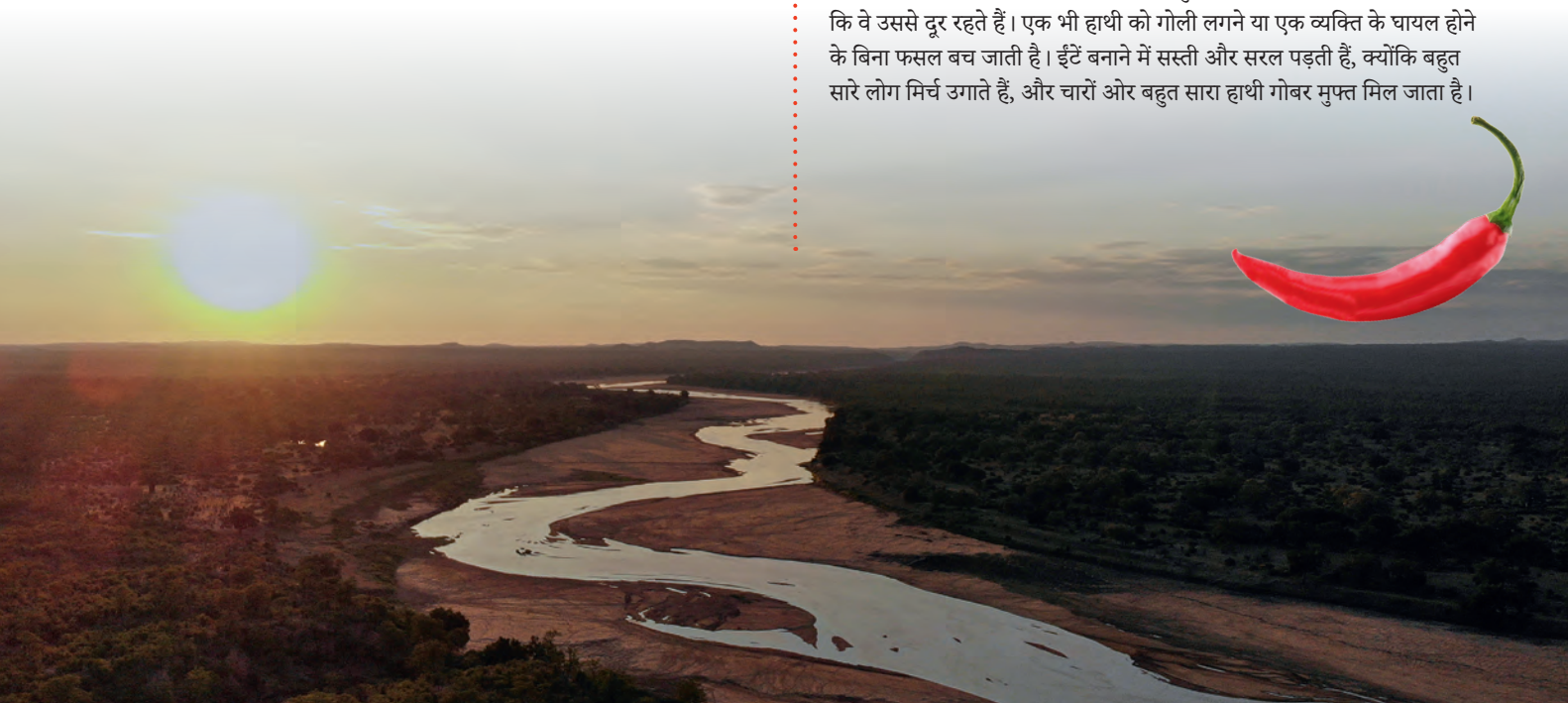

अपनी परंपराओं की जानना
एंक्शियस एवं अन्य बच्चे राष्ट्रीय उद्यान में बाओबाब पेड़ की ओर चल रहे हैं, जहाँ वे और वर्षा कराने वाले समारोहों के बारे में और अधिक जानेंगे।

हमारी विरासत ही हमारा भविष्य है

म्पफुका - यात्रा

म्पफुका का अर्थ शनगानी भाषा में होता है 'यात्रा', जो लिम्पोपो क्षेत्र में बोली जाती है। म्पफुका कार्यक्रम उस साझा 'यात्रा' के बारे में है जिसके द्वारा राष्ट्रीय उद्यान और आसपास के गांवों के लोग सम्मान, सहयोग और शांति के भविष्य की ओर जा रहे हैं।

म्पफुका नेः

- रामीणों के साथ राष्ट्रीय उद्यान में सांस्कृतिक महत्व के सभी स्थानों को मैप करने के लिए काम किया जो कि खो गए स्थानांतरित होने पर मजबूर हो गए थे। अब ग्रामीणों के लिए अपने पूर्वजों की कब्रों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाना संभव होगा।
- युवाओं को उनकी संस्कृति, परंपराओं और इतिहास के बारे में अधिक जानने का अवसर दिया।
- पार्क में ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया, जिसमें लॉजों को चलाने के लिए जिम्मेदार होना शामिल था, जहां पर्यटक रात भर रह सकते हैं, उनको ग्रामीणों द्वारा उनकी पारंपरिक *शनगान शैली* में बनाया गया है।

"जब राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया था, तो गाँव को ऐसे क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था जो पीढ़ीयों से हमारा घर रहा था, वास्तव में जब तक कोई भी याद कर सकता था। हमने अपने परिवारों की कब्रें और अन्य स्थान खो दिये जो हमारे लिए महत्वपूर्ण थे। यह प्रकृति और हमारे जंगली जानवरों के लिए अच्छा था, लेकिन यह यहां के लोगों और हमारी संस्कृति के लिए अच्छा नहीं था। कई लोगों ने जीवन का उद्देश्य खो दिया," एंक्शियस, 15, मालीपति से, गंभीरता से कहती है।

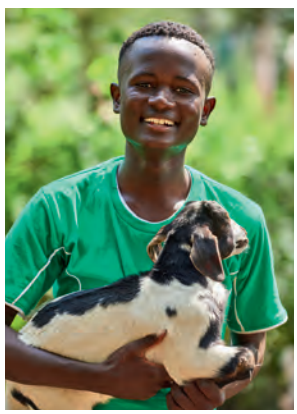

भविष्य के लिए जीव विज्ञान

"मैं जिचिडज़ा हाई स्कूल जाता हूं और मेरा सर्वप्रिय विषय है जीव विज्ञान। मुझे लगता है कि स्कूल जाना सबसे महत्वपूर्ण काम है। तुम स्कूल में कई बातें सीखते हो ताकि तुम अपने जीवन में कुछ महत्वपूर्ण काम कर सको," एंक्शियस कहता है।

"जिम्बाब्वे के स्वतंत्र होने से पहले, इस देश को रोडेशिया कहा जाता था। श्वेत लोगों ने, जो तब सारे निर्णय लिया करते थे, लोगों को उनकी इच्छा के विरुद्ध जाने के लिए मजबूर किया जब उनकी सरकार ने गोनारेझाउ नेशनल पार्क बनाने का निर्णय लिया। रोडेशियन सरकार ने क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह नहीं की। यह तथ्य कि लोगों की एक संस्कृति थी और जीने का एक तरीका था जो इस भूमि और जगह से गहराई से जुड़ा था, महत्वपूर्ण नहीं समझा जाता था। श्वेत सरकार ने सोचा कि उनकी संस्कृति हमसे बेहतर थी, और वे ऐसे निर्णय लेने में अधिक रुचि रखते थे जो उनके अनुकूल थे, हमारे नहीं।"

स्वतंत्रता खो दी

जब हम अपने जंगली जानवरों और सुंदर प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के बारे में सोचते हैं, तो यह अच्छा हुआ कि लोग पार्क से बाहर चले गए। लेकिन जब हम लोगों के जीवन और संस्कृति के बारे में सोचते हैं, तो यह बिल्कुल अच्छा नहीं हुआ। उन्हें अपने परिवारों की कब्र एवं अन्य महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थानों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, जैसे कि उन स्थानों पर, जहां ग्रामीण सूखे के समय वर्षा के लिए प्रार्थना करते थे। जो स्थान पीढ़ीयों से महत्वपूर्ण समझे जाते थे उन पर अब जाना अपराध माना जाने लगा। शिकार करना तक अवैध था, जो यहां के जीवन का पारंपरिक तरीका था। लोगों ने अपनी स्वतंत्रता खो दी।

जिन स्थानों पर ग्रामीणों को स्थानांतरित किया गया वे वहीं से अपरिचित थे और वह उनके लिए कोई माइने नहीं रखता था। कई लोगों ने खोया-खोया महसूस किया और पुराने लोगों ने हम बच्चों को अपने इतिहास के बारे में महत्वपूर्ण बातें बताना बंद कर दिया। लोगों ने अपनी विरासत खो दीं और कई लोगों ने जीवन में अपना उद्देश्य खो दिया।

म्पफुका

"मुझे लगता है कि हमें अपनी जड़ों और अपने इतिहास से अवगत होना महत्वपूर्ण है। कई पुराने लोग जो हमारी उत्पत्ति के बारे में जानते थे और जो भविष्य के लिए हमें तैयार करने में सक्षम थे, मर चुके है। लेकिन पार्क ने अब 'म्पफुका' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जो लोगों को फिर से राष्ट्रीय पार्क के अंदर अपने सांस्कृतिक महत्व के स्थानों को जाने देता है।"

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

एक इकोलॉजिस्ट बनना चाहता है

"बड़ा हो कर मैं एक इकोलॉजिस्ट (पारिस्थितिकी विज्ञानिक) बनने और राष्ट्रीय उद्यान में पर्यावरणीय मुद्दों पर काम करने का सपना देखता हूँ। यह मेरा सपना था जबसे मैं छोटा था और अपने पिता एवं चाचा के साथ एक गेम पार्क में घूमने गया था। जिराफ, जेबरा और हाथियों को देखना शानदार था। यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने जंगली जानवरों और प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखें, इसीलिए यह अनोखी जगह भविष्य की पीढ़ीयों के लिए है। यह हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत दोनों है," एंक्शियस बताता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष

"मैं पार्क और सारे जंगली जानवरों के पास रहता हूं, और कभी-कभी हम उनसे प्रभावित होते हैं। बबून हमारी बकरियों को मार सकते हैं, और कभी-कभी अजगर एवं सिवेट बिल्लियाँ हमारी मुर्गियों को ले जाती हैं। हाथी गांव से होते हुए चले जाते हैं और हमारी फसल खा सकते हैं। तब बाहर होना खतरनाक होता है, क्योंकि तुम गंभीर रूप से घायल हो सकते हो। शेर कभी-कभी हमारे पास आते हैं, इसलिए फिर हम घर के अंदर रहते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि पार्क में, जंगली जानवरों और गांवों, में हम मनुष्यों के बीच सामंजस्य में रहें। कभी-कभी रेंजर्स आते हैं और इसमें हमारी सहायता करते हैं," एंक्शियस कहता है।

रोडेशिया - जिम्बाब्वे

1980 में जिम्बाब्वे के स्वतंत्र होने से पहले, देश को रोडेशिया कहा जाता था और उसे एक सफेद अल्पसंख्यक समूह द्वारा नियंत्रित किया जाता था जिसकी जड़ें ब्रिटेन में थीं, जिसने 19वीं शताब्दी में इस देश का उपनिवेश किया था। रोडेशिया में, अश्वेत लोगों के पास गोरे लोगों के समान अधिकार नहीं थे। उस क्षेत्र से लोगों का जबरन विस्थापन मुख्य रूप से 1932-1975 के दौरान हुआ जो बाद में गोनारेझाउ नेशनल पार्कबन गया।

एलबर्ट एक शिकारी था

"जब मैं 14 साल क था तब मैंने स्कूल जाना छोड़ दिया और एक शिकारी बन गया। अब मुझे पता है कि मैंने यह गलत किया। मैंने अपने देश के अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों और आने वाली पीढ़ीयों के लिए अपनी विरासत को खत्म कर दिया। इसके बारे में सोचकर मुझे दुःख होता है। लेकिन अब मैं सही काम करने और इसे बनाने की कोशिश कर रहा हूं, अपने जंगली जानवरों और हमारे प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करके,"एलबर्ट चारी, कहता है, जो अब जिम्बाब्वे के गोनारेझाउ नेशनल पार्क में एक रेंजर है।

"मैं पहलेला के छोटे से गाँव में पला-बढ़ा हुआ, जहाँ मैं सात साल तक स्कूल गया। मेरे पिता गोनारेझाउ में एक रेंजर थे और मैंने उनकी और उनकी स्मार्ट वर्दीयों की प्रशंसा की। बड़ा होकर मैं भी एक रेंजर बनना चाहता था।"

"जब मेरे पिता बड़े हो रहे थे, तब उन्होंने अपने छोटे भाइयों की देखभाल की और यह सुनिश्चित किया कि उनके पास भोजन हो और वे स्कूल जा सकें। इसके बदले में, हमारे चाचाओं ने हमारी सहायता की जब पिताजी अपने सभी 14 बच्चों के लिए माध्यमिक विद्यालय का भुगतान नहीं कर सके। लेकिन जिस चाचा को मेरी स्कूल की फीस चुकानी थी, वह काम करने के लिए विदेश चला गया, जिसका मतलब था कि मैं स्कूल जाना शुरू नहीं कर सकता था। पिताजी उस समय कई महीनों से खेत में थे, और उन्हें इस बारे में पता नहीं था, इसलिए वे मेरी सहायता नहीं कर सकते थे। तब मैं 14 वर्ष का था।"

लड़का आदमी बन जाता है

"मैंने अपने दोस्त इसाक के साथ पिताजी के मवेशियों की देखभाल शुरू कर दी है। हमने राष्ट्रीय उद्यान में मवेशियों की देखभाल की, जहां बहुत सारे चरने थे, लेकिन वहीं बहुत सारे जंगली जानवर भी थे। इसाक ने कुत्तों को पाला और वे हमेशा हमारे साथ थे। पहली बार जब उसके कुत्तों ने एक बुशबक का शिकार किया और उसे मारा, तो मुझे अजीब सा लगा। हमने उसका मांस अलग किया और उसे अपने साथ घर ले गए क्योंकि मुझे पता था कि पिताजी बाहर गए हुए थे।"

"माँ खुश थी! जब एक बेटा परिवार में कोई मारा हुआ जानवर ले करके घर आता है, तो इसका मतलब है कि वह अब छोटा लड़का नहीं है, वह एक आदमी बन गया है। मुझे इस पर गर्व हुआ और खुशी हुई।"

"जब पिताजी घर आए और उन्हें एहसास हुआ कि मैंने स्कूल जाना शुरू नहीं किया है, तो उन्होंने सीधे मेरे स्कूल की फीस का भुगतान किया। लेकिन वह किताबें और स्कूल की वर्दी नहीं खरीद सकते थे, इसलिए मैं अब भी स्कूल शुरू नहीं कर सकता था।"

"हमारा परिवार बहुत बड़ा था और हम उतना अच्छा जीवन नहीं जी सकते थे जितना हम चाहते हैं, विशेष रूप से मेरी मां नहीं। इसलिए हालांकि यह मेरे रेंजर बनने के सपने के विरुद्ध गया, फिर भी मैंने फिर से शिकार करना शुरू कर दिया जैसे ही पिताजी एक नए काम से जंगल चले गए।"

कुत्तों की सहायता से शिकार

"मैंने इसाक की तरह कुत्तों को पालना शुरू किया। पार्क में हमेशा हमारे साथ कम से कम चार कुत्ते होते थे। लेकिन क्योंकि आस-पड़ोस के सभी कुत्ते मुझे जानते थे और जब मैं सीटी बजाता था, तो अक्सर शिकार पर हमारे साथ 20 कुत्ते होते थे! मैं एक भाला और धनुष इस्तेमाल करता था।"

"हम जल्दी उठ जाते थे, मवेशियों को चरने के लिए छोड़ देते थे और पार्क के और अंदर शिकार करने चले जाते थे। हम शिकार को घर लाये, जिसे हमारी माताओं ने पकाना शुरू कर दिया जब तक हम मवेशियों को लाने के लिए गए। हमने सप्ताह में चार से पांच बार शिकार किया, और मैंने वास्तव में उस जीवन का आनंद लिया। इसने हमारे परिवारों और उन सभी लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जिन्होंने अपने कुत्तों को हमारे साथ जाने दिया।"

"हम गाँव के बड़े शिकारी बन गए, और मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ! कभी-कभी मैं मांस बेचता था और मुझे अपने पहले जूतों की जोड़ी उस पैसे से खरीदना याद है जो मैंने शिकार से कमाए थे। इससे पहले मैं सारी जिंदगी नंगे पांव रहा था।"

"मुझे पता था कि जो हम कर रहे थे वह अवैध था और यह कि हम मुसीबत में पड़ सकते हैं। लेकिन मैं वास्तव में बहुत तेज धावक था, इसलिए मुझे विश्वास था कि रेंजर कभी भी मुझे पकड़ नहीं पाएंगे। यद्यपि उनके पास हथियार थे, लकिन हमें पता था कि वे उन्हें केवल हवा में चेतावनी शॉट के रूप में ही चलायेंगे, हम पर नहीं। हमने एक विशेष तरीके से सीटी बजाना भी सीख लिया था, जिसका अर्थ था कि कुत्ते हमारे सामने भागें और हमे उनके समूह के बिलकुल पीछे। इस तरह रेंजरों ने कभी हमारे कुत्तों को गोली मारने की हिम्मत नहीं की क्योंकि तब उन्हें हमको गोली मारने का जोखिम उठाना पड़ता।

एक शेर के बिलकुल पास

"मैं एक शेर के साथ अपनी पहली मुठभेड़ कभी नहीं भूलूंगा। हम शिकार करने निकले हुए थे जब अचानक हम एक शेर की मांद से होकर गुजरे जहां एक शेरनी अपने शावकों को दूध पिला रही थी। वह अपने पिछले पैरों पर खड़ी हुई और हम पर दहाड़ी। हम अपनी जगह खड़े रहे और वापस उस पर गर्जने लगे, लेकिन शेरनी ने हार नहीं मानी। फिर हम धीरे-धीरे चिल्लाते हुए पीछे की ओर चलने लगे। हम वापस एक किलोमीटर से अधिक पीछे की ओर चले और वह पूरे रास्ते हमसे लगभग दो मीटर दूर चलती गई! मुझे एक सफल शिकारी बनने के लिए जानवरों और प्रकृति के बारे में बहुत कुछ सीखना था। मैं अब एक रेंजर के रूप में उस ज्ञान का बहुत उपयोग करता हूं," एलबर्ट बताता है।

पिता क्रोधित हो गए

"मैंने अपना शिकार करना अपने पिता से छिपाया और हम कभी शिकार नहीं करते थे जब वह घर पर होते थे। लेकिन अंत में मेरे और इसाक के बारे में अफवाहें पिताजी तक पहुंच गईं।"

"मैं उस रात को कभी नहीं भूलूंगा। पिताजी गुस्से में थे और मुझे बिस्तर से बाहर निकाल दिया। मैंने जितना सोचा था, उससे कहीं ज्यादा कसके उन्होंने मुझे मारा। फिर वे मुझे इसाक के घर तक घसीट कर ले गए, जिसमें उन्होंने हमें बंद कर दिया और हमें तब तक पीटते रहे, जब तक कि हमने अंत में यह स्वीकार नहीं कर लिया कि जो अफवाह उन्होंने सुनी थी, वह सच थी। हम शिकारी थे।"

"पिताजी हमसे अत्यधिक निराश थे और हमें वन्यजीव और संरक्षण के बारे में अपना पहला सबक मिला। उन्होंने कहा कि जानवर हमारी प्राकृतिक विरासत है और वे सभी के थे। और यदि हम जानवरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ीयां केवल किताबों में ही उनके चित्रों को देखकर उन्हें अनुभव कर सकेंगी। उन्होंने यह भी समझाया कि यह जानवरों की रक्षा करने वाली उनकी नौकरी से मिलने वाला वेतन था, जो परिवार को भोजन और बाकी सभी चीजों के लिए पैसे मुहैया कराता था, जिनकी हमें जरूरत थी। यदि जानवर गायब हो जाते हैं, तो वह अपनी नौकरी खो देंगे और हमारा जीवन और कठिन हो जाएगा।"

शिकार करना जारी रखा

"मुझे अपने पिता द्वारा इतना अधिक झिड़कना बहुत बुरा लगा। मैंने सोचा, उसके बाद मुझे क्यों उनको सुनना चाहिए? हमने पिताजी को ललकारा और शिकार पर जाते रहे। हम इसलिए जा सके क्योंकि पिताजी का स्थानान्तरण ह्वांगे नेशनल पार्क में कर दिया गया।"

"जब मेरे चाचा घर आए और मुझे फिर से स्कूल शुरू करने का मौका मिला, तब भी मैंने शिकार करना चुना। मुझे ऐसा लगा कि मुझे अब स्कूल जाने की जरूरत नहीं है।"

"जब मैं गाँव में अपने घर में होता हूँ, तो मैं हमेशा जानवरों और प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण के महत्व पर बात करता हूँ, और यह कि अवैध शिकार करना कानून के विरुद्ध है। भविष्य में मैं स्कूलों का दौरा करना और उनसे अपने काम और वन्यजीव संरक्षण के बारे में बात करना पसंद करूंगा," एलबर्ट कहता है।

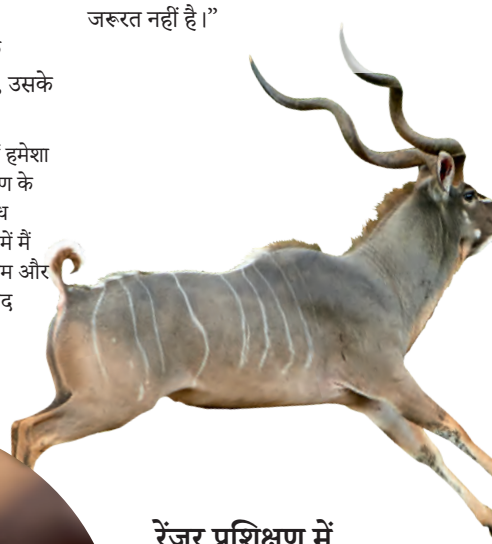

रेंजर प्रशिक्षण में शामिल हैं:

- जानवरों और प्राकृतिक वातावरण का ज्ञान।
- हथियारों का प्रशिक्षण।
- ट्रैकिंग और टोही।
- शत्रु पर घात लगाना एवं अन्य सैन्य तकनीकियां।

मारे गए हाथी

"2019 में, पार्क में अभी तक एक हाथी कम हुआ है, लेकिन मारे जाने वाले हाथियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। 2016 में, लगभग 40 हाथी मारे गए थे। 2017 में, यह आंकड़ा लगभग 20 था, और 2018 में 10. था। शिकारियों को पता है कि पार्क में अब हमारी सुरक्षा काफी बेहतर है, यहां 150 से अधिक रेंजर्स कार्यरत हैं," एलबर्ट बताता है।

"मैंने शादी कर ली, और कुछ वर्षों बाद, मेरी पत्नी ने सोचा कि मुझे वास्तव में अवैध शिकार करना बंद कर देना चाहिए। उसने कहा कि शिकार कभी भी हमारे परिवार का भविष्य नहीं बना पाएगा, यह कि हम अब उसके सहारे नहीं रह सकते जो अवैध था और इसके बजाय हमें कुछ ऐसा करना चाहिए जो सही था। यह बात इतना आगे बढ़ गई कि उसने मांस को शौचालय में फेंक दिया, वह इतनी क्रोधित हुई।"

अंत में रेंजर

"मेरी पत्नी ने मुझे वह याद दिलाने की कोशिश की जो पिताजी ने हमें वन्यजीव संरक्षण के बारे में बताया था। जब गोनारेझाउ नए रेंजरों की तलाश में था, तब मैंने आवेदन करने का निर्णय लिया। हममें से 379 ऐसे थे जिन्होंने प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया था। मैंने शुरुआती दस किलोमीटर की दौड़ जीती। लेकिन बड़े साक्षात्कार के बाद ही मुझे उनके पाठ्यक्रम में स्वीकार किया, जब उन्होंने जानवरों और प्रकृति के बारे में प्रश्न पूछे। मुझे वह सब पता थे। जब उन्होंने पूछा कि मैं इतना कैसे जानता हूं, तो मैंने ईमानदारी से उन्हें बता दिया कि मैं एक शिकारी रहा था और दस वर्षों से जंगली जानवरों के साथ रहा था। मुझे लगा कि वे मुझे उनका पाठ्यक्रम शुरू करने से

गोनारेझाउ में शिकारी

"शिकारियों को दो समूहों में विभाजित किया जा सकता है। एक समूह में इस क्षेत्र के ग्रामीण शामिल हैं जो भोजन के लिए और मांस बेचने के लिए शिकार करते हैं। वे भैंस, ज़ेबरा, इम्पाला एवं वॉटरबक का शिकार करते हैं, और मुख्य रूप से कुत्तों तथा खरगोशो का इस्तेमाल शिकार करने के लिए करते हैं, ठीक जैसे मैंने किया था। दूसरे समूह के शिकारी ज्यादातर बड़े हथियारों के साथ सीमा पर मोजाम्बिक से यहां आते हैं और हाथियों के दांतो के लिए उनका शिकार करते हैं। हमें महीने में कम से कम एक बार इस तरह के शिकारी मिलते हैं। हम शिकारियों को ट्रैक करते हैं और उनका पीछा करते हैं और उन्हें जेल में डाल देते हैं। हम कभी भी उनको मारने के लिए गोली नहीं चलाते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, कभी-कभी इन अपराधियों से स्वयं को बचाने और उन्हें गिरफ्तार करने में सक्षम होने के लिए हमें उन पर गोली चलानी पड़ती है। ऐसा पिछले महीने ही हुआ था," एलबर्ट बताता है।

मना कर देंगे, लेकिन वे चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति हो जो समझे कि शिकारी कैसे सोचते हैं और कहां जाते हैं। वे मुझे चाहते थे, और मुझे बहुत गर्व और खुशी थी! आखिरकार, यह मेरा सपना रहा था जबसे मैं एक लड़का था और अपने पिता की स्मार्ट वर्दी देखी थी।"

स्कूल में वापसी!

"मुझे अपनी दो बेटियों को यह बताने में बहुत अच्छा लगता है कि मैं जंगली जानवरों और प्राकृतिक वातावरण की रक्षा करने वाला एक रेंजर हूं, आपराधिक हत्या और वस्तुओं को नष्ट करने वाला नहीं। मुझे अब वास्तव में यह बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जरा सोचिए कि अगर मैं स्कूल में रहता, तो कितना फर्कपड़ा होता! मैं अंग्रेजी को बेहतर समझ पाया होता और यह एक रेंजर बनने का प्रशिक्षण लेना आसान बना देता। दोनों पाठ्यक्रम की पुस्तकों और निर्देशों को समझने के लिए। मुझे वास्तव में स्कूल छोड़ने का अफसोस है। मुझे उन सभी लड़कों, जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है और अब अवैध शिकार कर रहे हैं, से एक ही बात कहनी है: तुमको स्कूल वापस जाना है! एक शिक्षा प्राप्त करो ताकि तुम स्वयं की और अपने परिवार की देखभाल कर सको जिससे तुमको बड़े होकर स्वयं पर गवर हो।"

नए नायक

"मेरा पुराने शिकारी दोस्त इसाक और मेरे चार छोटे भाई भी अब रेंजर हैं। वे शायद मुझसे प्रेरित थे, और इससे मुझे वास्तव में खुशी और गर्व महसूस होता है। गांव के 10-12 साल के लड़के भी हमारी तरह बनना चाहते हैं। वे देखते हैं कि हम कितने सम्मानित हैं। वास्तव में मुझे लगता है कि आज वास्तव में हम नायक हैं, न की शकारी। युवा लड़के भी हमारे लिए वन्यजीव अपराधों की रिपोर्ट करते हैं, इसलिए वे पहले से ही इस महत्वपूर्ण कार्य में शामिल हैं!" एलबर्ट कहता है।

यहां एलबर्ट अपने भाइयों के साथ है, जिन्होंने भी रेंजर बनना चुना है। बाएं से दाएं: शेपर्ड, 25, एलबर्ट, 33, तापिवा, 24 और माइक, 31।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

एना के अधिकारों का उल्लंघन हुआ

अकेली और बहिष्कृत
"जब मैं अपने दोस्तों को स्कूल जाते देखती हूँ,जबकि मैं यहाँ फंस गई हूँ, तब मुझे दुख होता है," एना कहती है।

"मैं 14 साल की आयु में गर्भवती हो गई और मुझे स्कूल छोड़ कर शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अब मेरा जीवन एक जेल की तरह है। लेकिन सौभाग्य से, मेरे पति अवैध शिकार के बजाय, दक्षिण अफ्रीका के एक खेत में संतरे उठाते हैं। यहां कई लड़कियों ने अपने पति खो दिये हैं जो राइनो शिकारी थे, और उनका जीवन मुझसे भी अधिक कठिन है," एना, 16, कहती है, जो मोज़ाम्बिक के लिम्पोपो नेशनल पार्क के पास एक गांव में रहती है।"

"मुझे स्कूल जाना प्रिय था! मेरे सर्वप्रिय विषय गणित, अंग्रेजी और पुर्तगाली थे। निःसंदेह मैंने घर में सहायता की, लेकिन मेरे पास अपने मित्रों केसाथ समय बिताने के लिए भी होता था। हम अक्सर अपना होमवर्क एक साथ करते थे।"

"जब मैं 14 वषर की थी, तब मेरा जीवन पूरी तरह से बदल गया। मैं गभरवती हो गई और मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा। हमारी परंपरा केअनुसार, मुझे उस वयिक्त की पत्नी माना जाता था जिसके दवारा मैं गभरवती हुई। मैं उसकेपरिवार की थी और वे नही चाहते थे कि मैं स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखूं । मैं रोई, लेकिन मैं कुछ कह नही सकी। मेरी भूमिका अपना बच्चा, अपना पति और घर की देखभाल करने वाली बन गई।"

"मेरा पति केवल 20 वषर का है, और शुरू से ही किसी ने मुझे उनके साथ रिश्ते बनाने के लिए मजबूर नहीं किया। लेकिन मैं इस पर निराश थी कि वह इस प्रकार का पति निकला जो मेरे बारे में सभी निर्णय लेता था। उसने मुझे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया और वह मुझे फिर से स्कूल जाना शुरू करने से मना किया। मुझे पता है, क्योंकि मैंने हाल ही में उससे इसके लिए पूछा था। मैं दुखी और नाराज थी, लेकिन यहाँ पति फैसला करता है, और मुझे उसे मानना होता है।"

जेल जैसा
"मैं बरामदे की सफाई करती हूं, लकड़ी लाती हूं, खेत में काम करती हूं, मक्का पीसती हूं और अपनी बेटी की देखभाल करती हूं। मेरा पति उसके लिए कपड़े खरीदता है, अन्यथा मैं ही अपनी बेटी की देखभाल करती हूं। मैं अपने पति के कपड़े धोती हूं, यह सुनिश्चित करती हूं कि वहां सदैव पानी हो जिससे वह स्वयं को धो सकें, और मैं उसके लिए भोजन बनाती हूं। वह मुझे मेरे मित्रों से मिलने से मना करता है और यह मुझे अकेला और सबसे अलग महसूस कराता है। मैं उन्हें स्कूल जाते हुए देखती हूं और यह मुझे दुखी करता है। मैं वहां रहती हूं जहां मैं वह सब नहीं कर सकती जो मैं चाहती हूं या उससे मिल सकूं जिससे मैं मिलना चाहती हूं। यह एक जेल की तरह है।"

पति गायब हो जाते हैं
"यहाँ कोई नौकरीयां नहीं है, इसलिए मेरा पति दक्षिण अफ्रीका के एक खेत में पोड़ों से संतरे तोड़ता है। वह साल में एक-दो बार ही घर आते है। यह आसान नहीं है, लेकिन कम से कम यह उससे बेहतर है यिद वह एक राइनो शिकारी रहे होते।"

"मेरे रिश्तेदारों में से एक की दक्षिण अफ्रीका में अवैध शिकार करते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, और इस गाँव के कई शिकारी जेल में हैं। पतियों के गायब होने पर परिवारों का रहना बहुत मुश्किल हो जाता है। जब उनके पास कोई पैसा नहीं होता, तो भोजन खरीदना और बच्चों की स्कूली शिक्षा के लिए भुगतान करना कठिन होता है। कम से कम मुझे इसकी चिंता नहीं है। लेकिन मैं हर दिन स्कूल के बारे में सोचती हूं। ऐसा लगता है कि जिस दिन मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा, उसी दिन मैंने एक अच्छा जीवन बिताने का अवसर खो दिया।"

लड़कियों का कहना माइने नहीं रखता
"यहाँ लड़कों और लड़कियों के समान अधिकार नहीं है। लड़कियों के लिए जीवन कठिन है, जो सफाई करती हैं, भोजन बनाती हैं और घर के सभी काम करती हैं। लड़के कुछ नहीं करते। लेकिन उनकी आवाज और राय लड़कियों की तुलना में अधिक माइने रखती है, परिवार में, स्कूल में और गाँव में। मुझे वास्तव में यह अच्छा नहीं लगता। यह सही नहीं है, स्थिति को बदलना चाहिए।"

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

पाउलो शिकारी के लिए अब बहुत हो चुका

"मैंने 13 साल की आयु में स्कू ल छोड़ दिया और पूरे समय शिकार करना शुरू कर दिया। मुझे स्कू ल जाना जारी रखना व्यथर लगने लगा, क्योंकि यहाँ वैसे भी कोई नौकरीयां नहीं हैं। लेकिन अब मेरे लिए अब बहुत हो चुका। बहुत सारे शिकारी और रेंजर मारे जा रहे हैं। शिकार को रोकना होगा," पाउलो, 16, जो मोजाम्बिक के लिम्पोपो नेशनल पाकर के पास, एक गाँव में रहता है।

"हम आमतौर पर सुबह जल्दी शिकार करते हैं, लेकिन कभी-कभी शाम को भी तेज़ टार्चों का इस्तेमाल करके। जानवर प्रकाश की ओर खिंच जाते हैं, वे अंधे एवं अचल हो जाते हैं, और फिर हम कुत्तों को शिकार को मारने के लिए भेजते हैं। यदि वह कोई छोटा जानवर होता है, तो कुत्ते उसे तुरन्त मार देते हैं, लेकिन अगर वह बड़ा है जैसे इम्पाला, तो उसे एक कुल्हाड़ी और पंगा का उपयोग करके मार देते हैं, जिसे कुत्तों ने पकड़ा होता है," पाउलो कहता है।

"लोगों ने यहां सदैव जीवित रहने के लिए ही शिकार किया है। यह जीवन का एक तरीका है, हम शिकारी हैं। मुझे लगता है कि क्योंइसी लिए कई लोग अपराध इसके होने के बावजूद भी शिकार करना जारी रखते हैं। मेरे लिए भी यही बात है। मेरे पिताजी और मेरे दादा दोनों शिकारी हैं। मैं बस वही कर रहा हूं जो वे करते हैं।"

"मैंने 10 साल की आयु में लिम्पोपो नेशनल पाकर में अपने कुत्तों केसाथ शिकार करना शुरू किया था। कुत्तों को लेकर शिकार करना यहाँ का पारंपरिक तरीका है। मैं जल्दी उठता हूं, अपने ग्यारह कुत्तों को एकतिरत करता हूं - सात बड़े और चार छोटे - और अपने तीन दोस्तों के साथ शिकार करन निकल जाता हूं। हम इम्पाला और अन्य छोटे जानवरों का शिकार करते हैं। हमें हर समय नजर रखनी होती है, कि रेंजसर हमें न देख लें।"

"मैं एक जल्दी सुबह को कभी नहीं भूलूंगा जब मैं 14 वर्ष का था। हम एक इम्पाला का पीछा कर रहे थे और मैंने उसके पीछे कुत्तों को भेज दिया। मैं एक झाड़ी में छिपा हुआ था जब मैंने अचानक देखा कि कुत्ते रेंजरों से घिर गए थे। उन्होंने इम्पाला की रक्षा करने के लिए मेरे तीन कुत्तों की गोली से मार दिया। मैं जितनी तेजी से भाग सकता था भागा और भाग निकलने में कामयाब रहा। मेरे कई अन्य कुत्ते घायल हो गए थे और उनके शरीर में रबर की गोलियां लगी थीं। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब रेंजरों की रबर वाली गोलियों ने हमें डरा कर पार्क से बाहर कर दिया है तब से बहुत दूर है। और मेरा एक दोस्त, जो 16 वर्ष का है, को गिरफ्तार किया गया और वह दस महीने तक जेल में बंद रहा।"

राइनो का शिकार

"शिकार सिर्फ परंपरा के बारे में नहीं है। बहुत से लोग पैसे के लिए शिकार करते हैं, क्योंकि यहाँ कोई नौकरीयां नहीं है। पिताजी और उनके दोस्त पार्क में अवैध शिकार करते हैं, लेकिन राइनो के लिए भी। वे सीमा पार करके दक्षिण अफ्रीका में चले जाते हैं, क्योंकि यहां के गेंडों का शिकार करके उनको लगभग विलुप्त कर दिया गया है। वे राइनो हॉर्न के पीछे रहते है जो कि बहुत मूल्यवान होता है। वे उसे या तो सबसे निकटतम बड़े शहर में, या राजधानी मापुटो में बेच देते हैं।"

"शिकारियों की एक टीम अक्सर चार लोगों से बनी होती है, और टीम के प्रत्येक शिकारी को एक सींग के लिए 800,000 मेटिकाइस (13,000 यूएस डWलर) मिल सकते हैं!

यहाँ हर कोई, जिसके पास एक अच्छा घर और कार है, वह अवैध शिकार के जरिए है। हर कोई। मेरे परिवार के लिए भी ऐसा ही है। हमारे दो घर, टीवी, सैटेलाइट डिश, मोबाइल फोन, सीडी प्लेयर और पिकअप ट्रक सभी को राइनो अवैध शिकार के पैसे से खरीदा गया था। लोग टैक्सी के कारोबार और मछली पकड़ने से लेकर अवैध शिकार तक के पैसों का इस्तेमाल करके कंपनियां शुरू करते हैं।"

"यहां लगभग सभी के लिए अवैध शिकार एक जीवन शैली बन गया है। माता-पिता अपने बच्चों को बताते हैं कि अगर वे गरीबी में रहना चाहते हैं तो यही एकमात्र तरीका है। और हम वही करते हैं जो हमारे माता-पिता हमसे कहते हैं।"

अपने कुत्तों से प्यार करता है

"जब मेरे कुत्तों को रेंजरों ने गोली मारी, तो मुझे गुस्सा आया और मैं दुखी हुआ। मुझे जीवित बचे कुत्तों के शरीर से रबर की गोलियां निकालने की कोशिश करनी पड़ी, और यह भयानक था। लेकिन अब मैं समझता हूं कि रेंजर केवल अपना काम कर रहे थे, और वे इसे अच्छी तरह से कर रहे थे। वे इम्पाला की रक्षा करना चाहते थे और मुझे अवैध शिकार करने से रोकना चाहते थे," पाउलो कहता है।

“शिकारियों की एक टीम अक्सर चार लोगों से बनी होती है, और टीम के प्रत्येक शिकारी को एक सींग के लिए 800,000 मेटिकाइस (यूएस डॉलर 13,000) मिल सकते हैं!”

पाउलो ने इम्पाला और वॉटरबक दोनों का शिकार किया है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

युद्ध की तरह

“योजना यह थी कि मैं यहाँ पार्क में छोटे जानवरों का शिकार करने का अभ्यास करूँगा, और फिर अपने पिता के साथ दक्षिण अफ्रीका में राइनो का शिकार करना शुरू करूँगा। लेकिन अब मैंने अपना विचार बदल दिया है। मेरे पिता ने भी, क्योंकि उन्हें डर है कि मुझे मार दिया जाएगा या मैं जेल में बंद कर दिया जाऊँगा। क्योंकि यह काम बहुत खतरनाक है।”

“मोजाम्बिक और दक्षिण अफ्रीका दोनों में रेंजरों ने सुरक्षा बढ़ा दी है और इस गांव के कई लोग मारे गए हैं। मेरे एक पड़ोसी की हाल ही में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लेकिन यह केवल शिकारी ही नहीं हैं जो मारे जा रहे हैं। कई रेंजरों की भी गोली मारकर हत्या की गई है। यह एक युद्ध जैसा है। यह अच्छा नहीं लगता: अवैध शिकार एक अपराध है और यह गलत है। इसे समाप्त किया जाना चाहिए।”

“स्कूल में मैंने सीखा था कि हमें अपने जंगली जानवरों की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि अन्यथा वे विलुप्त हो जाएंगे। यहाँ के गेंडों की तरह। रेंजरों के पास जानवरों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने का एक महत्वपूर्ण काम है, और उन्हें ऐसा करने के लिए भुगतान किया जाता है। जो लोग सही काम करते हैं वे मस्त होते हैं। मैं उनके जैसा होना चाहता हूं, कोई अपराधी नहीं जो शिकार किया करता हो।”

“लेकिन मुझे शायद एक रेंजर के रूप में नौकरी नहीं मिल सकती क्योंकि मैंने इतनी जल्दी स्कूल छोड़ दिया। मेरी सबसे बड़ी इच्छा है कि मैं अपनी शिक्षा जारी रखूँ और अपने जीवन को सार्थक बनाऊँ।”

लिम्पोपो नेशनल पार्क के बाहर गांवों को नए घरों के साथ बनाया गया है।

"मेरे गाँव में मेरी आयु के कई लड़के स्कूल नहीं जाते। वे इसके बजाय शिकार करने जाते हैं। जानवरों को मारकर, वे ऐसे अपराध कर रहे हैं जो मोजाम्बिक को और गरीब बना देगा। लेकिन इन लड़कों के अधिकारों का भी उल्लंघन हो रहा है जब उनके माता-पिता उन्हें स्कूल जाने के बजाय शिकार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह हर बच्चे का अधिकार है कि वह स्कूल जा सके," लुइस कहता है, जो मोज़ाम्बिक के लिम्पोपो नेशनल पार्क के पास रहता है।

जानवरों से प्यार करता है, अवैध शिकार से

लड़कियों की शादी कर दी गई
यह सप्ताह का अंत है, और लुइस अपनी छोटी बहन रिजे को होमवर्क करने में सहायता कर रहा है।

"सभी लड़कियों को यहाँ स्कूल जाना नहीं मिलता है, लेकिन मेरे परिवार में, दोनों लड़कियाँ और लड़कों को स्कूल जाना मिलता है। मेरा सर्वप्रिय विषय पुर्तगाली है, और बड़े हो कर मैं एक शिक्षक बनना चाहती हूं," रिजे, 10, कहती है।

"लड़कियों के लिए स्कूल की पढ़ाई जारी रखना सबसे कठिन होता है, क्योंकि मेरी आयु की कई लड़कियों की शादी हो चुकी है। यह गलत है कि कोई व्यक्ति जो स्वयं एक बच्चा हो, उसे एक अभिभावक बनना पड़े और यह जानना पड़े कि बच्चों की देखभाल कैसे करें। सभी बच्चों को स्कूल जाना चाहिए," लुइस कहता है।

"मेरे भाई-बहन और मैं स्कूल जाते हैं, दोनों भाई-बहन। हम किसी भी तरह से समृद्ध नहीं हैं, लेकिन माँ और पिताजी कड़ी मेहनत करते हैं ताकि हम स्कूल जा सकें और एक अच्छा जीवन जी सकें। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे हमसे प्यार करते हैं। मां और पिताजी मक्का, शकरकंद और कसावा उगाते हैं। वे दोनों खेतों में काम करते हैं, और सप्ताहांत पर मेरे भाई-बहनों और मैं उनकी सहायता करते हैं।"

"मेरी आयु के लड़के जो स्कूल नहीं जाते हैं वे लगभग हमेशा पार्क में अवैध शिकार शुरू करते हैं, और उन्हें अक्सर अपने माता-पिता द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। यह पागलपन है, क्योंकि वे गोली से मारे जा सकते हैं या जेल में बंद किये जा सकते हैं। गाँव में कई लोग हैं जो शिकारी हैं, और मुझे लगता है कि यह मुख्यतः इसलिए है क्योंकि इनको पर्याप्त स्कूली शिक्षा नहीं मिली। वे नहीं समझते कि जानवरों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना कितना महत्वपूर्ण है। यह कि प्रकृति में हर वस्तु अनमोल है और एक प्राकृतिक चक्र के भाग के रूप में उससे जुड़ी हुई है। वे नहीं समझते कि ये जानवर संकटग्रस्त हैं; यह कि एक दिन कोई गैंडा नहीं बचेगा, और फिर वे और अधिक पैसा नहीं कमा पाएंगे।

तुमको कड़ी मेहनत करनी होगी
"कुछ लोग कहते हैं कि वे शिकार इसलिए करते हैं क्योंकि यहाँ कोई नौकरियां नहीं हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि एक भी अच्छा कारण है जिससे अवैध शिकार करना सही लगता है। यदि तुम नौकरी चाहते हो और जीवित रहना चाहते हो, तो तुम हमेशा कुछ पा सकते हो। तुम मेरे पिता की तरह मछुआरे या किसान हो सकते हो। तब तुमको भोजन और फसल दानों मिलता है, या पकड़ी गई मछलियां जिनको बेच कर तुम पैसा कमा सकते हो। वे आसान नौकरियां नहीं हैं, तुमको जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। और पिताजी कहते हैं कि मक्का और शकरकंद उगाना अधिक कठिन होता जा रहा है; यह कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा तब नहीं होती है जब उसे होना चाहिए। लेकिन हममें से जो लोग यहाँ रहते हैं, वे रेंजरों के रूप में भी काम कर सकते हैं और जानवरों को मारने के बजाय उनकी रक्षा कर सकते हैं। इस प्रकार हम प्राकृतिक वातावरण की देखभाल करते हैं और जलवायु की भी सहायता करते हैं।"

"मैंने स्कूल में प्रकृति, पर्यावरण और जंगली जानवरों के बारे में पढ़ा है, लेकिन मेरा जानवरों के प्रति प्रेम और उन्हें मारने के बजाय उनकी रक्षा करने की इच्छा अपने माता-पिता के कारण है।"

स्कूल सबसे महत्वपूर्ण
"अगर मुझे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए अपने घर की टीन की छत भी बेचनी पड़े, तो मैं ऐसा ही करूंगा! शिक्षा से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। फिर तुम एक अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकते हो और अवैध शिकार शुरू नहीं करते और उसे एक अच्छा जीवन मानकर मूर्ख नहीं बन सकते। क्योंकि यह अच्छी जिन्दगी नहीं है," लुइस के पिता आइज़ेक कहते हैं।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

सहायता करना

“हर सप्ताह के अंत में, मेरे भाई-बहन और मैं खेतों में, मम्मी और पिताजी की सहायता करते हैं,” लुइस कहता है।

मोजाम्बिक प्रभावित है

लुइस का कहना है कि जो बच्चे स्कूल जाना छोड़ देते है और अवैध शिकार करने लगते हैं, वे मोज़ाम्बिक को तीन तरह से गरीब बना रहे हैं:

1. यदि तुम स्कूल नहीं जाते और महत्वपूर्ण बातें नहीं सीखते, तो तुमसे मोजाम्बिक को विकास करने में सहायता लेना कठिन होगा।
2. अगर हाथी, गैंडे, इम्पला और अन्य अद्भुत जानवर मर कर पृथ्वी पर समाप्त हो जाते हैं, तो मोजाम्बिक अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपत्ति दोनों खो देगा। देश गरीब हो जाएगा और हर किसी को हानि पहुचेगी
3. यदि अवैध शिकार जारी रहता है, तो देश और गाँव उन पैसों और नौकरियों को खो देंगे जो पर्यटक जंगली जानवरों का अनुभव करने के लिए यहां आकर उत्पन्न करते हैं। ग्रामीण होटलों एवं भोजनालयों में, तथा गाइडों एवं रेंजरों के रूप में काम करना शुरू कर सकते हैं, लेकिन अगर कोई जंगली जानवर होंगे ही नहीं हैं, तो कोई भी पर्यटक नहीं आएगा और कोई नौकरी नहीं बचेगी।

नफरत करता है

ज्ञान महत्वपूर्ण है

“यदि हम अवैध शिकार को समाप्त करने की सोचते हैं, तो ज्ञान ही हमारा एकमात्र साधन है। हमें कम आयु में ही जानवरों, प्रकृति, पर्यावरण एवं बाल अधिकारों के बारे में अधिक पढ़ने की आवश्यकता है। इस तरह हम आज के माता-पिता से बेहतर हो जाएंगे, और अपने बच्चों को बाहर शौच के लिए नहीं भेजेंगे, बल्कि अपनी लड़कियों और लड़कों को स्कूल जाने का अधिकार देंगे, जैसा कि उन्हें मिलना चाहिए।”

परिवार शिकार के खिलाफ

“फिलहाल, गाँव के आठ पुरुष दक्षिण अफ्रीका की जेल में हैं जो आठ साल तक की लंबी सजा काट रहे हैं। और ग्यारह ग्रामीणों की गोली मारकर रेंजरों ने हत्या कर दी है: दक्षिण अफ्रीका में दस और मोजाम्बिक में एक,” लुइस के पिता आइज़ेक बताते हैं। “मेरे चचेरे भाई को दक्षिण अफ्रीका में राइनो के अवैध शिकार के लिए मारा गया था। उसका दो साल का बेटा बिना पिता के रह गया। यह भयंकर है। उसी समय मेरी समझ में आया कि ऐसा क्यों हुआ। अवैध शिकार करना एक अपराध है, यह सभी जानते हैं, लेकिन तब भी वह करता रहा,” लुइस कहता है।

“हमें यह भी सोचना बंद कर देना चाहिए कि शिकारी शांत और सफल हैं। वे अपराधियों से अधिक कुछ नहीं हैं। हमें ऐसे आदर्श व्यक्तियों की जरूरत है जो सफल रहे हों क्योंकि वे स्कूल गए हों और कड़ी मेहनत की हो, इसलिए नहीं कि उन्होंने चोरी की हो और मार दिये गए हों। मैं एक ऐसा ही व्यक्ति बनना चाहता हूं। मैं एक इंजीनियर बनना चाहता हूं और धन कमाना चाहता हूं, मेरा एक सुंदर घर हो और एक अच्छी कार हो। लेकिन मैं जीवन में, समाज के लिए, कुछ महत्वपूर्ण काम करके, चमकना भी चाहता हूं। निर्माण करने और सहायता करने के लिए, न की बिगाड़ने और नष्ट करने के लिए।”

फुटबॉल सबसे अच्छा

“मुझे अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलना सबसे अच्छा लगता है!” लुइस कहता है।

पिता को अवैध शिकार करने पर मार दिया गया

“पिछले वर्ष, जब मेरे पिता दक्षिण अफ्रीका में गेंडों का शिकार कर रहे थे, तब उनको रेंजरों ने गोली मार दी। मुझे हर दिन उनकी याद आती है,” रोनाल्डो, 13, कहता है, जो मोजाम्बिक के लिम्पोपो नेशनल पार्क के गाँवों में से एक में कई शिकारियों के साथ रहता है।

“पिताजी और मैं सबसे अच्छे दोस्त थे और उनके बिना मुझे बहुत खाली-खाली सा लगता है। साथ ही, मैं वास्तव में, उनसे एक शिकारी के रूप में दक्षिण अफ्रीका जाने और मारे जाने से क्रोधित हूं। मुझे अवैध शिकार करने से नफरत है। जानवरों को मारना गलत है क्योंकि वे निर्दोष होते हैं और स्वयं के लिए कुछ बोल नहीं सकते। और यह जानवरों को मारना कानून के विरुद्ध है। काश मेरे पिता ने कुछ अलग किया होता, लेकिन उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि हम गरीब हैं।”

“मां और मैं अब अकेले रहते हैं, और अब पहले जैसा हुआ करता था वैसा कुछ भी नहीं है। मेरी दो छोटी बहनें मेरी चाची के साथ देश के एक अन्य भाग में चली गईं, क्योंकि माँ अपने सभी बच्चों की देखभाल स्वयं नहीं कर सकती थीं। मां मछली पकड़ने जाती है और शहर के बाजार में अपनी पकड़ बेच देती है। कभी-कभी हमारे पास पर्याप्त पैसा होता है, कभी-कभी नहीं, और मैं अक्सर भूखा सो जाता हूं।”

“मैं अभी कक्षा 6 में हूं और मेरे चाचा मेरे स्कूल की फीस का भुगतान करने में सहायता करते हैं, लेकिन हम स्कूल की ड्रेस नहीं खरीद सकते। कभी-कभी इस वजह से मैं चिढ़ जाता हूं। दूसरे लोग कहते हैं कि मैं गरीब हूं और यह मुझे दुखी करता है। लेकिन स्कूल में मेरे जैसे बहुत सारे बच्चे हैं। उनके भी घर पर अब उनके पिता नहीं हैं, क्योंकि उन्हें अवैध शिकार करते पकड़ा गया था जिस कारण उन्हें या तो गोली मार दी गई या जेल में डाल दिया गया। आमतौर पर, यहां पुरुष महिलाओं की अपेक्षा अधिक कमाते हैं, अतः जब पिता गायब हो जाते हैं तो मां के लिए अकेले अपने परिवार का खर्चा चलाना बहुत कठिन हो जाता है।”

“मैं कभी शिकार नहीं बनूंगा। हर सप्ताह के अंत में, मैं मवेशियों की देखभाल करने में दादाजी की सहायता करता हूं, लेकिन मेरा सपना एक इंजीनियर बनने का है। और मुझे फुटबॉल खेलना बहुत प्रिय है, यह सबसे अच्छी चीज़ है!”

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: PEACE PARKS FOUNDATION

मीरा एक रेंजर है

“जब मैं 13 वर्ष की थी, तब मुझे एक प्रारम्भिक शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू करने का अवसर मिला। यह मेरा सपना था, और मां वास्तव में गर्व महसूस कर रही थी, लेकिन पिता ने कहा नहीं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा नहीं उचित है। और क्योंकि यहाँ पुरुषों की ही चलती है, महिलाओं की नहीं, इसलिए मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा,” मीरा कहती है। अब वह मोज़ाम्बिक के लिम्पोपो नेशनल पार्क में तीन महिला रेंजरों में से एक है, जिसमें उसको शिकारियों को ट्रैक करने, गिरफ्तार करने और जेल में बंद करने का खतरनाक काम करना पड़ता है।

“मेरे माता-पिता का तलाक हो गया था जब मैं तीन साल की थी। मेरे पिता ने मुझे मां से मिलने से रोक दिया और अपने एवं उनकी दूसरी पत्नी के साथ मुझे रहने के लिए मजबूर कर दिया। मुझे तब तक कोई खाना नहीं मिल पाता था, जब तक कि उनके सारे बच्चों ने भरपेट खाना नहीं खा लिया होता था और मुझे केवल बचा-खुचा ही मिल पाता था, जो कभी पर्याप्त नहीं होता था। मैं सदैव भूखी रहती थी, और मैं बाजार में ब्रेड के टुकड़े उठाने के लिए चली जाती थी और जो कुछ भी जमीन पर पड़ा मिलता था उसे उठा कर खा लिया करती थी।”

“जब पिताजी ने मुझे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया, तो मुझे पूरे दिन घर पर रहना पड़ता था। मैं बिखर चुकी थी। लेकिन पिताजी को पता नहीं था कि कुछ वर्षों से, मैं स्कूल से घर लौटते समय बाजार में, अपनी मां से गुप्त रूप से मिल लिया करती थी। मैंने अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए उसके पास भाग कर जाने का निर्णय लिया।”

पिटाई

“तीन दिन बाद मैं बाहर निकल पड़ी, लेकिन पिताजी ने मुझे पकड़ लिया और घर ले आए। उन्होंने मुझे एक कुर्सी से बांध दिया और एक रबर की पाइप से मारा। उन्होंने कहा कि वह मुझमें से बुरी आत्मा को बाहर निकाल देंगे जो मेरी मां ने मुझमें संक्रमित कर दी है। फिर उन्होंने मुझे अपनी बहन के साथ घर से दूर एक गाँव में छोड़ दिया, जहाँ मुझे उनके खेतों में काम करना होता था। जब मैंने कहा कि इसके बजाए मैं स्कूल जाना चाहूंगी, तो उन्होंने कहा कि अब मुझे बस एक कुदाल चलाना सीखने की ही जरूरत है।”

“नौ महीने बाद, मुझे पता चला कि एक दिन मां की अचानक मृत्यु हो गई। मैं बहुत रोई। जब मुझे ले जाया गया था तब मुझे अपनी माँ को अलविदा कहने का समय भी नहीं मिल पाया था, और अब मुझे ऐसा लगा कि मेरे पास जीने के लिए कुछ नहीं बचा है। लेकिन अंत में मैंने अपनी ताकत बटोरी और अपनी माँ की याद को सम्मान देने के लिए भाग

पिता केसाथ शांति

“मेरी दादी, जो पास में रहती थी, को अंततः पता चला कि मेरे साथ बुरा बतारव किया जा रहा है। जब पिताजी और उनकी पत्नी खेतों में गए, तो दादी ने मेरे लिए एक मफ़ुरेरा केपेड़ केछेद में भोजन छिपा दिया, जो उनकेघर केबाहर लगा था। मुझे लगता है कि उन्होंने मेरी जान बचाई।

मैंने अपने पिता को एक रेंजर के रूप में अपना पहला वेतन दिया। उन्हें एक अच्छा सूट, एक टोपी और जूते भी मिले। इससे वह रो पड़ी। मुझे लगता है कि उन्हें इस बात पर शर्म आ रही थी कि उन्होंने मेरे साथ कैसा बर्ताव किया। लेकिन अब मैंने उनसे बना ली है। मैंने उन्हें माफ कर दिया,” मीरा कहती है।

मीरा अन्य लड़कियों की तरह नहीं

“मीरा शिविर में 23 से अधिक पुरुषों का प्रबंधन करती है। महिलाओं के लिए यहां मोजाम्बिक में पुरुषों का प्रबंधन करना असामान्य है। मीरा एक प्रबंधक है क्योंकि वह सबसे बेहतर है, इसलिए नहीं कि वह एक महिला है, ”एक गर्वित ‘जोस जवाला’ कहता है, जो शिविर के नेताओं में से एक है।”

रेडियो द्वारा संपर्क

“हम रेडियो द्वारा होने वाली हर घटना की रिपोर्ट करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि उन्हें हमारे द्वारा पकड़े गए शिकारियों को उठाने के लिए हेलीकॉप्टर भेजने की आवश्यकता पड़ती है।”

निकलने, स्कूल की पढ़ाई समाप्त करने और अपनी एक अच्छी जिंदगी शुरू करने का निर्णय लिया। मुझे पता था कि इससे उनको खुश मिली होती।”

घरेलू सहायता

“मैं राजधानी मापुटो भागने में कामयाब रही, जहां मैंने एक घरेलू सहायता के रूप में काम करना शुरू कर दिया। मैं उस समय 14 वर्ष की थी। कुछ समय बाद मैंने पर्याप्त पैसे बचा लिए जिससे मैं एक रिश्तेदार के वहां रहने और फिर से स्कूल जाना लगी। स्कूल जाने के साथ, मैंने खाना बनाया जिसे लोगों ने अपनी दावतों के लिए खरीदा, और इससे मुझे माध्यमिक स्कूल का शुल्क देने और पढ़ाई समाप्त करने में सहायता मिली।”

“एक दिन मैंने टीवी पर देखा कि एक राष्ट्रीय उद्यान, ईको-पर्यटन पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। मुझे सदैव से पशुओं एवं प्रकृति से प्रेम था, अतः मैंने उसके लिए तुरंत आवेदन किया जिसको स्वीकार कर लिया गया। जब मैंने पाठ्यक्रम पूरा कर लिया, तो मैंने लिम्पोपो में रेंजर प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया। इसे देश भेर में सबसे बेहतर और कठिन प्रशिक्षण माना जाता है। खराब क्षेत्रों में दौड़ने, लंबी पैदल यात्रा करने, साइकिल चलाने तथा बहुत सारे अन्य वास्तव में कठिन परीक्षणों के बाद, 140 में से 40 आवेदक बचे रह गए। और बस तीन लड़कियां, जिनमें मैं भी थी। मैं अति प्रसन्न थी!”

रेंजर

“मैं दस महीने से यहाँ एक रेंजर एवं ग्रुप लीडर की तरह काम कर रही हूँ, और मुझे यह प्रिय है! मेरा काम लिम्पोपो में जानवरों और पौधों की जैव विविधता की रक्षा करना है। मेरे लिए, इसमें मुख्य रूप से शिकारियों पर नजर रखना, उन्हें पकड़ना और गिरफ्तार करना शामिल है। हम जालों को भी ढूढते और बटोरते हैं और जानवरों को संरक्षित करने और प्राकृतिक पर्यावरण के महत्व के बारे में ग्रामीणों को शिक्षित करते हैं। इसका आर्थिक महत्व है, क्योंकि जंगली जानवरों का पर्यटन दोनों रोजगार एवं और धन उत्पन्न करता है - लेकिन सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी - उदाहरण के लिए, मेरे दस कामगार, पार्क के बाहर उससे सटे गरीब गांवों से हैं। जंगली जानवर हमारी विरासत और पहचान का एक भाग हैं।”

“जब हम गांवों का दौरा करते हैं, तो यह बहुत स्पष्ट दिखता है कि यहाँ लड़कों और लड़कियों के समान अधिकार नहीं हैं। लड़कियों को स्कूल जाने के वहीं अवसर नहीं मिलते, और कई माता-पिता गायों और पैसे के बदले में अपनी 14 वर्षीय बेटियों की शादी कर देते हैं। मुझे उससे नफरत है। अन्य लड़कियों को जीवित रहने के लिए अपने शरीर को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।”

“मैं गांवों और स्कूलों का दौरा करना चाहता हूं और उन्हें वन्यजीव संरक्षण और लड़कियों के अधिकारों के बारे में बताना चाहता हूं। यह दिखाने के लिए कि कठिनाईयों और गरीब होने पर भी, जीवन में सफल होना और महत्वपूर्ण काम करना संभव है। लड़की होने के बावजूद।”

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

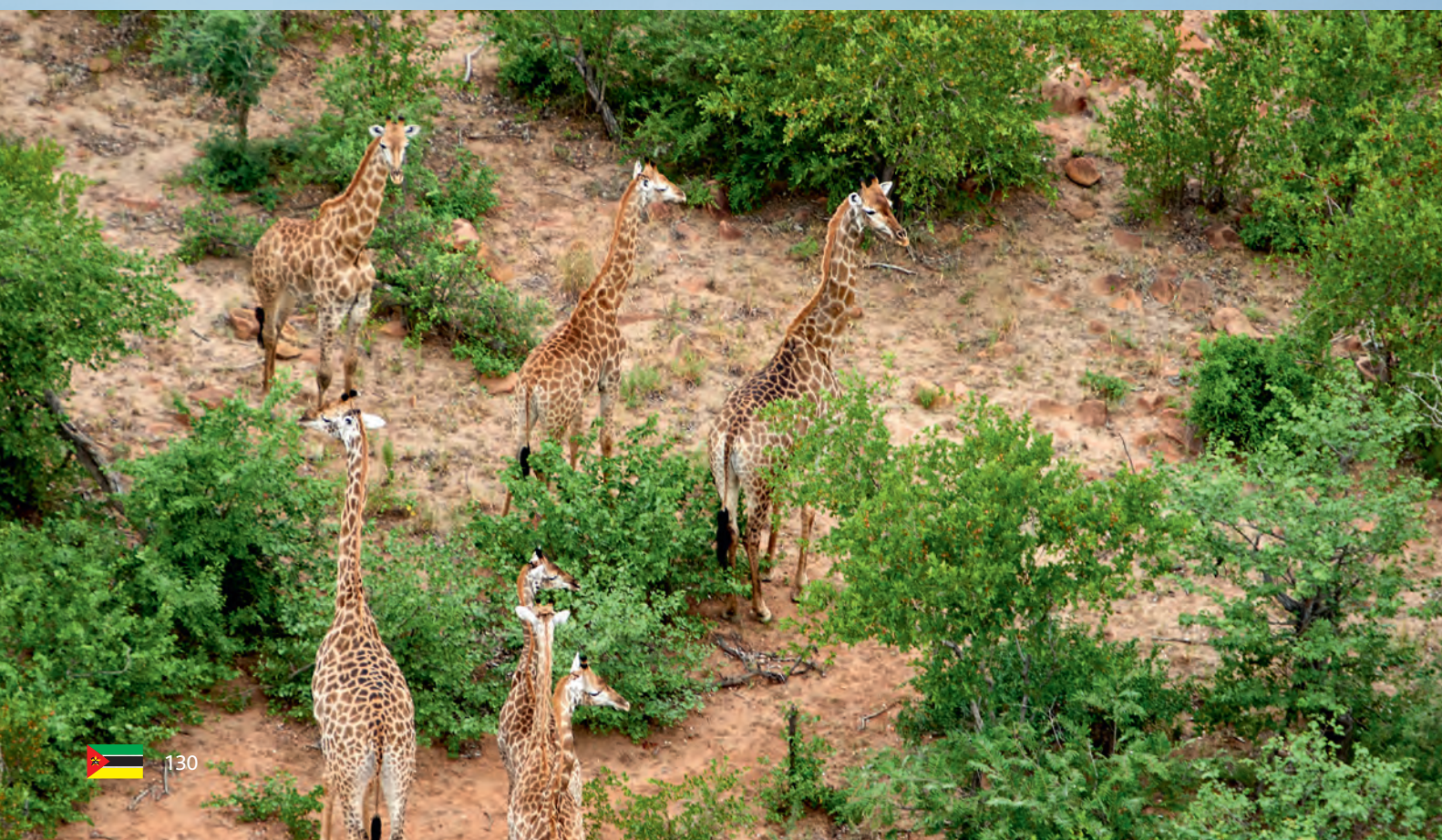

खतरनाक काम

"मैं वास्तव में 'लुक्रेससेनसिया मैकुआकुआ' कहलाती हूँ, लेकिन हर कोई मुझे मीरा कहता है!" स्वाभाविक रूप से मुझे चिंता है कि मैं या मेरा कोई काम करने वाला घायल हो जाएगा या मार दिया जाएगा। लेकिन अगर मैं नौकरी करते समय मर जाती हूं, तो मैं खुशी से मरूंगी, क्योंकि तब मैं जो सही है, उसके बचाव के लिए लड़ते हुए मरूंगी," मीरा कहती है।

बहुमूल्य राइनो सींग

"बहुत समय नहीं हुआ, जब मैं एक टीम का भाग थी जिसने दक्षिण अफ्रीकी सीमा पर शिकारियों को ट्रैक करके पकड़ा और कब्जा कर लिया था जिन्होंने एक राइनो को मार दिया था। अभी-अभी मैंने अदालत में सबूत दिये हैं, और अब शिकारियों को 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। एक किलो राइनो हॉर्न का मूल्य 8,500 यूएस डॉलर है। यहां एक महीने की न्यूनतम मजदूरी 60 यूएस डॉलर है, लेकिन यहां बहुत सारे लोग हैं जो इतना भी नहीं कमा पाते। लेकिन यदि तुम गरीब हो, तो भी तुम्हारे पास नहीं कहने का अवसर होता है जब एशिया के संगठित अपराधी तुमसे हमारे जानवरों को गोली मारने के लिए कहते हैं। तुम्हारे पास हमेशा सही काम करने का अवसर होता है।"

लंबी पैदल यात्राएं

"जब हम पैदल गश्त कर रहे होते हैं तब हम एक दिन में कम से कम 20 किमी की पैदल यात्रा करते हैं। हमारे पास भोजन, पानी और सब कुछ होता है जिसकी हमें तब तक झाड़ीयों में पड़े रहने की जरूरत पड़ती है जब तक हम शिकारियों को ट्रैक करने में लगे रहते हैं। सबसे लंबे समय तक मुझे पाँच दिन बाहर रहना पड़ता है। हम शिलाखंडों पर सोते हैं, कभी जमीन पर नहीं, क्योंकि वहाँ हमारे भैंस द्वारा रौंद दिए जाने का जोखिम रहता है!" मीरा कहती हैं।

"हम एक महीने में तीन सप्ताह काम करते हैं और एक सप्ताह छुट्टी पर रहते हैं," मीरा बताती है।

पदचिह्न पुस्तक

पानी की बोतल

कम्पास (दिशा सूचक यंत्र)

हथकड़ीयां

गेंडे को बचाओ

गेंडे को धरती पर लगभग 6 करोड़ वर्ष हो गए हैं। इसके नाम का अर्थ है 'नाक का सींग' और इसे आमतौर से छोटा कर के 'राइनो' कहा जाता है। पहले राइनो की 30 विभिन्न प्रजातियां होती थीं, लेकिन अब केवल पांच प्रजातियां बची हैं और वे सभी लुप्त हो जाने के खतरे में हैं। ग्रेट *लिम्पोपो ट्रांसफ्रंटियर पार्क*, जो एक शांति पार्क है, में अब उन क्षेत्रों में कोई गेंडे नहीं बचे हैं जो जिम्बाब्वे के *गोनारेझाउ नेशनल पार्क* और मोजाम्बिक के *लिम्पोपो नेशनल पार्क* के भीतर आते हैं। शिकारियों द्वारा उनके सींगों के कारण हर दिन औसतन दो गैंडे मारे जाते है।

एक राइनो बछड़े का वजन 60 किलो होता है जब वह पैदा होता है, और सफेद राइनो विश्व का दूसरा सबसे बड़ा भूमि स्तनपायी है, जो 1.8 मीटर तक ऊंचा हो सकता है और उसका वजन 2,500 किलो तक हो सकता है!

गेंडों की खतरनाक और करोधी होने की परतिष्ठा है। यह अधिक्तर इसलिए होता है क्योंकि उनकी दृष्टि बहुत अच्छी नहीं होती, अतः वे लगभग 15 मीटर से आगे का नही देख सकते, जिससे उन पर हमला होने का खतरा बना रहता है।

एक महत्वपूर्ण भूमिका

'मेगा-हर्बिवोर्स' के रूप में, गेंडे इको-प्रणालियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें एक "छाता प्रजाति" माना जाता है, जिसका अर्थ है कि पौधों और पक्षियों से लेकर कीड़े और स्तनधारियों तक की अन्य प्रजातियां, उन पर निर्भर हैं। वे बड़ी मात्रा में वनस्पति का सेवन करते हैं, जो इको-प्रणालियों के अंदर एक अच्छा संतुलन रखने में सहायक होता है। गेंडों को हटाने से परिदृश्य बदल जाता है और यह मृग जैसी प्रजातियों के लिए अनुपयुक्त हो जाता है, जो इसके फलस्वरूप उस क्षेत्र से चले जाते हैं।

विश्व के *'बड़े पांच में'* से एक के रूप में, गेंडा पर्यटन के माध्यम से आर्थिक विकास में योगदान देता है, जो रोजगार के अवसर पैदा करता है और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

प्रजाति खतरे में

20वीं शताब्दी की शुरुआत में, 5,00,000 से अधिक गेंडे थे। आज, जंगलों में केवल 23,500 गैंडे बचे हैं। प्रतिदिन औसतन, दो गेंडों का शिकार उनके सींगों के लिए किया जाता है। राइनो हॉर्न के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध है। तब भी, अपराधिक सिंडिकेट, अफ्रीका से एशिया तक, राइनो सींग के अवैध शिकार और तस्करी का आयोजन करते रहते हैं। जबकि शिकारियों को गंभीर सज़ा का खतरा रहता है और जबकि उनके परिवार अक्सर आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाते हैं, तब भी सिंडिकेट के नेता बड़ा पैसा कमाते हैं।

खरीददार मुख्यतः चीन और वियतनाम में स्थित हैं, जहां राइनो का सींघ, जो बालों के गुच्छों या केराटिन से बना होता है, उसी प्रकार का प्रोटीन होता है जिसके तुम्हारे बाल और नाखून बने होते हैं, यह माना जाता है कि इसमें आरोग्य करने की शक्ति होती है और इसका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। उसका सींग एक प्रतिष्ठा का चिन्ह भी बन चुका है और उसको एक उच्च-मूल्य की उपहार वस्तु के रूप में बेचा जाता है।

कार्यवाही

अनेक संगठन राइनो को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। शांति पार्क फाउंडेशन यह कर रही है:

- बेहतर शिकार-विरोधी इकाइयों को परशिक्षित करना जिससे शिकारियों का पता लगाना, उन पर नजर रखना और उनको गिरफ्तार किया जा सके।
- अवैध शिकारविरोधी इकाइयों को उपलब्ध कराना, हेलीकाप्टरों, ट्रैकर कुत्तों, थमरल कैमरों एवंरेडार परणालियों सिहत।
- मोजाम्बिक, दक्षिण अफरीका और जिम्बाब्वे में वन्यजीव अपराध जांच में सुधार हेतु सुरक्षा एवं कानून-परवतरन एजेंसियों केबीच मजबूत सहयोग।
- अवैध शिकार केआर्थिक विकल्प विकसित करने के लिए पार्कों में और उनकेआसपास, समुदायों केसाथ काम करना।
- राइनो बछड़ों को बचाना जो अवैध शिकार केकारण अनाथ हो गए हैं।
- वियतनाम और चीन में युवा लोगों को राइनो सींघ के अवैध शिकार एवं अवैध व्यापार केबारे में शिक्षित करना।